भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद
INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT, AHMEDABAD

YEARS
1961-2011

49 वार्षिक प्रतिवेदन ANNUAL REPORT 2010-11

संस्थापक प्रणेता

डॉ. जीवराज मेहता

कस्तूरभाई लालभाई

डॉ. विक्रम साराभाई

पूर्व अध्यक्ष

डॉ. जीवराज एन. मेहता

श्री प्रकाश टंडन

श्री एस.एल. किर्लोस्कर

श्री केशव महिन्द्रा

श्री वी. कृष्णमूर्ति

श्री ए.पी. वेंकटेश्वरन

प्रोफेसर एस.के. खन्ना

डॉ. आई. जी. पटेल

श्री एन.आर. नारायण मूर्ति

वर्तमान अध्यक्ष

डॉ.विजयपत सिंघानिया

वर्तमान निदेशक

प्रोफेसर समीर के. बरुआ

पूर्व निदेशक

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

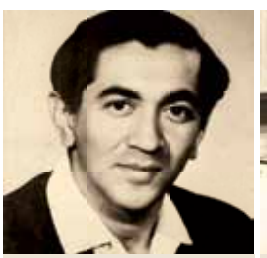
प्रोफेसर रवि जे. मथाई

डॉ. सैम्युअल पॉल

प्रोफेसर वी. एस. व्यास

डॉ. आई. जी. पटेल

प्रोफेसर एन. आर. शेठ

प्रोफेसर पी. एन. खांडवाला

प्रोफेसर जहर साहा

प्रोफेसर बकुल एच. धोलकिया

उनचासवाँ वार्षिक प्रतिवेदनः 2010-11

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

Indian Institute of Management, Ahmedabad

विषयसूची

वर्ष का सिंहावलोकन 1

शैक्षणिक कार्यक्रम 6

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) 6

कृषि-व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम 10

कार्यपालकों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) 12

प्रबंध में फैलो कार्यक्रम 12

नियुक्ति 13

दीक्षांत समारोह 15

प्रबंध में संकाय विकास कार्यक्रम 16

अनुसंधान एवं प्रकाशन 18

प्रबंध विकास कार्यक्रम 20

अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह 21

इलेक्ट्रॉनिक अभिशासन केन्द्र 21

अवसंरचना नीति एवं विनियमन केंद्र 21

नवाचार, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र 22

कृषि प्रबंध केंद्र 26

स्वास्थ्य सेवा प्रबंध केंद्र 27

खुदरा बिक्री केंद्र 28

कंप्यूटर एवं सूचना प्रणाली समूह 28

लिंग संसाधन केन्द्र 29

सार्वजनिक प्रणाली समूह 29

रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवाचार केंद्र 31

अनुशासनिक क्षेत्र 32

व्यापार नीति 32

संचार 33

अर्थशास्त्र 34

वित्त एवं लेखा 34

विपणन 35

संगठनात्मक व्यवहार 36

कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध 37

उत्पादन व मात्रात्मक तरीके 37

पूर्वछात्र केन्द्र गतिविधियाँ 39

स्वर्ण जयंती समारोह 42

वैश्विक भागीदारी और कॉर्पोरेट मामले 44

सहायता अनुदान 46

बुनियादी ढाँचे का विकास 47

कार्मिक 48

छात्र गतिविधियाँ 50

विक्रम साराभाई पुस्तकालय 57

कल्याण गतिविधियाँ 60

परिशिष्ट 63

शासी मंडल

अध्यक्ष

डॉ. विजयपत सिंघानिया

सदस्य

श्रीमती विभा पूरी दास

श्री एस. के. राय

डॉ. पुष्पितो के. घोष

श्री ए. के. जोती

श्री हसमुख अढिया

प्रोफेसर एस. एस. मन्था

श्री संजय एस. लालभाई

श्री चिन्तन एन. परिख

डॉ. हसित जोशीपुरा

श्री अशांक देसाई

श्री सुनिल भारती मित्तल

डॉ. अमृता पटेल

सुश्री रमा बिजापुरकर

श्री नोएल एन. टाटा

श्री केवल हान्डा

श्री एन. सी. वासुदेवन

प्रोफेसर राकेश बसन्त

प्रोफेसर प्रेम पंगोत्रा

श्री मनविन्दर सिंह (विन्दी) बंगा

प्रोफेसर समीर के. बरुआ

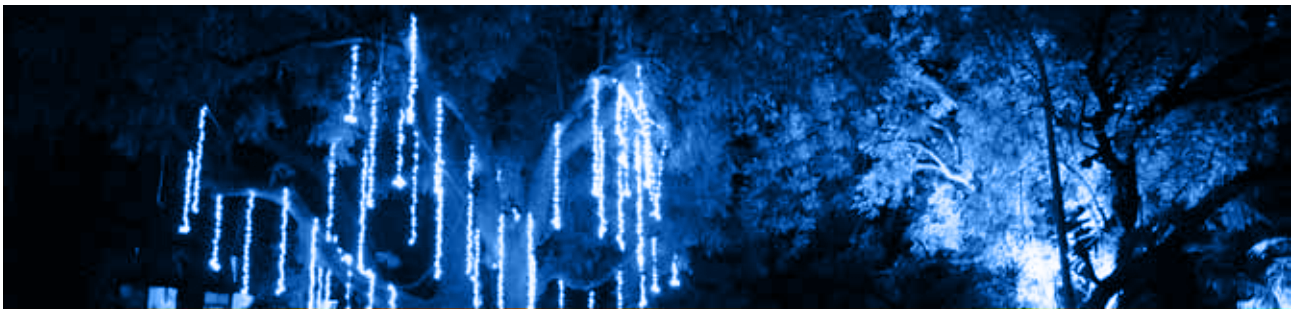

वर्ष का सिंहावलोकन

आर्थिक संकट के मध्य, संस्थान ने स्थिति से निपटने के लिए महत्त्वपूर्ण नीति से उठाये कदमों के कारण लचीलापन दिखाया। वास्तव में यह वर्ष संस्थान की वित्तीय स्थिति में एक निर्णायक मोड़ बन गया। यह प्रतिवेदन करते हुए मैं अति प्रसन्न हूँ कि कीमतों के विवेकपूर्ण प्रबंधन और अतिरिक्त उपार्जन के अवसरों के सृजन द्वारा पहली बार पूरी तरह से संस्थान के पेंशन दायित्व के वित्तपोषण के बाद 2011 में संस्थान ने परिचालन अधिशेष हासिल किया है। यह पेंशन दायित्व के बीमांकिक मूल्य के 60% तक लगभग 2011 के अंत तक 860 लाख रु. (छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के कारण) बढ़ाने के बावजूद हासिल किया है। अब संस्थान से पेंशन लेने वाले किसी भी व्यक्ति को संस्थान की असमर्थता के बारे में चिंता करने की ज़रुरत नहीं है।

द्विवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम

देश में सबसे प्रतिष्ठित स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम, द्विवर्षीय स्नातकोत्तर प्रबंध कार्यक्रम (पीजीपी) ने संस्थान के प्रमुखतम कार्यक्रम के तौर पर अपना वर्चस्व जारी रखा है। इसी कार्यक्रम से संस्थान ने 2010-11 में देश के प्रथम संस्थान के अद्वितीय गौरव को हासिल करने के साथ ही "फाइनेंसियल टाइम्स" (एफटी) के स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम की प्रतिष्ठित वैश्विक रैंकिंग में 8वाँ स्थान प्राप्त किया है।

यह वर्ष अन्य पिछड़ा वर्ग यथांश से संबंधित विस्तारण के अंतिम चरण के कार्यान्वयन का साक्षी रहा है। मुझे यह प्रतिवेदित करते हुए अति प्रसन्नता हो रही है कि हमारे संस्थान ने सत्र के बढ़ते आकार को ध्यान में रखकर अन्य आईआईएम संस्थानों से अलग तरीके से अपेक्षित सुविधाओं की योजना बनाई है। अधिकतर साथियों को अनुकूलन के लिए आवास एवं भोजन व्यवस्था की सुविधाओं तथा वर्गखंड की क्षमता के विस्तार के साथ समय पर पूरा किया गया है।

सत्र के आकार के तेज़ी से हुए विस्तार से निपटना भी एक चुनौती बन रहा है। बढ़ती संख्या के अलावा सत्र की संरचना में परिवर्तन एक ऐसा मुद्दा है, जिससे संस्थान को भविष्य में निपटना है। समुचित कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सोच में उचित बदलाव की आवश्यकता है, जिससे कि कार्यक्रम की गुणवत्ता सुनिश्चितता रहे।

संस्थान के कृषि क्षेत्र में द्विवर्षीय कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के संबंधित विस्तारण के कारण शैक्षिक कार्यक्रम में महत्त्वपूर्ण वृद्धि देखने को मिली है। कृषि और कृषि प्रधान समाज की आजीविका से संबंधित मुद्दों ने मानव जाति के भविष्य पर वैश्विक वार्ता में मुख्य स्थान ले लिया है। इस क्षेत्र में उभरते मुद्दों के साथ तालमेल करने के लिए कार्यक्रम को फिर से डिजाइन करने की आवश्यकता है।

फैलो प्रबंध कार्यक्रम

एक व्यापक समीक्षा लंबित है तब इस वर्ष के दौरान कई नीतिगत पहल फैलो प्रबंध कार्यक्रम (एफपीएम) के डॉक्टरेट कार्यक्रम को मज़बूत बनाने के लिए की गई। इस कार्यक्रम के बारे में एक प्रमुख चिंता का विषय यह है कि यह अति सघन संसाधन कार्यक्रम पूरी तरह से संस्थान द्वारा वित्त पोषित है। सरकार की प्रतिबद्धता के आधार पर संस्थान के डॉक्टरेट कार्यक्रम के वित्त पोषण के लिए एक प्रस्ताव हमने सरकार को प्रस्तुत किया है। इस कार्यक्रम के आकार को बाहर के वित्त पोषण के बिना बढ़ाना मुश्किल होगा।

इस कार्यक्रम में बाहरी उम्मीदवारों को प्रवेश के लिए पूर्वछात्रों की ओर से शुल्क का भुगतान करने के लिए विशेष रूप से प्रस्ताव आ चुके हैं, जिसमें उम्मीदवारों को अपने डॉक्टरेट की उपाधि को आगे बढ़ाने की अनुमति मिल सकती है। इस संस्थान एवं अन्य प्रबंध स्कूलों के द्वारा इस तरह से कार्यक्रमों के विस्तार के कारण ऐसे विकल्प को गंभीर रूप से ध्यान में लेने की जरूरत है, जो कि शायद प्रबंध शिक्षकों की बढ़ती कमी से निपटने का एक मात्र समाधान है।

कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एकवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम

कार्यकारी अधिकारियों के लिए एकवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) के बाद के अनुभव के द्वारा एमबीए कार्यक्रमों के भारत के पहले संस्थान ने वर्ष 2010-11 में फाइनेंसियल टाइम्स (एफटी) की प्रतिष्ठित वैश्विक रैंकिंग में 11वाँ स्थान प्राप्त करके संस्थान के स्वर्णिम भविष्य की टोपी में एक और पंख जोड़ दिया है।

कार्यक्रम के द्वारा प्राप्त आवेदनों की गुणवत्ता बढ़ना जारी है। यह तुलनात्मक तो रहा ही है, भले ही बेहतर नहीं, लेकिन दुनिया भर के श्रेष्ठ बी-स्कूलों के साथियों की तुलना में अच्छा रहा है। इस कार्यक्रम की प्रदानता की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए एक दृष्टिकोण के साथ कार्यक्रम की एक व्यापक समीक्षा की गई है। कार्यक्रम की रुपरेखा में परिवर्तन को लागू किया जा रहा है।

संकाय विकास कार्यक्रम

वर्ष 2010-11 में, संस्थान के चार महीनों के संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) के प्रति इथियोपिया के दस प्रबंध शिक्षक आकर्षित हुए। यह पहला अवसर है जब इस कार्यक्रम के प्रति अन्य देश से प्रतिभागी आकर्षित हुए हैं। इस कार्यक्रम का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने के लिए स्पष्ट गुंजाइश है क्योंकि सामान्य रूप से भारत में और विशेष रूप से आईआईएम-ए में प्रबंधन में शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए अच्छी स्थिति है। इस कार्यक्रम की रुपरेखा में प्रतिभागियों से, जब वे संस्थान में हों तब अधिक ठोस शैक्षणिक निर्गम प्राप्त करने की समीक्षा की जरूरत है।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

संस्थान ने कार्यकारी शिक्षा के क्षेत्र में अपना प्रभुत्व जारी रखा है। कार्यकारी शिक्षा के लिए मांग में इस वर्ष निरंतर विस्तार हुआ है। संस्थान में 140 से अधिक प्रबंधन शिक्षा कार्यक्रमों में विभिन्न संगठनों से 4000 से अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। संस्थान कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों की पेशकश के लिए कुछ पड़ोसी देशों के साथ बातचीत में है। इस कार्यक्रम के लिए संकाय के द्वारा दिये जा रहे समय के बारे में तथा अन्य शैक्षिक गतिविधियों पर संभावित नकारात्मक प्रभाव के बारे में थोड़ी चिंता की बात है।

अनुसंधान, प्रकाशन, संगोष्ठी तथा अभ्यास के साथ संलग्नता

संस्थान के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर कई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किये गये। इन सम्मेलनों में विभिन्न क्षेत्रों से ऐसे शिक्षाविदों को एक साथ लाया गया, जिसमें संस्थान के संकाय अनुसंधान में संलग्न थे।

इस वर्ष के दौरान *आईआईएम-ए व्यवसाय पुस्तक* श्रृंखला के अंतर्गत संस्थान के संकाय द्वारा प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में पुस्तकें प्रकाशित करने के लिए रैन्डम हाउस के साथ सहयोग किया। इसी वर्ष के दौरान चार पुस्तकों का प्रथम समूह प्रकाशित किया गया। ये पुस्तकें ऐसे लेखकों के द्वारा लिखी गयी हैं, जिनके पास विभिन्न संगठनों से कार्यकारियों को शिक्षित करने का समृद्ध अनुभव रहा है। ये पुस्तकें अभ्यास के आधार पर असंख्य उदाहरणों के साथ वार्तालाप की शैली में लिखी गयी हैं। इन पुस्तकों में दिये गये संदर्भ अधिक विशिष्ट विषयों व अवधारणाओं पर विस्तृत विवरण की जानकारी पाठकों को प्रदान करते हैं। इन पुस्तकों में पाठकों ने काफी उत्साह दिखाया है।

संस्थान के मामलों एवं शिक्षण सामग्री तक वेब आधारित पहुँच के लिए भी संस्थान ने पहल की है। मामला लेखन कार्यशालाओं के आयोजन सहित कई नई पहल इस साल के दौरान की गई हैं, जिससे संस्थान के संकाय द्वारा लिखे जा रहे मामलों की संख्या बढ़ाई जा सके।

संस्थान में ध्यान केन्द्रित अनुसंधान एवं अन्य शैक्षणिक कार्य इस प्रयोजन के उद्देश्य से बनाए गये केन्द्रों द्वारा किया जाता है। ये केन्द्र सक्रिय रहते है और अनुसंधान व अकादमिक काम को महत्त्वपूर्ण रूप से पूर्ण करते हैं। इस वर्ष के दौरान, सीआईआईई (ऊष्मायन व उद्यमिता नवाचार केन्द्र) ने स्वच्छ प्रौद्योगिकी पर आधारित उद्यमों में प्रारंभिक चरण का निवेश एवं विचारों को स्थापित करने के लिए समर्पित कोष से उद्यम के लिए कदम उठाये हैं।

शिक्षण में नेतृत्व

देश में शैक्षणिक संस्थानों के शासन के मानकों को बढ़ावा देने के लिए आईआईएम-ए ने हमेशा नेतृत्व में परिवर्तन का प्रदर्शन किया है। इस बीते हुए वर्ष में यह भी देखा गया कि नियुक्ति विषयक जानकारी की पारदर्शिता व विश्वसनीयता में सुधार करने की अन्य एक प्रमुख पहल आईआईएम-ए ने की है।

हमेशा से नियुक्ति एक ऐसा महत्त्वपूर्ण आयाम रही है कि जो प्रबंध शिक्षा पाने के इच्छुकों द्वारा स्कूल की पसंद-नापसंद को प्रभावित करती है। भारत में प्रबंध स्कूलों के द्वारा नियुक्ति पर प्रकाशित जानकारी हमेशा संदिग्ध रही है। मुम्बई में आयोजित सम्मेलन में संस्थान ने प्रबंधन स्कूलों एवं नियोक्ताओं को आमंत्रित किया तथा नियुक्ति प्रतिवेदन मानकों की रूपरेखा की प्रस्तावना रखी, जिससे नियुक्ति पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने में सत्यनिष्ठा सुनिश्चित हो सके। संस्थान ने घोषणा की है कि इस चालू वर्ष से अपने प्रतिवेदन में प्रस्तावित मानकों का पालन किया जायेगा। संस्थान उम्मीद करता है कि पर्याप्त संस्थानों को इसमें शामिल होने के लिए राजी करेगा, जिससे कि देश भर के प्रबंधन संस्थानों में नियुक्ति पर प्रतिवेदन में सत्यनिष्ठा प्राप्त की जा सके।

व्यावहारिक जगत् में नेतृत्व

आईआईएम-ए में औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों व्यवस्थाओं के वातावरण में छात्रों को पढ़ने का अवसर मिलता है। सीखने में आत्मसात् छात्रों का संगठन यह सुनिश्चित करता है कि वे अभ्यास की दुनिया में नेतृत्व ग्रहण करने के लिए तैयार हैं। इसमें आश्चर्य नहीं है कि भारतीय व्यावसायिक संगठनों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की एक बहुत बड़ी संख्या आईआईएम-ए के पूर्व छात्र हैं।

इन वर्षों में आईआईएम-ए के पूर्व छात्रों का एक महत्त्वपूर्ण प्रतिशत उद्यमी बन गया है। अपने काम के माध्यम से वे अर्थपूर्ण रूप से देश में सामाजिक परिवर्तन के लिए योगदान दे रहे हैं।

अभ्यास की दुनिया के साथ संकाय का प्रत्यक्ष जुड़ाव विभिन्न संगठनों, नियामक निकायों और सरकारी समितियों के बोर्डों की सदस्यता के माध्यम से इस वर्ष के दौरान भी जारी रहा। संकायों ने परामर्शी कार्य के माध्यम से संगठनों में नीति निर्माण एवं निर्णय निर्माण में भी अपना योगदान जारी रखा है।

सामाजिक परिवर्तन के लिए नेतृत्व

जवाजा परियोजना के साथ संस्थान का जुडाव वर्ष 2010-11 में जारी रहा। संस्थान के दो संकाय सदस्यों, एक पूर्व छात्र सहित पाँच प्रतिबद्ध व्यक्तियों के एक समूह ने मिलकर ग्रामीण विश्वविद्यालय सलाहकार बोर्ड बनाया है। यह समूह जवाजा परियोजना को पुनर्जीवित रखने के लिए काम कर रहा है। इस वर्ष के दौरान आज के बाजार के अनुरूप अधिक समकालीन डिजाइन के नए उत्पाद बनाने के लिए जवाजा के कारीगरों को प्रशिक्षित करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था। इस प्रयास में आईआईएम-ए के साथ एनआईडी (राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान) भी शामिल हुआ है। इसमें कई छात्रों को भी शामिल किया गया है। इसकी हर एक बात के पीछे आशा की एक किरण है कि दशकों पहले श्री रवि मथाई द्वारा शुरु की गई इस पहल से जवाजा कारीगर संगठन के भाग्य का पुनरुद्धार होगा और सामाजिक परिवर्तन जारी रहेगा।

सामाजिक उत्तरदायित्व

वर्ष 2008-09 में भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, विश्व का कदाचित् सबसे पहला प्रबंध-स्कूल बना, जिसने 23 छात्रों को निःशुल्क शिक्षित किया। आर्थिक रूप से गरीब परिवारों के छात्रों को निःशुल्क शिक्षा देने की पहल अब भी जारी है। प्रति वर्ष हमारे संस्थान से लगभग 45 छात्रों को निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। इस पहल के आरंभ से तीन वर्ष के भीतर संस्थान ने शुल्क के रुप में कुल 23.4 करोड़ रु. माफ किये हैं।

वैश्विक आकांक्षाएँ

पीजीपी और पीजीपीएक्स द्वारा उत्कृष्ट वैश्विक रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने से संस्थान की प्रतिष्ठा को काफी हद तक बढ़ावा मिला है। शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए भर्ती हुए साथियों की नागरिकता का अंतर्राष्ट्रीयकरण आवश्यक है, जैसा कि वैश्विक रूप से उसकी व्याख्या है। यह संस्थान के संकायों की नागरिकता की विविधता के लिए भी आवश्यक होगा।

पीजीपी व पीजीपीएक्स के प्रवेश के लिए लघुसूचित उम्मीदवारों के लिए लिखित परीक्षा द्वारा उच्च कटौती की जाती है, इससे विविध नागरिकता प्राप्त करने के लिए अन्य देशों के उम्मीदवारों के लिए अलग सीटों की संख्या सुनिश्चित करने की आवश्यकता हो सकती है। इसमें (कम से कम कुछ हद तक) चुने हुए उम्मीदवारों की गुणवत्ता में वांछित विविधता प्राप्त करने के लिए समझौता हो सकता है।

संकायों की विविध नागरिकता हासिल करने के लिए अन्य देशों के संकायों से अपेक्षित कार्य व मुआवजा संरचना में परिवर्तन की आवश्यकता हो सकती है। तथापि संकायों के लिए दो तरह की मुआवजा संरचना एवं कार्य मानदंडों के कारण कठिनाइयाँ प्रबल हो सकती हैं।

उपरोक्त मुद्दे विवादास्पद हैं। इन मुद्दों पर संस्थान को स्पष्ट दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। यदि वैश्विकीकरण वांछित है तो इसके लिए संस्थान की नीतियों को बदलना होगा, जिन तरीकों से उसे मापा गया है।

पचासवीं वर्षगाँठ पर हमारा संस्थान

संस्थान के स्वर्ण जयंती वर्ष के आरंभ के रूप में 11 दिसम्बर, 2010 को चिन्हित किया गया है। इस अवसर को सभी सत्रों के दो सौ पचास से अधिक पूर्वछात्रों, बोर्ड के पूर्व सदस्यों, बड़ी संख्या में पूर्व संकायों एवं स्टाफ के सदस्यों के साथ उत्सव के रुप में मनाया गया। पुरानी यादों से भरे हुए एक समारोह में पूर्व बोर्ड सदस्यों, संकाय सदस्यों और स्टाफ सदस्यों, जिन्होंने संस्थान में लंबी अवधि के लिए सेवाएँ दी थी, वे सभी विशेष स्वर्ण जयंती स्मृति चिह्न के साथ उपस्थित रहे।

लगभग पाँच दशक पहले, भारत सरकार और गुजरात सरकार ने आईआईएम अहमदाबाद के प्रतिपालक के रूप में हाथ मिलाया, इसीलिए इस बार संस्थान के स्वर्ण जयंती वर्ष में दीक्षांत समारोह के लिए माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को मुख्य अतिथि के रूप में, गुजरात के महामहिम राज्यपाल डॉ. श्रीमती कमला, एवं गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को माननीय अतिथि के तौर पर निमंत्रित किया गया । इनकी अनुगृहित उपस्थिति से संस्थान की दोनों केन्द्रिय एवं राज्य सरकारों के लिए प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई ।

स्वर्ण जयंती वर्ष के उत्सव में संस्थान द्वारा तीन विशेष पुस्तकों का प्रकाशन किया गया।

आईआईएम-ए देश में स्थापित अग्रणी प्रबंध संस्थानों में से एक है। देश में प्रबंधन शिक्षा के इतिहास के साथ इसका इतिहास जुड़ा हुआ है। आईआईएम-ए इन्डियाज़ मैनेजमेंट अधिनियम नामक पुस्तक अनिवार्य रूप से सचित्र पुस्तक है, जिसमें आईआईएम-ए परिसर पर जीवन, बारीकियाँ एवं संस्थान के अलग भाव और यहाँ के निवासियों, संस्थान की स्थापना के बाद से पाँच दशकों की उपलब्धियों पर केन्द्रित चित्र हैं।

अहमदाबाद शहर में संस्थान के परिसर में सबसे अधिक हरियाली भूमि है। विशाल विविधता के साथ पक्षियों, पेड़ों व पौधों का यह संस्थान घर है। परिसर में सुबह की पहली किरण का स्वागत पक्षियों की चहक से होता है, और ढलती शाम को सूरज की लुप्त होती किरणों में पक्षियों के शुभरात्रि के गायनों से दिन का अस्त होता है। रातों को कभी - कभी उल्लू रुकावट पैदा कर देते हैं तो कभी झींगुरों की लयबद्ध ध्वनि सुनाई देती हैं। प्रकृति के चित्रपटल पर ऋतुओं के बदलाव के अनुसार प्रदर्शन होता रहता है। नेचरल वर्ल्ड एट आईआईएम-ए पुस्तक में परिसर के पौधों, पेड़ों, पक्षियों व अन्य प्राणियों की विषयक चित्रावली दी गई है। यह परिसर में दिखाई देने वाले कुदरती *प्रकृति* (सौंदर्य) के प्रति एक श्रद्धांजली है।

संस्थान पहले से ही संस्थागत भवन है, जिसके विभिन्न पहलुओं पर कई लेखकों द्वारा लिखे गये लेखों के दो खंड प्रकाशित हो चुके हैं। इसी श्रृंखला के तीसरे खंड में संस्थान द्वारा अद्यतन क्षेत्रों के बारे में प्रकाशित किया गया है। एक साथ तीन खंडों में संस्थान के आज तक के सफर के अद्‌भुत अभिलेख संस्थान के अनुभवी व्यक्तियों से प्राप्त करके सम्मिलित किये गये हैं।

हमारा संस्थान पचास वर्ष का हुआ है, अब समय आ गया है कि जब सरकार, बोर्ड के सदस्य, संकाय सदस्य, स्टाफ सदस्य, सभी छात्र व पूर्वछात्र इत्यादि - संस्थान के सभी प्रमुख हितधारकों के द्वारा किए गए योगदान को पहचाना जाए। आईआईएम-ए को प्रबंधन में एक प्रतिष्ठित संस्थान बनाने में अपना योगदान करके इन सभी हितधारकों ने यादगार भूमिका निभाई है।

इस स्वर्ण जयंती वर्ष में, मैं सभी हितधारकों से आग्रह करता हूँ कि दुनिया में आईआईएम-ए को समाज को बदलने की कार्यवाही के वैचारिक नेतृत्व में पहचान दिलाने के लिए फिर से अपने आपको समर्पित करें।

समीर के बरुआ
निदेशक

शैक्षणिक कार्यक्रम

संस्थान ने पहला शैक्षणिक कार्यक्रम प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) 1964 में पेश किया। उसके बाद से कार्यक्रमों की श्रेणी में काफी विविधता आई है। वर्तमान में यह संस्थान विभिन्न अवधियों के पाँच शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है : प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) (एमबीए के समकक्ष), कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) (एमबीए के समकक्ष), कार्यपालकों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स), प्रबंध में फैलो कार्यक्रम (एफपीएम) (पीएच.डी. के समकक्ष), तथा प्रबंध-शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)।

1. प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी)

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) का सैंतालीसवाँ सत्र, 21 जून, 2010 को 371 छात्रों के साथ प्रारंभ हुआ। वर्ष की समाप्ति पर 371 छात्र, द्वितीय वर्ष के लिए प्रोन्नत हुए।

इस कार्यक्रम का द्वितीय वर्ष, 14 जून, 2010 को 310 छात्रों के साथ शुरू हुआ। द्वितीय वर्ष की समाप्ति पर 316 छात्रों (दोहरी उपाधि सहित) को उनके द्वारा शैक्षणिक अपेक्षाओं की संतोषप्रद पूर्ति के बाद संस्थान से उपाधि प्रदान की गई।

विवरण परिशिष्ट क1 में दिए गए हैं।

छात्र	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष
अ.जा.	56	49
अ.ज.जा.	20	11
अ.पि.व.	103	37
विकलांग	11	8

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग एवं विकलांग छात्रों का विवरण

तैयारी कार्यक्रम

तैयारी कार्यक्रम को चलाने का उद्देश्य संचार एवं गणितीय कौशलों में अपेक्षाकृत कमजोर छात्रों को तैयार करना है। यह कार्यक्रम नियमित सत्र प्रारंभ होने के पूर्व चलाया जाता है। पैंतीस छात्रों ने इस वर्ष 31 मई से 19 जून, 2010 तक चलाए गए तैयारी कार्यक्रम में भाग लिया।

परिचय कार्यक्रम

नए छात्रों के लिए परिचय कार्यक्रम 21 से 23 जून, 2010 के दौरान चलाया गया। इसमें निदेशक व पीजीपी अध्यक्ष के संबोधनों के अतिरिक्त, पीजीपी कार्यकारी समिति के साथ संवाद तथा कंप्यूटर एवं पुस्तकालय सुविधाओं के उपयोग से संबंधित जानकारी परिचय कार्यक्रम में शामिल थे । छात्रों को केस पद्धति शिक्षण से परिचित कराने हेतु केस-तैयारी और केस-पद्धति पर एक विस्तारित सत्र का आयोजन भी किया गया। इसका उद्देश्य नए छात्रों को शिक्षण की मामला पद्धति से परिचित कराना था, क्योंकि यही एक प्रमुख शैक्षणिक उपकरण है।

शिक्षकीय

कार्यक्रम की आवश्यक अपेक्षाओं को पूरा करने में छात्रों की सहायता के उद्देश्य से, प्रथम वर्ष के कुछ कार्यक्रमों में प्रशिक्षकों द्वारा शिक्षकीय दिए गए।

पाठ्यक्रम

इस वर्ष पीजीपी पाठ्यक्रम संबंधी समीक्षा समिति की सिफारिशों को लागू किया गया और प्रथम वर्ष के छात्रों ने 6 स्लॉटों में विस्तारित 33 पाठ्यक्रम (25.50 क्रेडिट) लिए।

द्वितीय वर्ष के छात्रों से अपेक्षा की गई कि वे पाठ्यक्रमों के न्यूनतम 17 क्रेडिट पूर्ण करें, लेकिन पाठ्यक्रमों के 20 क्रेडिट लेने तक की उन्हें अनुमति दी गई ।

द्वितीय वर्ष में 90 वैकल्पिक पाठ्यक्रम व 38 परियोजना पाठ्यक्रम (बिना क्रेडिट की 6 स्वतंत्र परियोजनाओं सहित) चलाए गए। पंजीकरण की अधिकता को देखते हुए एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम को चार खंडों में और ग्यारह को दो खंडों में पढ़ाया गया। पेश किये गए कुल 90 वैकल्पिक पाठ्यक्रमों में से छात्रों ने 87 पाठ्यक्रम लिए।

नए पाठ्यक्रम

द्वितीय वर्ष में 20 नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम चलाए गए।

इन पाठ्यक्रमों के सूचि परिशिष्ट क2 में दिये गये हैं।

दोहरी उपाधि कार्यक्रम एवं विनिमय कार्यक्रम

दोहरी उपाधि कार्यक्रम

शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्रों में शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान विकसित करने के उद्देश्य से संस्थान ने विदेश के निम्नलिखित विश्वविद्यालयों के साथ स्नातकोत्तर स्तर पर दोहरी उपाधि कार्यक्रम विकसित करने पर सहयोग के लिए सहमति दीः

- ईसेक बिजिनेस स्कूल, फ़्रान्स
- यूनिवर्सिटी ऑफ बोकोनी, मिलान, इटली
- एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ़्रान्स

इस दोहरी उपाधि कार्यक्रम के अधीन यूनिवर्सिटी ऑफ बोकोनी के दो छात्रों और एचईसी के एक छात्र ने शैक्षणिक वर्ष 2010-11 के दौरान द्वितीय वर्ष-पीजीपी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई । इसी समय अपने संस्थान से द्वितीय वर्ष के चार छात्र इस कार्यक्रम के अधीन ईसेक व यूनिवर्सिटी ऑफ बोकोनी में गए।

विनिमय कार्यक्रम

संस्थान ने एशिया-प्रशांत, अफ़्रीका, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप और उत्तरी व दक्षिण अमेरिका जैसे देशों के 54 व्यावसायिक स्कूलों एवं विश्वविद्यालयों के साथ छात्र विनिमय कार्यक्रम के लिए व्यवस्था की है। इस वर्ष के दौरान संस्थान में 72 विनिमय छात्र और 3 दोहरी उपाधि छात्र आए तथा भागीदार संस्थानों ने 94 विनिमय छात्रों एवं 4 दोहरी उपाधि छात्रों को भेजा।

शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग का विवरण परिशिष्ट क3 और क4 में दिया गया है।

व्याख्यान श्रृंखला

वर्ष 2010-11 के दौरान निम्नलिखित प्रसिद्ध व्यक्तियों ने छात्रों को संबोधित कियाः

कार्ल स्लीम	प्रमुख व प्रबंध निदेशक, जनरल मोटर्स इन्डिया
आर एस सोढी	प्रबंध निदेशक, गुजरात सहकारी दूध विपणन संघ
पंकज पटेल	मुख्य प्रबंध निदेशक, जाइडस कैडिला
डॉ.आर बी बर्मन	कार्यकारी निदेशक, आरबीआई एवं निदेशक, एनसीपीआई

छात्रवृत्तियाँ

विगत वर्षों की तरह संस्थान ने शैक्षणिक निष्पादन के आधार पर कई छात्रवृत्तियाँ दी गई।

- **उद्योग छात्रवृत्तियाँ**
  इस वर्ष के दौरान सताइस छात्रों को उद्योग-छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई ।

- **आदित्य बिड़ला समूह छात्रवृत्तियाँ**
  आदित्य बिड़ला समूह ने इस वर्ष के दौरान आठ छात्रों को 1,75,000 रुपयों की छात्रवृत्ति के लिए चुना।

- **रतन टाटा छात्रवृत्तियाँ**
  सर रतन टाटा ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित सर रतन टाटा छात्रवृत्तियाँ द्वितीय वर्ष के पाँच छात्रों को उनके प्रथम वर्ष के शैक्षिक कार्य-निष्पादन के आधार पर प्रदान की गई।

- **टी थॉमस छात्रवृत्ति**
  यूनीलीवर द्वारा प्रायोजित टी थॉमस छात्रवृत्ति द्वितीय वर्ष के एक छात्र को उसके प्रथम वर्ष के कार्य-निष्पादन के आधार पर प्रदान की गई ।

- **ओ पी जिंदल इंजीनियरिंग एवं प्रबंध वृत्ति-छात्र**
  दो छात्रों को ओ पी जिंदल इंजीनियरिंग एवं प्रबंध वृत्ति-छात्र के रूप में चुना गया । इन छात्रवृत्तियों को ओ पी जिंदल समूह ने उत्कृष्ट शैक्षिक व नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया है ।

  इसका विवरण परिशिष्ट क5 में दिया गया है।

- **भा. प्र. संस्थान अहमदाबाद की आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्तियाँ**
  आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्ति योजना के अधीन, इस संस्थान ने 23 पीजीपी और पीजीपी-एबीएम छात्रों (सत्र 2010-11) तथा 9 पीजीपी एवं पीजीपी-एबीएम छात्रों (सत्र 2009-11) को आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्ति योजना के अधीन 9,40,000 रूपए वितरित किए। छात्रवृत्ति धनराशि 10,000 रूपए से लेकर 40,000 रूपए तक की थी।

- **सर्वोच्च श्रेणी की शिक्षा के लिए केन्द्र सरकार की केन्द्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना**
  इन छात्रवृत्तियों के लिए 7 आवेदन इस योजना के अधीन मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेजे गए। पिछले वर्ष की छात्रवृत्ति की धनराशि 7,14,256 रुपए वितरित की गई ।

- **शुल्क माफी योजना**
  नई प्रारंभ की गई आय से जुड़ी शुल्क माफी योजना (आईएलटीएफडबल्यू) के अधीन कुल 9,81,81,000 रूपए की शुल्क-मुक्ति प्रदान की गई, जिसमें 47 छात्रों की पूर्ण शुल्क-मुक्ति सम्मिलित है ।

- **अ.जा./अ.ज.जा. छात्रवृत्ति**
  वर्ष 2010-11 के दौरान 136 छात्रों को 500/- रूपए प्रत्येक के हिसाब से अ.जा./अ.ज.जा. छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

अन्य पुरस्कार

- **सर्वोत्तम पीजीपी ऑल राउंडर के लिए कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार**
  कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार स्वर्गीय कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास के माता-पिता द्वारा किसी असाधारण छात्र के बहुमुखी निष्पादन को मान्यता देने हेतु एवं संस्थान के साथ श्रीनिवास के संबंध की स्मृति के सम्मान में प्रदान किया जाता है । इस वर्ष यह पुरस्कार उत्सव खेरिया को प्रदान किया गया ।

- **एस. उमापति पुरस्कार**
  यह पुरस्कार स्वर्गीय एस. उमापति के भाई द्वारा किसी छात्र की शैक्षणिक उत्कृष्टता को मान्यता देने तथा संस्थान के साथ एस. उमापति के संबंध की स्मृति के सम्मान में स्थापित किया गया । पीजीपी प्रथम वर्ष का सर्वोत्तम छात्र इस पुरस्कार को प्राप्त करने के लिए पात्र होता है । इस वर्ष यह पुरस्कार मयंक कुकरेजा को प्रदान किया गया।

- **श्री एस.के. सेठ स्मारक पुरस्कार**
  यह पुरस्कार श्रीमती शांति सेठ द्वारा संस्थान के प्रथम पुस्तकालयाध्यक्ष एवं अपने स्वर्गीय पति श्री एस.के. सेठ की स्मृति में स्थापित किया गया है । जो छात्र पीजीपी कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में सर्वाधिक ग्रेड अंक प्राप्त करता है उसे यह पुरस्कार दिया जाता है। इस वर्ष यह पुरस्कार मयंक कुकरेजा को दिया गया।

- **शैक्षिक निष्पादन के लिए देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्वर्ण पदक**
  यह पुरस्कार भारत के प्रथम राष्ट्रपति स्व. डॉ राजेन्द्र प्रसाद की स्मृति में कामधेनु फाउण्डेशन द्वारा स्थापित किया गया है। यह उस छात्र को दिया जाता है जो कार्यक्रम के दोनों वर्षों में सर्वोच्च ग्रेड अंक प्राप्त करता है। इस वर्ष यह पुरस्कार जयदीप शंकर जगन्नाथन को दिया गया ।

- **महिला ऑल राउंडर पुरस्कार**
  पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता पुरस्कार, इस संस्थान के अल्युम्नस श्री अरूण दुग्गल की पत्नी श्रीमती रीता दुग्गल द्वारा एक असाधारण महिला छात्र के ऑलराउंड निष्पादन को मान्यता देने हेतु स्थापित किया गया है। इस वर्ष यह पुरस्कार ऋग्वेद कदम को दिया गया।

  पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता पुरस्कार क्वेजल फाउण्डेशन द्वारा एक असाधारण महिला छात्र के ऑलराउंड निष्पादन को मान्यता देने हेतु स्थापित किया गया है। इस वर्ष यह पुरस्कार ऋग्वेद कदम को दिया गया ।

प्रवेश

सामान्य प्रवेश परीक्षा 2010 कंप्यूटर-आधारित परीक्षा के रूप में 27 अक्तूबर, 2010 से 24 नवम्बर, 2010 तक की अवधि के लिए परीक्षण विंडो के रूप में 20 दिन के लिए आयोजित की गई।

जून 2011 में प्रारंभ होने वाले स्नातकोत्तर कार्यक्रम ने 174788 आवेदनों को आकृष्ट किया, जिनमें कई विदेशी आवेदकों से प्राप्त आवेदन भी शामिल थे।

प्रवेश प्रक्रिया एवं संबंधित आँकड़े आदि का विवरण परिशिष्ट क6 और क7 में दिया गया है।

	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	163	26	189
एनसी-ओबीसी	98	5	103
अ.जा.	50	6	56
अ.ज.जा.	19	2	21
विकलांग	11	0	11
कुल	**341**	**39**	**380**

जून 2010 से जुड़े छात्रों का विवरण

2. कृषि-व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) की रचना इस प्रकार की गई है कि इससे ऊर्जावान और दृढ़ निश्चयी युवाओं को, उत्कृष्ट प्रबंधकों के रूप में ढाला जाए ताकि खाद्यान्न और कृषि व्यवसाय के क्षेत्र में बढ़ती जा रही चुनौतियों के कारण वे अपनी क्षमताओं पर आ पडी अपूर्व मांगों की पूर्ति करने के योग्य बन सकें।

इस क्षेत्र में संस्थान की विशेषज्ञता अपनी स्थापना के उन दिनों में वापस ले जाती है, जब इस क्षेत्र को अपने महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक के रूप में शामिल किया गया। यह क्षेत्र विशेष कार्यक्रम, विश्वभर के अन्य कृषि व्यवसाय प्रबंधन कार्यक्रमों की तुलना में विशेष है क्योंकि यह प्राथमिक ध्यान केन्द्रित तकनीकी दक्षता पाने के बजाय संस्थान के प्रबंधन दृष्टिकोण एवं संस्कृति की दृढ़ता से निहित है। प्रतिभागियों में कार्यक्रम की बहु परिप्रेक्ष्यी प्रतिस्पर्धा की उच्च भावना से शिक्षा को बढ़ाने एवं समझाने के लिए प्रथम वर्ष का कार्यक्रम पीजीपी के समान है। द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम सामान्य प्रबंधन पर आधारित होता है तथा योजना एवं निर्णय निर्माण में उत्कृष्टता के लिए कृषि-व्यवसाय क्षेत्र के प्रबंधकों के लिए आवश्यक विशेष बहुकार्यात्मक ज्ञान व कौशल से छात्रों को सज्जित करता है।

यह कार्यक्रम सुनिश्चित करता है कि यह उच्चतम अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करता है तथा इसमें वास्तविक जगत् की प्रत्यक्ष प्रासंगिकता है। कृषि-खाद्य उद्योग के अत्यधिक बाजार उन्मुख वातावरण में काम की बढ़ती पर्यावरण चिंताओं व चुनौतियों में बदलाव के जवाब में गतिशीलता एवं प्रबंधकीय नीतियाँ लानी होंगी। नवीन कौशलों के साथ-साथ इस उद्योग में काम कर रहे लोगों को प्रबंधन कौशलों, नीतिगत पर्यावरण का परिचय, और एक रणनीतिक परिप्रेक्ष्य की आवश्यकता है। पीजीपी-एबीएम इस गतिशील उद्योग में प्रमुख बदलाव के उन दुष्कर कार्यों के लिए छात्रों को तैयार करता है और उन बदलावों के सामने प्रक्रिया का प्रबंधन करना सीखाता है। संकाय, स्टाफ, पूर्वछात्रों, और साथ काम कर रहे कॉर्पोरेट भागीदारों के सशक्त सहयोग से व्यवसाय शिक्षा में उत्कृष्टता हासिल करके इस कार्यक्रम के पास कृषि-व्यवसाय में अनंत संभावनाओं की खोज की पेशकश है। यह कार्यक्रम, कृषि व्यवसाय मूल्य श्रृंखला के लिए छात्रों को तैयार करता है, जबकि विशिष्ट रूप से यह निम्नलिखित का प्रयास करता है :

- छात्रों को संकल्पनात्मक एवं अंतर्वैयक्तिक कौशल से सुसज्जित करना और साथ ही उनमें कृषि-व्यवसाय के विशिष्ट संदर्भ में प्रबंधकीय निर्णय लेने और निर्णयों के कार्यान्वयन के सामाजिक उद्देश्य जाग्रत करना।
- छात्रों को कृषि-व्यवसाय के क्षेत्र में सफल व्यवसायियों के रूप में ढालने हेतु उन्हें कृषि-उद्यम अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- छात्रों में नेतृत्व-क्षमताएँ विकसित करना ताकि वे परिवर्तन के अनुरूप ढल सकें और जिन संगठनों में वे कार्य करते हैं उन्हें प्रेरित कर सकें।
- छात्रों की कल्पना-शक्ति का विस्तार करना तथा व्यावसायिकता, सत्यनिष्ठा, आचरण एवं सामाजिक प्रतिबद्धता के मूल्यों को उनके मन में बैठाना।

मूलतः यह कार्यक्रम छात्रों को भारत एवं विश्व में संभावित कृषि-व्यवसाय की पेशकश का नेतृत्व करने एवं उसका लाभ लेने के लिए प्रशिक्षित करता है।

इस कार्यक्रम के कई पूर्वछात्र भारत एवं विदेशों में कृषि-व्यवसाय संबंधित कंपनियों के संगठन में महत्त्वपूर्ण पदों पर योगदान या नेतृत्व करते हैं।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए भर्ती हुए छात्रों के लिए 21 से 23 जून, 2010 के दौरान एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पीजीपी-एबीएम कार्यकारी समिति के साथ चर्चा आयोजित की गई एवं कंप्यूटर व पुस्तकालय की सुविधाओं की तथा उनके उपयोग की जानकारी दी गई। छात्रों को केस-पद्धति शिक्षण से परिचित कराने के लिए केस-तैयारी और केस-चर्चा पर एक सभा का भी आयोजन किया गया।

पाठ्यक्रम

पीजीपी-एबीएम छात्रों ने प्रथम वर्ष में 25.50 इकाई क्रेडिट का अध्ययन किया।

द्वितीय वर्ष के छात्रों से अपेक्षा की गई कि वे न्यूनतम 17 क्रेडिटों के लिए और अधिकतम 20 क्रेडिटों के लिए पंजीकरण करें। चार क्षेत्रों के विशिष्ट अनिवार्य पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त प्रबंधन के विशिष्ट क्षेत्रों में छात्रों की समझ गहरी हो तथा ग्रामीण एवं कृषि व्यवसाय क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में निर्णय लेने का कौशल छात्रों में विकसित करने के दृष्टिकोण से छात्रों को वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए। द्वितीय वर्ष के छात्रों को प्रत्येक संयुक्त स्लॉट में पीजीपी (सामान्य) के एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण करने की अनुमति दी गई ।

शिक्षा सत्र 2010-11 के दौरान चलाए गए पाठ्यक्रमों की सूची परिशिष्ट ख1 में देखी जा सकती है ।

ग्रामीण निम्नगता मॉड्यूल

ग्रामीण निम्नगता मॉड्यूल पहला चरण 3 से 14 अप्रैल, 2010 तक आयोजित किया गया। इसमें छात्रों को छह समूहों में विभाजित किया गया। इन समूहों में से दो समूहों को बिहार में, दो समूहों को गुजरात में, और दो समूहों को महाराष्ट्र के औरंगाबाद में रखा गया।

इस मॉड्यूल का दूसरा चरण एक परियोजना-अध्ययन के साथ 11 से 20 दिसंबर, 2010 तक आयोजित किया गया। यह रिपोर्ट संबंधित गैर सरकारी संगठनों एवं अन्य के साथ साझा किया जिन्होंने छात्रों को तैनात किया था।

प्रवेश

प्राप्त हुए आवेदनों को देखते हुए पीजीपी-एबीएम कार्यक्रम का छात्र-समुदाय ने अच्छा स्वागत किया है।

वर्ष के दौरान संस्थान को पिछले वर्ष के 1,37,544 आवेदनों की तुलना में 1,19,779 आवेदन इस कार्यक्रम के लिए प्राप्त हुए। पिछले और इस वर्ष का तुलनात्मक विवरण, परिशिष्ट ख2 में दिया गया है।

सख्त चयन प्रक्रिया के बाद जिसमें सामान्य प्रवेश परीक्षा, समूह-चर्चा, और साक्षात्कार सम्मिलित थे, 40 छात्रों को इस कार्यक्रम में 2010-11 के दौरान प्रवेश दिया गया।

ईसेक एमएस कृषि व्यवसाय स्कूल के साथ विनिमय कार्यक्रम

संस्थान में ईसेक एमएस कृषि व्यवसाय स्कूल के चार छात्रों ने एक सत्र (स्लॉट 7 एवं 8) बिताया और अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए पीजीपी-एबीएम व पीजीपी पाठ्यक्रम लिए।

छात्र विनिमय के अनुरूप पीजीपी-एबीएम के पाँच छात्रों को स्लॉट 9 व 10 के दौरान ईसेक एमएस कृषि व्यवसाय स्कूल में एक सत्र के लिए भेजा गया । इन सभी ने काफी उत्पादक समय व्यतीत किया और यूरोपीय परिप्रेक्ष्य में मुद्दों को देखने में उन्हें मदद मिली।

3. कार्यपालकों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स)

पीजीपीएक्स के 2010-11 के शैक्षणिक वर्ष के पाँचवें सत्र में 6 महिलाओं सहित 86 छात्रों को प्रवेश दिया गया। इनका औसत जी-मेट स्कोर 712, औसत आयु 34 वर्ष, और उनके पास औसत 10 वर्ष का कार्यानुभव था तथा अंतर्राष्ट्रीय अनुभव 4.5 वर्ष का था। उनमें 55 इंजिनियर व 31 छात्र अन्य विषयों से थे। इन छात्रों के पास विविध कार्यात्मक एवं औद्योगिक प्रोफाइल थे।

पीजीपीएक्स समीक्षा समिति की अंतरिम सिफारिशों के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय निमग्रता भाग को पहले की एक-सप्ताह की अवधि से बढ़ाकर दो सप्ताह किया गया। बैच को चार विदेशी संस्थानों में विभाजित किया गया - हाँगकाँग में चाइनीज यूनिवर्सिटी ऑफ हाँगकाँग, यूके में वारविक बिज़नेस स्कूल, सिंगापुर में एनयूएस और शांघाई में फुदान युनिवर्सिटी।

पीजीपीएक्स का आने वाला छठा बैच सबसे बडा होगा, अब तक इसमें 101 प्रवेश हो चुके हैं। पिछले सत्रों के साथ इस सत्र का समग्र प्रोफाइल तुलनात्मक है।

4. प्रबंध में फैलो कार्यक्रम

प्रारंभ से अब तक 261 छात्रों ने इस कार्यक्रम को पूरा करके "फैलो ऑफ द इंडियन इन्सटीट्यूट ऑफ मेनेजमेन्ट, अहमदाबाद" की उपाधि प्राप्त की है। इस वर्ष स्नातक हुए 13 छात्रों को जोड़ कर, सफल हुए छात्रों की संख्या 274 हो गयी है। थीसिस फेज में 30 छात्र हैं और 25 छात्र पाठ्यक्रम का कार्य कर रहे हैं।

स्नातक की पढ़ाई कर रहे छात्रों का विवरण परिशिष्ट ग में दिया गया है ।

पिछले 10 सालों के पीजीपी, पीजीपी-एबीएम और एफपीएम में छात्रों की संख्या परिशिष्ट घ में दी गई है ।

शोध-प्रबंध प्रस्ताव पुरस्कार

छात्र का नाम	शोध प्रबंध प्रस्ताव का शीर्षक	पुरस्कार
कौशिक रॉय (बीपी)	अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त उद्यमों के लिए गतिशील क्षमताओं का विकासः उभरती अर्थव्यवस्था के बीमा उद्योग के संदर्भ में एक अन्वेषण	आईएफसीआई पुरस्कार श्रेष्ठ शोध प्रबंध प्रस्ताव के लिए चौधरी पद्मनाभन पंत पुरस्कार साहिर स्मृति पुरस्कार
सब्यसाची सिंहा (बीपी)	प्रारंभिक फर्मों के विकास के चरण में दगाबाजी प्रबंधन	आईएफसीआई पुरस्कार

प्रथम वर्ष में शैक्षिक प्रदर्शन के लिए चौधरी पद्मनाभन पंत पुरस्कार रवि कोठारी (पी एंड क्यूएम क्षेत्र) को दिया गया।

चतुर्थ आईआईएमए डॉक्टरीय वार्ता

चतुर्थ डॉक्टरीय वार्ता का आयोजन 3-4 जनवरी, 2011 को किया गया। विश्वभर के 56 अनुसंधान कर्ताओं ने अपना अनुसंधान कार्य 12 समांतर पद्धतियों पर प्रस्तुत किया और 14 श्रेष्ठ चयनित पेपरों को प्रमाणपत्र व पारितोषिक से सम्मानित किया। अनुसंधान विषयों, रोजगार अवसरों पर कार्यशालाएँ, व अनुसंधान पद्धतिशास्त्र पर समूह चर्चाएँ आदि पर 9 सत्र इस वार्ता के दौरान आयोजित किये गये।

अपने उद्घाटन भाषण में प्रोफेसर ईरोल डी'सूजा ने संस्थानों में अपने कार्य को बाँटने व सहयोग देने वाले अनुसंधान कर्ताओं के लिए एक मंच प्रदान करने में इस वार्ता के महत्त्व एवं उद्योग में प्रबंध अनुसंधान के महत्त्व व उसके अनुप्रयोग के महत्त्व का उल्लेख किया। स्कूल ऑफ बिज़नेस एंड इकोनोमिक्स, मास्त्रिक्त विश्वविद्यालय के डीन प्रोफेसर जोस लेमिंक, ने मुख्य भाषण दिया, जिसमें प्रबंध अनुसंधान में बहु-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण के महत्त्व पर जोर दिया गया। अकादमिक अनुसंधान के प्रति मूल्य सर्जित करने में व उद्योग में आने वाली समस्याओं का समाधान खोजने में यूरोपीय संघ और भारत के बीच सहयोग पर प्रोफेसर लेमिंक ने जोर दिया।

आलेख/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ/प्रकाशन

प्रकाशित आलेखों, सम्मेलनों में प्रस्तुति, और अन्य कार्यों के विवरण, शोध व प्रकाशन समिति की, अलग से प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट में देखे जा सकते हैं।

5. नियुक्ति

पीजीपी

314 जैसी बड़ी संख्या के सत्र के होने के बावजूद लगभग सभी छात्रों को अपनी पसंद की कंपनियों में रखा गया। 120 से अधिक कंपनियों ने पार्श्व और अंतिम नियुक्ति प्रक्रिया में भाग लिया। इसमें केवल इंटर्नशिप प्रक्रिया के माध्यम से पूर्व नियुक्ति पेशकश (पीपीओ) को बढ़ाने वाली कंपनियाँ शामिल नहीं हैं।

नियुक्ति प्रतिवेदन मानक

नये समूह आधारित भर्ती प्रणाली की समझ एवं दृश्यता सर्जित करने के लिए संस्थान ने हितधारकों के लिए नियुक्तिकर्ता तथा मीडिया सहित दो भर्ती सम्मेलनों का आयोजन किया, जहाँ समस्याएँ प्रस्तुत की गई और नई प्रणाली के बारे में चिंता जताई गई। लंबे समय में बी-स्कूलों में नियुक्ति सूचना के प्रतिवेदन की स्पष्ट व अनुरूप प्रक्रिया का लक्ष्य इन मानकों का है। सभी नियोक्ताओं को नियुक्ति प्रतिवेदन मानकों की एक प्रतिलिपि भेजी गयी, जिससे वे जान सकें कि संस्थान को किस जानकारी की आवश्यकता है। इन मानकों पर प्रतिक्रियाएँ भी नियोक्ताओं, अन्य बी-स्कूलों, मीडिया, पूर्वछात्रों और सामान्य लोगों से मँगवाई गई ।

पार्श्व नियुक्ति प्रक्रिया

पार्श्व नियुक्ति प्रक्रिया जनवरी और फरवरी में आयोजित की गई । 37 फीसदी सत्र योग्यता के साथ संपार्श्विक नियोजन पर जोर देने से यह सुनिश्चित किया गया कि छात्र अपने अनुभव का लाभ उठा सके। 40 से अधिक कंपनियाँ पार्श्व भर्ती प्रक्रिया की हिस्सा थी। ऐमेज़न, डिलॉइटकन्सल्टिंग, बेइन, बार्कलेस बैंक, यस बैंक, क्लियर वॉटर, कॉग्निजैण्ट, माइक्रोसोफ्ट, इन्फोएज आदि इनमें से मुख्य भर्तीकर्ताओं में थी।

निवेश बैंक

इस वर्ष निवेश बैंकों की संख्या में वृद्धि देखने को मिली। गोल्डमैन सॉक्स, सिटी, जे पी मॉर्गन, मॉर्गन स्टेनली, और एचएसबीसी जैसे बैंक नियुक्ति के लिए आए । जबकि गोल्डमैन सॉक्स, नोमुरा, तथा रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड आदि पीपीओ के माध्यम से प्रस्ताव का विस्तार करने वाले मुख्य नियोक्ता थे और सिटी, मेरिल लिंच, एचएसबीसी ने इस प्रक्रिया में भाग लिया ।

अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव

इस वर्ष छात्रों के अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तावों में वृद्धि, बाजार की अवधारणा में सुधार एवं नियोक्ताओं के विश्वास को प्रतिबिंबित करती है। इस वर्ष न केवल अंतर्राष्ट्रीय बैंकों ने ही पेशकश की है, बल्कि परामर्शी कंपनियों ने ही ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव रखे हैं। ओलिवर वीमेन, एनालिसिस मेसन, व हैड्रिक एंड स्ट्रगल्स आदि कुछ परामर्शी कंपनियाँ हैं जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव रखे हैं। विपणन कंपनियों में एचयूएल एवं पी एंड जी ने सिंगापुर में भूमिकाओं की पेशकश की है। कैडबरी क्राफ्ट एवं डाबर ने भी अच्छे अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव प्रस्तुत किये हैं।

अवलोकन

बीसीजी (पीपीओ सहित 11 प्रस्ताव) और ईएक्सएल (11 प्रस्ताव) सबसे शीर्षस्थ नियोक्ता थे। इसमें मैककिन्से तथा पी एंड जी ने व्यक्तिगत रूप से 10 पेशकश (पीपीओ सहित) की थी। भारतीय मूल के रिलायन्स उद्योग ने सामान्य प्रबंधन के पद के लिए 8 पेशकश रखी। भारतीय बैंकों में से यश बैंक ने 8 पेशकश रखी।

उद्यमिता को प्रोत्साहन

संस्थान ने हमेशा छात्रों को उद्यमिता को कैरियर के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस वर्ष नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर रहकर 7 छात्रों ने उद्यमी बनने का विकल्प चुना। इंगरसोल रॅण्ड के ऐसे अनूठे द्विवर्षीय उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अतिरिक्त रूप से 3 छात्रों ने अंतिम नियुक्ति प्रक्रिया का उपयोग किया । एक छात्र ने 2008 में नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना, उसने वापस आकर नियुक्ति सेवाओं का उपयोग किया।

पीजीपी-एबीएम

पीजीपी-एबीएम छात्रों के लिए अंतिम नियुक्ति में, कृषि-व्यवसाय के खाद्य प्रसंस्करण, कृषि आदानों, ग्रामीण बैंकिंग एवं बीमा, व्यापारिक वस्तुओं, खाद्य व कृषि व्यापार सलाहकार, कृषि प्रबंधन और सूचना सेवाएँ जैसे उप-क्षेत्रों में विविध पदों की पेशकश की गई। तेईस कंपनियों ने नियुक्ति प्रक्रिया में भाग लिया और 36 प्रतिभागियों के सत्र के लिए 41 प्रस्ताव आये। दो छात्र अपने उद्यम को आगे बढ़ाने के लिए नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर रहे।

गोदरेज एग्रोवेट और आईएफएमआर ट्रस्ट जैसी कंपनियों ने कार्यक्रम में अपनी आस्था रखते हुए ही पूर्व-नियुक्ति पेशकश रखी । इस वर्ष कुछ नए भर्तीकर्ताओं में बदलाव देखा गया। इनमें से ऐक्सल क्रोप केर और शापुरजी पाल्लोनजी समूह ने विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक ने तीन पेशकश रखी। अन्य नए भर्तीकर्ताओं में हेइन्ज़, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी एर्गो, बेंगाल टूल्स, एग्रोकोम, इनगवर्न रिसर्च सर्विसिज़, और आमाल्गमेटेड प्लान्टेशन्स थे। इस बैच ने मारिको, गोदरेज एग्रोवेट, टाटा रालिस, एवं एनसीडीईएक्स जैसे पारम्परिक नियोक्ताओं से भी अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त की है।

पीजीपीएक्स

इस वर्ष कार्यकारी अधिकारियों के लिए एकवर्षीय पूर्वकालिक निवासी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) के पाँचवें बैच में भी उत्कृष्ट नियुक्तियाँ देखी गई। इस कार्यक्रम में सीमापार तथा संस्कृतियों में नेतृत्व पर जोर देते हुए एक सामान्य प्रबंधन पर ध्यान दिया गया है और यह परिसर नियुक्ति में पदों की पेशकश में प्रतिबिंबित होता है।

भारत और विदेशों, दोनों जगहों सें पदों के लिए पेशकश की गई। बहुराष्ट्रीय, भारतीय व्यावसायिक घरानों, नए उद्यम, एसएमई, अर्द्धसरकारी इकाइयाँ, गैर-सरकारी संगठनों जैसे विविध समूह इस

सत्र से भर्ती की माँग में थे। इन नियोक्ताओं में काफी प्रसिद्ध नाम शामिल हैं, जैसे कि, ए टी केआर्नी, आर्थर डी लिटल, प्राइसवॉटरहाउसकूपर्स, कॉर्पोरेट कार्यकारी बोर्ड, फिलिप्स, गोल्डमैन सॉक्स, ड्यूश बैंक, गूगल, फेसबुक, इनफोसिस, टीसीएस, एक्सेन्चर, केपजेमिनी, माइन्डट्री, एमेज़ोन, पोलारिस, एचसीएल, हीरो होन्डा, रिलायन्स इन्डस्ट्रिज़ लिमिटेड, राष्ट्रीय ई-प्रशासन प्रभाग/स्मार्ट प्रशासन राष्ट्रीय संस्थान, आरपीजी समूह, मूल्य एवं बजट आवास निगम (वीबीएचसी), इनफिबीयम डोट कोम, फेक्टसेट और क्लिन्टन फाउन्डेशन इत्यादि।

86 छात्रों में से तीन छात्रों ने इस वर्ष नियुक्ति से बाहर रहकर उद्यमशीलता अपनाने का विकल्प चुना। इस सत्र में आठ छात्रों को संस्थान की नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर ही रोजगार मिल गया या पिछले नियोक्ताओं के पास वापिस लौट गए। इन आठों में से चार छात्रों ने संस्थान की नियुक्ति प्रक्रिया के माध्यम से हुई पेशकश को अस्वीकार कर दिया। 2010 के सत्र के एक पूर्वछात्र ने जिसने 2010 में अपने उद्यम के लिए विकल्प चुना था, उसको भी यहाँ से नियुक्ति मिल गई। वांछित पदनाम, स्थान, पद के योग्य अनुकूलन के लिए 12 छात्रों की प्रक्रिया जारी है। इनमें से कुछ छात्रों के पास काफी अनुभव/कौशल हैं, जबकि अन्य छात्रों ने बेहतर अनुकूलन के लिए उन्हें की गई पेशकश को अस्वीकार कर दिया। जब तक इनकी पसंद की नियुक्ति हो, तब तक के लिए नियुक्ति कार्यालय ने योग्य आवश्यकताओं के साथ कंपनियों के साथ बातचीत की सुविधा प्रदान करके इनके कैरियर की योजना का समर्थन जारी रखा है।

एफपीएम

एफपीएम के छात्र शैक्षणिक और गैरशैक्षणिक दोनों नियुक्तियों के लिए विकल्प चुन सकते हैं। अकादमिक नियुक्तियों के लिए, सहायता करने के लिए संस्थान के पास कोई औपचारिक तंत्र नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में प्रतिभागियों ने अपने दम पर शिक्षा में नियुक्तियाँ प्राप्त की हैं।

एफपीएम छात्रों की कॉर्पोरेट नियुक्ति के लिए संस्थान के पास एक अच्छी नियुक्ति टीम है। यह टीम छात्रों को गारंटी दिये बिना उपयुक्त नौकरी प्रोफाइल खोजने में सहायता प्रदान करती है। इस वर्ष दो एफपीएम छात्रों ने कॉर्पोरेट नियुक्ति में अपनी रूचि दर्शायी और उन्हें नौकरी का प्रस्ताव मिल गया।

इसका विवरण परिशिष्ट ङ में दिया गया है।

6. दीक्षांत समारोह

इस संस्थान का छियालीसवाँ दीक्षांत समारोह 26 मार्च, 2011 को आयोजित किया गया। माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने दीक्षांत भाषण दिया। इस अवसर पर गुजरात की राज्यपाल महामहिम डॉ. श्रीमती कमला, और माननीय मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी उपस्थित रहकर

संस्थान के छियालीसवाँ दीक्षांत समारोह में माननीय प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, गुजरात की राज्यपाल महामहिम डॉ. श्रीमती कमला, और माननीय मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

स्वर्ण पदक विजेता

जयदीप शंकर जगन्नाथन | मयंक कुकरेजा | मोहित गर्ग | राहुल

समारोह की शोभा बढ़ाई । दीक्षांत समारोह में 13 एफपीएम छात्रों को 'भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद फैलो' की पदवी प्रदान की गई, 316 छात्रों को स्नातकोत्तर प्रबंध डिप्लोमा, 37 छात्रों को कृषि-व्यवसाय में स्नातकोत्तर डिप्लोमा दिया गया, 86 छात्रों को कार्यकारी प्रबंध में एकवर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा से नवाजा गया, तथा 5 छात्रों को सार्वजनिक नीति एवं प्रबंधन में एकवर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किया गया।

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के निम्नलिखित छात्रों को शैक्षिक कार्य-निष्पादन के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के पदक से सम्मानित किया गयाः

- जयदीप शंकर जगन्नाथन
- मयंक कुकरेजा
- मोहित गर्ग

कार्यकारी प्रबंध के एकवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के छात्र राहुल ने शैक्षिक प्रदर्शन के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद का पदक प्राप्त किया।

7. प्रबंध में संकाय विकास कार्यक्रम

संकाय विकास कार्यक्रम एक चार महीने का आवासीय कार्यक्रम है, जो विशेष रूप से प्रबंध शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थानों के लिए बनाया गया है। 1979 में पहली बार पेश किये गये इस कार्यक्रम को निरंतर संशोधित किया गया है और प्रबंध शिक्षकों के विकास की उभरती आवश्यकताओं को देखते हुए इसका पुनर्गठन किया गया है। एफडीपी में प्रबंध शिक्षकों के शिक्षण, प्रशिक्षण व अनुसंधान कौशलों पर और विशेष रुप से शिक्षा तथा अनुसंधान तरीकों में जिन शिक्षकों को वर्तमान घटनाक्रम के परिचय का अवसर नहीं मिला है, ऐसे शिक्षकों के उन्नयन के लिए ध्यान दिया जाता है।

32वाँ एफडीपी 7 जून से 25 सितम्बर, 2010 तक आयोजित किया गया । भारतीय संस्थानों से चौंतीस और इथियोपिया से दस प्रबंध शिक्षक इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। प्रबंधन से संबंधित विविध विषयों में ग्यारह लोगों ने डॉक्टरेट किया, उसमें आठ महिलाएँ थी। 24 स्व वित्तपोषित भारतीय प्रतिभागियों को शुल्क का छोटा-सा हिस्सा मिल जाए, इस तरह से कुल मिलाकर 1,15,500 रुपयों की फैलोशिप प्रदान की गयी।

इस 32वें एफडीपी में तीन समूहों में पाठ्यक्रम का पुनर्गठन किया गया, अनुशासन आधारित पाठ्यक्रम, मूलभूत पाठ्यक्रम, और ऐच्छिक का एक समूह। पाठ्यक्रम के पहले समूह में रणनीति

2011 का स्नातक वर्ग

निर्माण व कार्यान्वयन, कानूनी पर्यावरण, प्रबंधन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी, आर्थिक पर्यावरण व नीति, प्रबंधन लेखा, वित्तीय प्रबंधन, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार को समझना, मानव संसाधन प्रबंधन, डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकी, संचालन प्रबंधन, और राजस्व प्रबंधन को शामिल किया गया है।

मूलभूत पाठ्यक्रम में विशिष्ट शैक्षणिक व अनुसंधान कौशलों के उद्देश्य से प्रबंधन, संचार, अनुसंधान तरीके, डेटा विश्लेषण के लिए अनुप्रयोग, तथा प्रबंध शिक्षा में मामला विधि की नींव शामिल हैं।

प्रथम बार ऐच्छिक में परियोजना प्रबंधन, स्वास्थ्य व अस्पताल प्रबंधन, पाठ्यक्रम डिजाइन, जलवायु परिवर्तन प्रबंधन, पर्यावरण प्रबंधन, विपणन अनुसंधान, कार्यक्रम के डिजाइन, विकास, डिलिवरी, ज्ञान प्रबंधन, तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आदि पेश किये गये। प्रतिभागियों ने क्षेत्र का भ्रमण भी किया और मामला लेखन एवं सिद्धांत निर्माण की दो कार्यशालाओं में शामिल हुए।

देश में उपलब्ध एक गहन प्रबंधन संकाय विकास के अनुभव के लिए सबसे अच्छे कार्यक्रम के तौर पर एफडीपी को मान्यता प्राप्त है। अभी एफडीपी में 594 सदस्यों वाले पूर्वछात्र नेटवर्क में नेपाल, बांग्लादेश, मालदीव, श्रीलंका, और इथियोपिया सहित 76 प्रबंध शिक्षक हैं, जो प्रबंध शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए योगदान कर रहे हैं।

स्वर्ण पदक विजेता 1966-2010

1966
- दिवान अरुन नन्दा
- सी. के. प्रहलाद
- लक्ष्मी प्रसाद वेपा

1967
- विजय भार्गव
- जयन्त कुमार डे

1968
- जोहन सी. केमिलस
- ग्रामा कस्तूरी
- जयरामन
- बिजी के. कुरियन
- रवि वी. सारथी

1969
- पृथ्वी नाथ सेठ
- एम. जी. सुब्रह्मण्यम
- विराराघवन वी.
- वेणुगोपाल एस.

1970
- टी. के. बालाजी
- भरतकुमार जे. मेहता
- पोल माम्पिल्ली
- अशोक केवलचंद वोरा

1971
- हर किशन लाल अग्रवाल
- प्रदीप कुमार भार्गव
- अरुन पी. पान्डे
- ओद्रे इग्नेशियस रेबेलो

1972
- वेनबक्कम एस. कृष्णन
- एस. रामाकृष्णन
- एस. उमापति विजय सागर

1973
- सुदीप्तो भट्टाचार्य
- कृष्णस्वामि मोहन
- विलास के. रजवाड़े
- उत्पल सेन गुप्ता

1974
- राजीव बर्मन
- जनार्दन मोहन जी. राव
- रवि आर.
- एस. रविचन्द्रन

1975
- आर. बालागंगाधरन
- एस. बालासुब्रमणियम
- राज कुमार साहा
- श्रीधर एस.

1976
- गौतम चक्रवर्ती
- श्रीकान्त पी. पान्डे
- रीटा मोहन
- सुधर कृष्णमूर्ति

1977
- मनविन्दर सिंह बंगा
- लक्ष्मी चन्द भंडारी
- बी. रामास्वामी (एस.पी.ए.)
- हेमन्त शाह

1978
- बी. अनन्तराम
- श्रीकान्त माधव दातार
- वसन्त प्रकाश गाँधी (एस.पी.ए.)
- सन्दीप माथुर

1979
- के. चन्द्रशेखर
- मेहर करण सिंह
- विजय श्रीरंगम

1980
- संजय भार्गव
- विपुल प्रसाद जैन
- श्रीधर शेषाद्री

1981
- आलोक अग्रवाल
- राजीव कपूर
- विजय महाजन (एस.पी.ए.)
- वी. एस. सीताराम

1982
- जगमोहन सिंह राजू
- शशी कान्त सचदेव
- जयन्त राम वर्मा

1983
- सुरेश मदन (एस.पी.ए.)
- प्रकाश मिरचन्दानी
- आशीष नन्दा
- रामकुमार एस.

1984
- सुनिल गुलाटी
- पप्पू जगदीश राव

1985
- हर्ष लाल
- कादम्बी पी. जनार्दन
- श्रीनाथ मुखर्जी

1986
- अनिल आहूजा
- राजीव आहूजा
- देवीना मेहरा (सुश्री)

1987
- हरीश आर. भाट
- वेंकटेश नरसियाह
- रघुराम जी. राजन

1988
- राजीव अग्रवाल
- संजय गुप्ता
- सौरभ गर्ग

1989
- आर. सुब्रमणियम
- के. आर. एस. जामवाल
- सचित जैन

1990
- विपिन गुप्ता
- मोनिश कुमार
- मिलिन्द शहाणे

1991
- अगरवाल विजय
- एस. नागराजन

1992
- चेतनकुमार बी. शाह
- संजीव छाबरा
- विवेक रस्तोगी

1993
- संजय कुमार जैन
- गौतम कुमार
- रोहित चेटर्जी

1994
- हृषिकेश बी. परान्देकर
- एस. रमेश
- आनंद सांघी

1995
- आशुतोष पाढी
- नितीन मल्हान
- संजय पुरोहित

1996
- समित ए. पारेख
- भुपेन्दर सिंह
- पूर्वा इन्दुरकर (सुश्री)

1997
- राजीव ई. के.
- रजत भार्गव
- सन्दीप गुप्ता

1998
- सुमत राजपाल
- अविनाश अग्रवाल
- विपुल बन्सल

1999
- अमित बोर्डिया
- अनुपम मोर्टिन्स
- प्रशांत

2000
- प्रियंका अरोरा
- सुरेन्द्र कुमार जैन
- शिशिर आर. मॉकड़

2001
- कृष्ण वाय. एस. आर.
- भारद्वाज वी. टी.
- आनंद श्रीधरन

2002
- विकास गुप्ता
- मणिकन्दन नटराजन
- मोहित खुराना

2003
- अमर माखिजा
- रामनाथ बालासुब्रमणियम
- नितिन दहिया

2004
- मुकुन्दन डी.
- जी. वी. रविशंकर
- के. एन. रामगणेश

2005
- फिलिप टी. जैकब
- मनोज गुप्ता
- गौरव साइगल

2006
- कनिश सरीन
- विशै ग्रोवर
- अंकुर साहू
- अनित जानी (ए.बी.एम.)

2007
- मयंक रावत
- सुमित कुमार
- बाला वॉम्शी टाटावर्ती
- जेम्स बीसोन (पीजीपीएक्स)

2008
- कपिल मोदी
- जी. अर्जून प्रतीक
- जैन एस. ए. एम.
- रिझवी (पीजीपीएक्स)

2009
- गगनदीप सिंह
- अभिषेक वर्मा
- इशान्त गोयल
- सौरी गुडलावल्लेटी (पीजीपीएक्स)
- राकेश रंजन (पीएमपी)

2010
- सम्राट अशोक लाल
- रोहन चौधरी
- हिमांशु शर्मा
- विनोद कुमार रामचन्द्रन (पीजीपीएक्स)

अनुसंधान एवं प्रकाशन

इस संस्थान में अनुसंधान महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधि का गठन करता है। वित्तीय सहायता व अन्य समर्थनों की मात्रा के आधार पर वृहत, लघु, या मूलधन परियोजनाओं के रूप में वर्गीकृत अनुसंधान-परियोजनाओं को वित्तीय सहायता इस संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। केस-लेखन एक अन्य महत्वपूर्ण गतिविधि है, जिसे संस्थान से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। प्रकाशन के विभिन्न प्रकार जैसे पुस्तकें, मोनोग्राफ्स, जर्नल्स में लेख, या केस, इन अनुसंधान परियोजनाओं के परिणाम हैं।

वर्ष के दौरान नौ अनुसंधान परियोजनाएँ, सात मूलधन परियोजनाएँ और पाँच केस विकास परियोजनाओं का कार्य प्रारंभ किया गया। पाँच अनुसंधान परियोजनाएँ, चार मूलधन परियोजनाएँ एवं एक केस विकास परियोजना पूरी की गई। एक अनुसंधान परियोजना को स्थगित किया गया, जबकि सात ग्रीष्म इन्टर्नशिप परियोजनाएं भी पूर्ण की गई ।

इस वर्ष के दौरान शैक्षणिक समुदाय ने 19 पुस्तकें, 6 मोनोग्राफ एवं जर्नल्स में 57 लेख लिखे। उन्होंने पुस्तकों में 25 अध्यायों का योगदान दिया, सम्मेलनों में 159 आलेख प्रस्तुत किए और 47 वर्किंग पेपर लिखे।

इनके विवरण परिशिष्ट च, छ और ज में दिए गए हैं।

संस्थान में अनुसंधान गतिविधियों का और अधिक विस्तृत विवरण, अनुसंधान एवं प्रकाशन समिति की अलग से प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट में दिया गया है।

विकल्प : निर्णयकर्ताओं का विशिष्ट जर्नल

विकल्प : निर्णयकर्ताओं का विशिष्ट जर्नल भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद का तिमाही प्रकाशन है। प्रकाशन के अपने 36वें वर्ष में **विकल्प** भारत में शीर्ष प्रबंध जर्नल के रूप में उभरा है एवं विदेश में अपने समतुल्य प्रकाशनों के बीच इसने आदरपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। यह जर्नल शिक्षाविदों एवं प्रबंधकों के बीच व्यावसायिक प्रबंध की आधुनिक संकल्पनाओं का प्रसार करता है और इस तरह यह संगठनों के संदर्भ, संसाधनों, अवसंरचनाओं, प्रणालियों, प्रक्रियाओं व कार्यनिष्पादन की बेहतर समझ विकसित करने में अपना योगदान देता है। इस जर्नल के केन्द्र बिन्दु वे प्रयुक्त अनुसंधान एवं विचार हैं, जो व्यवसायी प्रबंधकों के लिए सुसंगत हैं तथा शैक्षणिक परिश्रम के मानकों के अनुरूप हैं।

विकल्प के प्रत्येक अंक में निम्नलिखित नियमित विशेषताएँ होती हैं : **परिदृश्य** उन उभरते मुद्दों व विचारों को प्रस्तुत करता है जो संगठनों में प्रबंधकों, प्रशासकों व नीति निर्माताओं से कार्रवाई या पुनर्विचार की मांग करते हैं। **अनुसंधान** में ऐसे लेख होते हैं, जो प्रबंधकीय व शैक्षणिक मुद्दों के विश्लेषण व समाधान पर केन्द्रित होते हैं, जिनका आधार विश्लेषणात्मक अथवा केस आधारित अनुसंधान होता है। **अंतराफलक** ऐसे लेख प्रस्तुत करता है, जो प्रबंधकों के लिए व्यावहारिक रूप से उपयोगी होते हैं तथा उनके प्रबंधकीय कौशलों को अद्यतन बनाने में सहायक होते हैं। **टिप्पणियाँ एवं व्याख्याएँ** प्रारंभिक अनुसंधान, साहित्य की समीक्षा और प्रकाशित आलेखों या किसी संगत विषय पर टिप्पणियों को समाविष्ट करती हैं । **वार्ता** के अंतर्गत, प्रसिद्ध पैनलिस्टों द्वारा समसामयिक विषय पर की गई चर्चा शामिल होती है। **प्रबंध केस** में किसी एक प्रबंधक या संगठन ने रणनीतिगत, कार्यात्मक या प्रचालनात्मक स्तरों पर किसी वास्तविक स्थिति का सामना किया हो, उस पर निर्णय लिया हो या कार्रवाई की हो, उसका वर्णन होता है। **निदान**, अकादमी के सदस्यों एवं व्यवसायियों द्वारा किए गए किसी केस के विश्लेषण को मुख्यतः प्रस्तुत करता है । पिछले दो वर्षों से, ***विकल्प*** ने केस और उसके निदान को एक ही अंक में समाहित करना शुरू कर दिया है, जबकि पुरानी प्रथा यह थी कि निदान, आगामी अंकों में प्रकाशित हुआ करते थे । इनके अतिरिक्त **पुस्तक समीक्षाएँ** व महत्वपूर्ण प्रबंधकीय विषयों से संबंधित **ग्रंथों की सूची** भी ***विकल्प*** में प्रकाशित होती है। प्रत्येक लेख में विषय को तुरंत समझने के लिए एक **कार्यकारी सारांश** दिया जाता है।

विकल्प ऐसा जर्नल है जिसकी समीक्षा समान योग्यता वाले व्यक्तियों द्वारा की जाती है। प्रकाशन के लिए प्राप्त सामग्री की दो या दो से अधिक निर्णायकों द्वारा गहन समीक्षा की जाती है और स्वीकृत सामग्री इस जर्नल द्वारा अपेक्षित उच्च मानकों के अनुरूप संपादित की जाती है। वर्ष के दौरान लगभग 150 समीक्षकों (आंतरिक व बाह्य दोनों) को समीक्षा के कार्य पर लगाया गया।

2010-11 के दौरान ***विकल्प*** को 221 पेपर प्राप्त हुए, जिनमें से 92 को प्रारंभिक चरण में अस्वीकार कर दिया गया, तथा बाकी को समीक्षा के लिए भेजा गया । उनमें से 18 पेपरों को स्वीकृति मिली और 39 पेपरों को समीक्षा के बाद अस्वीकृत कर दिया गया। संवर्धन के अलावा कुल मिलाकर 24 पेपरों को विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत प्रकाशित किया गया।

विकल्प के प्रत्येक अंक में एक समकालीन विषय पर एक वार्ता को प्रकाशित किया गया । इसके विषय थे - सामाजिक न्याय की तलाश, नेटवर्क बनाने के लिए एक वार्ता, नए मीडिया अनुभव : खेल परिवर्तक के साथ बातचीत, सिटी गैस गोलमेज सम्मेलन भारत 2010 - पहल और चुनौतियाँ, तथा लक्ज़री गोलमेज सम्मेलन : क्या लक्जरी व्यापार के लिए पुनर्विचार की आवश्यकता है?

अब तक प्रकाशित लेख ***विकल्प*** के वेबसाइट पर पीडीएफ के प्रारूप में उपलब्ध है - **www.vikalpa.com**

विकल्प ईबीएससीओ डेटाबेस में सूचीबद्ध है।

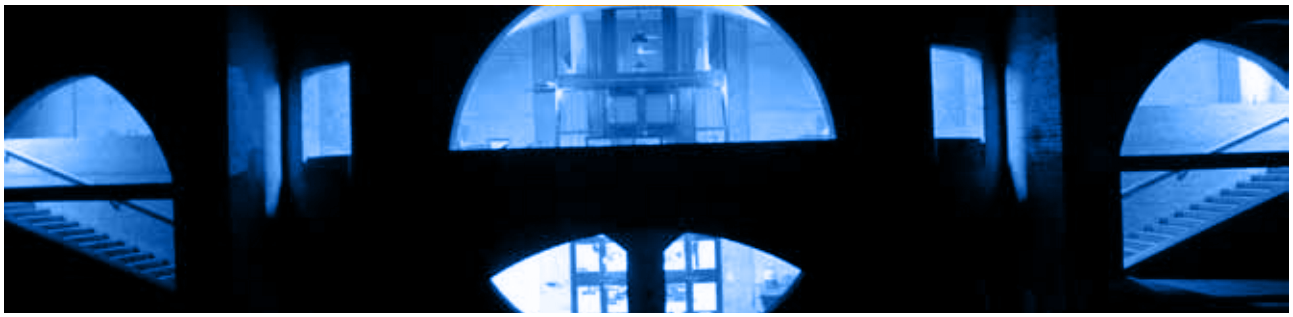

प्रबंध विकास कार्यक्रम

वर्ष 2010-11 में संस्थान ने पिछले वर्ष के 52 की तुलना में 60 प्रबंध विकास कार्यक्रम पेश किये। इस वर्ष में, सरकारी विभागों सहित निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों से 1,960 कार्यकारियों ने 14,710 प्रतिभागी-दिनों के लिए कार्यक्रम लेखांकन में भाग लिया (वर्ष 2009-10 के 1,536 प्रतिभागियों एवं 11,267 प्रतिभागी दिनों की तुलना में)।

पेश किये गये 60 कार्यक्रमों में से 8 नए कार्यक्रम थे। नया शुरू हुआ कार्यक्रम - 3टीपी मध्य प्रबंधन कार्यक्रम को दो बार पेश किया गया।

चलाए गए कार्यक्रमों, प्रतिभागियों की संख्या, कार्यक्रमों को चलाने वाले क्षेत्रों, व नये तथा पुनरावृत्त कार्यक्रम आदि के विवरण, परिशिष्ट 'झ' में दिए गए हैं।

अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह

1. इलेक्ट्रॉनिक अभिशासन केन्द्र

चालू वर्ष के दौरान, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ई-प्रशासी परियोजना के प्रभाव आकलन अध्ययन के दूसरे चरण को इलेक्ट्रॉनिक अभिशासन केन्द्र ने पूर्ण किया।

इनमें चार शहरों में दो राज्य स्तरीय ई-प्रशासी परियोजनाओं (शहरी स्थानीय निकायों) और पाँच राज्यों में एक केन्द्र स्तर की परियोजना (वाणिज्यिक कर) का अध्ययन शामिल है। इसके अलावा, जिला प्रशासन द्वारा सेवाओं के वितरण के लिए एक आधारभूत सर्वेक्षण पाँच राज्यों के 17 प्रायोगिक जिलों में ई-जिला मिशन मोड परियोजना (एम एम पी) के लिए आयोजित किया गया।

दोनों चरणों के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए संस्थान भागीदार रहा ।

इन परियोजनाओं पर तीन रिपोर्ट सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को प्रस्तुत की गई।

आई एफ आई पी / सी ई जी न्यूज़लेटर

विकासशील देशों में आई टी शीर्षक अंतर्गत आई एफ आई पी / सी ई जी न्यूज़लेटर के तीन मुद्दे इस वर्ष के दौरान प्रकाशित किये गये । इस न्यूज़लेटर के 569 ग्राहक हैं और विभिन्न देशों से लगभग 3000 वार्षिक पाठक हैं।

2. अवसंरचना नीति एवं विनियमन केंद्र

अवसंरचना नीति एवं विनियमन केंद्र (सीआईपीआर), परामर्शी सेवाओं, शिक्षा, प्रकाशन, अनुसंधान तथा अवसंरचना, नीति व विनियमन के क्षेत्रों में प्रशिक्षण को बढ़ावा देता है। सीआईपीआर, बुनियादी ढाँचे व विनियमन के क्षेत्रों में नीति अनुसंधान में महत्वपूर्ण अनुभव को शक्ति प्रदान करने का प्रयास करता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

कंपनी के प्रबंध विकास कार्यक्रम

- आईआईएम-ए में और केलिफोर्निया में नियामक फोरम (फोर), भारत सरकार के लिए विद्युत नियामक उन्मुखीकरण कार्यक्रम, 3-10 जून, 2010
- आईएएस अधिकारियों के लिए तृतीय चरण मध्य कैरियर प्रशिक्षण एलबीएसएनएए के दौरान, मसूरी में भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के लिए मूल्यांकन कार्यक्रम पर मोड्यूल, 14-18 जून, 2010

- आईआईएम-ए में पावर एक्सचैंज इन्डिया लिमिटेड के लिए पावर मार्केट लिडरशिप प्रोग्राम, 23-26 अगस्त, 2010
- आईआईएम-ए में टोरन्ट पावर लिमिटेड के लिए वरिष्ठ प्रबंध के लिए सामान्य प्रबंध कार्यक्रम, 18-30 अक्टूबर, 2010
- आईएएस अधिकारियों के लिए चतुर्थ चरण मध्य कैरियर प्रशिक्षण एलबीएसएनएए के दौरान, मसूरी में भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के लिए पीपीपी व अवसंरचना पर मोड्यूल, 16-20 नवम्बर, 2010
- आईएएस अधिकारियों के लिए पंचम चरण मध्य कैरियर प्रशिक्षण एलबीएसएनएए के दौरान, मसूरी में भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के लिए प्रशासी चुनौतियाँ पर मोड्यूल, 21-31 दिसम्बर, 2010

सार्वजनिक प्रणाली समूह के माध्यम से प्रबंध विकास कार्यक्रम

- विमानन प्रबंधन, 15-21 अगस्त, 2010
- अवसंरचना विकास एवं नीति, 25-30 अक्टूबर, 2010
- बुनियादी ढाँचे में कानूनी व विनियामक मुद्दे, 22-27 नवम्बर, 2010
- वरिष्ठ प्रबंधन के लिए सामरिक पोर्ट प्रबंधन, 24-31 अक्टूबर, 2010

परामर्शी परियोजनाएँ

(अनुसंधान आधारित परामर्शी परियोजनाएँ)

- "विद्युत क्षेत्र में विपणन का विकासः भारत में अंतर्राष्ट्रीय अनुभव एवं मुद्दे" पीएक्सआईएल, मई 2010 (प्रोफेसर अजय पांडे व सेबास्टियन मॉरिश)

सम्मेलन

(इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रकाशन के साथ सहयोग से आयोजित)

- कंटेनर इंन्फ्रास्ट्रक्चर विकास पर चौथा वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली, 21-22 जुलाई, 2010
- रेलवे के विस्तार एवं उन्नयन पर चौथा वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली, 15-16 नवम्बर, 2010
- भारत में शहरी बुनियादी ढाँचा : अनुभव, सीखना और आगे बढ़ना, 9-10 दिसम्बर, 2010
- भारत के बंदरगाहों पर आठवाँ वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली, 1-2 फरवरी, 2011

3. नवाचार, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र

नवाचार, ऊष्मायन और उद्यमिता केन्द्र नवाचार के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए गुजरात सरकार तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से एक केन्द्र के रूप में वर्ष 2001 में स्थापित किया गया। समय के साथ उद्यम पर पकड़ जमाने तथा ऊष्मायन शामिल करने पर ध्यान दिया गया। पिछले तीन वर्षों में सीआईआईई ने विविध क्षेत्रों में 45 से अधिक शुरुआती उद्यमों को समर्थित किया है।

सीआईआईई नए उद्यमियों की मदद के लिए कई कार्यक्रम प्रदान करता है। आई-गतिवर्धक इन्टरनेट तथा मोबाइल क्षेत्र की कंपनियों के लिए एक त्वरित शुरुआती शिविर है। यह नवाचार कार्यक्रम दूसरी ओर पुनः खोज तथा स्वच्छ प्रौद्योगिकी की शुरुआत में नए उद्यमियों को मदद करने के लिए बनाया गया है। सीआईआईई *इकोनोमिक टाइम्स* की भागीदारी में विचारों की शक्ति

के कार्यक्रम भी पेश करता है, जो देश में उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र के पैमाने को बढ़ाने में संभवतः सबसे बड़ा प्रयास है।

सीआईआईई की दूसरी पहल, प्रेरणा स्वरुप उद्यम में उद्योग विशेषज्ञों को जोड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। *स्टे हंग्री स्टे फुलिश,* पुस्तक सीआईआईई के द्वारा प्रकाशित है जिसने भारतीय युवाओं को उद्यमिता के प्रति प्रेरित करने में एक बड़ी भूमिका निभाई है और यह पुस्तक लंबे समय तक सबसे ज्यादा बिकने वाली पुस्तक के तौर पर राज करती रही है।

ऊष्मान्वित कंपनियाँ

अक्षय ऊर्जा अनुसंधान कार्यक्रम

अक्षय ऊर्जा शोध कार्यक्रम सीआईआईई द्वारा मार्च 2009 में नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सहयोग से अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार व ऊष्मायन गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया। अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक कंपनियाँ ऊष्मान्वित हैं। सीआईआईई ने वैश्विक कंपनियों, निवेशकों और नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के साथ एक मजबूत भागीदारी विकसित की है तथा इस क्षेत्र में उद्यमियों के समर्थन में एक उद्यम पूँजी निधि स्थापित की है। यह अक्षय ऊर्जा अनुसंधान कार्यक्रम, नवीन एवं अक्षय-ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्त्वावधान में मार्च 2009 में शुरू किया गया।

आई-गतिवर्धक कार्यक्रम

आई-गतिवर्धक, आई टी और मोबाइल क्षेत्र में अभिनव प्रौद्योगिकियों को पहचानने, प्रोत्साहित करने तथा प्रेरणा के लिए सीआईआईई द्वारा शुरू किया गया उपक्रम है। यह दो से चार महीने का शुरुआती शिविर है, जिसका उद्देश्य है - शुरुआती-टीमों को सघन समर्थन प्रदान करना। प्रथम बार सीआईआईई ने 2008 में आई-गतिवर्धक कार्यक्रम गठित किया । दूसरा कार्यक्रम मई से अगस्त, 2009 में पेश किया और बाद में 2010 में किया । आई टी की टीमों और मोबाइल-उत्पादों के विचारों को चुना गया तथा एक आदर्श विकसित करने के लिए सहायता उपलब्ध कराई गई। इस अवधि में, टीमों ने उद्यमियों, प्रौद्योगिकी वेत्ताओं, उद्योग-विशेषज्ञों, तथा अन्यों के साथ अन्तर-वार्ता की थी। अनुभवी विशेषज्ञ, निवेशक, व कोर्पोरेट्स भी धन की भागीदारी एवं सहऊष्मायन के विकल्पों के माध्यम से इसमें शामिल हुए ।

परामर्शदाता नेटवर्क

उद्यमिता की स्फूर्ति को उत्प्रेरित करने के लिए, संस्थान के अल्युम्नी, उद्योग विशेषज्ञों और सीआईआईई ने, एक बहुत ही सक्रिय परामर्शी नैटवर्क-निर्माण के द्वारा सीआईआईई की पहुँच को देशभर में फैलाने के लिए भागीदारी की है। यह परामर्शी नेटवर्क, महत्वाकांक्षी उद्यमियों को मदद करने के लिए अल्युम्नी की व्यापार-विशेषज्ञता तथा सीआईआईई के प्रेरणा-अनुभव को शक्ति प्रदान करेगा।

विचारों के कार्यक्रम की शक्ति

इस वर्ष सीआईआईई ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा *इकोनोमिक टाइम्स* के साथ अपनी तरह की सबसे बड़ी पहल विचारों की शक्ति 2010 के लिए सहयोग किया। उद्यमशीलता के स्थान में अपनी विशाल विशेषज्ञता एवं संपर्क के साथ डीएसटी (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग) ने पाँच करोड़ रुपयों की रकम पेश की, जबकि सीआईआईई के पालकों तथा निवेशकों के नेटवर्क ने सलाह सत्रों को शक्ति देने के अलावा, पहल के रूप में मिले प्रत्येक विचार को मूल्यांकित किया ।

इस कार्यक्रम में कुल 16,242 आवेदन प्राप्त हुए । समेकित स्कोर के आधार पर 850 आवेदकों को परामर्शी कार्यक्रम के लिए लघुसूची में लाया गया और 74 आवेदकों को संस्थान में दस-दिवसीय कार्यशाला के लिए बुलाया गया।

पैंतीस आवेदकों को व्यक्तिगत रूप से पाँच लाख रुपए के अनुदान से सम्मानित किया गया, जबकि दस लोगों को दो लाख रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों में से पंद्रह को डीएसटी के कोष से प्रत्येक को 20 लाख रुपयों का इक्विटी निवेश दिया गया।

पाठ्यक्रम

- सीआईआईई-प्रेरणा से संबंधित परियोजनाएँ : छात्रों ने व्यापार-विश्लेषण, निधिकरण, बाजार-विश्लेषण, और विकासशील व्यापार-मॉडलों के लिए प्रेरणा-परियोजनाएँ ली हैं।
- सीआईआईई निधि प्रबंधन : सूचना-प्रौद्योगिकी, अक्षय ऊर्जा और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर केन्द्रित तीन मूल निधियाँ, परियोजना-पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रबंधित की गयी ।

अनुसंधान परियोजनाएँ

नॉकिया परियोजना

भारत में, सीआईआईई ने, नॉकिया अनुसंधान केन्द्र और राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के साथ मिलकर, विशेषकर ग्रामीण बाजार और कम आमदनी वाले वर्ग में मोबाइल फोनों के तेजी से प्रवेश को बढ़ाने से संबंधित एक शोध-परियोजना को पूर्ण कर लिया है। इस परियोजना ने मोटे तौर पर निम्नलिखित लक्ष्य रखे हैं :

- बाजार-शोध - ग्रामीण बाजार के लिए मुख्य विशेषताएँ, मूल्य-बिन्दुओं, और प्रवेश रणनीति की पहचान करना
- अप्रयुक्त बाजार को लक्ष्य में रखकर उत्पाद के लिए अद्वितीय आवेदनों की पहचान करना
- उत्पाद की डिजाइनिंग - विभिन्न आवेदनों के लिए आदर्श विकसित करना
- मोबाइल नवीनता प्रयोगशाला

नॉकिया-परियोजना के विस्तार के रूप में, सीआईआईई ने नॉकिया के सहयोग से एक मोबाइल-नवीनता प्रयोगशाला स्थापित की है। इससे आई टी और मोबाइल जगत में शोध को सुसाध्य बनाने के लिए तथा कार्यशालाएँ आयोजित करने के लिए सुविधा होगी

- विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग से निधि प्राप्त करने वाले संगठनों के लिए भुगतान (रॉयल्टी आदि) की संरचना हेतु संभव अभिगमों का सुझाव दे रहे प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की ओर से अध्ययन।

स्पर्धाएँ / संगोष्ठियाँ

टेकनिक युनिवर्सिटी बर्लिन (टीयूबी) संगोष्ठी

14-17 मार्च, 2011 के दौरान "दक्षिण एशिया में कंपनियों एवं संगठनों में नवाचार प्रबंध" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन में सीआईआईई ने टेकनिक युनिवर्सिटी बर्लिन (टीयूबी) के साथ सहयोग किया। टेकनिक युनिवर्सिटी बर्लिन, जर्मनी के सबसे बड़े विश्वविद्यालयों में से एक है और एशियाई विश्वविद्यालयों के साथ इसका मजबूत अंतर्राष्ट्रीय संबंध है। टीयूबी का 136 देशों में एक बड़ा-सा पूर्वछात्र नेटवर्क है। इस संगोष्ठी में निम्नलिखित विषयों को शामिल किया गया :

- नवाचार प्रबंधन
- भारत में विकास रुझान एवं भावि चुनौतियाँ
- उद्यमशीलता
- स्थायी विकास
- विज्ञान, अर्थव्यवस्था और विकास सहयोग में भारत-जर्मन सहयोग

आईएसबीए में ज्ञान विनिमय

6-8 मार्च, 2011 के दौरान अहमदाबाद के राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में राष्ट्रीय डिजाइन व्यवसाय इन्क्यूबेटर (एनडीबीआई) के साथ सीआईआईई ने इन्डियन स्टेप्स व बिजनेस इन्क्यूबेटर एसोसिएशन (आईएसबीए) सम्मेलन की सह-मेजबानी की। यह एक वार्षिक सम्मेलन है, जहाँ देशभर से उपाय तथा प्रौद्योगिकी आधारित प्रेरक एक साथ उपस्थित रहते हैं और अपने अनुभव व ज्ञान को बाँटकर एकजुटता से नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं। सम्मेलन का विषय था - "विकास को डिजाइन करना, परिवर्तित करना, प्रबंधित करना"।

5-6 मार्च, 2011 के दौरान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता पार्क व प्रौद्योगिकी व्यापार प्रेरक (स्टेप्स/टीबीआई) की समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय सलाहकार समिति तथा सीआईआईई ने आईएसबीए के साथ मिलकर मेजबानी की। डीएसटी से निरीक्षण दल, निधिकरण दल, नीति निर्माताओं की समिति पर विशेषज्ञों में तथा प्रेरक प्रबंधकों के बीच सक्रिय बातचीत हुई । भारत के विभिन्न भागों से लगभग 40 प्रेरकों ने इसमें भाग लिया ।

निवेशकों का ऑनलाइन प्रदर्शन

आगे के अन्वेषण के लिए निवेशकों को दिलचस्प निवेश योग्य अवसरों को निवेशकों के लिए उपलब्ध कराने की एक अद्वितीय पहल के रूप में सीआईआईई ने शुरुआती सौदों के लिए एक साप्ताहिक प्रदर्शन कार्यक्रम शुरू किया है। इसके पीछे ऐसा विचार है कि सीआईआईई के द्वारा अच्छी तरह से मूल्यांकित तथा संचालित उन चुने हुए निवेशकों के शुरुआती सौदों को प्रदर्शित करना है जो 20 लाख रुपयों की सीमा तक धन उपलब्ध करवाने के लिए तैयार हों। बहुस्थानीय भागीदारी की अनुमति के लिए एक वेब कॉनफ्रेन्सिंग मंच पर यह प्रदर्शन किया जाता है। 7 प्रतिभागियों के साथ 22 मार्च, 2011 को पहला प्रदर्शन आयोजित किया गया।

शुरुआती प्रेरणा एवं उपलब्धियाँ

सीआईआईई वर्तमान में 45 से अधिक प्रौद्योगिकियों को प्रेरित कर रहा है और उनमें से अधिकांश प्रारंभिक चरण में हैं। संस्थान को सक्षम बनाने के लिए एवं इन उद्यमों को पोषित तथा पुरस्कृत

करने के लिए सीआईआईई पहल की स्थापना कंपनी अधिनियम 1956 के धारा 25 के अंतर्गत प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के तौर पर पंजीकरण से हुई। सीआईआईई पहल, सीआईआईई की निवेश शाखा के रूप में कार्य करता है और सीआईआईई द्वारा समर्थित उद्यमों में निवेश करता है। सीआईआईई पहल ने प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में नवोदित उद्यमियों का समर्थन करने के लिए सेबी में पंजीकृत उद्यम पूँजी निधि की भी स्थापना की है।

इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित शुरुआतों को मान्यता मिली है :

- एमआईटी-तकनीक समीक्षा की 35 प्रवर्तक सूची-2011 में इनोज, इकोलिब्रियम और ग्रिडबोट्स को विजेता घोषित किया गया ।
- शीर्ष 8 नवाचार कंपनियों में ग्रिडबोट्स शामिल थी-नासकोम नवाचार पुरस्कार।
- शीर्ष 200 एशियाई कंपनियों की रेड हेरिंग सूची ग्रिडबोट्स बनाता है।
- वाइब्रेन्ट गुजरात का वेबकास्टिंग लगातार तीसरे वर्ष भी वी-मुक्ति द्वारा किया गया।

4. कृषि प्रबंध केंद्र

कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) एक अंतर्विषयक समूह है, जो खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण व समवर्गी क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त नीति एवं समस्या समाधान के अनुसंधान में संलग्न है। सीएमए, इन क्षेत्रों/इलाकों में शिक्षण, प्रशिक्षण व परामर्शी कार्यकलाप में भी संलग्न है। इस केन्द्र में, छह प्राथमिक और चार माध्यमिक संकाय-सदस्य हैं।

अनुसंधान

सम्पन्न

कृषि व्यापार में अध्ययन

- भारत में आर्थिक और प्रबंध फसल बीमा के पहलुओं का एक अध्ययन
- भारतीय कृषि में व्यापार प्रतिस्पर्धा और मूल्य बोध के लिए क्षमता निर्माण
- आजीविका संवर्धन के लिए क्रेडिट + अभिगम बनाम कृषि व्यवसाय और एलाइड क्रेडिट में नीति हस्तक्षेप मूल्यांकन (व्यक्तिगत केन्द्र रिपोर्ट)

विवरण परिशिष्ट ट में दिया गया है।

प्रगति में

- आजीविका संवर्धन के लिए क्रेडिट + अभिगम की तुलना में कृषि व्यवसाय और एलाइड क्रेडिट में नीति हस्तक्षेप मूल्यांकन (समेकित अध्ययन)

पाठ्यक्रम

कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) ने, संस्थान के पीजीपी-एबीएम, पीजीपी में 30 पाठ्यक्रम तथा फेलो प्रबंध कार्यक्रम (कृषि) में पाँच पाठ्यक्रम चलाए।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- कृषि निवेश विपणन
- अनुबंध खेती का प्रबंधन
- सामरिक प्रतिस्पर्धात्मक एवं सहयोगात्मक लाभ के लिए उपयोगी बौद्धिक संपदा

- स्काउटिंग, प्रलेखन, डेटाबेस विकास और जमीनी स्तर पर नवाचारों के प्रसार के लिए क्षमता निर्माण
- कम सामान्य औषधीय पौधों और उसके साथ जुड़े पारम्परिक ज्ञान के डेटाबेस का विकास

5. स्वास्थ्य सेवा प्रबंध केंद्र

1975 में सार्वजनिक प्रणाली समूह की स्थापना के साथ ही संस्थान की भागीदारी स्वास्थ्य क्षेत्र में शुरू हुई थी। प्रारंभिक समय में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएँ और परिवार नियोजन के प्रबंधन पर अनुसंधान के केन्द्र में रहे। बाद में 80 के दशक में माध्यमिक स्वास्थ्य सेवाओं तथा 90 के दशक में तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन को शामिल करने के लिए अनुसंधान गतिविधियाँ विस्तारित की गयी। वर्तमान में अनुसंधान हितों के केन्द्र में ग्रामीण स्वास्थ्य, शहरी स्वास्थ्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य, और अस्पताल प्रबंधन में शासन व प्रबंधन मुद्दों पर ध्यान दिया गया है।

सीएमएचएस के समग्र उद्देश्य हैं - जनसंख्या के विभिन्न क्षेत्रों की ज़रुरत के हिसाब से कुशलता एवं प्रभावी ढंग से प्रबंधकीय चुनौतियों से निपटना, स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्टता के संस्थान का निर्माण करना, और स्वास्थ्य नीतियों व व्यापक वातावरण को प्रभावी बनाना। सभी अनुसंधान परियोजनाएँ बाह्य वित्त पोषित हैं और संस्थान ने यूएसए, यूके, यूरोप तथा एशिया में 15-20 अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ अनुसंधान सहयोग विकसित किया है। सीएमएचएस ने राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर और विशेष रूप से गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, और बिहार के राज्यों में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ भी मजबूत संपर्क बनाए हैं।

सहयोगात्मक अनुसंधान और अनुयोजन परियोजनाएँ

सम्पन्न

- यूएनओपीएस द्वारा समर्थित नोर्वे भारत भागीदारी पहल - नोर्वे के सहयोग में शिशु स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन

जारी

- एबरडीन विश्वविद्यालय, यूके द्वारा समर्थित डिलिवरी देखभाल तथा सुदृढ़ीकृत स्वास्थ्य प्रणाली की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रवेश बिंदु के रूप में संक्रमण नियंत्रण
- मैकआर्थर फाउण्डेशन द्वारा समर्थित चिरंजीवी कार्यक्रम और जननी सुरक्षा योजना का अध्ययन
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित, रोगप्रतिरोधक कार्यक्रम से संबंधित मानव संसाधन मुद्दे का अध्ययन
- पैथोलॉजी प्रयोगशालाएँ, जॉन्सन एंड जॉन्सन इन्डिया की दक्षता व गुणवत्ता अनुकूलन पर एमडीपी के बाद आचरण के लिए पाठ्यक्रम सामग्री डिजाइन
- नर्सिंग अकादमी अध्ययन, हैदराबाद, भारत और कारोलिंस्का संस्थान द्वारा समर्थित मातृ स्वास्थ्य : मिडवाइफरी और आपातकालीन प्रसूति देखभाल सेवा (सीडा) प्रबंध चरण-2
- दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए डबल्यूएचओ द्वारा समर्थित नेपाल और म्यांमार में प्राथमिकी टेलीशिक्षा सेवाएँ आवश्यक आकलन पर एपीडबल्यू अध्ययन
- जॉनसन एंड जॉनसन, भारत द्वारा समर्थित अस्पताल प्रबंधन पर एमडीपी
- जॉनसन एंड जॉनसन, भारत द्वारा समर्थित जॉनसन एंड जॉनसन केस-विकास
- बिल एंड मेलिंडा फाउण्डेशन, यूएसए द्वारा समर्थित जननी सुरक्षा योजना का मूल्यांकन

6. खुदरा बिक्री केंद्र

खुदरा बिक्री केन्द्र का उद्देश्य खुदरा प्रबंधन विषयक ज्ञान का सृजन और प्रसार करना है। नौ संकाय-सदस्यों की एक अंतःशास्त्रीय टीम को इस केन्द्र के उद्देश्यों से संबंधित अनुसंधान, प्रशिक्षण, व परामर्शी कार्यकलाप में लगाया गया है ।

अनुसंधान

- दो अनुसंधान परियोजनाओं में इस केन्द्र के संकाय सक्रिय रूप से व्यस्त है।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस केन्द्र ने निम्नानुसार प्रबंध विकास कार्यक्रम चलाए :

- खुदरा प्रबंध, दुबई
- खुदरा प्रबंधन

7. कंप्यूटर एवं सूचना प्रणाली समूह

पाठ्यक्रम

इस समूह ने प्रथम वर्ष पीजीपी और एफपीएम में निम्नलिखित अनिवार्य कार्यक्रमों की पेशकश की :

- व्यापार के लिए सूचना प्रणाली
- व्यापार के लिए इंटरनेट प्रौद्योगिकी
- प्रबंधकीय कम्प्यूटिंग

इसके अलावा, समूह ने निम्नलिखित वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की पेशकश की :

- ई-शासन में परामर्श : दृष्टिकोण से कार्यान्वयन तक
- निर्णय समर्थन प्रणाली
- विकास के लिए डिजिटल समावेशन
- उद्यम डिजिटल अवसंरचना
- ईआरपी प्रणालियाँ : प्रौद्योगिकी योजना और कार्यान्वयन
- सॉफ्टवेयर परियोजनाओं और उद्यम का प्रबंधन
- सूचना प्रणाली की सामरिक योजना

एफपीएम ने निम्नलिखित पाठ्यक्रमों की पेशकश की :

- एलगोरिदम और डेटा संरचनाएँ
- कृत्रिम आसूचना
- डेटा माइनिंग एल्गोरिदम और अनुप्रयोग
- डीबीएमएस और ऑनलाइन लेनदेन प्रोसेसिंग
- कम्प्यूटर आर्किटेक्चर और सिस्टम सॉफ्टवेयर के बदले में वितरित कम्प्यूटिंग सिस्टम
- सूचना प्रणाली रूपरेखा
- प्रोग्रामिंग 1
- सिस्टम विश्लेषण और डिजाइन

एफडीपी

इस समूह ने एफडीपी में निम्नलिखित पाठ्यक्रमों की पेशकश की :

- प्रबंधन के लिए आईटी

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस वर्ष के दौरान इस समूह के द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम पेश किये गये :

- व्यापार आसूचना
- ग्राहक संबंध प्रबंधन
- ईआरपी सिस्टम : प्रौद्योगिकी योजना और कार्यान्वयन
- आईटी परियोजना प्रबंध
- आईटी आउटसोर्सिंग का प्रबंध
- सामरिक आईटी प्रबंध
- सूचना प्रणाली की सामरिक योजना

8. लिंग संसाधन केन्द्र

अभी फिर से बने लिंग संसाधन केन्द्र (जीआरसी) में पन्द्रह सदस्य हैं। 2011-12 के लिए इस केन्द्र ने वकालत या समारोह प्रबंधन के बजाय अनुसंधान, क्षमता निर्माण, प्रकाशनों, कार्यशालाओं के माध्यम से कॉन्फ्रेंसिंग, और कार्य सम्मेलनों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए संकल्प किया गया है।

इस केन्द्र ने राष्ट्रीय प्रासंगिकता और अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के अनुसंधान कार्यावली को विकसित करना और नियमावली बनाना शुरू कर दिया है। यह केन्द्र एड्वान्स्ड स्टडी-शिमला, ओएस्पा जर्मनी, शक्ति-बेंगलुरू, ए के राइस इन्स्टिट्यूट, ग्रुब इन्स्टिट्यूट, यालोम इन्स्टिट्यूट-तेल अवीव, और फ्रेदरिक एबर्ट फाउण्डेशन के साथ सहयोगी संयुक्त गतिविधियों के लिए प्रस्तावों पर बातचीत कर रहा है।

9. सार्वजनिक प्रणाली समूह

इस वर्ष के दौरान, सार्वजनिक प्रणाली समूह ने अपने कार्यकलाप को पर्यावरण, परिवहन, अवसंरचना, शहरी प्रबंध, स्वास्थ्य प्रबंध और मूल्यांकन पर केन्द्रित किया ।

पाठ्यक्रम

पीजीपी

इस समूह ने इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित पाठ्यक्रम पेश किये :

- कार्बन वित्त
- पर्यावरण प्रबंध
- अस्पताल और स्वास्थ्य-देखभाल प्रबंध
- अवसंरचना विकास एवं वित्त व्यवस्था
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- अवसंरचना में कानून व विनियमन संबंधी मुद्दे
- विकास के लिए भागीदारी रंगमंच
- सार्वजनिक वित्त
- सार्वजनिक नीति
- सामाजिक उद्यमिता
- शहरी अर्थव्यवस्थाएँ और व्यवसाय वातावरण

एफपीएम

- ऊर्जा एवं पर्यावरण नीति
- स्वास्थ्य नीति और योजना
- व्याख्यात्मक अनुसंधान विधियाँ
- सार्वजनिक वित्त
- सार्वजनिक प्रबंध
- सार्वजनिक नीति
- पर्यावरण प्रबंध के लिए सार्वजनिक नीति उपकरण
- परिवहन नीति पर संगोष्ठी

पीजीपीएक्स

- कार्बन वित्त
- पर्यावरण प्रबंध
- अस्पताल प्रबंध
- अवसंरचना में कानून एवं विनियामक मुद्दे
- दूरसंचार उद्यम प्रबंधन
- परिवहन अवसंरचना

पीजीपी-एबीएम

- कृषि व्यवसाय में कार्बन वित्त
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- सार्वजनिक वित्त
- सामाजिक उद्यमशीलता

एफडीपी

- जलवायु परिवर्तन प्रबंधन पर पाठ्यक्रम डिजाइन
- पर्यावरण प्रबंध
- स्वास्थ्य और अस्पताल प्रबंध
- गुणात्मक अनुसंधान के तरीके

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस वर्ष के दौरान इस समूह ने निम्नलिखित कार्यक्रम प्रस्तुत किये :

- विमानन प्रबंध
- अस्पताल प्रबंध*
- अवसंरचना विकास एवं वित्त पोषण
- नर्सिंग और दाई अग्रणियों के लिए प्रबंधन एवं नेतृत्व संबंधी कार्यशाला
- वरिष्ठ प्रबंधन के लिए सामरिक बंदरगाह प्रबंध

*सीएमएचएस और पीएसजी संकायों ने संयुक्त रूप से चलाया ।

- राज्य/जिला/ब्लॉक स्वास्थ्य प्रबंधकों के लिए प्रबंध क्षमता विकास कार्यक्रम, बिहार कार्यक्रम ।
- शहरी शासन, स्थिरता और आजीविका पर आपद केन्द्र, नई दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से दो कार्यशालाओं की पेशकश ।
- रविवार बाजार, अहमदाबाद के लिए भागीदारी योजना एवं शहरी डिजाइन पर एनआईडी तथा अहमदाबाद गुजरी संघ के साथ संयुक्त रूप से एक कार्यशाला पेश की गई।

10. रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवाचार केंद्र

रवि जे मथाई शैक्षणिक नवाचार केन्द्र (आरजेएमसीईआई) प्राथमिक शिक्षा, साक्षरता, माध्यमिक शिक्षा, और उच्च शिक्षा में संस्था निर्माण की शोध में शामिल है। 2010-11 के दौरान, गुजरात में चयनित उत्कृष्ट प्राथमिक शिक्षकों पर एक मामला पुस्तक तैयार की गयी । निलोबराय विद्यालय, रालेगाँव सिद्धि, और परिक्रमा स्कूल - बैंगलुरू जैसे नवीन स्कूलों के अध्ययन शुरू किये गये । शिक्षण और सीखने की परियोजना आधारित तरीकों पर अनुसंधान, छात्र की पढ़ाई व शिक्षकों की नौकरी में संतुष्टि, आत्मसम्मान, और रचनात्मकता के संज्ञानात्मक प्रेरक पहलुओं पर अपने प्रभाव का अध्ययन आदि शुरू किया गया ।

सीबीएसई स्कूलों के आचार्यों के लिए और प्रबंध शिक्षा संस्थानों के निदेशकों के लिए आरजेएमसीईआई ने हफ्ते भर के कार्यक्रमों के पेशकश जारी रखी। *शिक्षा में उद्यमशीलता* (पीजीपी) और संचार संबंधित एफडीपी व एफपीएम के पाठ्यक्रमों पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किये गये।

2020 में प्रबंध शिक्षा : मुद्दे, चुनौतियाँ, और अवसर विषय पर 8वाँ एआईएमएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संयुक्त रूप से 1-4 जनवरी, 2011 को संस्थान और भारतीय प्रबंध अध्येता अंतर्राष्ट्रीय संघ द्वारा आयोजित किया गया ।

मैकमिलन इन्डिया द्वारा मार्च 2011 में *नरचरिंग इन्स्टिट्युशनल एक्सेलन्स : इन्डियन इन्स्टिट्युट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद* पुस्तक का प्रकाशन संस्था निर्माण के अनुभवों का दस्तावेज बनाने के प्रयास में जारी किया गया। इस कार्य में विशेष रूप से 1993 के बाद से संस्थान के तथा स्वर्ण जयंती समारोह के हिस्से के रूप में संस्थागत विकास प्रक्रिया विषयक कागजातों को प्रकाशित किया गया।

अनुशासनिक क्षेत्र

संस्थान में आठ अनुशासनिक क्षेत्र हैं : व्यापार नीति, संचार, अर्थशास्त्र, वित्त एवं लेखा, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक व औद्योगिक संबंध तथा उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके।

1. व्यापार नीति

पाठ्यक्रम

पीजीपी

- सामरिक प्रबंध (अनिवार्य)
- व्यवसाय तथा व्यवसाय कराधान के कानूनी पहलू (अनिवार्य)

ऐच्छिक

- व्यापार, सरकार और कानून
- व्यावसायिक बौद्धिक संपदा
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- परिवार व्यवसाय गतिशीलता
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार विवाद समाधान
- ज्ञान प्रबंधन
- नेतृत्व, संकल्पना, अर्थ, एवं यथार्थ (दो बार)
- अवसंरचना में विधिक नियामक मुद्दे
- विलयन, अधिग्रहण, और कॉर्पोरेट पुनर्गठन
- रणनीतियाँ और भविष्य

पीजीपीएक्स

- कैपस्टोन प्रोत्साहन
- प्रतिस्पर्धा नीति
- पारिवारिक व्यवसाय गतिशीलता
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय
- कानून, रणनीति और व्यवसाय
- नेतृत्व, मूल्य और आचार शास्त्र
- सीख जो पढ़ाई नही गई
- नई छोटी कंपनियों का प्रबंधन
- विलय और अधीग्रहण
- महाप्रबंधक की भूमिका
- कॉर्पोरेट प्रगति के लिए रणनीतियाँ
- मूल्य-सृजन और कॉर्पोरेट पुनर्निर्माण

एफपीएम

- कार्यवाही अनुसंधान प्रणालियों पर उच्च स्तरीय संगोष्ठी
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- अन्तर्राष्ट्रीय रणनीति प्रबंध
- ज्ञान प्रबंध
- रणनीति प्रबंध - I
- रणनीति प्रबंध - II
- रणनीति और नवाचार

एफडीपी

- रणनीति निर्माण और कार्यान्वयन
- विधिक पर्यावरण
- अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- अधिकार, संगठन, रणनीतियाँ और संपर्क की राजनीति

- कैपस्टोन अनुकार
- अनुबंध प्रबंध
- 21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्त्व
- बौद्धिक पूँजी और संगठनात्मक ज्ञान का रणनीतिगत प्रबंध

अन्य

27 से 31 मार्च तक ईसेक, पेरिस के ईडीपी प्रतिभागियों के लिए अपने अंतर्राष्ट्रीय मोड्यूल के एक भाग के रूप में एक पाँच दिवसीय मोड्यूल का आयोजन किया गया । इस वर्ष पूरा मोड्यूल संस्थान में प्रोफेसर एस मणिकुट्टी द्वारा समन्वित किया गया ।

अनुसंधान

उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों पर मामले विकसित करना एक चलती रहने वाली गतिविधि है। सदस्यों के अनुसंधान हित में सांस्कृतिक अधिगम, बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित सामरिक मुद्दे, वैश्विकीकरण, बाजार व विश्व बाजार, और क्षमता विकास शामिल हैं। संकायों के द्वारा उनकी रुचि के क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियाँ भी जारी रही।

पुरस्कार

भारत में प्रबंध, प्रशिक्षण व विकास पर प्रकाशित श्रेष्ठ मूल पुस्तक के लिए आईएसटीडी पुरस्कार प्रोफेसर एस मणिकुट्टी की पुस्तक (सहलिखित- संपत पी सिंह) *"दी एसेन्स ऑफ लीडरशिप : एक्सप्लोरेशन्स फ्रोम लिटरेचर"* को मिला। यह पुरस्कार *प्रशिक्षण एवं विकास के लिए भारतीय मंडल द्वारा (आईएसटीडी)* 2010 के लिए दिया गया।

2. संचार

पाठ्यक्रम

पीजीपी और पीजीपी-एबीएम

- लिखित विश्लेषण और संचार I (अनिवार्य)
- लिखित विश्लेषण और संचार II (अनिवार्य)
- व्यवसाय संचार वार्तालाप (अनिवार्य)
- प्रबंधकीय संचार (वैकल्पिक)
- संगठनात्मक संचार (वैकल्पिक)
- फ्रेन्च व्यवसाय (वैकल्पिक)
- चीनी व्यवसाय (वैकल्पिक)
- जर्मन व्यवसाय (वैकल्पिक)

पीजीपीएक्स

- प्रबंध संचार
- निर्माण एवं कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा प्रबंधन
- प्रेरक प्रबंधक

एफपीएम

- लिखित विश्लेषण और संचार I (अनिवार्य)
- लिखित विश्लेषण और संचार II (अनिवार्य)
- प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार

एफडीपी

- प्रबंध शिक्षकों के लिए अकादमिक लेखन
- प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- प्रभावशाली संचार रणनीति
- जीतने की कगार : नेतृत्वकर्ताओं के लिए संचार रणनीतियाँ

3. अर्थशास्त्र

अर्थशास्त्र के क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में निम्नलिखित अनिवार्य पाठ्यक्रम चलाए गए :

पाठ्यक्रम

पीजीपी (अनिवार्य)

- आर्थिक परिवेश व नीति
- बृहत अर्थशास्त्र व नीति
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र

पीजीपी-एक्स

- फर्म और बाजार
- अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र और राजनैतिक परिवेश
- मुक्त अर्थव्यवस्था, बृहत अर्थशास्त्र

एफपीएम

- उन्नत बृहत अर्थशास्त्र
- उन्नत सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- अर्थमापी विश्लेषण

एफडीपी

- आर्थिक मॉड्यूल

ऐच्छिक

पीजीपी -।।

- संगठन का अर्थशास्त्र
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- खेल सिद्धांत एवं उन्हें लागू करना
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं निवेश
- विकासशील देशों में श्रम बाजार

एफपीएम

- आर्थिक विकास और प्रगति

4. वित्त एवं लेखा

पाठ्यक्रम

पीजीपी (प्रथम वर्ष)

- कॉर्पोरेट वित्त
- लागत एवं नियंत्रण संबंधी प्रणाली
- वित्तीय बाजार
- वित्तीय रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण

पीजीपी (द्वितीय वर्ष)

- सम्पत्ति समर्थित प्रतिभूतिकरण
- गणनात्मक वित्त
- स्थाई आय प्रतिभूतियाँ - सी
- स्थाई आय प्रतिभूतियाँ - आर
- भविष्य, विकल्प व जोखिम प्रबंध
- वित्तीय संस्थाओं का प्रबंध
- बीमा व्यवसाय का प्रबंध
- विलय, अधिग्रहण, एवं कॉर्पोरेट पुनर्गठन
- आधुनिक निवेश व पोर्टफोलियो प्रबंध
- प्रतिभूति विनियमन
- कॉर्पोरेट वित्त पर सम्मेलन पाठ्यक्रम
- वित्त में प्रसंभाव्य गणना
- रणनीतिगत वित्तीय प्रबंध
- उद्यम पूंजी एवं निजी इक्विटी

एफपीएम

- गणितीय वित्त
- लेखांकन शोध संबंधी संगोष्ठी पाठ्यक्रम
- कॉर्पोरेट वित्त पर संगोष्ठी पाठ्यक्रम
- वित्त का सिद्धान्त I
- वित्त का सिद्धान्त II

पीजीपीएक्स

- लेखांकन-नीति विकल्प और वित्तीय विवरण
- कम्प्यूटेशनल वित्त (वैकल्पिक)
- कॉर्पोरेट वित्त

- वित्तीय कार्य का प्रभावशाली प्रबंध (वैकल्पिक)
- वित्तीय बाजार
- वित्तीय रिपोर्टिंग व विश्लेषण
- वित्तीय विवरण विश्लेषण (वैकल्पिक)
- प्रबंध - नियंत्रण प्रणालियाँ (वैकल्पिक)
- वित्तीय संस्थानों का प्रबंध
- विलय, अधिग्रहण और कॉर्पोरेट पुनर्गठन
- रणनीतिगत लागत प्रबंध
- संगठनात्मक प्रदर्शन की समझ
- कॉर्पोरेट पुनर्गठन के माध्यम से मूल्य सृजन
- उद्यम पूंजी एवं निजी इक्विटी (वैकल्पिक)

एफडीपी

- लेखा
- वित्तीय प्रबंध

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- उन्नत कॉर्पोरेट वित्त
- विलय, अधिग्रहण, और पुनर्गठन
- रणनीतिगत लागत प्रबंध

अनुसंधान

इस वर्ष इस क्षेत्र के द्वारा काफी संख्या में अनुसंधान परियोजनाएँ शुरू की गई।

5. विपणन

वर्ष 2010-11 में विपणन क्षेत्र ने शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श गतिविधियों, और अकादमिक प्रशासन की दिशा में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। अग्रणी व्यवसायियों द्वारा अनुभव बाँट कर इस क्षेत्र के पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया गया। उद्योग से कुल 18 वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारियों ने क्षेत्र द्वारा पेश हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों में अपने अनुभव बाँटे।

आमंत्रित/अतिथि वक्ताओं द्वारा विपणन में वर्तमान विकास के योगदान के बारे में चार संगोष्ठियाँ आयोजित की गई। खुदरा बिक्री, संवर्धन, वैश्विक विपणन प्रबंध, विपणन रणनीति, और पढ़ाई की मामला विधि जैसे विविध विपणन विषयों में अनुसंधान गतिविधियों के विस्तार पर ध्यान केन्द्रित किया गया।

पाठ्यक्रम

इस क्षेत्र ने एफपीएम, पीजीपी, और पीजीपीएक्स के छात्रों के लिए अनिवार्य और वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की पेशकश की है।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस वर्ष के दौरान इस क्षेत्र ने निम्नलिखित प्रबंध विकास कार्यक्रम चलाए :

- विपणन निर्णयों के लिए उच्चस्तरीय आंकड़ा विश्लेषण
- ग्राहक-आधारित व्यापार रणनीति
- विक्रय बल के कार्य निष्पादन को बढ़ाना
- खुदरा व्यापार का प्रबंध
- लाभ के लिए मूल्य निर्धारण
- संगठनात्मक प्रदर्शन की खोज

इस क्षेत्र के संकाय ने डिजाइन करके इजिप्त, दुबई, मलेशिया, और फ्रांस में भी कार्यक्रम चलाए/कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन पर चौथा आईआईएम-ए सम्मेलन

उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन पर चौथा आईआईएम-ए सम्मेलन 5 से 7 जनवरी, 2011 तक आयोजित किया गया। द्विवार्षिक रूप से पेश किये गये इस सम्मेलन में 270 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से अधिकांश विदेश से आये हुए थे।

इस वर्ष के सम्मेलन में 441 सार प्रस्तुत किये गये और दो बार सूक्ष्म समीक्षा प्रक्रिया के बाद 100 से अधिक पेपरों को प्रस्तुति के लिए स्वीकृति मिली ।

अनुसंधान

इस क्षेत्र के सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर अनुसंधान किए। उन्होंने राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं/पुस्तकों और प्रस्तुतियों में 20 प्रकाशित पत्रों के माध्यम से इन अनुसंधानों के लिए अपने निष्कर्ष बाँटे और सम्मेलनों व कार्यशालाओं में प्रस्तुतियों को आमंत्रित किया। अनुसंधान में जिन विषयों पर ध्यान केन्द्रित किया गया, वे हैं उपभोक्ता व्यवहार, ब्रांडिंग, विज्ञापन, बिक्री-समर्थन, खुदरा बिक्री, सूचना उत्पाद और सेवाएँ, पिरामिड का तल तथा सेवा-केन्द्रित रणनीति।

केस-पद्धति, विपणन में एक महत्वपूर्ण सीखने की पद्धति बनी हुई है। इस वर्ष के दौरान, छह केस पत्रिकाओं/पुस्तकों में प्रकाशित किए गए। अठारह केस-अध्ययन और शिक्षण तथा उत्पाद-बाजार की स्थितियों एवं संगठनों के एक व्यापक प्रतिबिम्ब को आवृत्त करने वाले तकनीकी नोट पूर्ण किए गए एवं कई ऐसे थे, जो वर्ष के दौरान शुरू किए गए। ये मामले थे - एमआईएस की डिजाइन, अनुभवात्मक विपणन, ग्रामीण वितरण, ऑनलाइन उत्पाद, एफएमसीजी उत्पाद, बैंकिंग सेवाएँ, संगठन पुनर्गठन और ग्राहक सेवा।

6. संगठनात्मक व्यवहार

पाठ्यक्रम

पीजीपी

- उद्यमी व्यक्तित्व का विकास (वैकल्पिक)
- भूमिका व पहचान की तलाश (वैकल्पिक)
- उद्यमी प्रेरणा में प्रयोगशाला (वैकल्पिक)
- कार्यस्थल भिन्नता प्रबंधन (वैकल्पिक)
- प्रतिभा प्रबंध (वैकल्पिक)

पीजीपीएक्स

- समूह उत्कृष्टता प्राप्ति (वैकल्पिक)
- संगठन व्यवहार
- उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- नेतृत्व कौशल पर कार्यशाला

एफपीएम 1

- बृहत् संगठन व्यवहार (ओबी)
- सूक्ष्म संगठन व्यवहार (ओबी)

एफपीएम 2

- उन्नत सूक्ष्म संगठन व्यवहार (ओबी)
- संगठन व्यवहार में उन्नत अनुसंधान तरीके
- अनुप्रयुक्त व्यवहार विज्ञान 1
- अनुप्रयुक्त व्यवहार विज्ञान 2
- संगठनात्मक सिद्धांत और उसका सामाजिक संदर्भ

एफडीपी

- संगठनात्मक व्यवहार को समझना

7. कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध

पाठ्यक्रम

पीजीपी/पीजीपी-एबीएम के लिए *कार्मिक क्षमता और सामर्थ्य निर्माण प्रणालियाँ* जैसे प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, निम्नलिखित वैकल्पिक पाठ्यक्रम चलाए गए :

- क्षमताओं का विश्लेषण व निर्माण (पीजीपी-एबीएम)
- समझौता-वार्ता का प्रबंध (पीजीपी)
- सामरिक मानव संसाधन प्रबंध (पीजीपी)

सामरिक मानव संसाधन प्रबंध, पीजीपीएक्स प्रतिभागियों के लिए चलाया गया।

एफडीपी

एफडीपी प्रतिभागियों के लिए *मानव संसाधन प्रबंध* पाठ्यक्रम पेश किया गया ।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस क्षेत्र ने इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्रबंध विकास कार्यक्रम चलाए :

- उन्नत मानव संसाधन प्रबंध
- वार्ता एवं कौशल क्लिनिक
- समूह व्यवहार प्रबंध
- नेतृत्व क्षेत्र में शीतल कौशल क्लिनिक

अनुसंधान

केस-लेखन, शिक्षण-सामग्री विकास और अपनी अभिरूचि के क्षेत्रों के अनुसंधान में क्षेत्र सदस्य अपना योगदान देते रहे हैं। संस्थान में तथा संस्थान से बाहर अनुसंधानकर्ताओं के साथ वे अंतः अनुशासनिक अनुसंधान में सहयोग करने में भी संलग्न रहे हैं। संस्थान में इस वर्ष के दौरान कुछ केस, लेखकों / सह-लेखकों द्वारा पंजीकृत किए गए। सदस्यों द्वारा लिखित एवं सह-लिखित आलेख, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए गए तथा समकक्ष व्यक्तियों द्वारा पुनरावलोकित पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए।

8. उत्पादन व मात्रात्मक तरीके

पाठ्यक्रम

पीजीपी - I

- निर्णय निर्माण I और II
- परिचालन प्रबंध I और II
- संभावना एवं सांख्यिकी I, II और III

पीजीपी - II

- डेटा विश्लेषण की उन्नत पद्धतियाँ
- रसद प्रबंध
- परिचालन रणनीति
- राजस्व प्रबंध एवं गतिशील मूल्य निर्धारण
- डेटा विश्लेषण में सांख्यिकीय पद्धतियाँ

पीजीपीएक्स

- डेटा विश्लेषण
- माँग-पूर्ति के लिए परिचालनों की डिजाइनिंग
- निर्णय के लिए मॉडलिंग
- गुणवत्ता प्रबंध
- राजस्व प्रबंध व गतिशील मूल्य निर्धारण

- सेवा स्तरों की स्थापना एवं वितरित करना
- आपूर्ति श्रृंखला एवं रसद प्रबंध

एफपीएम

- प्रबंधन में उन्नत संभाव्यता
- अनुप्रयुक्त बहुभिन्नरूपी विश्लेषण
- परिचालन अनुसंधान I और II
- परिचालन प्रबंध I और II पर संगोष्ठी
- प्रसंभाव्य प्रक्रियाएँ
- प्रणाली विश्लेषण और अनुकरण

अनुसंधान

प्रौद्योगिकी प्रबंध, प्रौद्योगिकी आधारित नवप्रवर्तन, विनिर्माण, निर्णय समर्थन प्रणाली, रसद, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंध, राजस्व प्रबंध, अनुकूलन, नेटवर्क अनुकूलन एवं बहु-अनुमानी, नेटवर्क विश्वसनीयता, वित्त में सांख्यिकीय मॉडलिंग, और सांख्यिकीय निष्कर्ष, आदि ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें क्षेत्र के संकाय-सदस्यों ने प्रकाशनों के जरिए अपना योगदान दिया है।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस क्षेत्र ने इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम चलाए :

- उन्नत विश्लेषिकी
- उन्नत गुणवत्ता प्रबंध
- रसद समाधान प्रदान
- परियोजना प्रबंध
- मात्रात्मक आँकड़ा विश्लेषिकी और व्यवसाय में उसके अनुप्रयोग
- राजस्व प्रबंध व गतिशील मूल्य निर्धारण
- जोखिम : मॉडलिंग और प्रबंध
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंध

पूर्वछात्र केन्द्र गतिविधियाँ

पूर्वछात्र संस्थान की प्रमुख सम्पत्तियों में से एक हैं। लगभग 35,000 सदस्यों की सक्रिय सदस्यता के साथ, इस संस्थान के पास पूर्वछात्रों का एक बड़ा नेटवर्क है। पूर्वछात्र केन्द्र की भूमिका यह है कि वह संस्थान में हो रही घटनाओं व गतिविधियों की जानकारी, साथ ही, पूर्वछात्र सदस्यों एवं आईआईएम-ए समुदाय की उपलब्धियों, समाचारों तथा घटनाओं की जानकारी सदस्यों को प्रदान करके, इस नेटवर्क को सक्रिय रखता है। यह केन्द्र, *आईआईएम-ए अल्युम्नस* नामक पत्रिका का प्रकाशन वर्ष में तीन बार करता है, जिसे पूर्वछात्र संघ के सभी सक्रिय सदस्यों को डाक द्वारा भेजी जाती है। यह केन्द्र एक विशेष वेबसाइट iimaalumni.org का रखरखाव पूर्वछात्रों के लिए करता है। इसके अतिरिक्त, यह केंद्र, रजत जयंती बैच, अर्थात 25 वर्ष पूर्व स्नातक हुए बैच का वार्षिक पुनर्मिलन आयोजित करता है। यह केन्द्र, विभिन्न पूर्वछात्रों के अध्यायों को उनके कार्यकलाप के लिए प्रोत्साहित भी करता है। पूर्वछात्र केन्द्र स्मारिका वस्तुओं का विक्रय करता है और सक्रिय रूप से संस्थान के लिए निधि जुटाने संबंधी गतिविधियों में संलग्न है।

नई सदस्यता

प्रति वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागी इसकी सदस्यता से जुड़ते हैं। 2010-11 के दौरान, सदस्यता-अंशदान में, पिछले वर्ष की तुलना में (30.48 लाख रूपए) लगभग 24.05 प्रतिशत (37.81 लाख रुपए) की वृद्धि हुई।

आईआईएम-ए अल्युम्नस

आईआईएम-ए अल्युम्नस, पूर्वछात्र-सदस्यों के साथ संपर्क बनाए रखने का प्रमुख माध्यम है। इसमें अल्युम्नी-सदस्यों के अनुभवों पर आधारित उनके लेख प्रकाशित होते रहते हैं। विज्ञापनों से प्राप्त राजस्व इसे पत्रिका से बाहर लाने की लागत में शामिल है। यह राजस्व वेबसाइट पर दिए गए नौकरी के विज्ञापनों और वेब विज्ञापन अभियान से जुटाया जाता है। 2010-11 के दौरान, *अल्युम्नस* से प्राप्त होने वाले विज्ञापन-राजस्व में 3.56 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के 7.31 लाख रुपए की तुलना में 7.57 लाख रुपए रही।

रजत जयंती पुनर्मिलन

इस केंद्र की प्रमुख गतिविधियों में से एक है - उन छात्रों के लिए रजत जयंती पुनर्मिलन आयोजित करना, जिन्होंने लंबी अवधि के कार्यक्रमों में 25 वर्ष पूर्व भाग लिया था। प्रत्येक वर्ष दिसंबर माह में इसका आयोजन होता है। इस वर्ष के लिए रजत जयंती पुनर्मिलन 23-24 दिसंबर, 2010 को 1986 के स्नातक-बैच (1984-1986) के लिए प्रतिवेदन के अंतर्गत आयोजित किया गया। लगभग 86 पूर्वछात्रों ने सपरिवार इस पुनर्मिलन में भाग लिया। इस अवसर पर हँसी-मजाक, मनोरंजन, मैत्री का नवीनीकरण भरपूर था। इस पुनर्मिलन के दौरान, उन 13 संकाय-सदस्यों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने 1986 बैच को पढ़ाया था।

गणमान्य पूर्वछात्र

दिवान अरुण नन्दा

स्व. सी. के. प्रहलाद

मदनमोहन मोहन्का

जोह्न सी. केमिलस

किरन कर्णिक

मार्टी जी. सुब्रह्मणियम

अजीत राँगणेकर

ओ. पी. नारंग

के. वी. कामथ

किशोर ए. चौकर

वी. कस्तूरी "काश" रंगन

पी. एम. तेलंग

एस. रामाकृष्णन

एस. बी. दांगायच

बेहेरूझ एन. सेठना

जयतीर्थ राव

किरीट एन. रावल

अरुन दुग्गल

मल्लिका वी. साराभाई

चन्द्रिका के. टंडन

एम. एस. बंगा

अशोक एलैकजैन्डर

भास्कर भट्ट

हरबीर सिंह

पी. डी. राय

श्रीकान्त दातार

अंजनी जैन

भूषण पुनानी

के. राघवेन्द्र राव

विजय महाजन

समीर के. बरुआ

संजीव बिखचन्दानी

शेखर चौधरी

शिखा शर्मा

अजय बंगा

संजीव चड्ढा

विनायक चैटर्जी

जगमोहन एस. राजु

मंजु पूरी

नीरज स्वरूप

सनी जी. वर्गीस

सलिल शेट्टी

देवी सिंह

हर्ष भोगले

प्रदीप चिन्तगुन्त

रूपा कुडवा

सुनिल गुप्ता

रघुराम राजन

दीप कालरा

एम. पी. वसिमलाई

नरेन्द्र मुरकुम्बी

सुनिल हान्डा

संस्थान को बड़ा योगदान ।

रजत-जयंती पुनर्मिलन के अतिरिक्त, 25 और 26 दिसम्बर, 2010 के दौरान संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह के हिस्से के रूप में एक भव्य पूर्वछात्र मिलन आयोजित किया गया । विभिन्न बैचों - 1989-91 (20 वर्ष), 1993-95 (15 वर्ष) के पुनर्मिलन संस्थान में 27 दिसम्बर, 2010, और 31 दिसम्बर, 2010 से 2 जनवरी, 2011 के दौरान क्रमशः आयोजित किये गये ।

निधि जुटाने की गतिविधियाँ

संस्थान का लक्ष्य अपने विकास और ध्येय को प्राप्त करने के लिए पूर्वछात्रों तथा अन्यों से 250 करोड़ रुपए की धनराशि जुटाना है। बहुत ही महत्वपूर्ण अंशदानों में सम्मिलित वचन बद्धताएँ ये हैं - पीजीपी 1984 बैच से 3 करोड़ रूपए (50 लाख का भुगतान हो गया), पीजीपी 1989 बैच से 2.3 करोड़ रूपए (1.7 करोड़ का भुगतान हो गया), पीजीपी 1986 बैच से 1.05 करोड़ रूपए (1.02 करोड़ का भुगतान हो गया), कनक सिरपाल द्वारा सजीव सिरपाल छात्रवृत्ति के लिए 80 लाख रूपए (82 लाख रुपए का भुगतान हो गया), पीजीपी 1990 बैच से 2 करोड़ रूपए (46 लाख रुपए का भुगतान हो गया), रमेश मंगलेश्वरन (पीजीपी 1993 बैच) से 50 लाख रुपए (20 लाख रुपए का भुगतान हो गया)। इस केन्द्र द्वारा मार्च 2010 सें एक वार्षिक उपहार-प्रदान कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसमें पूर्वछात्र अपनी पसंद से वार्षिक आधार पर 5,000 रूपए से प्रारंभ कर कितनी भी राशि का अंशदान, संस्थान की वैबसाइट पर भुगतान के जरिए कर सकते हैं। प्राप्त राशि, व्यापक रूप से जरुरत मंद छात्रों के समर्थन, संकाय के अनुसंधान व मामला अध्ययन-समर्थन, एवं बुनियादी सुविधाओं के समर्थन के लिए उपयोग में लिए जायेंगे।

स्मारिका वस्तुएँ

पूर्वछात्र केंद्र, टी-शर्टों, रेशमी टाइयों, वॉल हैंगिंग्स, पीतल की प्लेटों, सुंदर रचनायुक्त कॉफी मगों, आदि स्मारिका वस्तुओं का विपणन करता है। विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागी और पूर्वछात्र सदस्य, इन वस्तुओं के रूप में इस संस्थान की यादें अपने साथ ले जाते हैं। वर्ष 2010-11 के दौरान इस गतिविधि से 2.21 लाख रूपए राजस्व प्राप्त हुआ।

अध्याय गतिविधियाँ

चैन्नई, बैंगलुरू, दिल्ली, हैदराबाद, मुम्बई, लंदन, न्यूयॉर्क, सिंगापुर आदि सभाओं में इस वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई ।

स्वर्ण जयंती समारोह

संस्थान ने 11 दिसम्बर, 2010 के दिन अपनी यात्रा के 50वें वर्ष में प्रवेश किया। छात्रों द्वारा आयोजित एक वर्षीय रिकॉर्ड ब्रेक लंबे उत्सव के डोमिनोज़ शॉ (मुखौटा प्रदर्शन) के साथ स्वर्ण जयंती का आरंभ हुआ।

संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह के एक प्रतीक चिह्न के लिए एक स्पर्धा का आयोजन किया गया । चयनित प्रविष्टियाँ एनआईडी के वृत्तिकों से अनुरूप करवाईं गई और प्रेस की बैठक में जारी की गई ।

सेवानिवृत्त संकाय सदस्यों, बोर्ड के सदस्य व स्टॉफ, जिन्होंने प्रबंधन शिक्षा में एक नायक संस्थान के रूप में आईआईएम-ए को महत्त्वपूर्ण रूप से निर्माण करने में लंबे समय के लिए योगदान दिया एवं सेवा दी उन सबको इस दिन पर सम्मानित किया गया। उनमें से कई लोग इस अवसर पर सपरिवार आए और संस्थान के साथ सहयोग के लिए अपने विचारों को साझा किया। इसके उद्घाटन समारोह में श्रीमती मृणालिनी साराभाई मुख्य अतिथि रही ।

आईआईएम-ए पर बनी एक दस्तावेजी फिल्म इस अवसर पर दिखाई गई ।

स्वर्ण जयंती समारोह के हिस्से के रूप में पहले से ही चार अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किये गये ।

25-26 दिसम्बर, 2010 के दौरान, सभी बैचों के प्रतिभागियों के पुनर्मिलन का आयोजन हुआ, जिसमें वर्तमान में स्नातक हुए छात्रों के साथ कई वरिष्ठ पूर्वछात्रों को परिसर में लौटते देखा गया।

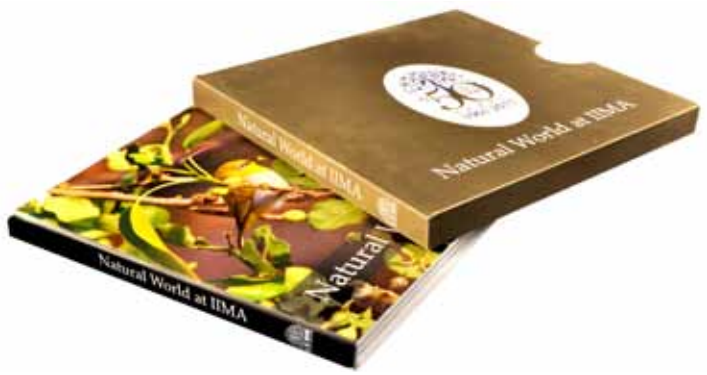

एक पुस्तक कई स्मरणीय दृश्यों के साथ आईआईएम-ए में विभिन्न क्षणों को प्रतिबिंबित करते हुए प्रकाशित की गई । एक अन्य पुस्तक *'नेचरल वर्ल्ड एट आईआईएम-ए'* में आईआईएम-ए के परिसर की हरियाली और जीव-जंतुओं की सुंदर तस्वीरों को दर्शाया गया है।

आईआईएम-ए के संकाय द्वारा प्रबंधन पुस्तकों की एक लोकप्रिय श्रृंखला के प्रकाशन को रैण्डम हाउस इन्डिया द्वारा 11 दिसम्बर, 2010 को जारी किया गया।

स्वर्ण जयंती समारोह

वैश्विक भागीदारी और कॉर्पोरेट मामले

रैंकिंग सर्वेक्षण

इस वर्ष के दौरान संस्थान ने 16 व्यावसायिक-स्कूलों के सर्वेक्षणों (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) में भाग लिया। सभी प्रमुख एवं प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में संस्थान ने अपना शीर्ष स्थान बनाए रखा।

प्रबंध में एफटी *(फाइनान्सियल टाइम्स)* विशेषज्ञ रैंकिंग 2010

प्रबंध में वैश्विक फाइनान्सियल टाइम्स विशेषज्ञ रैंकिंग 2010 में रैंकिंग के लिए समीक्षित 71 कार्यक्रमों में अपना संस्थान आठवें रैंक पर रहा। प्रबंध शिक्षा में वैश्विक नक्शे पर एक भारतीय संस्थान छा जाए, ऐसा पहली बार हुआ है, जिसमें शीर्ष 10 स्थानों में भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद को स्थान मिला है।

एफटी वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2011

हमारा संस्थान *फाइनान्सियल टाइम्स वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2011* में व्यावसायिक-स्कूलों के शीर्ष 100 की सूची में ग्यारहवें रैंक पर आया है। अपने एकवर्षीय कार्यकारी अधिकारियों के लिए स्नातकोत्तर प्रबंध कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) के कारण एक बार फिर संस्थान का स्थान एफटी रैंकिंग में आया है। एफटी की कैरियर प्रगति रैंकिंग के लिए पीजीपीएक्स को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

एफटी लेखापरीक्षा 2011

अपने वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2011 में सहभागिता के लिए एफटी लेखापरीक्षा प्रक्रिया की आवश्यकता के सफल समापन को प्रथम बार संस्थान ने सुगम बनाया।

अर्थशास्त्री रैंकिंग 2010

यह संस्थान *अर्थशास्त्री* पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम रैंकिंग 2010 में स्थान प्राप्त करने वाला एकमात्र भारतीय व्यावसायिक-स्कूल है।

रैंकिंग के लिए 'खुले नये रोजगार अवसर' कसौटी में शीर्ष दस व्यावसायिक-स्कूलों की सूची में संस्थान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। एशिया एवं ऑस्ट्रेलिया क्षेत्रीय रैंकिंग में संस्थान को बारहवाँ स्थान प्राप्त हुआ है तथा अर्थशास्त्री *पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम रैंकिंग 2010* में वैश्विक रूप से 85वाँ स्थान प्राप्त हुआ है।

वैश्विक भागीदारी

इस संस्थान ने अंतर्राष्ट्रीय छात्र विनिमय (पीजीपी), और अंतर्राष्ट्रीय निमग्नता कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) के लिए एक दोहरी डिग्री समझौता सहित सहमति ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर करके विदेशों में निम्नलिखित 11 प्रतिष्ठित व्यावसायिक-स्कूलों/विश्वविद्यालयों के साथ भागीदारी की शुरुआत की है।

- हाँगकाँग चीनी विश्वविद्यालय (चीन)
- ईसेक बिज़नेस स्कूल, फ्रान्स-सिंगापुर (संशोधित)
- फूदान विश्वविद्यालय (चीन)
- एचईसी प्रबंध स्कूल (पेरिस) (दोहरी डिग्री कार्यक्रम)
- नोर्थ कॅरोलिना स्टेट युनिवर्सिटी, रॉली (यूएसए)
- मुन्स्टर बिज़नेस एंड इकोनोमिक्स स्कूल, (जर्मनी)
- ओहियो स्टेट युनिवर्सिटी, ओहियो (यूएसए)
- मेलबोर्न विश्वविद्यालय (ऑस्ट्रेलिया)
- वर्जिनिया युनिवर्सिटी, शेर्लोट्सविल (यूएसए)
- उनिवेर्सिदाद दे लोस आन्देस मैनेजमेंट स्कूल, बोगोता (कॉलम्बिया)
- वारविक बिज़नेस स्कूल (यूके)

विदेशी संस्थानों के साथ संलग्नता

इस वर्ष के दौरान विदेशी संस्थानों / अंतर्राष्ट्रीय एजेन्सियों से 25 उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ अकादमिक सहयोग के लिए सार्थक वार्तालापों में संस्थान संलग्न रहा है।

कुछ महत्त्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल इस प्रकार थे :

- अधना हेल, राज्य शिक्षा मंत्री, इथियोपिया
- बर्नार्द रामानान्त्सोआ, डीन, जओं-पोल लारकों, वरिष्ठ एसोसिएट डीन, एचईसी प्रबंध स्कूल, पेरिस
- बेर्न्ड फोर्स्टर, डिप्टी कोन्स्यूल जनरल, जर्मन कोन्स्युलेट
- डेबी तान, अध्यक्ष, ह्युमन कैपिटल डिविज़न, और काई ओन ओ, सेन्टर डिरेक्टर, सिंगापुर अर्थशास्त्री विकास बोर्ड
- मार्क टैलर, डीन, और किंग वोंग, अंतर्राष्ट्रीय रणनीति के लिए एसोसिएट डीन, वारविक बिज़नेस स्कूल, यूके

संस्थान व्याख्यान

संस्थान परिसर में सार्वजनिक भागीदारी को सक्षम बनाने के लिए सार्वजनिक व्याख्यानों का आयोजन करता है। संस्थान व्याख्यान श्रेणी 2010-11 में *हैरिटेज मैनेजमेंट एंड नेशन बिल्डिंग* विषय पर प्रथम व्याख्यान मारवाड़ (जोधपुर) के पूर्व महाराजा श्री गज सिंह द्वितीय ने 20 सितम्बर, 2010 को दिया ।

'21वीं सदी में राष्ट्र निर्माण एवं भारतीय चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान का आयोजन आईआईएम-ए पूर्वछात्र संघ, अहमदाबाद और संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से किया गया । यह व्याख्यान 13 जनवरी, 2011 के दिन राष्ट्रीय ज्ञान आयोग के पूर्वाध्यक्ष एवं सार्वजनिक सूचना अवसंरचना व नवाचार के प्रधानमंत्री के सलाहकार श्री सेम पित्रोड़ा ने दिया था।

अतिथि व्याख्यान

निगमित क्षेत्र, व्यावसायिकों, विदेशी व्यावसायिक-स्कूलों, वरिष्ठ कार्यकारियों के विदेशी नागरिकों, सरकारी अधिकारियों तथा छात्रों के प्रतिनिधियों सहित में कई अतिथि व्याख्यान के लिए संस्थान आये हैं।

मीडिया सम्पर्क

इस वर्ष के दौरान, बड़ी संख्या में प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के साथ मैत्रीपूर्ण मीडिया संबंध बनाए रखने के प्रयास में संस्थान ने अपनी संलग्नता जारी रखी। कई साक्षात्कार, प्रेस वार्ता, प्रेस सम्मेलन, और प्रेस विज्ञप्ति जारी करने के माध्यम से समर्थन बढ़ाया गया।

परिशिष्ट ठ में विवरण दिया गया है।

सहायता अनुदान

वर्ष 2010-11 के दौरान, इस संस्थान ने गैर-योजना (नियमित) एवं योजना (नियमित) के अंतर्गत, मानव संसाधन विकास मंत्रालय से कोई भी सहायता अनुदान प्राप्त नहीं किया।

वर्ष 2010-11 के दौरान, इस संस्थान को अन्य पिछड़ी जाति प्रसार के लिए भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय से 1272 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ।

बुनियादी ढाँचे का विकास

नया परिसर

नए परिसर में 320 कमरों वाले छात्रावास का कार्य शुरु हुआ है। दो छात्रावासों का कार्य समाप्ति पर है। सिमेन्ट की ईंटो को प्रदर्शित करती आधुनिक अवधारणा के साथ पुराने परिसर भवन की स्थापत्य लाक्षणिकताओं का मिश्रण इन छात्रावासो में देखने मिलता है। यहाँ रहने वालों को कार्यशीलता के साथ-साथ आरामदायक रहे इस हेतु का ध्यान रखा गया है।

टॉरेंट पावर उप-स्टेशन

11केवी के टॉरेंट पावर उप-स्टेशन का कार्य समाप्त हो चुका है।

श्रमिक सुविधा भवन

श्रमिकों के लिए श्रमिक सुविधा भवन का काम पूर्ण हो चुका है और उपयोग के लिए सौंप दिया गया है।

पुराना परिसर

रसोईघर भवन का जीर्णोद्धार इस वर्ष किया गया । इसमें शामिल हैं :

- अद्यतन उपकरणों के साथ रसोईघर का नवीनीकरण
- रसोईघर और प्रक्षालन क्षेत्र
- भोजन कक्ष
- आयोजन दायरे के साथ काफे टान्सटाफल के लिए शेड

कार्मिक

वर्ष 2010-11 के दौरान, नौ संकाय सदस्यों और सात स्टाफ सदस्यों ने इस संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। पाँच संकाय सदस्यों ने संस्थान की सेवा से त्यागपत्र दे दिया और तीन संकाय सदस्यों ने संस्थान में अपना कार्यकाल पूर्ण होने पर संस्थान की सेवाएँ छोड़ दी। पाँच संकाय सदस्यों एवं सत्रह स्टाफ सदस्यों ने सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्ति ली।

सात संकाय सदस्यों को एवं एक स्टाफ सदस्य को अन्यत्र कार्यभार ग्रहण करने के लिए, अनुपस्थिति की छुट्टी दी गई, जबकि चार संकाय सदस्यों ने अनुपस्थिति की छुट्टी समाप्त होने पर, पुनः संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया।

परिशिष्ट 'ड' में विवरण दिया गया है।

अधिकारी एवं कर्मचारी विकास गतिविधि

कर्मचारियों के विकास और प्रशिक्षण-नीति पर आधारित, एक द्विमासिक संप्रेषणीय अंग्रेज़ी तथा व्यक्तित्व को संवारने का कार्यक्रम 12 अप्रैल से 11 जून, 2010 के दौरान आयोजित किया गया। विभिन्न विभागों से 20 से भी अधिक कर्मचारियों ने इसमें हिस्सा लिया।

पर्यवेक्षी उत्कृष्टता पर एक तीन-दिवसीय अधिगम कार्यशाला का आयोजन 17-18 एवं 19 मई, 2010 को किया गया, इसमें विभिन्न विभागों से 40 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया। समाविष्ट किये गये विषयों में से कुछ इस तरह से थे - प्रभावशाली संप्रेषण, प्रभावी समूह कार्य और नेतृत्व, तथा निर्णय-निर्माण गुणवत्ता आदि।

ग्रुप डी के कर्मचारियों और उनके जीवन साथी के लिए जीवन की गुणवत्ता पर, एक तीन-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 15-16 एवं 17 जून, 2010 को आयोजित किया गया, इसमें आत्मसात व्यायाम एवं कार्यालयों में दिन-प्रतिदिन की व्यवहारिक समस्याओं को शामिल किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्रुप डी के बाईस कर्मचारियों ने अपने जीवन साथी के साथ भाग लिया।

वर्ष के दौरान, अनेक अधिकारियों और कर्मचारियों को, अहमदाबाद मैनेजमेंट ऐसोसिएशन तथा अन्य प्रशिक्षण-संस्थानों द्वारा आयोजित, कौशल उन्नयन तथा साथ ही साथ सामान्य पर्यवेक्षी व प्रबंधकीय कार्य संबंधी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए प्रायोजित किया गया। विभिन्न पाठ्यक्रमों में कर्मचारियों को प्रायोजित करना संस्थान ने जारी रखा है।

राजभाषा कार्यान्वयन

संस्थान पूर्णतया भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान में, 15 से 30 सितम्बर, 2010 तक हिन्दी निबंध लेखन, हिन्दी कविता पाठ, शब्द-ज्ञान, वाद-विवाद, तथा सुलेखन प्रतियोगिताओं के साथ हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। इनमें 52 से अधिक हिन्दीभाषी और गैर-हिन्दीभाषी कर्मचारियों ने भाग लिया। समापन-दिवस पर, विजेताओं को नगद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र, डीन प्रोफेसर बी. एच. जाजू तथा राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष द्वारा प्रदान किए गए। विक्रम साराभाई पुस्तकालय में उपलब्ध विभिन्न विषयों की हिन्दी पुस्तकों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, माननीय गृहमंत्री तथा कैबिनेट सचिव द्वारा भेजे गए संदेशों की प्रतियाँ सभी नोटिस-बोर्डों पर प्रदर्शित की गई।

वर्ष के दौरान, हिन्दी में टिप्पण व प्रारूपण पर, दो हिन्दी-कार्यशालाएँ आयोजित की गई, इनमें 32 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इन कार्यशालाओं में व्याख्यान देने के लिए हिन्दी के प्रसिद्ध वक्ताओं को आमंत्रित किया गया ।

वर्ष के दौरान, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तीन बैठकें आयोजित की गई । इन बैठकों में, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु 'ख' क्षेत्र के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर जोर दिया गया।

कर्मचारी पुरस्कार/सम्मान

दो संकाय सदस्यों को और आठ कर्मचारियों को, 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के निमित्त, इस वर्ष के दौरान पुरस्कृत किया गया। शिवप्रसाद आर. कुम्भार, बी. एल. सोलंकी, मगन आर. पटेल, लालजी पी. वाघेला, गौरांग आर. भट्ट, जोह्न बी. डी'सूजा, बी. श्रीकुमार, बाला सुब्रमणियम, ए. एस. नायर, बी. एस. सोलंकी, बी. डी. बारोट, बी. एस. चौहान, बाबूभाई बी. पटेल, हरीश यू. सोनकुसारे और एन. ए. मुंशी आदि को दीर्घ सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों हेतु संस्थान द्वारा सुदीर्घ सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अधीन, वर्ष के दौरान सत्तर आवेदन प्राप्त हुए तथा निपटाए गए।

छात्र गतिविधियाँ

शौर्य 2010

शौर्य एक खेल इवैंट है इसमें अहमदाबाद के विभिन्न संस्थान शामिल होते हैं तथा इसकी मेजबानी यह संस्थान करता है। इस वर्ष के दौरान, एनआईडी, एमआईसीए और आईआईएम-ए ने इस ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा की। इसमें 10 प्रकार के खेल थे। अहमदाबाद में खेलों के आयोजन में *शौर्य* की सबसे अधिक माँग है तथा इसे बड़ा सक्षम माना जाता है।

संघर्ष 2011

संघर्ष, अंतर-आईआईएम वार्षिक खेल मिलन है, हर आईआईएम परिसर इस ट्राफी को जीतने का लक्ष्य रखता है। यह टीम-भावना, कड़ी मेहनत, और समर्पण का प्रतीक है जो हमारे छात्रों की समग्र क्षमता को प्रदर्शित करता है। यह सभी आईआईएम के छात्रों के बीच बेहतर संबंध एवं नेट वर्किंग की सुविधा प्रदान करता है। खेल समिति स्पोर्ट्सकोम के नाम से ज्यादा जानी जाती है और सभी खेल घटनाओं, बुनियादी सुविधाओं, और तैयारियों को संभालती है। इस वर्ष के दौरान, इन प्रतियोगिताओं में आईआईएम-ए, आईआईएम-बी, आईआईएम-सी, और आईआईएम-एल ने भाग लिया । इस बार कन्याओं के लिए पाँच इवैंट्स सहित 14 इवैंट्स का आयोजन किया गया। हमारे संस्थान ने पाँच स्वर्ण एवं चार रजत पदक जीते ।

अन्तर्दृष्टि

अन्तर्दृष्टि, भा. प्र. सं. अहमदाबाद का सबसे पुराना उत्सव है। 1986 से यह बढ़कर एक पूर्ण विपणन सम्मेलन का रूप ले चुका है, इसमें कंपनियाँ और छात्र, उपभोक्ता- व्यवहार समझने के लिए एक-दूसरे के नजदीक आते हैं। यह छात्रों को संकल्पना की परख, क्रेता का व्यवहार, कीमत में लचीलापन, संप्रेषण अभियानों की प्रभावशीलता सहित स्थल पर ही बाजार-शोध को डिजाइन करने और उसे संचालित करने के लिए एक अभिनव मंच उपलब्ध कराता है। देश के शीर्ष व्यावसायिक-स्कूलों के छात्र, श्रोताओं से प्रतिक्रिया प्राप्त करते हैं तथा अपने परिणामों के आधार पर कंपनियों को सिफारिशें करते हैं।

2009 से अंतर्दृष्टि के नए रूप ने इसमें विभिन्न घटनाओं को जोड़ा है, इसमें सम्मानित कॉर्पोरेटरों के साथ छात्रों का आपस में विचार-विनिमय होता है। विभिन्न शीर्ष व्यवसायिक स्कूलों के 200 से अधिक छात्रों ने नीलसन द्वारा आयोजित पूर्ण-दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। इससे पहले इस कार्यशाला पर आधारित एक मामला अध्ययन प्रतियोगिता आयोजित की गई । एक राष्ट्रीय बहस का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न आईआईएम और अन्य प्रथम स्तरीय व्यावसायिक-स्कूलों के छात्र उपस्थित रहे । यह आयोजन अंतिम दिन तक समापन के साथ दो दिन तक चला। इस वर्ष इस अंतर्दृष्टि सम्मेलन ने 5000 से अधिक स्थानीय लोगों को आकर्षित किया, जिससे इसकी लोकप्रियता और अधिक बढ़ी है।

कैओस

कैओस, अहमदाबाद का सबसे बड़ा एवं असाधारण इवैंट है, यह सर्वश्रेष्ठ व्यापार में शानदार घटनाओं एवं चौधियाने वाले प्रदर्शन का सम्मिश्रण है।

कैओस 2011, अद्वितीय उत्साह से भरा, मन को प्रफुल्लित करने वाली प्रतियोगिताओं, पेशेवर कलाकारों की कार्यशालाओं, तुरंत तैयार की गई घटनाओं, विस्मय प्रेरणादायक प्रदर्शनों, बड़े सितारों के प्रदर्शन और अन्य आनंद तथा उल्लास से भरी घटनाओं का मिश्रण था। अंतर्राष्ट्रीय एवं भारतीय कलाकारों द्वारा बड़ा ही शानदार प्रदर्शन किया गया, जो इस प्रकार था - लेद सेप्लिका (लेद सेप्लिन का आधिकारिक ट्रिब्यूट बैंड), हाविकोरो (यूएस का डान्स समूह), के के, इशा शरवानी, और जगजीत सिंह, सभी अपनी तरह से अद्‌भुत थे।

एबेकस

संस्थान का यह क्लब व्यवसाय के क्षेत्र में तार्किक विचारों तथा अपनी प्रासंगिकता को बाहर लाने के परिमाण को बढ़ावा देने वाली गतिविधियाँ चलाता है। *एबेकस* द्वारा अधिकतर गतिविधियों से मात्रात्मक पाठ्यक्रमों पर पहेलियाँ, कार्यशालाएँ, अनुकार खेल उपचारात्मक सत्रों के रूप में चलाये गये हैं।

इस वर्ष के इवैंट्स का सरौता, वार्षिक प्रमुख पहेली प्रतियोगिता के साथ प्रारंभ हुआ। यह वेबसाइट पुनर्गठित की गई थी और साप्ताहिक पहेली प्रतियोगिता, सुडोकू और सप्ताह की शतरंज पहेली जैसी ऑनलाइन घटनाओं की मेजबानी की गयी।

विपणन के क्षेत्र में गणित की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालने के लिए अंतर्दृष्टि घटना के भाग के रूप में *विपणन अनुसंधान में मात्रात्मक तरीके* विषय पर एबेकस ने एक कार्यशाला का आयोजन किया। यह क्लब वार्षिक व्यवसाय शिखर सम्मेलन - कोन्फ्लुअन्स के एक भाग के रूप में क्रिकेट पर एक अनुकार खेल आयोजित व तैयार करके, दो शब्दों-*क्रिकेट तथा वित्त* को जोड़कर *क्रिक-एक्स* चलाता है। गाणितीय पहेलियों के मजेदार रूप को दर्शाती एक पहेली चुनौती कार्यक्रम - *फनदोन* भी इस बार सफलतापूर्वक चलाया गया ।

शैक्षणिक परिषद्

यह शैक्षणिक परिषद् मुख्य रूप से पीजीपी के अपने द्वितीय वर्ष में छात्रों के ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के वितरण के लिए उत्तरदायी है। यह परिषद् प्रथम वर्ष के पीजीपी छात्रों के लिए सभी पाँच अनुभागों में एक ही समान वर्ग के समय होने के रुप में, गतिशील पाठ्यक्रम प्रक्रिया बोली, छात्रों को घट क रूप से ग्रेड प्रदान करने, ग्रंथालय का समय प्रतिदिन 24 घंटे रखने के लिए वेब आधारित सोफ्टवेयर लागू करने और अतिथि वक्ता सत्र डॉ. ब्रूस टकमैन के साथ आयोजित करने जैसी पहलों से जाना जाता है।

कृषि व्यवसाय क्लब

इस क्लब का लक्ष्य छात्रों को कक्षा के बाहर एक मंच प्रदान करना है, जिसका उपयोग वे इस क्षेत्र में ज्यादा गहराई तक जाने में कर सकते हैं। इसका उद्देश्य छात्रों के बीच बातचीत के लिए मार्ग प्रदान करना, शिक्षा एवं उद्योगों के नवोदित क्षेत्र को विकसित करना और उन्हें इस क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने की अनुमति प्रदान करना है।

पूरे वर्ष के दौरान, यह क्लब कई तरह की गतिविधियाँ चलाता है :

- क्रोनोस 2010 : कोन्फ्लुअन्स के कृषि-व्यवसाय जोन (अंचल) के द्वारा कृषि-व्यवसाय सेक्टर में नए मार्ग के बारे में संवेदनशीलता व जागरुकता पैदा करके पहल को आगे बढ़ाने का प्रयास है। इसमें वक्ता श्रृंखला, पैनल चर्चा, और देश भर में छात्रों के लिए ऑनलाइन व परिसर घटनाएँ आदि शामिल हैं। *क्रोनोस* ने अपने शुरूआत के ही संस्करण में *छात्रों के लिए प्रबंध विकास मोज्यूल* कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 200 छात्रों को सेवा देकर और अन्य परिसर व ऑनलाइन दोनों में आयोजित प्रमुख इवैंट्स के माध्यम से आवश्यकताएँ पूरी की हैं।
- मामला प्रतियोगिताएँ : अन्य संस्थानों में ऐसे क्लबों तथा विभिन्न उद्योगों के प्रतिभागियों के साथ सहयोग से आयोजित ये मामला प्रतियोगिताएँ छात्रों को वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान करने तथा उद्योगों के व्यक्तियों के साथ विचारों के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करती हैं। इस क्लब ने *स्ट्रेटेजिया* का आयोजन किया था, जो एक मामला अध्ययन के लिए चुनौती था। यह मामला पुष्प कृषि पर आधारित था और इसे प्रोफेसर वसंत गाँधी द्वारा प्रदान किया गया ।
- एक स्थान पर दुकान : आईजीएफएबी (आईआईएमएल) के सहयोग से एक तीन दौर वाली बाजार अनुसंधान स्पर्धा का आयोजन किया गया । कोरोमंडल इन्टरनेशनल लिमिटेड के कृषि-खुदरा दुकानों के विषय के लिए एक प्रारुप तैयार किया गया । दूसरे दौर के दौरान प्राथमिक अनुसंधान के लिए सभी टीमें सिकन्दराबाद गई ।
- हायफन : कृषि-व्यवसाय क्लब द्वारा प्रकाशित यह एक त्रिमासिक पत्रिका है। छात्रों, व्यवसायियों, और प्रोफेसरों द्वारा प्रदत्त लेखों से बनी इस सामयिकी का लक्ष्य कृषि-व्यवसाय से जुड़े मुद्दों पर विभिन्न दृष्टीकोण प्रस्तुत करना है। इसमें उभरते मुद्दों पर नींव के रुप में तथा साथ ही साथ मौजूदा मुद्दों पर नयी रोशनी डालना आदि भी शामिल हैं।
- कार्यशालाएँ : इनमें छात्रों एवं व्यवसायियों के बीच विविध कृषि-व्यवसाय संबंधित मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान और चर्चाएँ शामिल हैं। इस वर्ष एक नियुक्ति कार्यशाला का आयोजन उनके ग्रीष्मकालीन नियोजन के लिए पीजीपी-एबीएम के प्रथम वर्ष के छात्रों की सुविधा के लिए किया गया था। इस कार्यशाला में द्वितीय वर्ष पीजीपी-एबीएम के छात्रों द्वारा कुछ सत्रों और संकायों के व्याख्यान आदि रखे गये थे। इस कार्यशाला में प्रथम वर्ष पीजीपी-एबीएम के छात्रों ने भाग लिया।

पूर्वछात्र प्रकोष्ठ

इस वर्ष के स्वर्ण जयंती समारोह में संस्थान के पूर्वछात्र प्रकोष्ठ को नेतृत्व संभालते हुए देखा गया, जिसमें वे पूर्व यादों को दोहराते हुए, संस्थान के साथ अपना नाता आजीवन बनाए रखने को सुनिश्चित करते हैं। दिसम्बर 2010 में बड़ी संख्या में *भव्य अखिल पूर्वछात्र बैच पुनर्मिलन* होने, *श्रेष्ठ पूर्वछात्र पुरस्कार* और *पूर्वछात्र ट्रस्ट* छात्रवृत्ति पाने के लिए प्रकाश में आने पर, सारे पूर्वछात्र अपनी नींव की तरफ लौट आए। त्रिवार्षिक पत्रिका ने पूर्वछात्रों की सिद्धियों का उत्सव मनाया और परिसर में हो रही घटनाओं से सबमें खुशी फैला दी। *सिंक्रोनी* (समकालिक) नामक वार्षिक पूर्वछात्र बैठक बहुत सफल रही।

बीटा

बीटा, वित्त एवं निवेश क्लब है। इसका मुख्य उद्देश्य, छात्र-समुदाय में वित्त के प्रति शैक्षणिक रूप से अभिरूचि जगाना है, साथ ही साथ इसे भविष्य के एक विकल्प के रूप में समर्थन देना है। इस क्लब की गतिविधियों में, वित्त बैंकिंग, प्रतिभूतियाँ, निजी इक्विटी, उद्यम पूँजी, खुदरा बैंकिंग, संपत्ति प्रबंधन, बीमा और सूक्ष्म वित्तपोषण जैसे व्यापक कार्य-क्षेत्र समाविष्ट हैं।

2010 में इस क्लब ने अपनी तरह के एक इवैंट का आयोजन किया था, जिससे देश के श्रेष्ठ बी-स्कूलों से वित्त के प्रति उत्साही एकत्र हुए और *वित्त में श्रेष्ठ व्यापार-स्कूल* पुरस्कार जीतने के लिए एक करीबी प्रतियोगिता में शामिल हुए। विपणन एवं आईबीडी की तैयारी के लिए क्लब की व्यापक पुस्तिका *बीटा प्राइमर* इस वर्ष प्रकाशित की गई और उसका बहुत अच्छी तरह से स्वागत हुआ। बजट पर विमर्श के लिए छात्रों व प्रोफेसरों को एक साथ लेकर, इस क्लब ने एक पैनल चर्चा - *दृष्टिकोण* का आयोजन किया। विश्व प्रसिद्ध विचारकों जैसे कि संजय नायर तथा मोन्टेक सिंह अहलूवालिया आदि के लेखों का समावेश करते हुए आँकडों का प्रकाशन किया गया।

परामर्श क्लब

परामर्श क्लब छात्रों को परामर्श उद्योग से परिचित कराता है तथा इस क्षेत्र के नवीनतम विचारों एवं अंतर्दृष्टि से परिपूर्ण करता है। यह क्लब अग्रणी प्रबंधन परामर्श फर्म के साथ भागीदारी करके राष्ट्रीय स्तर पर स्पर्धात्मक घटनाओं तथा व्यापार अनुकार प्रतियोगिताओं का आयोजिन करता है। यह क्लब नियमित रूप से उद्योग के अग्रणियों द्वारा वार्ता व कार्यशालाएँ आयोजित करता है और छात्रों को ग्रीष्म एवं अंतिम नियुक्ति में सहायता प्रदान करता है। यह नियमित सत्रों, स्पर्धात्मक घटनाओं, और समर्पित सदस्यता कार्यक्रमों के माध्यम से हासिल हुआ है। यह क्लब छात्रों के उपयोग के लिए नवीनतम उद्योग प्रतिवेदनों का एक व्यापक संग्रह रखता है। यह वार्षिक रूप से आईआईएम-ए केस-पुस्तिका *पैनोरमा,* जो एक मासिक पत्रिका है उसका प्रकाशन भी करता है, और देश भर में व्यावसायिक-स्कूलों के छात्रों द्वारा चलाए जा रहे ब्लॉग का रखरखाव करता है।

उद्यमिता क्लब

उद्यमिता क्लब छात्रों को एक ऐसा रास्ता प्रदान करता है, जिससे वे प्रासंगिक उद्यमी संसाधनों का उपयोग कर सकें, प्रमुख समुदाय के उद्यमियों के साथ नेटवर्क बना सकें, तथा अपने विचारों का आदान-प्रदान कर सकें।

लीक से हटकर उद्यमी श्रृंखला लाना इस क्लब का प्रयास है, जिसमें लेखन, जमीनी स्तर पर नवीनता, फैशन के कुछ नाम जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपने जुनून एवं ध्येय द्वारा, जिसने परंपरा तोड़ी हो ऐसे उद्यमियों के द्वारा सत्रों के माध्यम से उद्यमिता का समग्र अर्थ सभी तक पहुँचाया जाता है। व्यवसाय चलाने का पहला ही अनुभव प्रदान करने एवं उद्यमशीलता का जश्न मनाने के लिए इस क्लब ने एक खुदरा व्यापार प्रतिस्पर्धा *टी-फाइट* का आयोजन किया । सृष्टि (www.srishti.org) द्वारा प्रायोजित नवीन प्रतियोगिता - *अन्वेषण* ने छात्रों को अपने नवीन विचारों को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया है, जिससे जिन लोगों के पास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कोई संरचना है वे उसको आगे ले जा सके। *एंत्र* पत्रिका, सुर्खियों में आयी जिसे प्रेरणादायक कहानियों एवं विभिन्न शुरूआतों पर कवरेज के इरादे के साथ शुरू किया गया ।

साम्यावस्था (इक्विपॉइज़)

अर्थशास्त्र क्लब - इक्विपॉइज़ छात्रों में अर्थशास्त्र में रुचि बढ़ाने की मूल धारणा से प्रेरित है। इस क्लब की विचारधारा तीन स्तंभों पर टिकी हुई है। प्रथम यह कि, इस क्लब द्वारा जो लोग इस विषय में रुचि रखते हैं उनको शामिल करने और अन्य समान विचारधारा वाले लोगों से मिलने के लिए एक मंच प्रदान किया जाता है। दूसरा यह कि, दैनिक जीवन में अर्थशास्त्र के बारे में व कई व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बारे में जागरुकता फैलाने का यह एक प्रयास है। तीसरा यह कि, प्रमुख प्रबंध संस्थान के रूप में स्थापित होने के सदाचार के उद्देश्य से अर्थशास्त्र को व्यवसाय के साथ जोड़कर गतिशील नीतियों के संदर्भ में बेहतर व्यवसाय निर्णय लेने के लिए सक्षम बनाना है।

नियुक्ति के लिए सुधारात्मक सत्र लेने व अकादमिक निविष्टियाँ प्रदान करने के अलावा, यह क्लब दो पत्रिकाएँ भी प्रकाशित करता है - *इको* एवं *केलिडोस्कोप* । अर्थशास्त्र में अवधारणाओं के रूप में अनुकार खेल भी एक विषय के रूप में आयोजित किये गये । क्लब की अन्य गतिविधियों में *कोन्फ्लुअन्स 2010* के दौरान एक बी-स्कूल के तौर पर पहली बार *मॉडल युनाइटेड नेशन्स* तथा पैन-आईआईएम पेपर लेखन स्पर्धा *इन्कपोट* का भी आयोजन किया गया ।

विनिमय परिषद्

यह परिषद् इस संस्थान के छात्र-विनिमय कार्यक्रम का समन्वय करती है। इस परिषद् ने विदेशी मुद्रा, बीमा, व यात्रा संबंधी अन्य कार्यकलाप के लिए थोक सौदों की व्यवस्था की थी। बाहर जाने वाले छात्रों की मदद करने के साथ-साथ, यह परिषद् विभिन्न भागीदार संस्थानों से यहाँ आने वाले छात्रों का खयाल भी रखती है और छात्रों के उन्मुखीकरण एवं सामाजिक घटनाओं के लिए व्यवस्था करने में मदद करती है।

उद्योग सहभागिता मंच (एफआईआई)

उद्योग सहभागिता मंच (एफआई आई) ने 17 जीवंत परियोजनाएँ पूर्ण की हैं, जिससे छात्रों का प्रत्यक्ष परामर्श अनुभव हो सके। जीई, अमेज़न जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपनी समस्याओं के लिए प्रभावी समाधान देने में एफआईआई की क्षमता में विश्वास जताया है। वास्तव में सांस्कृतिक परियोजना निष्पादन करते हुए और भारत में कोई प्रतिनिधि कार्यालय या भारतीय कर्मचारी के बिना ही जापान की एक कंपनी से एफआईआई ने अपनी पहली अंतर्राष्ट्रीय परियोजना हासिल की। कॉर्पोरेट कार्यालय में नेतृत्व वाली टीमों के सामने कुछ टीमों को अपने समाधान प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया, इस तरह से एफआईआई प्रमुख प्रबंध परामर्श फर्म के खिलाफ प्रत्यक्ष रूप से सामने आया। एफआईआई के बारे में व्यापक मीडिया कवरेज और अनूठे मूल्य प्रस्ताव इसे तालिका में लाये।

कौशल (फिनेस)

ललित कला क्लब - कौशल (*फिनेस*) छात्र समुदाय के प्रत्येक छात्र की रचनात्मकता को बाहर लाता है। प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान करके कलात्मक प्रतिभा को बढावा देने तथा एक अभ्यास भूमि तैयार करने की दिशा में यह बडे कौशल से कार्य करता है। प्रत्येक व्यक्ति की रचनात्मक भावना को उच्च बनाए रखने के लिए यहाँ कार्यशालाएँ, कला प्रदर्शिनियाँ और प्रतियोगिताओं जैसे इवैंट्स का आयोजन किया जाता है।

संकाय छात्र सहभागिता

संकाय छात्र सहभागिता (एफएसआई) क्लब संकाय सदस्यों के साथ सहभागिता करने के लिए छात्रों को एक अनौपचारिक एवं मैत्रीपूर्ण मंच प्रदान करता है। साल भर में आयोजित होने वाली गतिविधियों में शामिल हैं :

- शिक्षक दिवस समारोह : एफएसआई ने 5 सितंबर को सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करके, लुइ काह्न प्लाजा में रात्रि भोज संकाय सदस्यों को समर्पित किया तथा छात्रों तथा संकाय सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।
- गुरु-शिष्य कार्यक्रम (निरंतर) : छात्रों के नए बैच के जुड़ने के बाद पहले दो सप्ताह के भीतर गुरु नियत किये गये । वहाँ एक गुरू के पास 5-6 शिष्य थे। संकाय सदस्यों के घर पर, कॉफी शोप आदि विभिन्न स्थानों पर शिष्यों ने अपने गुरुओं से मुलाकात की ।
- संकाय सदस्यों के जन्मदिन समारोह (निरंतर) : इस क्लब ने संकाय सदस्यों के जन्मदिन समारोह मनाए ।

आईआईएम अहमदाबाद सांस्कृतिक एवं नाट्य सोसायटी

आईआईएम ऐक्ट्स, अभिनय, निर्देशन, पटकथा लेखन, फिल्म निर्माण आदि क्षेत्र में प्रतिभा व कौशल प्रदर्शन के लिए एक मंच प्रदान करता है। 2010-11 में *आईआईएम ऐक्ट्स* ने हिन्दी में *'एक था गधा अल्लादाद खान'* और अंग्रेज़ी में *'इम्पोर्टन्स ओफ बिइंग अर्नेस्ट'* का सफलतापूर्वक मंचन किया ।

इसके अलावा, इस सोसायटी ने दो नुक्कड़ नाटकों: *'भूल गये भैया',* और "आ भी जाओ" का निदर्शन एवं प्रदर्शन किया ।

साहित्य संगोष्ठी डेस्क

साहित्य संगोष्ठी डेस्क (एलएसडी) में तीन कक्ष हैं : अभिव्यक्ति घटना कक्ष (सैल), साहित्यिक घटना कक्ष, और प्रश्नोत्तरी कक्ष।

इस वर्ष, अभिव्यक्ति घटना कक्ष ने बहुत बड़ी *डबल्यूआईएमडबल्यूआई* वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया था, इसमें लगभग 24 टीमों ने भाग लिया, जिसमें से 2 टीमें चैम्पियन वक्ता का ताज जीतने के लिए आपस में बराबर की टक्कर दी । इस कक्ष ने *इनसाइट* में भी लोकप्रिय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजिन किया, जिसमें सभी कॉलेजों से छात्रों ने भाग लिया । इसके अलावा, इस कक्ष ने वर्षभर नियमित रूप से *जाम (जेएएम)* सत्रों का आयोजन किया ।

साहित्यिक घटना कक्ष, *इयरबुक* प्रकाशित करने के अलावा, रचनात्मक लेखन के लिए वैविध्य वाले आन्तरिक सामयिक लितराती रसस्वाद से परिपूर्ण पत्रिका का प्रकाशन करता है। इस कक्ष ने रचनात्मक सामयिक पत्रिका *ग्राफिती* भी प्रकाशित की, जिसमें सिर्फ छात्रों ने ही नहीं, बल्कि प्रोफेसरों ने भी संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में योगदान दिया । इस कक्ष ने वर्ष भर शब्द खेल सत्रों का आयोजन किया, जिसमें क्रोसवर्ड, एनाग्राम, क्रिप्टोग्राम, और रेबुस (कूट - पहेली) शामिल थे। कक्ष ने परिसर के अन्दर *कैओस 2011* में पहली बार *क्ल्युडो* का आयोजन किया, जिसमें प्रतिभागियों को कुछ संकेतों के आधार पर एक हत्या के रहस्य को सुलझाने के लिए कहा गया ।

विविध क्षेत्रों को सम्मिलित करते हुए नियमित आधार पर प्रश्नोत्तरी कक्ष, प्रश्नोत्तर परीक्षा का आयोजन करता है। इस वर्ष परिसर में 10 से ज़्यादा और परिसर के बाहर भी कुछ प्रश्नोत्तर परीक्षाओं का आयोजन किया गया। वह इस वर्ष आईआईएमसी में आयोजित वार्षिक अंतर-आईआईटी/आईआईएम उत्सव *निहिलान्त* में कुछ प्रश्नोत्तर परीक्षाओं में विजयी रहा, इससे प्रश्नोत्तरी कक्ष की टोपी में एक और पंख जुड़ गया। इस कक्ष ने कुछ मिश्रित सत्रों, जो कि एक लोकप्रिय इवैंट है, का आयोजन चराड, 20 प्रश्न जैसे विविध दौर के साथ किया ।

मीडिया कक्ष

संस्थान में हुई सभी घटनाओं का कवरेज वर्तमान समाचार पत्रों एवं टी. वी. मीडिया को मीडिया कक्ष ने ही दिया। इस कक्ष ने *कैओस, कोन्फ्लुअन्स, और इनसाइट* के लिए प्रेस विज्ञप्तियाँ भेजी। इस कक्ष ने प्रोफेसरों, प्रसिद्ध पूर्वछात्रों के साथ साक्षात्कार, फिल्म एवं रेस्तरां की समीक्षा, तथा लेखों से युक्त एक पत्रिका प्रकाशित करना शुरू किया।

संगीत क्लब

संगीत क्लब ने संगीत के लिए चाहत को जीवित रखा है। वर्षभर इस क्लब ने संगीत के जीवंत प्रदर्शनों का आयोजन किया और संगीत समारोह भी आयोजित किये। यह बताने की जरूरत नहीं है ये सिलसिले रातभर जारी रहते थे।

निशे

विपणन क्लब निशे ने विपणन के क्षेत्र में अपने हितों का पता लगाने में छात्रों की सहायता की। ब्रांड प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ऑनलाइन ट्रेज़र हन्ट, अनुकार खेल, और उद्योग के सहयोग में विभिन्न अन्य इवैंट्स जैसी कई गतिविधियाँ इस क्लब ने आयोजित की। निशे ने विपणन में अपना भविष्य बनाने के बारे में छात्रों को सहायता एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया। इस दिशा में, क्लब ने ग्रीष्मकालीन इन्टर्नशिप और अंतिम नियुक्ति साक्षात्कार के लिए छात्रों को अपनी तैयारियों में मदद के लिए उपचारात्मक सत्र आयोजित किये तथा सामग्री प्रदान की। विपणन विषय पर आधारित एक मासिक पत्रिका का प्रकाशन और प्रतियोगिता का आयोजन निशे करता है।

राम-बाण (पैनेसिया)

राम-बाण, स्वास्थ्य क्लब, परिसर के सबसे युवा क्लबों में से एक है। यह क्लब स्वास्थ्य देखभाल एवं स्वास्थ्य प्रबंध के बारे में जागरुकता पैदा करने का उद्देश्य रखता है और उसी को ध्यान में रखते हुए कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, और शिविरों का आयोजन करता है। संस्थान के साथ समन्वय में इस वर्ष के दौरान इसने कई रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। क्लब ने प्राथमिक चिकित्सा औषधीय सामानों का वितरण प्रत्येक छात्रावास में किया।

परिप्रेक्ष्य (पर्स्पैक्टिव्स)

फोटोग्राफी क्लब परिप्रेक्ष्य (पर्स्पैक्टिव) ने टी-नाइट, कैओस, और दिवाली के दौरान फोटोग्राफी कार्यशालाएँ आयोजित की। जो छात्र विनिमय के अंतर्गत विदेश गये, उनके लिए एक विशेष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । विनिमय छात्रों के लिए एक हैरिटेज वॉक भी आयोजित किया गया । परिसर में और परिसर से बाहर इन अनमोल क्षणों को फोटो में कैद करने के लिए एक मुख्य टीम भी इसमें शामिल हुई ।

विक्रम साराभाई पुस्तकालय

विक्रम साराभाई पुस्तकालय, सेवाओं की विस्तृत श्रृंखलाओं के माध्यम से सूचनाओं को सर्वाधिक विस्तृत संभव पहुँच प्रदान करता है। इसकी वैबसाइट http://www.iimahd.ernet.in/library/ कई ऑनलाइन डेटाबेसों के साथ जुड़ी हुई है, जो नेटवर्क किए हुए इस संस्थान के और पुस्तकालय के भीतर किसी भी कम्प्यूटर से उपलब्ध है। यह पुस्तकालय, दोनों (मुद्रित व अमुद्रित) ही प्रकार की सामग्रियों के संग्रह को एवं इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों को, चयन, प्राप्ति, संगठन, संरक्षण, रखरखाव करने को, तथा इन तक पहुँच को, सुगम बनाने के अपने मिशन को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ता है एवं अपने सदस्यों की अभिरूचियों और आवश्यकताओं को पूरा करता है।

इस वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने अपने संग्रह में 2657 पुस्तकें और 777 जर्नलों के जिल्दबंद भाग शामिल किए।

संसाधन	मदों की संख्या
पुस्तकें	1,70,611
पत्रिकाओं के जिल्दबंद भाग	41,573
कार्य पत्र	2,199
शोध प्रबंध	260 (18सॉफ्ट कॉपियाँ)
परियोजना प्रतिवेदन	1,712
शैक्षणिक वीडियो कैसेट्स	128
सीडीज (पुस्तकों, डेटाबेसों ट्रेनिंग आदि की)	1,870
मँगाए जाने वाले जर्नल्स की वर्तमान संख्या	1,068
समाचार पत्र	32
वापस ली गई पुस्तकें	2,000

ई-संसाधन

यह पुस्तकालय, अनेक कंपनियों और उद्योगों के डेटाबेस, ग्रंथसूची संबंधी डेटाबेस और ई-जर्नल्स, उपयोगकर्ताओं को नवीनतम शैक्षणिक जानकारी उपलब्ध कराने हेतु मँगाता है।

- कंपनी/उद्योग/देश डेटाबेस

डेटामोनिटर 360, कैपिटैलाइन, सीएमआइई-ऐल्फा, बिजिनेस बीकॉन, कैपैक्स, ईआइएस, फर्स्ट सोर्स, आइएएस, आईसीओ, इंडिया हारवैस्ट, इनसाईट, इंडिया ट्रेडर्स, एम एंड ए, प्रोवेस एंड एसएएस, क्रिसइनफैक, डेटास्ट्रीम (वर्ल्डस्कोप शामिल), डीएसआई डेटा सर्विस, ईआईयू कंट्री रिपोर्ट्स, (ब्राजील, रशिया, और चाइना), यूरोमॉनीटर (जीएमआईडी), एफटी डोट कोम, एफटी आर्काइव (1888-2006), गार्टनर, इंडियास्टैट्स, इंडिकस डिस्ट्रिक्ट जीडीपी 2007, इनफ्रालाइन - कोयला क्षेत्र, तेल व गैस क्षेत्र, और विद्युत क्षेत्र, इन्वैस्ट इंडिया, आईएसआई एमर्जिंग मार्कैट्स - एशिया, नासकोम, प्राइम डेटाबेस, र्‌यूटर्स 3000 ऐक्स्ट्रा होस्टेड टर्मिनल एंड र्‌यूटर्स नॉलेज, वेन्चर इन्टेलिजन्स।

- ई-जर्नल डेटाबेस

एबीआई/इन्फॉर्म कंप्लीट (2000 + शीर्षक), एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी (40 + शीर्षक), ईबीएससीओ ऐकेडेमिक सर्च प्रीमियर (4500 + शीर्षक), ईबीएससीओ बिजिनेस सोर्स कंप्लीट (1200 + शीर्षक), ईबीएससीओ - साइकार्टिकल्स (66 शीर्षक), ईबीएससीओ - इकॉनलिट (ऐबस्ट्रैक्ट्स), ऐल्सवियर - बिजिनेस मैनेजमैंट एंड ऐकाउंटिंग, डिसीजन साइंस इकॉनॉमिक्स, इकॉनॉमैट्रिक्स, फिनैन्स एंड कंप्यूटर साइंस (400 + शीर्षक), एमराल्ड मैनेजमैंट ऐक्स्ट्रा (170 + शीर्षक), आइईईई इलैक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी (आइईएल), आइजीआई फुल-टैक्स्ट (50 + शीर्षक), इन्फॉर्म्स (12 शीर्षक), इंडियन जर्नल्स डाट कॉम - बिजिनेस/इकॉनॉमिक्स/ मैनेजमैंट पैकेज (30 शीर्षक)।

जेएसटीओआर (1300 + शीर्षक), क्लूवेर-स्प्रिंजर लिंक (33 शीर्षक), ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (86 शीर्षक), प्रोजैक्ट म्यूज (296 शीर्षक), सेज (400 + शीर्षक), टेलर एंड फ्रांसिस (41 शीर्षक), विले-ब्लैकवैल (500 + शीर्षक) ।

- ई-जर्नलों की बैक फाइलें

ऐल्सवियर (कृषि व जीव विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, फर्माकोलॉजी, टॉक्सिकोलॉजी एंड फार्मासिटिक्स, बिजिनेस प्रबंध व लेखाकरण, निर्णय विज्ञान अर्थशास्त्र, अर्थमापीशास्त्र, व वित्त), (550 + शीर्षक), एमराल्ड मैनेजमैंट ऐक्स्ट्रा (170 + शीर्षक)।

- विधिक एवं अन्य डेटाबेस

एआईआर (ऑल इंडिया रिपोर्टर), उच्च न्यायालय (1965-2010), क्रिमिनल लॉ (1960-2010), उच्चतम न्यायालय (1950-2010), प्रिवी काउंसिल (1930-1950), आईएसआई वैब ऑफ नॉलेज (साइटेशन), जे - गेट, पेपर्स - इनवाइटेड, वैस्टलॉ (इन्डलॉ सहित), वर्ल्ड बैंक ई-लाइब्रेरी, वर्ल्ड डैवलपमैंट इंडिकेटर्स, ग्लोबल डैवलपमैंट वित्त, ग्लोबल इकॉनॉमिक मॉनीटर।

विशेषीकृत अनुसंधान सॉफ्टवेयर

360 कोर ए-जेड़, 360 फैडरेटेड सर्च एंड रिमोट लॉगिन फॉर इंटर्नल यूजर्स

सेवाएँ

- वितरण
- पठन सुविधा
- मेल चेतावनी सेवा
- संदर्भ व सूचना
- स्कैनिंग
- डेटाबेस खोज सेवा
- दस्तावेज वितरण
- अंतर्पुस्तकालय ऋण
- फोटोकॉपी
- अनुक्रमण एवं ग्रंथ सूची
- सारांशकरण
- उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- सूचना साक्षरता कार्यक्रम
- ऑनलाईन सार्वजनिक पहुँच कैटैलॉग
- वर्तमान जागरूकता सेवा
- अनुसंधान-सहायता

प्रकाशन

यह पुस्तकालय, वर्ष 1998 से दो त्रैमासिक सूचना बुलेटिन, प्रकाशित कर रहा है :

- वर्तमान विषयवस्तु के प्रबंधन में: विपणन
- प्रबंध की वर्तमान अनुक्रमणिकाएँ : विपणन

पुस्तकालय ने राष्ट्रीय प्रबंध सूचना केन्द्र (निकमैन) की सदस्यता शोधकर्ताओं को देना शुरू किया है। वर्तमान समय में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के संदर्भ में विपणन में दस्तावेजीकरण शुरू कर दिया है।

कल्याण गतिविधियाँ

45 वर्ष से अधिक आयु वाले कर्मचारियों व उनके जीवनसाथियों के लिए सामान्य स्वास्थ्य निरीक्षण का कार्यक्रम अप्रैल-मई 2010 के दौरान, कल्याण समिति द्वारा अपोलो अस्पताल, सिटी सेन्टर में आयोजित किया गया । कुल 297 समुदाय-सदस्य इस कार्यकलाप से लाभान्वित हुए।

अगस्त व सितम्बर 2010 में पात्र कर्मचारियों को पाठ्यपुस्तकें और अन्य शिक्षण-सहायक सामग्री खरीदने की सहायतार्थ प्रति शिशु 2,000 रूपए की राशि दी गई। समुदाय से एक सौ तीस शिशु इस सुविधा से लाभान्वित हुए।

11 नवम्बर, 2010 को कल्याण समिति द्वारा गुजराती नव वर्ष दिवस मेल-मिलाप समारोह का आयोजन, दीप जलाकर और पटाखे फोड़कर और समुदाय में मिठाई बाँटकर किया गया।

स्वर्ण जयंती संस्थान-दिवस, 12 दिसंबर, 2010 को मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षा व खेल संबंधी कार्यकलाप में उत्कृष्ट प्रदर्शन व अच्छी समाजसेवा करने वाले 45 शिशुओं और स्टाफ सदस्यों को पुरस्कृत किया गया । इस समारोह के हिस्से के रूप में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया ।

इस वर्ष के दौरान, इस कल्याण समिति ने छात्र-कार्यों की परिषद के साथ मिलकर संयुक्त रूप से तीन रक्तदान शिविरों का आयोजन किया और रक्त की लगभग 537 युनिटों का संग्रह किया। रक्त की लगभग 75 युनिटों का इस्तेमाल समुदाय के सदस्यों व उनके रिश्तेदारों द्वारा किया गया । कल्याण समिति के एक सदस्य श्री हिमांशु भट्ट ने 100वीं बार रक्तदान करने का गौरव प्राप्त किया।

ताइक्वांडो, टेनिस, और योग की कोचिंग कक्षाएँ परिसर में चलाना जारी है। मई-जून, 2010 में एक फुटबॉल शिविर आयोजित किया गया ।

कल्याण सांस्कृतिक कार्यक्रम

परिशिष्ट

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

पीजीपी छात्र संख्या क1

	पीजीपी ।	पीजीपी।।
कार्यक्रम से जुड़े	**380**	**310**
(-) अलग हुए	5	-
(-) जिन्हें अनुमति दी गई/2011 में पुनः जुड़ने को कहा गया	2	-
(+) पुनरावृत्ति करने वाले	2	-
(+) जिन्हें 2010 में पुनः जुड़ने के लिए अनुमति दी गई	1	
प्रथम वर्ष में संख्या	**376**	-
(-) जिनसे हटने के लिए कहा गया	2	-
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	3	
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री और जनरल) पूरी न करने पर स्नातक न हो सके	-	5
(-) शैक्षणिक अनुशासनहीनता के कारण स्नातक नहीं हो सके	-	-
(+) पूर्व वर्ष के स्नातक	-	2
(+) डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	-	9
कुल प्रोन्नत/स्नातक	**371**	**316**

नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम क2

- परिसम्पत्ति समर्थित प्रतिभूतिकरण
- व्यवसाय से व्यवसाय का विपणन
- कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा संचार
- ई-गवर्नेंस में परामर्श : दृष्टिकोण से कार्यान्वयन तक
- ग्राहक व्यवहार और प्रौद्योगिकी
- परिवार व्यवसाय गतिकी
- अस्पताल प्रबंधन
- मा.सं.वि. स्कोर कार्ड 2500 के साथ बौद्धिक पूँजी प्रबंधन
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- नए उत्पाद की रणनीति
- नए प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग, डिज़ाइन एवं व्यवसाय मॉडल
- परिचालन रणनीति
- सार्वजनिक वित्त
- सार्वजनिक नीति
- राजस्व प्रबंधन एवं गतिशील मूल्य निर्धारण
- ग्रामीण विपणन
- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन
- विकास के लिए रंगमंच
- व्यापारिक रणनीतियाँ
- शहरी अर्थव्यवस्था और कारोबारी माहौल

क3 छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत भा प्र सं, अहमदाबाद से विदेशी संस्थाओं में गए छात्र

विनिमय संस्थान का नाम	छात्रों की संख्या
एशिया	
जापान अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय	2
चाइनीज़ युनिवर्सिटी ऑफ हाँगकाँग	1
यूरोप	
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल, फ्रेड्रिक्सबर्ग	4
ईडीएचईसी	3
ईएससीपी-ईएपी	10
ईएससी-तुलुज़	4
ईएसएसईसी	7
यूरोपीयन बिजनेस स्कूल (ईबीएस)	3
एचईसी प्रबंध स्कूल	3
आल्टो अर्थशास्त्र एवं व्यायसायिक प्रशासन स्कूल	2
इन्स्तित्यूतो दे एमप्रैसा	2
जॉन्कोपिंग इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल	2
लीपजिग प्रबंध स्नातक स्कूल	2
नौर्वेजियन अर्थशास्त्र व बिजनेस प्रशासन स्कूल	3
फार्जेम अनुप्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय	3
सॉल्वे बिजनेस स्कूल, ब्रसेल्स	2
स्टॉकहोम अर्थशास्त्र स्कूल	2
बोकोनी विश्वविद्यालय	4
कोलोन विश्वविद्यालय	6
मॉसट्रिच विश्वविद्यालय	2
मैनहेम विश्वविद्यालय	3
सैंट गैलन विश्वविद्यालय	2
विएना अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय	3
डब्ल्यूएचयू कोब्लेंज प्रबंध स्नातक स्कूल	1
उत्तरी अमेरिका	
यू एस ए	
स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस	1
एंडरसन स्कूल, यूसीएलए	1
शिकागो बिजनेस स्नातक स्कूल विश्वविद्यालय	2
टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन, टैक्सास (मैककॉम्ब्स बिजिनेस स्कूल)	1
वाशिंगटन विश्वविद्यालय (जॉन एम. ओलिन बिजिनेस स्कूल)	1
कोलम्बिया बिजनेस स्कूल	1
फिशर बिजनेस महाविद्यालय, ओहियो स्टेट विश्वविद्यालय	2
डारडेन स्कूल ऑफ बिज़नेस स्कूल, वर्जिनिया युनिवर्सिटी	3
गोइज्वेता बिज़नेस स्कूल, एमोरी विश्वविद्यालय (प्रायोगिक आधार पर)	2
कनाडा	
मैकगिल विश्वविद्यालय	1
सोदर बिज़नेस स्कूल	1
शूलिच बिजनेस स्कूल	2
कुल	**94**

छात्र विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत विदेशी संस्थाओं से भा.प्र.सं. अहमदाबाद में आए अंतर्राष्ट्रीय छात्र

क4

विनिमय संस्थान का नाम	छात्रों की संख्या
एशिया	
एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान	1
जापान अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय	1
केएआईएसटी प्रबंध स्नातक स्कूल	1
ओस्ट्रेलिया	
ओस्ट्रेलियाई प्रबंध स्नातक स्कूल	2
यूरोप	
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल	3
ईडीएचईसी	3
ईएसएडीई	2
इएससीपी - इएपी	10
इएससी - तुलुज़	4
इएसएसईसी	7
यूरोपीय बिजनेस स्कूल	1
एचईसी प्रबंध स्कूल	4
इन्स्तित्युतो दे एम्प्रेसा	2
लिपजिग प्रबंध स्नातक स्कूल	1
मानचेस्टर बिज़नेस स्कूल	1
नार्वेयियन अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन स्कूल	2
साल्वे बिजनेस स्कूल	2
स्टॉकहॉल्म अर्थशास्त्र स्कूल	2
बोकोनी विश्वविद्यालय	4
कोलोन विश्वविद्यालय	6
मैस्ट्रिच विश्वविद्यालय	2
सेंट गैलन विश्वविद्यालय	3
उत्तरी अमेरिका	
यू एस ए	
वॉशिंग्टन विश्वविद्यालय (जोन एम. ओलिन स्नातक स्कूल)	1
फिशर बिज़नेस कॉलेज, ओहियो स्टेट विश्वविद्यालय	1
डारडेन स्कूल ऑफ बिज़नेस स्कूल	1
कनाडा	
मैकगिल विश्वविद्यालय	1
शूलिच बिजिनेस स्कूल	2
कुल	**70**

क5 छात्रवृत्तियाँ

उद्योग छात्रवृत्तियाँ बैच 2009-11	
कुनाल सिंगल	इनफोसिस
नमन मित्तल	आईसीआईसीआई
राहुल बजाज	एसबीआई म्युचुअल फंड
जयदीप शंकर जगन्नाथन	जैट एज फाइनेंस
अनिन्दया दत्ता	एस.एम. शाह
अभिराज सिंह भाल	भा.प्र.सं.अ. रजत जयंती पीजीपी 87 बैच/संकाय स्मारक एवं एयूडीसीओ
अजयशंकर रामकृष्णन	भा.प्र.सं.अ.
वरुण सुन्कु	भा.प्र.सं.अ.
राव चैतन्य प्रभाकर	भा.प्र.सं.अ.
दीपक गोपाल	भा.प्र.सं.अ.
प्रिया नारायणन	भा.प्र.सं.अ.
जयदीप शंकर जगन्नाथन	एमफेसिस अवॉर्ड
वरुण सुन्कु	आईएफसीआई

पीजीपी-1

आदित्य खंडेलिया — अश्विन कृष्णा
अंकित गुप्ता

पीजीपी-2

श्रद्धा वर्तक — अनिन्दया दत्ता
अशोक कुमार भारद्वाज — चैतन्य राव प्रभाकर
मोहित गर्ग

सर रतन टाटा छात्रवृत्तियाँ

मयंक कुकरेजा — राहुल डागा

उद्योग छात्रवृत्तियाँ बैच 2009-11	
मयंक कुकरेजा	आईएफसीआई
आश्वित महाजन	जैट एज सिक्यूरिटीज
मोहित गर्ग	एस. एम. शाह
आदित्य शर्मा	मोनसांटो
विशाल गुप्ता	सुरेंद्र पॉल
अनिन्दया दत्ता	डन व ब्रॉडशीट इनफार्मेशन सर्विसेज इंडिया
अमित मित्तल	भा.प्र.सं.अ.
विनीत विजयवर्गीय	भा.प्र.सं.अ.
अंबर माहेश्वरी	भा.प्र.सं.अ.
अनिल कुमार कृपनयनी	भा.प्र.सं.अ.
प्रिया नारायणन	भा.प्र.सं.अ.
कुनाल सिंगल	भा.प्र.सं.अ.
नितेश दहिया	भा.प्र.सं.अ.
राहुल डागा	भा.प्र.सं.अ.

आदित्य बिड़ला छात्रवृत्तियाँ

मोहित गर्ग — हितेन्द्र एम. वोहरा
अमित मित्तल

टी. थॉमस छात्रवृत्ति

राहुल डागा

ओ.पी. जिंदल इंजीनियरिंग एवं प्रबंध छात्रवृत्ति

तरुन अग्रवाल (प्रथम वर्ष)
अमित मित्तल (द्वितीय वर्ष)

पीजीपी के लिए प्राप्त आवेदन

क6

	2010-2012 बैच			2011-2013 बैच		
श्रेणी	**पुरुष**	**महिला**	**कुल**	**पुरुष**	**महिला**	**कुल**
सामान्य	125150	46901	172051	103441	39010	142451
एन सी - अन्य पिछड़ा वर्ग	20008	4104	24112	16361	3528	19889
अनुसूचित जाति	8340	2231	10571	7503	2018	9521
अनुसूचित जनजाति	1843	646	2489	1750	631	2381
विकलांग	538	92	630	475	71	546
कुल	**1,55,879**	**53,974**	**2,09,853**	**1,29,530**	**45,258**	**1,74,788**
प्रतिशत	**74.3**	**25.7**	**100**	**74.1**	**25.9**	**100**

पीजीपी प्रवेश (2011-2013 बैच)

क7

विवरण			**आरक्षित वर्ग**					
	लिंग	**सामान्य वर्ग**	**अन्य पिछड़ा वर्ग**	**अनु सूचित जाति**	**अनुसूचित जनजाति**	**शारीरिक रूप से विकलांग**	**जी मैट**	**कुल**
कैट परीक्षा में बैठने वालों की कुल संख्या	पुरुष	108864	17361	8080	1924	499	लागू नहीं	136728
	महिला	42457	3958	2292	713	81	लागू नहीं	49501
	कुल	**151321**	**21319**	**10372**	**2637**	**580**	**लागू नहीं**	**186229**
भा.प्र.सं.अ. को प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या	पुरुष	103413	16361	7503	1750	475	28	129530
	महिला	38999	3528	2018	631	71	11	45258
	कुल	**142412**	**19889**	**9521**	**2381**	**546**	**39**	**174788**
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवार	पुरुष	480	180	100	47	19	1	827
	महिला	60	13	8	8	2	0	91
	कुल	**540**	**193**	**108**	**55**	**21**	**1**	**918**
साक्षात्कार के लिए उपस्थित रहे उम्मीदवार	पुरुष	462	170	91	35	18	1	777
	महिला	59	13	8	7	2	0	89
	कुल	**521**	**183**	**99**	**42**	**20**	**1**	**866**

कृषि-व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ख1 अनिवार्य पाठ्यक्रमों की सूची

स्लॉट 2, 3 और 4

ग्रामीण पर्यावरण एवं संस्थान	गैर-क्रेडिट	15 सत्र
द्वितीय वर्ष अनिवार्य पाठ्यक्रम, पीजीपी-एबीएम		
कृषि व खाद्यान्न संबंधी नीति	1.25	25
कृषि वित्त	1.25	25
कृषि आदानों का विपणन	1.25	25
कृषि-खाद्यान्न के विपणन की रणनीति	1.25	25

प्रथम वर्ष अनिवार्य पाठ्यक्रम, पीजीपी में सामान्य-2010-11

	क्रेडिट इकाइयाँ	सत्रों की संख्या
स्लॉट 1		
1. वित्तीय प्रतिवेदन एवं विश्लेषण	0.75	15
2. संभावनाएँ एवं सांख्यिकी-I	0.75	15
3. प्रबंधकीय कम्प्यूटिंग	0.75	15
4. सूक्ष्म अर्थव्यवस्थाएँ	0.50	10
5. वैयक्तिक गतिकी	0.50	10
6. लिखित विश्लेषण एवं संप्रेषण-I	0.50	10
7. आचारपूर्वक प्रबंधन	-	10
उप योग	**3.75**	**85**
स्लॉट 2		
1. वित्तीय प्रतिवेदन एवं विश्लेषण	0.75	15
2. व्यवसाय के लिए इंटरनेट प्रौद्योगिकियाँ	0.25	05
3. संभावनाएँ एवं सांख्यिकी-II	0.75	15
4. सूक्ष्म अर्थव्यवस्थाएँ	0.50	10
5. अंतर्वैयक्तिक व समूह प्रक्रियाएँ	0.50	12
6. वित्तीय बाजार	0.50	10
7. विपणन मॉडयूल-I	0.50	12
8. लिखित विश्लेषण एवं संप्रेषण-1	0.25	05
उप योग	**4.00**	**84**
स्लॉट 3		
1. लागत व नियंत्रण प्रणाली	0.50	10
2. संभावनाएँ और सांख्यिकी -III	0.50	10
3. मैक्रोइकोनोमिक्स	0.50	10
4. संगठनात्मक गतिशीलता	0.50	10
5. बिजनेस के कानूनी पहलू	0.50	10
6. वित्तीय बाजार	0.50	10
7. विपणन मॉड्यूल -II	0.50	12
8. परिचालन प्रबंध I	0.50	10
9. व्यक्त बिजनेस संप्रेषण (उत्तीर्ण अनुत्तीर्ण प्रणाली)	0.50	10
उप योग	**4.50**	**92**
स्लॉट 4		
1. लागत व नियंत्रण प्रणाली	0.50	10
2. निर्णय लेना I	0.50	10
3. बृहत अर्थशास्त्र	0.50	10
4. नेतृत्व कौशल	0.50	12
5. व्यवसाय कराधान	0.50	10
6. व्यवसाय के कानूनी पहलू	0.50	10
7. परिचालन प्रबंध-I	0.50	10
8. व्यवसाय का सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण	0.50	10
उप योग	**4.00**	**82**
स्लॉट 5		
1. व्यवसाय के लिए सूचना प्रणाली	0.50	10
2. निर्णय लेना-II	0.50	10
3. आर्थिक परिवेश व नीति	0.50	10
4. व्यवसाय अनुसंधान विधियाँ	0.25	05
5. कॉर्पोरेट वित्त	0.50	10
6. विपणन मॉड्यूल-III	0.50	11
7. परिचालन प्रबंध-II	0.50	10
8. रणनीतिक प्रबंध	0.50	10
9. कार्मिक क्षमता व सामर्थ्य निर्माण प्रणालियाँ	0.50	10
10.लिखित विश्लेषण व संप्रेषण-II	0.50	10
उप योग	**4.75**	**96**

कृषि-व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

	क्रेडिट इकाइयाँ	सत्रों की संख्या
स्लॉट 6		
1. व्यवसाय के लिए सूचना प्रणाली	0.25	05
2. आर्थिक परिवेश व नीति	0.25	05
3. कॉर्पोरेट वित्त	0.75	15
4. विपणन मॉड्यूल - IV	0.50	10
5. परिचालन प्रबंध - II	0.75	15
6. संस्थागत निदान	0.25	05
7. व्यवसाय अनुसंधान प्रणालियाँ	0.25	05
8. रणनीतिक प्रबंध	0.75	15
9. कार्मिक क्षमता एवं सामर्थ्य निर्माण प्रणालियाँ	0.50	10
10.लिखित विश्लेषण एवं संप्रेषण - II	0.25	05
उप योग	**4.50**	**90**
प्रथम वर्ष का समग्र कुल	**25.50**	**529**

द्वितीय वर्ष में चलाए गए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

- क्षमताओं का विश्लेषण एवं निर्माण
- कृषि-कार्बन वित्त
- सूक्ष्म-वित्त का प्रबंध
- बौद्धिक संपदा संबंधी अधिकारों का रणनीतिगत प्रबंधन
- कृषि-खाद्यान्न परियोजना का प्रबंध व वित्त पोषण
- रसद, आपूर्ति श्रृंखला व कृषि व्यवसाय में अवसंरचना प्रबंधन
- कृषि-व्यवसाय के लिए प्रबंधकीय संप्रेषण
- कृषि-व्यवसाय के लिए बाजार अनुसंधान
- कृषि व्यवसाय के लिए बिक्री एवं वितरण प्रबंधन
- विकास के लिए सांख्यिकी समावेशन
- अभिनव रूपान्तरण के द्वारा वैश्वीकरण एवं पुनः सक्रिय भारत संबंधी संगोष्ठी - पाठ्यक्रम
- व्यावसायिक वार्ता के सिद्धांत एवं अनुप्रयोग
- सार्वजनिक वित्त-1
- ग्रामीण विपणन
- समावेशक कृषि-व्यवसाय के लिए सार्वजनिक जन समुदाय की साझेदारी
- शोध यात्रा
- सामाजिक उद्यमिता : नवोन्मेषित सामाजिक परिवर्तन
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्त्व की जाँच
- ग्रामीण विज्ञापन
- कृषि-व्यवसाय संबंधी भविष्य एवं वैकल्पिक बाजार
- सीआइएनई : सृजनात्मकता, नव्यता, ज्ञान, नेटवर्क एवं उद्यमिता संबंधी समझ

आवेदकों की संख्या

ख2

बैच	2011-13	2010-2012
सामान्य	96650	111438
एनसी-अन्य पिछड़ा वर्ग	14548	16987
अनुसूचित जाति	6661	7081
अनुसूचित जनजाति	1537	1615
शारीरिक रूप से विकलांग	383	423
कुल	**119779**	**137544**

प्रबंध में फेलो कार्यक्रम

ग

2011 में स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र

नाम	क्षेत्र	शोध प्रबंध शीर्षक	शोध प्रबंध सलाहकार समिति के सदस्य
अभिषेक	विपणन	विभिन्न शोपिंग परिस्थितियों में उत्पाद मूल्यांकन पर हेप्टिक स्पर्श की भूमिका	प्रो. पी. के. सिन्हा (अध्यक्ष) प्रो. निहारिका वोहरा प्रो. अरविंद सहाय
अमीर बशीर बजाज	पी एस जी	जल-ऊर्जा-जलवायु परिवर्तन सांठगांठ का प्रबंधनः भारत के लिए एक समन्वित नीति रोड मैप	प्रो. आर. आर. शुक्ला (अध्यक्ष) प्रो. अमित गर्ग प्रो. प्रेम पंगोत्रा
आस्था अगरवाला	पी एस जी	भारत में बुनियादी सुविधाओं में निवेश, शहरीकरण, और क्षेत्रीय विकास	प्रो. प्रेम पंगोत्रा (अध्यक्ष) प्रो. आर.एच. धोलकिया प्रो. टी. बंद्योपाध्याय
बी.वी.एल. नारायण	बी पी	स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रमों का कार्यान्वयन : एक संचालन ढाँचे का विकास	प्रो. एन रविचन्द्रन (अध्यक्ष) प्रो. एम.आर. दीक्षित प्रो. डी.वी. मावलंकर डॉ. अमरजीत सिंह
ब्रजेश कुमार	कृषि	मूल्य व्यवहार प्रतिरुप और भारतीय वस्तु वायदा बाजार में सुविधा की उपज	प्रो. अजय पांडे (उपाध्यक्ष) प्रो. विनोद आहूजा (उपाध्यक्ष) प्रो. सिद्धार्थ सिन्हा प्रो. गोपाल नायक
मृदुल माहेश्वरी	पी एंड आई आर	कार्यस्थल पर लिंग दुविधाएँ : महिलाओं के कथन से अंतर्दृष्टि	प्रो.जेरोम जोसेफ (अध्यक्ष) प्रो. अनिल के. गुप्ता प्रो. टी. वी. राव
पी वेंकटेश	विपणन	भाषा अनुकूलन और विज्ञापन प्रभावकता : बहुसांस्कृतिक विज्ञापन के संदर्भ में एक अध्ययन	प्रो. अरिन्दम बैनर्जी (अध्यक्ष) प्रो. पी. के. सिन्हा (उपाध्यक्ष) प्रो.बिबेक बैनर्जी प्रो.एर्नेस्टो नोरोन्हा
पत्तुराजा सेल्वाराज	पी एंड आई आर	मुआवजा डिजाइन और संतुष्टि के निर्धारकों के कार्यकारी विचारों का एक अध्ययन	प्रो.जेरोम जोसेफ (अध्यक्ष) प्रो. बीजू वर्की प्रो. नवदीप माथुर

प्रबंध में फेलो कार्यक्रम

नाम	क्षेत्र	शोध प्रबंध शीर्षक	शोध प्रबंध सलाहकार समिति के सदस्य
प्रगीत एरोन	सी आई एस जी	व्यवसायीकरण को देखते हुए क्षमता का निर्माण : उत्पाद आधारित भारतीय दूरसंचार आरंभ का एक अध्ययन	प्रो.रेखा जैन (अध्यक्ष) प्रो. राकेश बसंत प्रो. रजनीश दास प्रो. अभिषेक मिश्रा
प्रसून अग्रवाल	पी एस जी	कम कार्बन अर्थव्यवस्था के लिए बुनियादी ढाँचा : भारत के लिए भावी परिदृश्य और नीतियाँ	प्रो. पी. आर. शुक्ला (अध्यक्ष) प्रो. आर. एच. धोलकिया प्रो. प्रेम पंगोत्रा
प्रियंका सिंह	एफ एंड ए	आदेश चालित बाजार में बोली विस्तार की गतिशीलता : भारतीय शेयर बाजार के प्रकरण	प्रो. अजय पांडे (अध्यक्ष) प्रो. जयंत वर्मा प्रो. अर्नब लाहा प्रो. सिद्धार्थ सिन्हा
शौनक रॉयचौधरी	बी पी	कम आय वर्ग की सेवा के लिए रणनीतिक नवाचार	प्रो. एस मणिकुट्टी (अध्यक्ष) प्रो. अब्राहम कोशी प्रो. पी.डब्ल्यू. खोकले
श्रीनाथ जगन्नाथन	पी एंड आई आर	चार औद्योगिक संबंधों के संदर्भ में कार्यकर्ता असुरक्षा का एक अध्ययन : एक संरचनात्मक दृष्टिकोण के बाद	प्रो. जेरोम जोसेफ (अध्यक्ष) प्रो. सुनील माहेश्वरी प्रो. नवदीप माथुर

स्नातकोत्तर व फेलो कार्यक्रम : छात्र संख्या

घ

	प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	कृषि-व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	प्रबंध में फेलो कार्यक्रम	कुल
2000-01	381	-	46	427
2001-02	353	60	45	458
2002-03	357	61	46	464
2003-04	424	55	49	528
2004-05	501	55	54	610
2005-06	493	56	69	618
2006-07	488	55	66	609
2007-08	518	54	75	647
2008-09	560	44	84	688
2009-10	602	54	79	735
2010-11	**688**	**77**	**69**	**834**

नियुक्ति

बैच रुपरेखा ङ1

शैक्षणिक पृष्ठभूमि

कार्य	छात्रों का प्रतिशत
इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी	88
कला	2
विज्ञान	4
चिकित्सा	0.5
अन्य	5.5

कार्य अनुभव

अवधि	छात्रों का प्रतिशत
नए	44
1-12 महीने	13
13-24 महीने	21
25-36 महीने	14
36 महीने से अधिक	8

प्रस्ताव एवं स्वीकार ङ2

समूह	प्रस्ताव	प्रस्तावों का प्रतिशत	स्वीकार	स्वीकार का प्रतिशत
समूह 1	128	30.12	113	37.17
समूह 2	123	28.94	95	31.25
समूह 3	120	28.24	73	24.01
समूह 4	54	12.70	23	7.57
कुल	**425**	**100.00**	**304***	**100.00**

*** एक छात्र नियुक्ति छुट्टी से वापस आया (305 नियुक्तियों में से 304 की नियुक्ति हुई) और एक छात्र की नियुक्ति अभी भी बाकी है।**

नए भर्तीकर्ता ङ3

कम्पनी का नाम
एयरसेल लिमिटेड
एनालिसीस मेसन
आविस्ता एड्वाइज़री
बजाज एलियांज
बीवीपी - बीसमेर वेन्चर पार्टनर्स
कोलगेट-पामोलिव
फ्लिपकार्ट डोट कोम
जिनी एंड जोनी
हेड्रिक एंड स्ट्रगल्स

कम्पनी का नाम
एचएमईएल (एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड)
आईनोटिक्स
इन्डिया इनफोलाइन
इन्डिया मेडट्रोनिक प्राइवेट लिमिटेड
इन्डस हेल्थ प्लस
इंगरसोल रेन्ड
आईक्यूआर कन्सल्टिंग
जयपुर रग्स कम्पनी लिमिटेड

कम्पनी का नाम
एम्फेसिस
पोकर्ण लिमिटेड
रामको इन्डस्ट्रिज़
रेलिगेयर
शापुरजी पाल्लोनजी
एसकेएनएल
वीडियोकोन डीटूएच
वायरफ्लूट

नियुक्ति

ङ4 स्थान अनुसार वितरण

स्थान	2009		2010		2011	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
भारत	225	91.84	271	97.13	270	88.82
यूएसए	4	1.63	1	0.36	4	1.32
यूरोप	5	2.04	3	1.08	11	3.62
एशिया-पैसिफिक (हाँगकाँग, सिंगापुर, टोक्यो)	6	2.45	2	0.72	17	5.59
कुवैत, यूएई	5	2.04	2	0.72	2	0.65
कुल	**245**	**100.00**	**279**	**100.00**	**304***	**100.00**

* अभी एक छात्र की नियुक्ति होगी।

ङ5 विदेशी और देशी प्रस्ताव एवं स्वीकार

स्थान	2009			2010			2011		
	प्रस्ताव	स्वीकार	प्रस्तावों के सामने स्वीकार का प्रतिशत	प्रस्ताव	स्वीकार	प्रस्तावों के सामने स्वीकार का प्रतिशत	प्रस्ताव	प्रस्ताव	प्रस्तावों के सामने स्वीकार का प्रतिशत
विदेशी	20	20	100	8	8	100	34	34	100
देशी	283	225	79.51	331	271	81.37	391	270	69.05
कुल	**303**	**245**	**80.86**	**339**	**279**	**82.30**	**425**	**304***	**71.53**

* अभी एक छात्र की नियुक्ति होगी।

ङ6 क्षेत्रवार/कार्यवार नियोजन

क्षेत्र/कार्य	2009			2010			2011		
	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत
बिक्री/विपणन	0	36	**14.69**	1	43	**15.77**	1	56	**18.42**
निवेश बैंकिंग वाणिज्यिक बैंकिंग/वित्त	13	89	**41.63**	4	71	**26.88**	28	69	**31.91**
प्रणालियाँ/आइटी/आइटीईएस	0	17	**6.94**	1	47	**17.20**	0	17	**5.59**
परिचालन	0	0	**0**	0	0	**0.00**	0	11	**3.95**
परामर्शी	4	59	**25.71**	0	75	**26.28**	5	83	**28.95**
सामान्य प्रबंधन (रिटेल, प्राइवेट इक्विटी, आदि)	3	24	**11.02**	2	35	**13.26**	0	34	**11.18**
कुल	**20**	**225**	**100**	**8**	**271**	**100**	**34**	**270***	**100**

* अभी एक छात्र की नियुक्ति होगी।

नियुक्ति

क्षेत्रवार शीर्ष भर्तीकर्ता ङ7

क्षेत्र	भर्तीकर्ता	कितने भर्ती किए गए	कुल स्वीकार का प्रतिशत
परामर्श	बी सी जी	11	3.6
	ई एक्स एल	11	3.6
	मैकिन्से एंड कंपनी	10	3.3
	एक्सेन्चर	8	2.6
बैंकिंग एवं वित्त सेवाएँ	बार्कलेस बैंक	8	2.6
	रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड	8	2.6
	सिटी ग्रुप	8	2.6
सामान्य प्रबंध	रिलायन्स इन्डस्ट्रिज़ लिमिटेड*	7	2.3
	टी ए एस	4	1.3
आइ टी और प्रणालियाँ	आइनोटिक्स	6	2.0
	एम्फेसिस	6	2.0
विपणन	पी एंड जी	10	3.3
	एयरटेल	5	1.6
	एच यू एल	5	1.6

***सामान्य प्रबंधन के लिए सात भूमिकाओं से अलग विपणन की भूमिका की पेशकश रिलायन्स ने की थी, इसलिए रिलायन्स के द्वारा कुल 8 भूमिकाओं की पेशकश हुई।**

नियुक्ति

ङ8 पूर्व-नियोजन प्रस्ताव एवं स्वीकार

कंपनी का नाम	प्रस्ताव	स्वीकृत
आदित्य बिरला समूह	2	0
एयरटेल	2	1
एल्टिसौर्स	2	2
अमेरिकन एक्सप्रेस	1	0
ए टी केअर्नी	2	1
एक्सिस बैंक	1	1
बेइन एंड कम्पनी	5	5
बीएएमएल आईबीडी (बीओए एमएल)	2	2
बार्कलेयस कैपिटल	2	2
बी सी जी	4	4
बूज एंड कंपनी	3	2
सिनेपोलिस	1	0
सिटीग्रुप	4	4
क्लियर वॉटर कैपिटल	1	1
कॉग्निजैंट	3	2
कोकाकोला	1	0
क्यूमिन्स	1	1
डीबीएस	1	1
ड्यूश बैंक	1	1
फीडबैक वैंचर्स	3	1
फिन आईक्यू	1	0
ग्लोबल ई-प्रोक्योर	2	2

कंपनी का नाम	प्रस्ताव	स्वीकृत
गोल्डमैन सेश	4	4
हैंज इन्डिया	1	0
एच एस बी सी मार्केट्स	1	1
एच यू एल	2	2
आईटीसी लिमिटेड	1	1
जे एंड जे मेडिकल	1	1
जॉहन डियरे	2	0
जे पी मोर्गन	1	1
मैककिन्से एण्ड कंपनी	2	2
मोर्गन स्टेनले	4	3
नेसले डोमेस्टिक	1	1
नोमुरा	7	6
ऑबेरॉय रियल्टी	1	0
पी एंड जी	3	2
फिलिप्स	1	0
आर बी एस	11	8
रोथ्सचाइल्ड	1	0
टी ए एस	4	3
टाटा मोटर्स	1	1
यू बी एस	2	2
विप्रो कोर्प फाइनांस	1	0
कुल	**97**	**71**

पार्श्विक नियुक्ति

ङ9

कंपनी का नाम	प्रस्ताव	स्वीकृत
एक्सेन्चर	4	4
आदित्य बिड़ला ग्रुप	2	0
अमेजन डैवलपमैंट सेंटर	5	5
बेइन एंड कम्पनी	1	1
बार्कलेयस बैंक	3	2
बीवीपी - बीसमेर वेन्चर पार्टनर्स	0	0
सीईबी	1	1
क्लियर वॉटर कैपिटल पार्टनर	1	1
क्रिस कैपिटल	0	0
कॉग्निजैंट	12	2
डिलॉइट कंसल्टिंग	6	0
फ़्लिपकार्ट डॉट कॉम	2	0
एचसीएल इनफोसिस्टम	1	0
हेड्रिक स्ट्रगल्स	1	1
हिन्दुजा ग्रुप इंडिया	2	2
एचपी-ग्लोबल ई-बिज़नेस सेन्टर	1	0
आइनोटिक्स	10	6
इन्डिया मेडट्रोनिक प्राइवेट लि.	2	0
इन्डस वेली पार्टनर	1	1

कंपनी का नाम	प्रस्ताव	स्वीकृत
इन्फो एज (आई) प्रा. लि.	2	2
इनफोटेक	1	1
इंगरसोल रैंड	1	1
महिन्द्रा एंड महिन्द्रा	1	1
एमईएमसी	2	2
माइक्रोसोफ़्ट इन्डिया	1	1
एम्फेसिस	2	2
फिलिप्स इंडिया	1	0
प्राइसवॉटरहाउस कूपर्स	2	1
रामको सिस्टम्स लिमिटेड	3	1
आरपीजी ऐंटरप्राइज	0	0
शापूरजी	1	1
टेकनोपाक	0	0
टी एस एम जी	3	2
विर्तुसा	5	0
विप्रो लिमिटेड	1	0
यश बैंक	5	2
कुल	**86**	**43**

ङ10 उद्यमशीलता के विकल्प

	पीजीपी
छात्र का नाम	**उद्यमशीलता के क्षेत्र**
अरुणकुमार सी	ई-कोमर्स स्पेस
बी राजा मुकेश कृष्णा	ई-कोमर्स स्पेस
मधुर किशोर	काफ़े लौंज में पूर्ण सेवा
मनोज कुमार मीणा	रियल एस्टेट सेक्टर
नेहा दहिया	शिक्षण का आरंभ
राहुल सिंघल	रोगियों को चिकित्सा परामर्श प्रदान करने के लिए चिकित्सकों के लिए एक ऑनलाइन मंच
तुंगा दंडी विवेकानंद	ऑनलाइन वितरण
	पीजीपी-एबीएम
चारुलता शर्मा	विशेष तौर पर गैरसरकारी और उद्यमियों के लिए परामर्श
नूपुर गुप्ता	ऑनलाइन सूचना पोर्टल

ङ11 ग्रीष्मकालीन नियोजन का क्षेत्रवार वितरण

क्षेत्र	नियोजनों की संख्या	प्रतिशत
परामर्श	76	20
विपणन एंव बिक्री	70	19
सामान्य प्रबंध	34	9
बैंकिंग एवं वित्त सेवाएँ	149	39
आइ टी / आइ टी ई एस	40	11
अन्य	9	2
कुल	**378**	**100**

नियुक्ति

पीजीपी-एबीएम क्षेत्रवार नियुक्ति 2011 ङ12

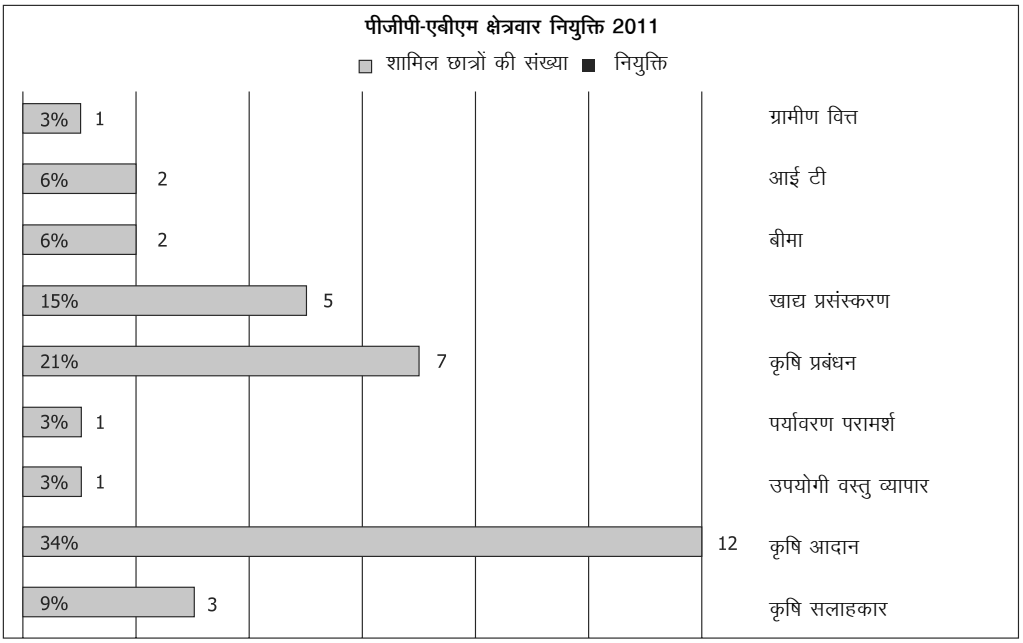

अनुसंधान, प्रकरण लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

जारी परियोजनाएँ

	जारी परियोजनाएँ	प्रारंभ की गईं परियोजनाएँ	कुल	पूरी हो चुकी परियोजनाएँ	आस्थगित परियोजनाएँ	निरस्त परियोजनाएँ
अनुसंधान परियोजना	5	9	14	5	1	-
मूलधन परियोजना	4	7	11	4	-	-
केस विकास परियोजना	14	5	19	5	-	-
ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजना				7		
आर एंड पी द्वारा संयोजित संगोष्ठी				16		
कार्यशील पत्रक				47		

प्रारंभ की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

- पिरामिड के तल के लिए कम लागत की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का विकास
  (प्रोफेसर ए. के. जायसवाल)
- वित्तीय संकट के बाद भारतीय बी पी ओ में काम और रोजगार
  (प्रोफेसर एर्नेस्टो नोरोन्हा एंव प्रेमिला डीक्रूज़)
- अनिजीकृत सताने की गतिशीलता को समझना (प्रोफेसर प्रेमिला डीक्रूज़)
- परियोजना आधारित शिक्षण और अधिगम की पद्धति
  (प्रोफेसर राजीव शर्मा एवं प्रो. एम. आर. दीक्षित)
- अव्यवसायीकरण या व्यवसायीकरण का पुनः आविष्कारः भारत में वैधानिक प्रक्रिया आउटसोर्सिंग (एलपीओ) में काम कर रहे वकीलों का प्रकरण
  (प्रोफेसर एर्नेस्टो नोरोन्हा)
- भारतीय कॉल सेन्टरों में उच्च प्रतिबद्धता प्रबंधन प्रथाएँ (प्रो. प्रेमिला डीक्रूज़)
- भारत में सामाजिक गतिशीलता (प्रोफेसर अंकुर सरीन)
- प्रतिभा प्रबंधन : दवा कम्पनियों में चुनौतियाँ एवं सर्वोत्तम प्रथाएँ (प्रोफेसर कीर्ति शारदा)
- भारतीय शेयर बाजार में प्रणालीबद्ध जोखिम कारकों के व्यवहार पर एक अध्ययन (प्रो.जोशी जेकब, प्रो. शोभेश अग्रवाला, और प्रो.जयंत वर्मा)

मूल धन परियोजनाएँ

- दोष सहिष्णु नेटवर्क डीज़ाइन (प्रो. प्रह्लाद वेंकटेशन)
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना : बीपीएल परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा अभिगम का विस्तार (प्रो. डी कार्तिक)
- कर्मचारी उत्पादकता पर जुटने का प्रभाव : भारतीय आईटी कम्पनियों का एक दीर्घ अध्ययन (प्रो.डी कार्तिक और प्रो.राकेश बसंत)
- अनुपालन से मूल्य तक का आंतरिकीकरण : कर्मचारी के पूर्व समाजीकरण अभ्यस्त व्यवहार और संस्था के अपेक्षित कर्मचारी व्यवहार के बीच की महत्त्वपूर्ण भूमिका (प्रो.ज्योर्ज कंडाथिल)
- घरेलू उपकरणों के ऊर्जा लेबलिंग और उपभोक्ता व्यवहार (प्रो. राम मोहन तुरागा)
- नव आधुनिकतावादी योजना अभ्यास के प्रति समकालीन विकल्पों का अन्वेषण : शहरी रिवरफ्रन्ट परियोजनाओं का मामला (प्रो. नवदीप माथुर)
- सशस्त्र संघर्ष में बोधगम्य और संस्थानीकरण : अवधारणाओं को अभ्यास में कार्यान्वित करते हुए (प्रो. कीर्ति शारदा)

केस विकास परियोजनाएं

- एचडीएफसी सिक्योरिटीज़ लिमिटेड के लिए आईटी योजना
  (प्रोफेसर रजनीश दास)

अनुसंधान, प्रकरण लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

- उत्कृष्टता के लिए नवाचार : प्रबंधन शिक्षा में अग्रणियों के लिए कार्यक्रम
  (प्रोफेसर राजीव शर्मा और प्रो. विजय शेरी चंद)
- सेवा (एस ई डबल्यू ए)
  (प्रोफेसर अजीत एन. माथुर)
- इन्नोवासिन्त टेकनोलोजिज़ (आई) लिमिटेड
  (प्रोफेसर अजीत एन. माथुर)
- संगठनात्मक ज्ञान के साथ क्षेत्र बिक्री बल का समर्थन : यूरेका फोर्ब्स का एक मामला अध्ययन (प्रोफेसर संजय वर्मा)

पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

- नमूने के माध्यम से मुश्किलों से भरी अनुकूल समस्या का हल
  (प्रोफेसर दीप्तेश घोष)
- कार्यस्थल पर सताने का अनुकरण
  (प्रोफेसर प्रेमिला डीक्रूज़)
- कॉल सेन्टर को बंद करने और कर्मचारियों पर उसके प्रभाव की खोज
  (प्रोफेसर एर्नेस्टो नोरोन्हा)
- विरोधाभासी संस्थागत तर्कों का सम्मिश्रण : भारत में एक बहुराष्ट्रीय संगठन में ई आर पी कार्यान्वयन के दौरान संस्थागत परिवर्तन की जाँच
  (प्रोफेसर ज्योर्ज कंडाथिल)
- चिकित्सकीय लापरवाहीः कानून और व्याख्या
  (प्रोफेसर अनुराग अग्रवाल)

मूल धन परियोजनाएँ

- रेलवे में अनुकूलन आधारित मॉडलिंग के साथ राजस्व प्रबंधन (प्रोफेसर गौतम दत्ता)
- गरीब से गरीब लोगों को आय सृजन में सहायता द्वारा कल्याण पर प्रभाव
  (प्रोफेसर अंकुर सरीन)
- हिट, होसकिसन, और आयरलैंड (2009, 9वाँ संस्करण) के द्वारा सर्वश्रेष्ठ विक्रित पाठ्यपुस्तक, रणनीति का प्रबंधन : अवधारणाएँ और मामले के भारतीय संस्करण का निर्माण (प्रोफेसर एस मणिकुट्टी)
- भारत में पेटेन्ट मुकदमेबाजी कहाँ (प्रोफेसर अनुराग अग्रवाल)

केस-विकास परियोजनाएँ

- भारत में नाइक शोरूमों में खनन के पीओएस आँकड़े की सामरिक अनिवार्यता (प्रोफेसर रजनीश दास)
- रेडियो मिर्ची प्राइवेट लिमिटेड : बंगलूरू बाजार के लिए पुनःरचित उत्पाद (प्रोफेसर ए. के. जायसवाल)
- ओइलोन (प्रोफेसर अजीत एन. माथुर)
- इन्दौर बस परिवहन सेवा (प्रोफेसर जी. रघुराम)
- थर्मेक्स (प्रोफेसर अजीत एन. माथुर)

आस्थगित अनुसंधान परियोजनाएँ

- सेवा की गुणवत्ता के विचारों में मूल प्रभाव का स्थान
  (प्रोफेसर बिबेक बेनर्जी)

ग्रीष्मकालीन इन्टर्नशिप परियोजनाएँ

- यात्री यात्रा के उपयोगिता प्रतिरुप का विकास
  (प्रोफेसर गौतम दत्ता)
- पारम्परिक भविष्यवाणी और राजस्व प्रबंधन आधारित पूर्वानुमान प्रणाली के मिश्रण पर आधारित एक भविष्यवाणी प्रणाली का विकास करना
  (प्रोफेसर गौतम दत्ता)
- अहमदाबाद अंतरर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्री सुविधाओं एवं कतारबद्धीकरण का अध्ययन
  (प्रोफेसर दिलीप मावलंकर)
- ग्रामीण क्षेत्रों में व्यावसायिक विहंगावलोकन की पहचानः संभावनाएँ और चुनौतियाँ
  (प्रोफेसर राजीव शर्मा)
- सिविल सेवाओं की पृष्ठभूमि (प्रोफेसर अंकुर सरीन)
- सामाजिक व्यापार शुरु करना और बनाए रखना
  (प्रोफेसर अंकुर सरीन)
- प्रतीक्षा समय वितरण की प्राथमिकता कतार में कम प्राथमिकता वाले ग्राहक (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)

अनुसंधान, प्रकरण लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

संस्थान में आयोजित संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	दिनांक	क्षेत्र/केंद्र/समूह
डॉ. अभिरूप मुखोपाध्याय भारतीय सांख्यिकी संस्थान, नई दिल्ली	विकास युग के दौरान भारत का एक बहु आयामी मूल्यांकन	अप्रैल 14, 2010	अर्थशास्त्र
प्रो. अनिल गुप्ता आईआईएम अहमदाबाद	जमीनी स्तर पर ताजा नवाचारों के स्काउटिंग, प्रलेखन, प्रसार और ऊष्मायन के लिए क्षमता निर्माण पर राष्ट्रीय कार्यशाला	जून 7-8, 2010	सी एम ए
डॉ. कुमारा चार्युलु दीवि	भारत में कार्बनिक निविष्ट उत्पादन और विपणन – क्षमता, मुद्दे और नीतियाँ	जून 8, 2010	सी एम ए
डॉ. श्रीनिवासन कृष्णामूर्ती प्रबंधन कॉलेज, उत्तरी कैरोलिना राज्य विश्वविद्यालय, राले	महा बैंक विलय में दक्षता और बाजार शक्ति लाभ	जुलाई 12 2010	एफ एंड ए
बद्रीनारायण एस पवार आईआईएम, कोझीकोड	कार्यस्थल आध्यात्मिकता : एक सिंहावलोकन	जुलाई 19, 2010	अनुसंधान और प्रकाशन
अभिजीत सहाय वीपी रणनीति, टीप टोप टेकनोलोजीज़ इन्क.	खोज की विकास : एक उद्यमी परिप्रेक्ष्य	अगस्त 7, 2010	अनुसंधान और प्रकाशन
विनीत विरमानी नोमुरा सर्विसीज़, भारत	विदेशी विकल्पों के मूल्य निर्धारण पर मॉडल अनिश्चितता का प्रभाव : एक उदाहरण	अगस्त 9, 2010	एफ़ एंड ए
रवि राममूर्ति नोर्थ ईस्टर्न विश्वविद्यालय, बोस्टन	भारतीय बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के सैद्धांतिक मूल्य	अगस्त 19, 2010	अनुसंधान और प्रकाशन
डॉ. मिया द कुइपेर सीईओ, रणनीति परामर्श फर्म द कुइपेर ग्लोबल पार्टनर्स	भारतीय कम्पनियों के लिए लाभशक्ति : भारतीय कम्पनियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धी लाभ को बनाए रखने के लिए क्या करना चाहिए	सितंबर 8, 2010	अनुसंधान और प्रकाशन
वैभव भमोरिया आईआईएम अहमदाबाद	भारत में जल प्रबंधन संस्थानों में अनुकूलनताः उसकी प्रकृति, अस्तित्व और प्रभाव	सितम्बर 15, 2010	सी एम ए
डॉ. के. आर. श्रीवत्सन इग्नू, नई दिल्ली	वेद्यधारा : मुक्त एवं पारम्परिक शिक्षा के लिए एकीकृत मुक्त ई-शिक्षण की प्रणाली	सितम्बर 14, 2010	अनुसंधान और प्रकाशन
अमित गर्ग आईआईएम अहमदाबाद	कोयले का उपयोग और भारत के लिए जलवायु परिवर्तन की चिंता	अक्टूबर 13, 2010	अनुसंधान और प्रकाशन
सेबेस्टियन मॉरिस आईआईएम, अहमदाबाद	वर्तमान समय में भारतीय आर्थिक प्रदर्शनः मूल रुझान और नीति में उनके आधार	अक्टूबर 27, 2010	अनुसंधान और प्रकाशन

अनुसंधान, प्रकरण लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	दिनांक	क्षेत्र/केंद्र/समूह
डॉ. प्रकाश सिंह आईआईएम, लखनऊ	माइक्रोफाइनांस संस्थानों का इक्विटी मूल्यांकन	अक्टूबर 28, 2010	एफ एंड ए
डॉ. बुस टुकमैन	ओटीसी व्युत्पन्न बाजार में प्रणालीगत जोखीम को सुरक्षित हार्बर में कम करने का संशोधन	नवम्बर 8, 2010	अनुसंधान और प्रकाशन
डॉ. आशय कदम वित्त कास बिज़नेस स्कूल सिटी विश्वविद्यालय, लंदन	कार्यकारी स्टॉक विकल्प : कार्यकारी के प्रति मूल्य और फर्म के लिए लागत	नवम्बर 22, 2010	एफ एंड ए
जी. रघुराम आईआईएम अहमदाबाद	भारतीय रेलवे के पब्लिक - प्राइवेट पार्टनरशिप के उदाहरण एवं आगे के तरीके	नवम्बर 24, 2010	अनुसंधान और प्रकाशन
डॉ. सौमिक पॉल विश्व बैंक समूह, वॉशिंगटन डी सी	स्रोत देश मजदूरी पर विदेश प्रवास का प्रभाव : मोलदोवा गणराज्य से प्रमाण	नवम्बर 24, 2010	अर्थशास्त्र
डॉ. अभिनाश बोराह पेन आर्थिक अनुसंधान संस्थान, पेनसिलवेनिया विश्वविद्यालय	अन्य के संबंध में वरीयता और प्रक्रिया के लिए चिंताएँ	नवम्बर 29, 2010	अर्थशास्त्र
अरिजीत मुखर्जी मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी	स्टार वार्स : श्रम बाजार में विशेष प्रतिभा और कूट संधिपूर्ण परिणाम	दिसम्बर 3, 2010	अनुसंधान और प्रकाशन
डॉ. मलय के. डे एनवायआईटी, न्यू योर्क	दोहरे बाजार में अस्थिरता की मात्रा : चीनी एडीआर में से उदाहरण	दिसम्बर 7, 2010	एफ एंड ए
डॉ. रिचा अग्रवाल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास	ग्राहकों का संबंधकीय व्यवहार	दिसम्बर 16, 2010	विपणन
डॉ. सुनील विनायक क्विन्सलैंड विश्वविद्यालय	होफस्टेड राष्ट्रीय संस्कृति आयाम/स्कोर की वैधता की जाँच	दिसम्बर 20, 2010	अनुसंधान और प्रकाशन
डॉ. सोमेश कुमार शर्मा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)	अंतरर्राष्ट्रीय स्थिति निर्धारण प्रणाली के लिए आयामों की पहचान : रक्षा प्रणाली का अध्ययन	दिसम्बर 22, 2010	विपणन
विरल वी आचार्य न्यू योर्क विश्वविद्यालय स्टर्न स्कूल ऑफ बिज़नेस, न्यूयोर्क	वॉल स्ट्रीट का विनियमन : डोड-फ्रैंक अधिनियम वैश्विक वित्त की नयी वास्तुकला	दिसम्बर 24, 2010	अनुसंधान और प्रकाशन
विरल वी आचार्य न्यू योर्क विश्वविद्यालय स्टर्न स्कूल ऑफ बिज़नेस, न्यू योर्क	इस चरण से युक्त जीत? - बैंक बेलआउट एवं संप्रभु ऋण जोखिम	दिसम्बर 24, 2010	एफ एंड ए

अनुसंधान, प्रकरण लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	दिनांक	क्षेत्र/केंद्र/समूह
डॉ. गौरी शंकर दत्ता ज्योर्जिया विश्वविद्यालय	छोटे क्षेत्रों का आकलन करने के लिए नमूना आधारित दृष्टिकोण	दिसम्बर 27, 2010	अनुसंधान और प्रकाशन
डॉ. पार्थ एस. महापात्रा मेरीलैंड विश्वविद्यालय (युनिवर्सिटी कॉलेज)	अपतटीय आउटसोर्सिंग के संदर्भ में वित्तीय रीपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण : एक सिद्धांत आधारित अनुसंधान एजेन्डा	जनवरी 3, 2011	एफ एंड ए
सोमा चौधरी मिशिगन स्टेट युनिवर्सिटी	रणनीतिक निर्धारण का काम : माइक्रोक्रेडिट ऋण कैसे एन्टिविच हन्ट आन्दोलनों को सुविधाजनक बनाते हैं	जनवरी 20, 2011	अनुसंधान और प्रकाशन
प्रोनोबेश बेनर्जी कान्सास विश्वविद्यालय	ब्रांड विस्तार सफलता के विषमित प्रभाव या मूल ब्रांड एवं प्रमुख उत्पाद मूल्यांकन पर असफलता	जनवरी 25, 2011	विपणन
डॉ. धीरज शर्मा विनिपेग विश्वविद्यालय, मानितोबा, कनाड़ा	इंटरनेट चैनल और कथित नरसंहरण : व्यक्तिगत विक्रय संदर्भ में पैमाने पर विकास और सत्यापन	फरवरी 2, 2011	विपणन
दान वान्येर पेनसिलवेनिया विश्वविद्यालय	विकासशील देशों में प्रौद्योगिकी और साक्षरता : सैद्धांतिक संबंध और कार्यान्वयन मुद्दे	फरवरी 14, 2011	अनुसंधान और प्रकाशन
अनिल गुप्ता आईआईएम अहमदाबाद	कम सामान्य औषधीय पौधों के डेटाबेस के विकास पर एनआईएफ-एनएमपीबी सहयोगात्मक कार्यशाला और सम्बन्धित पारम्परिक ज्ञान	मार्च 4-5, 2011	सीएमए
डॉ. ओइन्द्रिला डे ईएसआरसी प्रतिस्पर्धी नीति केन्द्र, ईस्ट ऑंग्लिया यूके विश्वविद्यालय, नोरविश	कार्टेल समस्याओं के जवाब में प्रवर्तन रणनीतियाँ – यूरोपीय आयोग समिति ने चलाये मुकदमों मे से सबूत	मार्च 10, 2011	अर्थशास्त्र
चिरंतन चटर्जी कार्नेगी मेलोन विश्वविद्यालय	विनियमन और कल्याण : अमरिकी दवा उद्योग में पैरा 5 जेनेरिक प्रविष्टियों के सबूत	मार्च 10, 2011	अर्थशास्त्र
ईरोल डीसूज़ा आईआईएम अहमदाबाद	दूरदर्शन पर समाचारों और गुणवत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा	मार्च 31, 2011	अनुसंधान और प्रकाशन

प्रकाशन

पुस्तकें

अग्रवाल, अनुराग के, *बिज़नेस एंड इन्टेलेक्चुअल प्रोपर्टी :* प्रोटेक्ट योर आइडियाज़, नोइडा : रैन्डम हाउस इन्डिया, 2010

असोपा, वी एन, *इन्डियाज ग्लोबल टी ट्रेड :* रिड्युसिंग शेयर्स, डिक्लाइनिंग कम्पिटिटीवनेस, नई दिल्लीः एलाइड पब्लिशर्स, 2010

बसु, सम्बित, सरकार, रुना, और पांडे, अजय (संपा.), इन्डिया इन्फ्रास्ट्रक्चर रिपोर्ट 2010 - *इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट इन अ लो कार्बन इकोनोमी, 3आईनेटवर्क, नई दिल्ली* : ओक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, 2010

दत्ता, समर के, निलकंठन, राहुल, और चक्रबर्ती, मिलिन्दो, *टोवड्र्स इवोल्विंग एन एग्रिकल्चरल पॉलिसी मेट्रिक्स इन अ फ़ेडरल स्ट्रक्चर :* द पोस्ट - डबल्यूटीओ सिनारियो इन इन्डिया, नई दिल्ली : एलाइड पब्लिशर्स, 2010

धोलकिया, रवीन्द्र एच, और दत्ता समर के (संपा.), *हाइ ग्रोथ ट्राजेक्टरी एंड स्ट्रक्चरल चैन्जिस इन गुजरात एग्रिकल्चर, नई दिल्ली* : मैकमिलन पब्लिशर्स, अगस्त 2010

गाँधी, वसंत पी, और नाम्बुदिरी एन वी, *इकोनोमिक्स ऑफ बीटी कोटन विज़-ए-विज़ नोन-बीटी कोटन इन द स्टेट ऑफ महाराष्ट्र, इन्डिया, नई दिल्ली* : एलाइड पब्लिशर्स, 2010

गाँधी, वसंत पी, और नाम्बुदिरी एन वी, *इम्प्रोविंग इरिगेशन मैनेजमेन्ट इन इन्डिया : अ स्टडी ऑफ पार्टिसिपेटरी इरिगेशन मैनेजमेन्ट इन द स्टेट्स ऑफ आन्ध्र प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र, नई दिल्ली* : एलाइड पब्लिशर्स, 2010

घोष, अतनु, *स्ट्रेटेजिस फोर ग्रोथ : हेल्प योर बिज़नेस मुव अप द लेडर, नई दिल्ली* : रैन्डम हाउस इन्डिया, 2010

मोनिपल्ली, एम. एम. और पवार, बी. एस., *एकेडमिक राइटिंग : अ गाइड फोर मैनेजमेन्ट स्टुडन्ट्स एंड रिसर्चर्स, नई दिल्ली* : सेज पब्लिकेशन्स, 2010

मोनिपल्ली, एम. एम., *द परस्युएसिव मैनेजर, नई दिल्ली* : रैन्डम हाउस इन्डिया, 2010

पार्थसारथी, आर. और धोलकिया, रवीन्द्र एच. (संपा.), *सरदार सरोवर प्रोजेक्ट ओन द रिवर नर्मदा - वोल्युम 1 – हिस्टरी ऑफ डिजाइन, प्लानिंग एंड अप्रेइज़ल*, नई दिल्ली : कन्सेप्ट पब्लिशर्स, मार्च 2011

पार्थसारथी, आर. और धोलकिया, रवीन्द्र एच. (संपा.), *सरदार सरोवर प्रोजैक्ट ओन द रिवर नर्मदा - वोल्युम 2 – रिहेबिलिटेशन एंड इम्प्लिमेन्टेशन*, नई दिल्ली : कन्सेप्ट पब्लिशर्स, मार्च 2011

पार्थसारथी, आर. और धोलकिया, रवीन्द्र एच. (संपा.), *सरदार सरोवर प्रोजैक्ट ओन द रिवर नर्मदा - वोल्युम 3 - इमपैक्ट्स सो फार एंड वेयज़ फोरवर्ड*, नई दिल्ली : कन्सेप्ट पब्लिशर्स, मार्च 2011

पाठक, अखिलेश्वर, *कोन्ट्रैक्ट लॉ*, नई दिल्ली : ओक्सफर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, 2011

राव, टी. वी., *मैनेजर्स हु मेक अ डिफरन्स : शार्पनिंग योर मैनेजमेन्ट स्किल्स*, नोइडा : रैन्डम हाउस इन्डिया, 2010

शर्मा, विजय पॉल और ठाकर, हृमा, *इकोनोमिक पोलिसी रिफोर्म्स एंड इन्डियन फर्टिलाइज़र इन्डस्ट्री*, नई दिल्लीः एलाइड पब्लिशर्स प्रा. लि. 2011

प्रकाशन

सिंह, सुखपाल और सिंगला नरेश, *फ्रेश फ़ुड रीटेल चेन्स इन इन्डिया - ओर्गेनाइजेशन एंड इम्पैक्ट्स*, नई दिल्ली : एलाइड पब्लिशर्स, 2011

सिन्हा, पीयूष कुमार और उनियाल, *डी. पी., मैनेजिंग रीटेलिंग*, नई दिल्ली : ओक्सफर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, 2011

विजय शेरी चंद और राव, टी. वी. (संपा.), *नरचरिंग इन्स्टिट्यूशनल ऐक्सेलैन्स : इन्डियन इन्स्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट, अहमदाबाद*, नई दिल्ली : मैकमिलन इन्डिया, 2011

मोनोग्राफ्स

दत्ता समर के., निलकंठन, राहुल, और चक्रबर्ती, मिलिन्दो, *टोवर्ड्स इवोल्विंग एन ऐग्रिकल्चरल पोलिसी मेट्रिक्स इन अ फ़ेडरल स्ट्रक्चर – द पोस्ट-डबल्यूटीओ सिनारियो इन इन्डिया*, नई दिल्ली : एलाइड पब्लिशर्स, 2010

गर्ग, अमित, माहेश्वरी, जे., और उपाध्याय, जे., *लोड रिसर्च फोर रेसिडेन्शियल एंड कोमर्सियल एस्टाब्लिशमैंट्स इन गुजरात*, यूएसएआईडी, 2010

शर्मा, विजय पॉल एंड जैन, दिनेश, *हाइ वैल्यु एग्रिकल्चर इन इन्डिया : पास्ट ट्रैन्ड्स एंड फयूचर प्रोस्पैक्ट्स*, अहमदाबाद : भारतीय प्रबंध संस्थान, 2011

शर्मा, विजय पॉल, *चेन्जिंग कन्ट्रिब्युशन ऑफ लाइवस्टोक इन फार्म एनेर्जी एंड न्यूट्रिअंट यूज़ इन इन्डियन एग्रिकल्चर*, बैंगकोक : फ़ूड एंड एग्रिकल्चर ओर्गेनाइजेशन, 2010

शर्मा, विजय पॉल, *चेन्जिंग स्ट्रक्चर ऑफ डेयरी एंड मीट वेल्यु चेन्स इन इन्डिया,* बैंगकोक : फ़ूड एंड एग्रिकल्चर ओर्गेनाइजेशन, 2010

वोएरिन्जेर, फ़्रांक, ओरी, आलान, गुआन, दाबो, लाब्रिएत, मारिसे, लोउलोउ, रिचार्द, बोसेत्ती, वालेन्तिना, शुक्ला, पी आर, एंड तालमान फिलिप, *रेनफोर्सिंग दी ई यू डायलोग विथ डोवलपिंग कन्ट्रिज़ ओन क्लाइमेट चेन्ज मिटिगेशन*, फोन्दासिओने एनी एनरिको मात्तेइ (एफईईएम) वर्किंग पेपर नंबर 43, 2010, मई 2010, एसएसआरएन : http://ssrn.com/abstract=1600065 पर उपलब्ध है ।

पत्रिकाओं में लेख

अग्रवाल, अनुराग के., ज्युडिशियल लेजिस्लेशन एंड ज्युडिशियल रिस्ट्रेंट - *इकोनोमिक एंड पोलिटिकल विकली*, 46, 1 (जनवरी 1, 2011), 22-24

अग्रवाल-गुप्ता, मीनाक्षी एवं वोहरा, निहारिका, मेज़रिंग इफ़ेक्टिवनेस ऑफ स्कूल्स इन इन्डिया : ए मल्टिपल स्टेकहोल्डर फ़्रेमवर्क - *ई-जर्नल ऑफ ओर्गेनाइजेशनल लर्निंग एंड लीडरशिप*, 8, 2 (2011), 1-13

अग्रवाल-गुप्ता, मीनाक्षी, वोहरा निहारिका, और भटनागर, दीप्ति, परसिव्ड ओर्गेनाइजेशनल सपोर्ट एंड ओर्गेनाइजेशनल कमिटमेंट : मीडियेशनल इन्फलुएन्स ऑफ सायकोलोजिकल वेल-बिइंग, - *जर्नल ऑफ बिज़नेस एंड मैनेजमेंट*, 16, 2 (2010), 105-24

बनर्जी, अरिन्दम, द सायन्स ऑफ क्रियेटिंग बिज़नेस एक्युमेन, - *टीएमटीसी जर्नल ऑफ मैनेजमेंट*, (दिसम्बर 2010)

प्रकाशन

बसंत, राकेश एवं सेन, गीतांजलि, हु पार्टिसिपेट्स इन हायर एज्युकेशन इन इन्डिया : रीथिंकिंग द रोल ऑफ एफरमेटिव एक्शन, - *इकोनोमिक एंड पोलिटिकल विकली*, 14, 39 (सितम्बर 25, 2010)

भटनागर, एस. सी. और सिंह, एन, एसेसिंग दी इम्पैक्ट ऑफ ई-गवर्नमेंट : ए स्टडी ऑफ ई-गवर्नमेंट प्रोजेक्ट्स इन इन्डिया, - *इन्फरमेशन टेकनोलोजीज़ एंड इन्टरनेशनल डेवलपमेंट*, 6, 2 (ग्रीष्म 2010), 109-27

बलसारा, हेमंत कुमार पी, गाँधी, शैलेष, एवं पोरे, डी, ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ एन्टरप्राइज़िंग टैन्डन्सी विथ द हेल्प ऑफ सिलेक्ट केसीस इन इन्डिया, - *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रेड, इकोनोमिक्स एंड फाइनान्स*, 1, 4 (दिसम्बर 2010)

बलसारा, हेमंत कुमार पी, गाँधी, शैलेष, एवं पोरे, डी, कोमर्सियलाइजेशन ऑफ टेकनोलोजी इन्नोवेशन्स एंड पैटेन्ट्स : इस्यूज़ एंड चैलेंजीज़, - *एशिया-पेसिफिक टेक मोनिटर जर्नल*, 27, 6 (नवम्बर-दिसम्बर 2010)

चक्रबर्ती, सुरुपा और बनर्जी, तथागत, एनेलिसिस ऑफ मिक्स्ड आउटकम्स : मिसक्लासिफाइड बाइनेरी रिस्पोन्सिज़ एंड मेज़रमेंट एरर इन कोवेरिएट्स, - *जर्नल ऑफ स्टेटिस्टिकल कम्प्युटेशन एंड सिम्युलेशन*, 80, 11 (2010), 1197-1209

दास, रजनीश एवं पाल, सुजोय, एक्सप्लोरिंग द फ़ैक्टर्स अफ़ैक्टिंग दी एडोप्शन ऑफ मोबाइल फाइनेनसियल सर्विसिज़ अमोंग द रुरल अन्डर-बैंक्ड एंड इट्स इम्प्लिकेशन्स फोर माइक्रो-फाइनांस इन्स्टिट्यूशन्स, - प्रोसिडिंग्स ऑफ आईएफआईपी 8.2/ओर्गेनाइजेशनल एंड सोसायटी इन इन्फरमेशन सिस्टम्स (ओएएसआईएस), *सेंट लुईस, मिसौरी, आईसीआईएस 2010, स्प्राउट्स : वर्किंग पेपर्स ओन इन्फरमेशन* सिस्टम्स, 10, 103 (दिसम्बर 12-15, 2010) http://sprouts.aisnet.org/10-103

दास, रजनीश, यूनिक आईडेन्टिफिकेशन फोर इन्डियन्स : ए डिवाइन ड्रिम ओर ए मिसकेल्क्युलेटेड हिरोइज़म, - *विकल्प : द जर्नल फोर डिसिज़न मेकर्स*, 36, 1 (जनवरी-मार्च 2011), 1-14

धोलकिया, रवीन्द्र एच, टेस्टिंग फोर ट्रिकल-डाउन ओर पोलराइजेशन-एविडेन्स फ़्रोम इन्डिया, - *पेनसिलवेनिया इकोनोमिक एसोसियेशन प्रोसिडिंग्स*, 3, 5 (जून 2010), 50-56

दीक्षित, एम. आर., कर्ण, अमित, एवं शर्मा, सुनील, ऐंत्रप्रिन्यरियल ग्रोथ एक्शन्स एंड देर फाइनान्सियल कन्सिक्वन्सिज़ इन ए स्टार्ट-अप : इनसाइट्स फ़्रोम ए लो कोस्ट एयरलाइन वेन्चर इन ए कम्पिटिटीव एन्वायर्नमेंट, - *वेन्चर कैपिटल*, 11, 4 (2009), 361-78

दीक्षित, एम. आर., शर्मा, सुनील; और कर्ण, अमित, न्यू एन्वायर्नमेंटल स्टिम्युलि, चैलेंजिस ऑफ ऐंत्रप्रिन्यरल फर्म्स एंड ग्रोथ लीप्स : एविडन्सिस फ़्रोम मल्टिसेक्टर केस स्टडीज़, - *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ ऐंत्रप्रिन्यरल वेन्चरिंग*, 1 3 (2010), 264-90

दत्ता, गौतम, बसु, संकर्षन, और जोह्न जोस, डेवलपमेंट ऑफ यूटिलिटी फ़ंक्शन फोर लाइफ इंश्योरनस बायर्स इन दी इन्डियन मार्केट, - *जर्नल ऑफ दी ओपरेशनल रिसर्च सोसायटी*, 61 (2010), 585-93

गर्ग, अमित और अवशिया, वी, कार्बन कम्पिटिशन अप अबव : एस्टिमेटिंग ग्रीनहाउस गैस एमिशन्स ऑफ इन्डियन डोमेस्टिक एयरलाइन्स, - *ग्रीनहाउस गैस मेज़रमेंट एंड मैनेजमेंट*, 1, 2 (2011), 93-104

प्रकाशन

गर्ग, अमित, प्रो-इक्विटी अफ़ेक्ट्स ऑफ ऐन्सिलरी बेनिफिट्स ऑफ क्लाइमेट चेन्ज पोलिसीज़ : ए केस स्टडी ऑफ ह्युमन हेल्थ इम्पैक्ट्स ऑफ आउटडोर एयर पोल्युशन इन न्यू दिल्ली, - *वर्ल्ड डेवलपमेंट*, 39, 6 (2011), 1002-25

गर्ग, अमित, माहेश्वरी, जे, महापात्रा, डी, और कुमार, एस, इकोनोमिक एंड एन्वार्नमेंटल इम्प्लिकेशन्स ऑफ डिमान्ड-साइड मैनेजमेंट ओप्शन्स, - *एनर्जी पोलिसी*, 39, 6 (2011), 3076-85

गर्ग, अमित, शुक्ला, पी. आर., और उपाध्याय, जे, एन20 एमिशन्स ऑफ इन्डिया : एन एसेसमेंट ऑफ टेम्पोरल, रिजियोनल एंड सेक्टर ट्रेन्ड्स, - *क्लाइमेटिक चेन्ज, ओनलाइन पब्लिकेशन डीओआई* : 10, 1007/एस10584-011-0094-9, (2011)

गुप्ता, अनिल के, ए क्वेस्ट फोर सोसियल जस्टिस : ए कोलोक्वियम टू बिल्ड ए नेटवर्क, - *विकल्प : द जर्नल फोर डिसिज़न मेकर्स*, 35, 2 (अप्रैल-जून 2010), 63-100

गुप्ता, अनिल के, वॉटर, विज़डम एंड वॉर्स, - *फार्मिंग मेटर्स* (सितम्बर 2010), 21

गुप्ता, दिनेश के. और जैन, ए. के., मार्केटिंग लाइब्रेरी एंड इन्फरमेशन सर्विसीज़ : ए स्टडी ऑफ पिरियडिकल लिटरेचर, - *एनल्स ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फरमेशन स्टडीज़*, 56 (2009), 217-26

हल्सनास, के. और गर्ग, अमित, एसेसिंग द रोल ऑफ एनर्जी इन डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट पोलिसिज़, - कन्सेप्च्युअल एप्रोच एंड की इन्डिकेटर्स, - *वर्ल्ड डेवलपमेंट*, 39, 6 (2011), 987-1001

हस्स, आर., ग्रीन, ए, सुदर्शन, एच, कार्पगम, एस. एस., रामानी, के वी, टोमसन, जी, और जरैन, एन, गुड गवर्नंस एंड करप्शन इन द हेल्थ सेक्टर : लेशन्स फ्रोम द कर्नाटक एक्स्पिरियन्स, - *हेल्थ पोलिसी एंड प्लानिंग,* (2010), 1-14

जैन, रेखा और एरोन, प्रगीत, इवोल्युशन ऑफ टेकनोलोजिकल केपेबिलिटिज़ : ए स्टडी ओन इन्डियन प्रोडक्ट बेस्ड टेलिकोम स्टार्ट-अप्स, - *एसएसआरएन आईडी* 1697411

जैन, रेखा, और एरोन, प्रगीत, ओपोर्च्युनिटी रेकग्निशन इन हाइ टेक एंड रेग्युलेटरी एन्वायर्नमेंट : ए स्टडी ऑफ प्रोडक्ट बेस्ड इन्डियन टेलिकोम स्टार्ट-अप्स, - *एसएसआरएन आईडी* 1531790

जैन, रेखा, और रघुराम, जी., रोल ऑफ युनिवर्सल सर्विस ओबलिगेशन फंड इन रुरल टेलिकोम सर्विसीजः लेशन्स फ़्रोम दी इन्डियन एक्सपिरियन्स, - *जर्नल ऑफ टेलिकम्युनिकेशन्स मैनेजमेंट*, 3, 2 (2010), 181-96

जायसवाल, ए. के. और नीरज, राकेश, एक्ज़ामिनिंग मेडिटेटिंग रोल ऑफ एटिट्यूडिनल लोयल्टि एंड नोनलिनियर इफ़ैक्ट्स इन सेटिस्फेक्शन-बिहेवियरल इन्टेन्शन्स रिलेशनशिप, - *जर्नल ऑफ सर्विसीज़ मार्केटिंग*, 25, 3 (2011), 165-75

जायसवाल, ए के, नीरज, राकेश, और वेणुगोपाल, पी, कोन्टेक्ट्स-जनरल एंड कोन्टेक्ट्स-स्पेसिफिक डिटरमिनन्ट्स ऑफ ओनलाइन सटिस्फ़ेक्शन एंड लोयल्टि फोर कोमर्स एंड कन्टेन्ट साइट्स, - *जर्नल ऑफ इन्टरेक्टिव मार्केटिंग*, 24, 3 (2010), 222-38

जायसवाल, सचिन, ज्युक्स, एलिज़ाबेथ एम, और रे, साइबाल, प्रोडक्ट डिफरन्शियेशन एंड ओपरेशन्स स्ट्रेटेजी इन ए केपेसिटेटेड एन्वायर्नमेंट, - *यूरोपियन जर्नल ऑफ ओपरेशनल रिसर्च*, 210, 3 (2011), 716-28

प्रकाशन

जोसेफ, जेरोम और सेल्वराज, पी., कास्ट एंड सोसियल इमान्सिपेशन थ्रू रिटेल एंत्रप्रिन्यरशिप नेटवर्क्सः एन एथनोग्रफिक एक्स्प्लोरेशन ऑफ नादर कास्ट इन सधर्न इन्डिया, - *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इन्टरडिसिप्लिनरी सोसियल सायन्सिज़*, 5, 1 (2010), 401-11

जोसेफ, जेरोम, द डायनेमिक्स ऑफ स्ट्रेटिजिक मिलिटन्ट मैनेजरियलिज़म : एनालिसिस ऑफ ए स्ट्राइक, - *इन्डियन जर्नल ऑफ इन्डस्ट्रियल रिलेशन्स*, 45, 4 (2010), 671-93

कर्माकर, सन्दीप, दत्ता गौतम, और बंद्योपाध्याय, तथागत, रेवन्यू इम्पैक्ट्स ऑफ डिमांड अनकन्स्ट्रेइनिंग एंड अकाउन्टिंग फोर डिपेन्डेन्सी, - *जर्नल ऑफ रेवन्यू एंड प्राइसिंग मैनेजमेंट*, 10, 4 (2011), 367-81

कृष्णन, एस. के. और सिंह, मंजरी, स्ट्रैटेजिक ह्युमन रिसोर्सिस मैनेजमेंट : ए थ्री-स्टेज प्रोसेस मोडल एंड इट्स इन्फ़्लुएन्सिंग फ़ेक्टर्स, - *साउथ एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट*, 18, 1 (2011), 60-82

लाहा, ए. के. और महेश, के. सी., एसबी-रोबस्टनेस ऑफ डिरेक्शनल मीन फोर सर्क्युलर डिस्ट्रिब्युशन्स, *जर्नल ऑफ स्टेटिस्टिकल प्लानिंग एंड इन्फियरन्स*, 141 (2011), 1269-76

मणिकुट्टी, एस., सी. के. प्रह्लाद एंड हिज़ वर्क : एन एसेसमेंट, - *विकल्प : द जर्नल फोर डिसिज़न मेकर्स*, 35, 2 (अप्रैल-जून 2010), 1-5

मणिमुंडा, एस पी., मावलंकर, दिलीप, बंद्योपाध्याय, तथागत, और सुगुणन, ए. पी., चिकनगुनिया एपिडमिक रिलेटेड मोर्टालिटी, - *एपिडेमीयालोजी एंड इन्फ़ेक्शन, डीओआई* : 10, 1017/एस0950268810002542, ऑनलाइन प्रकाशित : 15 नवम्बर 2010

मिश्रा, एस. के. और भटनागर, दीप्ति, लिंकिंग इमोशनल डिसोनेन्स एंड ओर्गेनाइजेशनल आइडेन्टिफकेशन टू टर्नोवर इन्टेन्शन एंड इमोशनल वेल-बिइंग : ए स्टडी ऑफ मेडिकल रिप्रेज़न्टेटिव्ज़ इन इन्डिया, - *ह्युमन रिसौर्स मैनेजमेंट*, 49, 3 (2010), 401-19

नायर, निशा और भटनागर, दीप्ति, अन्डरस्टेन्डिंग वर्कप्लेस डेविअन्ट बिहेवियर इन नोनप्रोफिट ओर्गेनाइजेशनल : टोवर्ड्स एन इन्टिग्रेटिव कन्सेप्च्यूअल फ़्रेमवर्क, - *नोनप्रोफिट मैनेजमेंट एंड लीडरशिप*, 21, 3 (स्प्रिंग 2011), 289-309

नायर, निशा और वोहरा, निहारीका, डेवलपिंग ए न्यू मेज़र फोर वर्क एलियनेशन, *जर्नल ऑफ वर्कप्लेस राइट्स*, 14, 3 (2009), 293-309

नायर, निशा और वोहरा, निहारीका, द केस ऑफ ओडी इन एन एनजीओ इन इन्डिया, *जर्नल ऑफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट*, 30, 2 (2011), 148-59

पाल, देबदत्ता और मंडल, टी, एग्रिकल्चरल इन्श्योरन्स इन इन्डिया : एप्रोचिस एंड चैलेंजिस, - *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रुरल स्टडीज़*, 17, 1 (2010), 24-30

पाल, देबदत्ता और सप्रे, ए, अन्डरस्टेन्डिंग ट्रेन्ड्स एंड ग्रोथ रेजिम्स ऑफ रुरल क्रेडिट इन इन्डिया : 1969 टू 2008, - *एनआईएफएम जर्नल ऑफ पब्लिक फाइनांसियल मैनेजमेंट*, 2, 2 (2010)

पाल, देबदत्ता, मेज़रिंग टेकनिकल एफिसियन्सी ऑफ माइक्रोफायनांस इन्स्टिट्यूशन्स इन इन्डिया, - *इन्डियन जर्नल ऑफ एग्रिकल्चरल इकोनोमिक्स*, 65, 4 (2010), 639-57

प्रकाशन

पॉल, सुधीर, बेनर्जी, तथागत, और बालासूर्या, उदित, द मल्टि-क्लम्प फाइनाइट मिक्स्चर डिस्ट्रिब्युशन एंड मोडल सिलेक्शन, - *एन्वायर्नमेट्रिक्स*, 21 (2010), 133-42

राम मोहन, टी.टी., प्राइवेट बैंक लायसन्सिंग : वेरी फ़्यू विल क्वालिफाइ, - *इकोनोमिक एंड पोलिटिकल विकली*, 45, 41 (अक्टूबर 9, 2010), 10-12

राम मोहन, टी.टी., वर्ल्ड इकोनोमी नोट आउट ऑफ द वूड्स, - *इकोनोमिक एंड पोलिटिकल विकली*, 45, 24 (जून 12, 2010), 10-11

रमणी, के. वी. और सभी, व्हाय शुड 5000 चिल्ड्रन डाइ इन इन्डिया एवरी डे : मेजर कोज़िस ऑफ डेथ एंड मैनेजरियल चैलेंजिस, - *विकल्प : द जर्नल फोर डिसिज़न मेकर्स*, 35, 2 (अप्रैल-जून 2010), 9-19

सरकार, देबासिस और दत्ता, गौतम, डिजाइन एंड एप्लिकेशन ऑफ रिस्क एड्जस्टेड क्युम्युलेटिव सम फोर स्ट्रेंग्थ मोनिटरिंग ऑफ रेडी मिक्स्ड कोंक्रिट, - *जर्नल ऑफ कन्स्ट्रक्शन एंजिनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, 136, 6 (जून 2010), 624-31

सरकार, देबासिस और दत्ता, गौतम, इकोनोमिक डिजाइन ऑफ सीयूएसयूएम एंड ईडबल्यूएमए कंट्रोल चार्ट्स फोर इन्डियन आरएमसी इन्डस्ट्री, - *एनआईसीएमएआर जर्नल ऑफ कन्स्ट्रक्शन मैनेजमेंट एंड रिसर्च*, 24, 3 (2010), 22-27

सतिजा, विनिता एस. और माहेश्वरी, सुनील कुमार, इवेल्युएशन ऑफ जीएचक्यू 28 एज़ ए स्क्रिनिंग टेस्ट फोर सायकोलोजिकल प्रोब्लेम्स इन विमेन फ़्रोम लो सोसियो - *इकोनोमिक स्टेटस, - इन्डियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल सायकोलोजी*, 37, 2 (2010), 108-21

शारदा, कीर्ति और चटर्जी, एल, कनफिगरेशन्स ऑफ आउटसोर्सिंग फर्म्स एंड ओर्गेनाइजेशनल पर्फोर्मन्स : ए स्टडी ऑफ आउटसोर्सिंग इन्डस्ट्री इन इन्डिया, - *स्ट्रेटेजिक आउटसोर्सिंग : एन इन्टरनेशनल जर्नल,* 4, 2 (अप्रैल-मई 2011)

शुक्ला, पी. आर.. और चतुर्वेदी, वी., सस्टेनेबल एनर्जी ट्रान्सफोर्मेशन्स इन इन्डिया अन्डर क्लाइमेट पोलिसी, - *जर्नल : सस्टेनेबल डेवलपमेंट, विली ऑनलाइन लाइब्रेरी* (wileyonlinelibrary.com), डीओआई : 10, 1002/एसडी.516, (2011)

शुक्ला, पी. आर., धर, एस., और फुजिनो, जे, रिन्युएबल एनर्जी एंड लो कार्बन इकोनोमी ट्रान्ज़िशन इन इन्डिया, - *जर्नल ऑफ रिन्युएबल एंड सस्टेनेबल एनर्जी,* 2, 031005, डीओआई : 10.1063/1.3411001, (जून 2010)

सिंह, सुखपाल और सिंगला नरेश, इनक्लुज़िव फ़्रेश फ़ूड़ रिटेल चेन्स इन इन्डिया : केस स्टडीज़ ऑफ एचओपीसीओएम एंड सफल, - *इन्डियन जर्नल ऑफ एग्रिकल्चरल मार्केटिंग*, 24, 1 (2011)

सिंह, सुखपाल, इम्प्लिकेशन्स ऑफ एफडीआई इन फूड सुपरमार्केट्स, - *इकोनोमिक एंड पोलिटिकल विकली*, 45 (34), 21-27 (2010), 17-20

सिन्हा, पीयूष कुमार और सोम, अशोक, द लक्ज़री राउन्डटेबल : डज़ द लक्ज़री बिज़नेस नीड ए रिथिंक? – *विकल्प : द जर्नल फोर डिसिज़न मेकर्स*, 36, 1 (जनवरी- मार्च 2011), 73-74

प्रकाशन

पुस्तकों में अध्याय

भटनागर, एस सी, रामा राव, टी पी, सरीन, अंकुर, और पारेख, अनुराधा, लर्निंग फ्रोम इम्पैक्ट एसेसमेंट ऑफ ई-गवर्नंस प्रोजेक्ट्स इन इन्डिया इन पी. गुप्ता, आर. के. बग्गा एंड एस. अयालूरी (संपा.), एनेब्लर्स ऑफ चेन्ज : *सिलेक्टेड ई-गवर्नंस इनिशियेटिव्स इन इन्डिया,* हैदराबाद : आईसीएफएआई युनिवर्सिटी प्रेस, 2010, 18-26

डीसूज़ा, ईरोल और भट्टाचारजी, डी, लेबर मार्केट्स इन इन्डिया : इनफोर्मालिटी एंड इनइक्वलिटी इन जोह्न बेनसन एंड यिंग ज्हू (संपा.), द डायनेमिक्स ऑफ एशियन लेबर मार्केट्स - *बैलेन्सिंग कन्ट्रोल एंड फ़्लेक्सिबिलिटी*, लंदन एंड न्यू योर्क : रुटलेज, 2011, 165-90

दास, रजनीश और पाल, सुजोय, चैलेंजिस ऑफ आईडेन्टिटी मैनेजमेंट- ए कोन्टेक्स्ट इन रुरल इन्डिया इन डी. वीरासिंघे (संपा.), *इन्फरमेशन सिक्योरिटी एंड डिजिटल फोरेन्सिक्स*, 41, लंदन : स्प्रिंगर बर्लिन हैडलबर्ग, 2010, 172-83

दास, रजनीश एंड पाल, सुजोय, फिज़िबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी मॉडल फोर आइडेन्टिटी मैनेजमेंट इन डी. आर. शर्मन, डी.एस.डी स्मित एंड डी. एम. गुप्ता (संपा.), डिजिटल आइडेन्टिटी एंड एक्सेस मैनेजमेंट : *टेकनोलोजिज़ एंड फ़्रेमवर्क्स*, आईजीआई ग्लोबल, 2011

दत्ता, समर के, एक्ज़ामिनिंग गुजरात्स सक्सेस स्टोरी इन फ्रुट्स एंड वेजिटेबल्स इन रविन्द्र एच. धोलकिया एंड समर के. दत्ता (संपा.), *हाई ग्रोथ ट्रैजेक्टरी एंड स्ट्रक्चरल चेन्जिस इन गुजरात एग्रिकल्चर,* नई दिल्ली : मैकमिलान पब्लिशर्स, अगस्त 2010

धोलकिया, रवीन्द्र एच, रिव्यू ऑफ सोसियल कोस्ट-बेनिफिट एनालिसिस फोर द सरदार सरोवर प्रोजेक्ट इन आर पार्थसारथी एंड रवीन्द्र एच धोलकिया (संपा.), सरदार सरोवर प्रोजेक्ट ओन द रिवर नर्मदा-*वोल्युम 1 – हिस्टरी ऑफ डिजाइन, प्लानिंग एंड अप्रेज़ल*, नई दिल्ली : कन्सेप्ट पब्लिशर्स, 2011, 199-225

गाँधी, वसंत पी. और जैन, दिनेश, इन्स्टिट्यूशनल इनोवेशन्स एंड मोडल्स इन द डेवलपमेंट ऑफ एग्रो - इन्डस्ट्रिज़ इन इन्डिया : स्ट्रेन्थ्स, विकनेसिस एंड लेशन्स इन दा सिल्वा, सी. ए. एंड. मलंगा एन. (संपा.), *इनोवेटिव पोलिसिस एंड इन्स्टिट्युशन्स इन सपोर्ट ऑफ एग्रो-इन्डस्ट्रिज़ डेवलपमेंट*, रोम : फ़ूड़ एंड एग्रिकल्चर ओर्गेनाइजेशन ऑफ द युनाइटेड नेशन्स, 2011

गाँधी, वसंत पी, पोस्ट ग्रेज्युएट प्रोग्राम इन एग्रि-बिज़नेस मैनेजमेंट (पीजीपी-एबीएम) - दी ओरिजिन, डिजाइन एंड इवोल्युशन इन विजय शेरी चंद और टी. वी. राव (संपा.), *नरचरिंग इन्स्टिट्युशनल एक्सलन्स : इन्डियन इन्स्टिट्युट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद*, नई दिल्ली : मैकमिलन इन्डिया पब्लिशर्स लिमिटेड, 2011

गर्ग, अमित, पाठक, एस, झाला, एन., और कनकल, बी., इम्पैक्ट्स ऑफ नर्मदा वोटर ओन एग्रिकल्चर इन गुजरात इन रवीन्द्र एच. धोलकिया और आर. पार्थसारथी (संपा.), *सरदार सरोवर प्रोजेक्ट ओन द रिवर नर्मदा : इम्पैक्ट्स सो फार एंड वेयस फोरवर्ड, अहमदाबाद* : कन्सेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, 2011

गुप्ता, अनिल के., "एम्पेथेटिक इनोवेशन्स : कनेक्शन्स अक्रोस बाउन्डरिज़" इन डॉ. आर. ए. माशेलकर (संपा.), *टाइमलेस इन्स्पिरेटर : रिलिविंग गाँधी, पूणे* : गाँधी नेशनल मेमोरियल सोसायटी, अक्टूबर 2, 2010, 42-57

गुप्ता, अनिल के,, "इन्डिजिनस नोलेज : वेयस ऑफ नोईंग, फिलिंग एंड डुईंग" इन अशोक जैन (संपा.), *हिस्ट री ऑफ सायन्स, फिलोसोफी एंड कल्चर इन इन्डियन सिविलाइजेशन : सायन्स एंड द पब्लिक*, नई दिल्ली : सेन्टर फोर स्टडिज़ इन सिविलाइजेशन्स, पीएचआईएसपीसी, 2010, 165-182

प्रकाशन

जोसेफ, जेरोम और जगन्नाथन, एस., "टोवर्ड्स इन्डस्ट्रियल रिलेशन्स एज़ नेगोशियेटेड कनेक्टेडनेस : आर्टिक्युलेटिंग इनसिक्योरिटी एज़ ए सेन्ट्रल थिसिस ऑफ द कन्टेम्पररी कन्डिशन ऑफ वर्कर्स" इन एस. झा एंड वी. मालविया (संपा.), *कन्टेम्पररी इस्यूज़ इन ह्युमन रिसोर्स मैनेजमेंट*, नई दिल्ली : स्पार्टाकस, 2011, 352-60

मणिकुट्टी, एस., "दी इफ़ैक्ट्स ऑफ नेशनालिटी ऑन दी एप्रोचिस टू लर्निंग एंड स्टडिइंग" इन एम. नबोएर, एन. एस. अनुराधा एंड एस. कुचल (संपा.), क्रोस कल्चरल एप्रोचिस टु लर्निंग एंड स्टडिइंग : *ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ ओस्ट्रिया, जर्मनी एंड इन्डिया*, नई दिल्ली : मैकमिलान इन्डिया पब्लिशर्स लिमिटेड, 2010

माथुर, अजित एन., "सोजुर्न इन वोगोनिया : सीडिंग आइडियाज़, प्लान्टिंग प्रोसेसिस एंड बिल्डिंग" इन विजय शेरी चंद एंड टी. वी. राव (संपा.), *नरचरिंग इन्स्टिट्युशनल एक्सेलन्स : इन्डियन इन्स्टिट्युट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद,* नई दिल्ली : मैकमिलान इन्डिया पब्लिशर्स लिमिटेड, 2011, 236-60

माथुर, नवदीप और बजाज, आमिर बशीर, डेमोक्रेटिक गवर्नन्स थ्रु कलेबरेटिव डिजाइन : ए केस स्टडी ऑफ अर्बन कम्युनिटी बेज़्ड पार्टनरशिप इन अहदाबाद इन जी. रमेश, वी. नागदेवरा, जी. नायक एंड ए. बी. सूरज (संपा.), *पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप्स इन अर्बन गवर्नन्स इन इन्डिया*, नई दिल्ली : रुटलेज, 2010

मोरिस, सेबास्टियन और पांडे, अजय, "लैंड मार्केट्स इन इन्डिया : डिस्टोर्शन्स एंड इस्युज़" इन निर्मल मोहन्ती, रुना सरकार एंड अजय पांडे (संपा.), *इन्डिया इन्फ्रास्ट्रक्चर रिपोर्ट 2009* - लेन्ड ए क्रिटिकल रिसोर्स फोर इन्फ्रास्ट्रक्चर, नई दिल्ली : ओक्सफर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, 2009, 13-19

पार्थसारथी, आर और. धोलकिया, रवीन्द्र एच., "सरदार सरोवर प्रोजेक्ट : बैकग्राउण्ड एंड ओवरव्यू" इन आर पार्थसारथी एंड रवीन्द्र एच. धोलकिया (संपा.), सरदार सरोवर प्रोजेक्ट ऑन द रिवर नर्मदा - वोल्युम 1 – *हिस्टरी ऑफ डिजाइन, प्लानिंग एंड अप्रेज़ल*, नई दिल्ली : कन्सेप्ट पब्लिशर्स, 2011, 1-12

पार्थसारथी, आर. और धोलकिया, रवीन्द्र एच., "इम्प्लिमेन्टेशन ऑफ सरदार सरोवर प्रोजेक्ट : ओवरव्यू" इन आर पार्थसारथी एंड रवीन्द्र एच. धोलकिया (संपा.), सरदार सरोवर प्रोजेक्ट ऑन द रिवर नर्मदा - वोल्युम 2 – *हिस्टरी ऑफ रिहेबिलिटेशन एंड इम्प्लिमेंटेशन*, नई दिल्ली : कन्सेप्ट पब्लिशर्स, 2011, 257-91

पार्थसारथी, आर. और धोलकिया, रवीन्द्र एच., "सरदार सरोवर प्रोजेक्ट : पर्फोर्मन्स सो फार, प्लान्स एंड ओपोर्च्युनिटिज़" इन आर पार्थसारथी एंड रवीन्द्र एच. धोलकिया (संपा.), सरदार सरोवर प्रोजेक्ट ऑन द रिवर नर्मदा - वोल्युम 3 - *इमपैक्ट्स सो फार एंड वेयस फोरवर्ड*, नई दिल्ली : कन्सेप्ट पब्लिशर्स, 2011, 617-34

रमणी, के. वी., "स्ट्रेन्थनिंग हेल्थ सेक्टर गवर्नन्स एंड मैनेजमेंट" इन विजय शेरी चंद एंड टी. वी. राव (संपा.), *नरचरिंग इन्स्टिट्युशनल एक्सेलन्स : इन्डियन इन्स्टिट्युट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद, नई दिल्ली :* मैकमिलान इन्डिया पब्लिशर्स लिमिटेड, 2011, 379-89

सिंह, सुखपाल, "ग्लोबलाइज़ेशन एंड सस्टेनेबिलिटी इस्यूस इन एग्रिकल्चर इन एशिया - ए केस ऑफ इन्डिया" इन एस. एस. गिल, एल. सिंह एंड आर. मारवाह (संपा.), *इकोनोमिक एंड एन्वायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी ऑफ दी एशियन रिजियन*, नई दिल्ली : रुटलेज, 2010, 23-44

सिंह, सुखपाल, "इन्स्टिट्यूशनल मेकानिज़्म्स इन पंजाब्स एग्रिकल्चरल सेक्टर : अ स्मोलहोल्डर पर्स्पेक्टिव" इन एच. एस. शेरगिल एंड एस. एस. गिल (संपा.), *अन्डरस्टेन्डिंग नोर्थ-वेस्ट इन्डियन इकोनोमी*, नई दिल्ली : सिरियल पब्लिकेशन्स, 2011, 140-64

प्रकाशन

सिंह, सुखपाल, "लिंकिंग स्मोल होर्टिकल्चरल प्रोड्युसर्स विथ मार्केट्स : इन्डियन एक्सिपरियन्स एंड लेशन्स" इन ई. डबल्यू. ह्युएट और सभी (संपा.), *प्रोसिडिंग्स ऑफ दी इन्टरनेशनल सिम्पोज़ियम ओन पोस्टहार्वेस्ट पेसिफिका, बेल्जियम* : आईएसएचएस, 2010, 75-82

वर्मा, जयंत आर, "रिस्क मैनेजमेंट लेशन्स फ्रोम द ग्लोबल फाइनान्सियल क्राइसिस फोर डेरिवेटिव एक्स्चेन्जिस" इन रोबर्ट डबल्यू कोल्ब (संपा.), *लेशन्स फ्रोम द फायनान्सियल क्राइसिस : कोज़िस, कन्सिक्वन्सिस एंड अवर इकोनोमिक फ्युचर*, न्यू जर्सी : जोह्न विले, 2010, 317-23

वेंकट राव, वी, "पोलिसी ओल्टरनेटिव्स फोर द फ़ेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट" इन विजय शेरी चंद एंड टी. वी. राव (संपा.), *नरचरिंग इन्स्टिट्युशनल एक्सेलन्स : इन्डियन इन्स्टिट्युट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद*, नई दिल्ली : मैकमिलान इन्डिया पब्लिशर्स लिमिटेड, 2011, 265-76

सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

ऐरोन, प्रगीत, और जैन, रेखा, "इवोल्युशन ऑफ मार्केटिंग केपेबिलिटीस - ए स्टडी ऑन प्रोडक्ट बेस्ड इन्डियन टेलिकॉम स्टार्ट-अप फर्म्स," पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, 2010

अग्रवाल, अनुराग के., "लॉ, एथिक्स एंड बिज़नेस : वेल्यु-बेस्ड मैनेजमेंट बाय टोटल कम्प्लायन्स", मूल्य आधारित प्रबंधन पर एआईएमएस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, अगस्त 11-13, 2010

अग्रवाल, अनुराग के., "पब्लिक स्पिरिटेड पर्सन एज़ ए सोसियल एंत्रप्रिन्यर : की लर्निंग्स फ्रोम पब्लिक इन्टरेस्ट लिटिगेशन इन इन्डिया", सामाजिक उद्यमिता पर वार्षिक सेंटर सम्मेलन, न्यू योर्क विश्वविद्यालय - स्टर्न बिज़नेस स्कूल, नवम्बर 3-5, 2010

अग्रवाल, अनुराग के., "सप्लाय ऑफ फूड आईटम्स : डिस्प्यूट रिज़ोल्युशन बाय आर्बिट्रेशन - ए केस स्टडी 1100 एमटी ऑफ सोरगम", कृषि-खाद्य आपूर्ति श्रृंखला पर राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, लखनऊ, अप्रैल 9-11, 2010

अग्रवाल, मनोज, बेरेन्स, गिदो, और जायसवाल ए. के., "सीएसआर एंड बीओपी मार्केटिंग : आर दे टू साइड्स ऑफ द सेम कोइन"? उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन पर चौथा आईआईएम-ए सम्मलेन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, जनवरी 5-7, 2011

अग्रवाला, आस्था और पंगोत्रा, प्रेम, "रिज्यनल इनकम डिसपेरिटिज़ इन इन्डिया एंड टेस्ट फोर कन्वर्जन्स : 1980 से 2006", पेनसिल्वेनिया इकोनोमिक एसोसिएशन कोन्फरन्स – 2010, पेनसिल्वेनिया, यूएसए, जून 2010

अग्रवाला, आस्था, "एग्लोमरेशन इकोनोमिज़ एंड प्रोडक्टिविटी ग्रोथ इन इन्डिया", चौथा आईआईएम-ए डॉक्टरल वार्तालाप, जनवरी 2011

अग्रवाला, आस्था,"रिजनल इनकम ग्रोथ एंड कन्वर्जन्स इन इन्डिया", आईएमआर का दूसरा सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, बेगलुरू, नवम्बर 2010

आंजली, फ़ेदरिका और जायसवाल, ए. के., "व्हाय डु लोकल कम्पनीज़ आउटपर्फोर्म एमएनसीस इन इन्क्लुज़िव मार्केट्स? एन इन्स्टिट्युशनल पर्स्पेक्टिव", रणनीतिक प्रबंध फोरम सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, दिसम्बर 15-17, 2010

बाजपाई, निरूपम और धोलकिया रवीन्द्र एच. "इम्प्रूविंग आशा'ज परफोरमेंस" आईएपी - एनआरएचएम सम्मेलन, नई दिल्ली, जनवरी 31, 2011.

प्रकाशन

बाजपाई, निरुपम और धोलकिया, रवीन्द्र एच., "इम्प्रुविंग इन्टिग्रेशन ऑफ हेल्थ एंड न्युट्रिशन सेक्टर्स इन इन्डिया", आईएपी-एनआरएचएम सम्मेलन, नई दिल्ली, जनवरी 31, 2011

भमोरिया, वैभव और गाँधी, वसंत पी., "एडेप्टिवनेस इन वॉटर मैनेजमेंट इन्स्टिट्युशन्स : नेचर, एक्ज़िस्टन्स एंड इम्पैक्ट", भारत बुनियादी सुविधा रिपोर्ट 2011 - लेखक कार्यशाला, मुम्बई, फरवरी 17-18, 2011

भटनागर, एस. सी., "रुरल ई-सर्विस डिलिवरी : स्टेटस एंड चैलेन्जिस", ई-गवर्नन्स पर 14वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन, औरंगाबाद, फरवरी 10-11, 2011

चक्रबर्ती, मिलिन्दो, दत्ता, समर के., और धोलकिया, रवीन्द्र एच., "डिटरमिनन्ट्स ऑफ सक्सेस ऑफ नेशनल रुरल एम्प्लोयमेंट गारन्टी प्रोग्राम इन इन्डिया : ए डिस्ट्रिक्ट लेवल एनालिसिस", पश्चिमी आर्थिक संगठन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, पोर्टलेन्ड, जुलाई 1, 2010

डीक्रूज़, प्रेमिला और रैनर, चारलोत्त, "सोसियो-कल्चरल इनफ्लुएन्सिस ओन वर्कप्लेस ब्युलिइंग : ए क्वोन्टिटेटिव स्टडी फ्रोम इन्डिया", ईएडबल्यूओपी 2011 सम्मेलन, मास्ट्रीच्ट, नीदरलैंड्स, मई 25-28, 2011

डीक्रूज़, प्रेमिला, "आईडेन्टिटी वर्क इन द कोन्टेक्ष्ट ऑफ वर्कप्लेस ब्युलिइंग", कार्यस्थल सताने और उत्पीडन पर 7वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, वेल्स, यूके, जून 2-4, 2009

डीक्रूज़, प्रेमिला, नोरोन्हा, एर्नेस्टो, टेयलर, फिल, और स्कोलारियोस, दोरा, "फ्रोम बुम टु व्हेर : दी एक्सिपरियन्स ऑफ पोस्ट-क्राइसिस वर्क एंड एम्प्लोयमेंट इन ऑफशोर्ड बीपीओ", 29वाँ आईएलपीसी सम्मेलन, लीड्स, यूके, अप्रैल 5-7, 2011

डीसूज़ा, ईरोल, "द रोअर एंड द विम्पर ऑफ दी इकोनोमिक टाइगर – ग्रोथ एंड एम्प्लोयमेंट इन इन्डिया", 13वाँ आर. एस. भट्ट स्मृति व्याख्यान, भावनगर विश्वविद्यालय, भावनगर, अक्टूबर 21, 2010

डीसूज़ा, ईरोल, "व्हाट कन्स्ट्रेन्ट्स बिज़नेस – द रोल ऑफ द सिंगल विन्डो", लंदन अर्थशास्त्र स्कूल और ओक्स्फर्ड अंतरराष्ट्रीय संवर्धन केन्द्र विश्वविद्यालय, मार्च 2011

दास, रजनीश, "ब्रोडबैंड इस्यूज इन इन्डिया – एक्सिपरियन्सिस फ्रोम वेरियस स्टेट्स", आईआईटीसीओई और आईसीआरआईईआर की राष्ट्रीय ब्रोडबैंड पहल के लिए अनुसंधान और कार्य योजना पर कार्यशाला, नई दिल्ली, अप्रैल 16, 2010

दास, रजनीश, "फाइनान्सियल इन्क्लुज़न, मोबाइल फाइनान्सियल सर्विसिज़ एंड मोबाइल ब्रोडबैंड", मोबाइल ब्रोडबैंड पर आईआईटीसीओई कार्यशाला : सुलगती सेवा क्रांति, नई दिल्ली, नवम्बर 26-27, 2010

दत्ता, समर के., चक्रबर्ती, एम, बिस्वास, सुभो, और पाल, देबदत्ता, "रिओरिएन्टिंग वेल्यू चेन इन इन्डियन फिशरिज़ सेक्टर", कृषि-खाद्य आपूर्ति श्रृंखला पर राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, लखनऊ, अप्रैल 9-11, 2010

देवधर, सतीश और सभी, "एन ओलिवरियन ट्विस्ट टू इवेल्युएशन ऑफ मिड डे मील स्कीम", चैलेन्जिस टू इन्क्लुज़िव ग्रोथ इन दी इमर्जिंग इकोनोमिस पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, रणनीतिक प्रबंध फोरम और भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, दिसम्बर 15-17, 2010

धोलकिया, रवीन्द्र एच. और आयंगर, श्रीकांत, "एक्सेस ऑफ द रुरल पुअर टू प्रायमरी हेल्थ केयर इन इन्डिया", 13वाँ एएससीओएन, आईसीडीडीआर, बी, ढाका, मार्च 14-17, 2011

प्रकाशन

धोलकिया, रवीन्द्र एच. और सप्रे, "अमी, एस्टिमेटिंग स्ट्रक्चरल ब्रेक्स इन्डिजिनसली इन इन्डियाज़ पोस्ट - इन्डिपेन्डन्स ग्रोथ पाथ एन एम्पिरिकल क्रिटिक", भारतीय इकोनोमेट्रिक सोसायटी का 47वाँ वार्षिक सम्मेलन, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर, जनवरी 6-8, 2011

धोलकिया, रवीन्द्र एच, "डेवलपमेंट स्ट्रेटेजी यूज़िंग इनपुट-आउटपुट स्टेटिस्टिक्स", 15वाँ इनपुट आउटपुट अनुसंधान सम्मेलन, हैदराबाद विश्वविद्यालय, मार्च 17-19, 2011

धोलकिया, रवीन्द्र एच., "डिस्कसन्ट्स कोमेंट्स ओन पेपर बाय थोमस सी. आर्मस्ट्रोंग", पेनसिलवेनिया इकोनोमिक एसोसिएशन वार्षिक सम्मेलन, ग्रुव सिटी, यूएसए, जून 3-5, 2010

धोलकिया, रवीन्द्र एच., "मैनेजमेंट ऑफ वॉटर रिसोर्सिस, जल संसाधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, गाँधीनगर, मार्च 22, 2010

धोलकिया, रवीन्द्र एच., "शिफ़्ट इन द ग्रोथ पाथ ऑफ एग्रिकल्चर इन गुजरात", भारतीय इकोनोमेट्रिक सोसायटी का 47वाँ वार्षिक सम्मेलन, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर, जनवरी 6-8, 2011

धोलकिया, रवीन्द्र एच., "सोसियल कोस्ट बेनिफिट एनालिसिस ऑफ एसएसपी", सरदार सरोवर परियोजना पर कार्यशाला, सेप्ट (सीईपीटी) विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, अक्टूबर 29-30, 2010

धोलकिया, रवीन्द्र एच., "टेस्टिंग फोर ट्रिकल-डाउन ओर पोलराइजेशन-एविडन्स फ़्रोम इन्डिया", पेनसिलवेनिया इकोनोमिक एसोसिएशन वार्षिक सम्मेलन, वेस्ट चेस्टर विश्वविद्यालय, पेनसिलवेनिया, जून 3-5, 2010

दीक्षित, एम. आर., कर्ण, अमित, और शर्मा, सुनील, "डायनेमिक्स ऑफ फर्म-एन्वायर्नमेंट इन्टरेक्शन इन बिल्डिंग केपेबिलिटीस इन इमर्जिंग इकोनोमिज़ : इनसाइट्स फ़्रोम इन्डियन सोफ़्टवेर सेक्टर", 30वाँ वार्षिक सम्मेलन, रणनीतिक प्रबंधन सोसायटी, रोम, सितम्बर 12-15, 2010

दत्ता, गौतम, "इमोशनल मार्केटिंग विन्स कस्टमर्स फोर लाइफ", विपणन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, होटल समर पेलेस, बरिधारा, ढाका, दिसम्बर 9, 2010

दत्ता, गौतम, नायक, अजय, गोसाई, दीपा, और घोष, प्रियंको, "प्रिडिक्टिव इन्डेक्ष फोर लेन्थ ऑफ स्टे ऑफ अ पेशन्ट इन एन आईसीयू आफ़्टर ए कार्डियाक सर्जरी", इनफोर्म्स (आईएनएफओआरएमएस) वार्षिक बैठक, टेक्सास, ओस्टिन, नवम्बर 2010

फु, वेन-जे, गाँधी, वसंत पी, जी-मिन वेंग, जिन-ताओ ज्हान, और ज्हेंग-यूई ज्हू, "राइज़िंग डिमांड फोर लाइवस्टोक प्रोडक्ट्स इन इन्डिया एंड चाइना : ए कम्पेरेटिव पर्स्पेक्टिव", चाइनीज़ इकोनोमिक स्टडिज़ ओस्ट्रेलिया, चाइना एसोसिएशन का 22वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन : नये दशक में आर्थिक प्रगति और व्यवसाय अवसर, ला थोब विश्वविद्यालय, मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया, जुलाई 15-17, 2010

गाँधी, वसंत पी. और जैन, दिनेश, "वॉटर मैनेजमेंट इन द कमांड एरिया ऑफ द नर्मदा-सरदार सरोवर प्रोजेक्ट", सरदार सरोवर के विकास और क्रांति पर संगोष्ठी, सेप्ट (सीईपीटी) विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, जनवरी 3-4, 2011

गाँधी, वसंत पी., "ब्रान्ड-वरायटी नोलेज एंड इनफरमेशन सिस्टम : ए डिजाइन फोर कोटन इन इन्डिया", कृषि शिक्षा और ज्ञान प्रबंधन पर आईएफपीआरआई-इग्नू अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, अगरतला, अगस्त 24-26, 2010

गाँधी, वसंत पी., "मैनेजमेंट इनफार्मेशन सिस्टम फोर वॉटरशेड डेवलपमेंट प्रोग्राम्स इन इन्डिया", कृषि में सूचना

प्रकाशन

प्रौद्योगिकी के लिए एशियाई संघ – एएफआईटीए 2010 का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन उत्पादन प्रणाली और वाणिज्य आधारित प्रतिस्पर्धी कृषि के लिए गुणवत्ता जानकारी, बोगोर, इन्डोनेशिया, अक्टूबर 4-7, 2010

गाँधी, वसंत पी., "रिफोर्मिंग इन्स्टिट्युशनल इन नेचरल रिसोर्स मैनेजमेंट फोर इनक्लुज़िव एंड सस्टेनेबल ग्रोथ", समग्र विकास के लिए कृषि और पर्यावरण पर स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय संगोष्ठी, कृषि संबंधी भारतीय अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, दिसम्बर 14-15, 2010

गाँधी, वसंत पी., "सस्टेनेबल ग्राउन्डवॉटर मैनेजमेंट : द रोल एंड पर्फोर्मन्स ऑफ इन्स्टिट्युशन्स इन इन्डिया", विज्ञान और नीति को जोडते हुए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सान फ़्रान्सिस्को, यूएसए, जून 14-17, 2010

घोष, दीप्तेश और शर्मा, मेघा, "ए ग्रुपिंग जेनेटिक अलगोरिधम फोर द केपेसिटेटेड फ़ेसिलिटी लोकेशन प्रोब्लेम", ईयूआरओ (यूरो) 24, लिस्बन, पोर्तुगाल, जुलाई 13, 2010

घोष, दीप्तेश, "एन ओल्टरनेटिव फ़्रेमवर्क फोर जेनेटिक अलगोरिधम्स", ओआरएसआई-यूआरडी, मदुरई, दिसम्बर 16, 2010

गिरजा शरण और माधवन, टी., "वेजिटेबल क्रोपिंग इन सेमी-एरिद नोर्थ-वेस्ट इन्डिया इन ग्रीनहाउस", एजेंग 2010 सम्मेलन, क्लेरमों-फ़ेरों, फ़्रान्स, सितम्बर 6-8, 2010

गुप्ता, अनिल के., "हारनेसिंग इन्टेलेक्चुअल ऐसेट एंड वेल्यू क्रिएशन एट ग्रासरुट्स", विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के स्मरणोत्सव में आईपीआर, अर्थव्यवस्था और अर्थव्यवस्था विकास पर व्याख्यान, एसोचेम, नई दिल्ली, अप्रैल 26, 2010

गुप्ता, अनिल के., "ईट, ड्रिंक और बी हेल्दी : ए पेराडिग्म शिफ़्ट फोर लिंकिंग फ़ुड़ एंड बेवरेजिस इन्डस्ट्री विथ पिपल्स नोलेज एंड इन्स्टिट्युशन्स", 9वाँ राष्ट्रीय डेयरी एवं बेवरेज सम्मेलन, कोवालम, त्रिवेन्द्रम, सितम्बर 30, 2010

गुप्ता, अनिल के., "एम्पावरिंग नोलेज रिच-इकोनोमिकली पुअर पिपल", बिजनेस मॉडल नवाचार : उच्च प्रदर्शन का मंत्र के जरिए समग्र विकास पर द्वितीय वैश्विक नवाचार सम्मेलन, बेंगलुरू, नवम्बर 23, 2010

गुप्ता, अनिल के., "इन्नोवेटिव एप्लिकेशन्स फोर इन्डियन नीड्स", ईएफवाय डिजाइन अभियंताओं का सम्मेलन, नई दिल्ली, फरवरी 18, 2011

गुप्ता, अनिल के., "नोलेज, फीलिंग एंड डुइंग : डिजाइन, डायवर्सिटी, डिसन्ट एंड डेमोक्रसी", डिजाइन, आरडीआईएस और ब्राउन विश्वविद्यालय के द्वारा एक बेहतर विश्व पर सम्मेलन, अक्टूबर 1-3, 2010

गुप्ता, अनिल के., "लेवरेजिंग इन्नोवेशन्स फोर इनक्लुज़िव गवर्नन्स", 5वाँ नागरिक सेवा दिवस, विज्ञान भवन, नई दिल्ली, अप्रैल 21, 2010

गुप्ता, अनिल के., "रिथिंकिंग मैनेजमेंट एज्युकेशन एंड सोसियल रिस्पोन्सिबिलिटी", अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय एवं अनुसंधान स्कूल में प्रथम दीक्षान्त भाषण, बेंगलुरू, अप्रैल 18, 2010

गुप्ता, श्रुति और जायसवाल, ए. के., "मार्केटिंग टू द बोटम ऑफ द पिरामिड : सर्विस और डिस्सर्विस"? उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन पर चौथा आईआईएम-ए सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, जनवरी 5-7, 2011

प्रकाशन

जैन, रेखा, "इन्नोवेटिव सर्विसिस इन डेवलपिंग कन्ट्रिज़ : चैलेन्जिस इन स्केलिंग अप", अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार सोसायटी का 18वाँ द्विवार्षिक सम्मेलन, टोकियो, जून 27-30, 2010

जैन, रेखा, "रोल ऑफ पोलिसी एंड गवर्नन्स इन अनलोकिंग द पोटेन्शियल फ़्रोम कन्वर्जन्स : लेशन्स फ़्रोम इन्डिया", दूरसंचार नीति अनुसंधान सम्मेलन, आर्लिंगटन, यूएसए, अक्टूबर 1-3, 2010

जायसवाल, ए. के. और नीरज, राकेश, "डज़ एटिट्युडिनल लोयल्टी मेडिटेट द रिलेशनशिप बिट्वीन सटिस्फ़ेक्शन एंड बिहेवियरल इन्टेन्शन्स? एन एम्पिरिकल एक्ज़ामिनेशन्स", इनफोर्म्स विपणन विज्ञान सम्मेलन, प्रबंध, अर्थशास्त्र और समाजविज्ञान के संकाय, कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी, जून 17-19, 2010

जोसेफ, जेरोम और सेल्वराज, पी., "कास्ट एंड सोसियल इमेन्सिपेशन थ्रु रिटेल एंत्रप्रिन्यरशिप नेटवर्क्स : एन एथनोग्राफिक एक्स्प्लोरेशन ऑफ द नादर कास्ट इन सधर्न इन्डिया", पाँचवा अंतरराष्ट्रीय इन्टरडिसिप्लिनरी समाजविज्ञान सम्मेलन, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके, अगस्त 2-5, 2010

कंडाथिल, ज्योर्ज, "आईडेन्टिटी कन्स्ट्रक्शन एंड को-मिंगलिंग ऑफ कोन्ट्राडिक्टरी इन्स्टिट्युशनल लोजिक्स : रिसोल्विंग इन्स्टिट्युशनल टेन्शन ड्युरिंग दी इम्प्लिमेंटेशन ऑफ एन्टरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग टेकनोलोजी इन वेस्टर्न मल्टिनेशनल ओर्गेनाइजेशन इन इन्डिया", संगठन अध्ययनों के लिए यूरोपीय समूह का 26वाँ वार्तालाप (ईजीओएस), लिस्बन, पोर्तुगाल, जुलाई 8, 2010

कर्ण, अमित, दीक्षित, एम. आर., और शर्मा, सुनील, "इवोल्युशन ऑफ केपेबिलिटिज़ फोर ग्लोबल सर्विस डिलिवरी : ए स्टडी ऑफ इमर्जिंग इकोनोमी सोफ़्टवेयर फर्म्स", एसएमएस सम्मेलन, वॉशिंगटन, अक्टूबर 2009

कार्तिक, डी और उपाध्यायुला, राजेश एस, "पर्फोर्मन्स इम्प्लिकेशन्स ऑफ डायवर्सिफिकेशन इन प्रोफ़ेशनल सर्विस फर्म्स : द रोल ऑफ सिनर्जिज़", उभरता भारत : रणनीति, नवाचार और स्थिरता पर एसएमएस अनुसंधान कार्यशाला, भारतीय प्रबंध संस्थान, कोलकाता, फरवरी 26-28, 2011

कोडन्डरम, हर्षा, महाजन, चेतन, और कार्तिक, डी., "एप्लिकेशन ऑफ प्रोस्परिटी स्कोरिंग फोर एस्टाब्लिशिंग केज़्युअलिटी इन दी एरिया ऑफ डिरेक्ट मार्केटिंग", एडवान्स्ड् डेटा विश्लेषण, व्यवसाय विश्लेषिकी और खुफिया, जनवरी 8-9, 2011

कृष्णन, सुदीप के., कुमार, जितेश, मेथ्यु, शॉन, और ओबुराई, प्रताप, "इवेल्युएटिंग इफ़ेक्टिवनेस ऑफ इन्टरनेट मार्केटिंग स्ट्रेटेजिस : दी इन्टरनेट मार्केटिंग एक्सेप्टन्स मॉडल (आईएमएएम)", विपणन अकादमी वार्षिक सम्मेलन 2010, कोवेन्ट्री, यूके, जुलाई 6-8, 2010

लाहा, ए. के. और महेश, के. सी., "एसबी-रोबस्ट एस्टिमेशन ऑफ पेरामिटर्स ऑफ वोन-मिसेस डिस्ट्रिब्युशन ओन द सर्कल, अनुप्रयुक्त संभाव्यता और सांख्यिकी विधियों पर पहला सम्मेलन और अनुप्रयोगों के साथ बहुभिन्नरूपी वितरण पर 7वाँ सम्मेलन, मारसिआस, ब्राजील, अगस्त 2010

लाहा, ए के., "क्वॉन्टिटेटिव एक्स्प्लोरेशन्स इन इन्डियन स्टोक मार्केट्स", प्रबंधन प्रथाओं के अभिसरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल, दिसम्बर, 2010

माधवन, टी. और गिरजा, शरण "स्पातिअल वेरिएशन ऑफ ड्यू ओवर इन्डिया", कोहरा, कोहरा संकलन और ओस पर 5वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, मिइन्स्टर, जर्मनी, जुलाई 25-30, 2010

प्रकाशन

माहेश्वरी, मृदुल और जोसेफ, जेरोम, "एक्सेस टू एन्ट्री एंड वर्कप्लेस इन्टरफ़ेस एंड इन्टरेक्शन्स : इनसाइट्स फ़्रोम विमेन्स नेरेटिव्स", संगठन अध्ययनों का यूरोपीय समूह सम्मेलन, लिस्बन, जुलाई 2-4, 2010

माहेश्वरी, मृदुल, एक्सेस टू वर्क एंड मदरहुड : फ़्रोम द पर्स्पेक्टिव ऑफ प्रोफ़ेशनल विमेन, प्रबंध वार्षिक बैठक अकादमी 2010, मोन्त्रियाल, कनाडा, अगस्त 2010

माहेश्वरी, सुनील कुमार, डेवलपिंग टैलन्ट, एनएचआरडीएन वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली, 2010

मणिकुट्टी, एस, इन्नोवेशन्स इन मैनेजमेंट एज्युकेशन, प्रबंध शिक्षा के लिए चुनौतियाँ ओर अवसर की थीम भारत 2020 पर आधारित भारतीय प्रबंध स्कूलों के संगठन की 22वीं वार्षिक बैठक, नई दिल्ली, अगस्त 26-28, 2010

मणिकुट्टी, एस, लीडरशीप लेशन्स फ़्रोम वर्ल्ड लिटरेचर फोर फ़ेमिलि बिज़नेसिस, पारिवारिक व्यवसाय पर तीसरा एशियन आमंत्रण सम्मेलन, भारतीय व्यवसाय स्कूल, फरवरी 4-6, 2011

मणिकुट्टी, एस, स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट इस्युस इन फ़ेमिलि बिज़नेसिस, व्यवसाय समूह और पारिवारिक व्यवसाय अनुसंधान : भारत, जापान और थाईलैंड पर सम्मेलन, एड्वान्स्ड् अध्ययन जवाहरलाल नेहरु संस्थान, नई दिल्ली व चुओ व मुसाशी विश्वविद्यालय, जापान, सितम्बर 13-14, 2010

माथुर, अजीत एन, चैलेन्जिस फोर विमेन लिडर्स इन बिज़नेस एंड पब्लिक लाइफ, नेतृत्त्व भूमिका में महिलाओं पर चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, देश भगत संस्थान, मंडी, अक्टूबर 7-9, 2010

माथुर, अजीत एन, ह्युमन यूज़िस ऑफ ह्युमन बिइंग्स, प्रज्ञान-2011 सम्मेलन, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिची, फरवरी 18, 2011

माथुर, अजीत एन, इन्टरनेशनल ह्युमन कैपिटल एंड इन ह्युमन यूज़िस ऑफ ह्युमन बिइंग्स, यूरोपीय व्यवसाय नीति नेटवर्क का अनुसंधान सम्मेलन, ईबीईएन-2010, ताम्पेरे विश्वविद्यालय, फिनलैंड, जून 14-17, 2010

माथुर, अजीत एन, मैनेजिंग कल्चरल डायवर्सिटी इन इन्टरनेशनल बिज़नेस, अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय सम्मेलन, ऐक्सों फ्रोवोंस विश्वविद्यालय, फ़्रांस, सितम्बर 2-3, 2010

माथुर, अजीत एन, न्यू होराइज़न्स इन फिनलैंड-इन्डिया बिज़नेस, फिनलैंड-भारत आर्थिक संबंध गोलमेज-सम्मेलन, विश्व व्यापार केन्द्र, तुर्कु, फिनलैंड, अगस्त 26, 2010

माथुर, अजीत एन, दी इल्युज़िव सर्च फोर इनक्लुज़िव ग्रोथ एमिड्स्ट एक्स्क्लुज़िव एप्रोप्रिएशन्स इन मणिपुर, रणनीतिक प्रबंध फोरम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, अहमदाबाद, दिसम्बर 15-17, 2010

माथुर, अजीत एन, दी इनवोकेशन ऑफ पेशन्स एंड पावरबेज़िस इन माइन्डफ़ुल नोविंग ऑफ इकोनोमिक्स, द्वितीय ज्ञानशक्ति अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, ताम्पेरे विश्वविद्यालय, फनलैंड, सितम्बर 5-7, 2010

माथुर, अजीत एन, द स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट ऑफ इन्टेलेक्चुअल कैपिटल एंड ओर्गेनाइजेशनल नोलेज, एमओएलएमईडी-2011, आणविक चिकित्सा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, चारुसेट, फरवरी 9-11, 2011

माथुर, नवदीप, अर्बन प्लानिंग एंड द टेकनिकल इमेजिनेशन इन अहमदाबाद, नवस्वतंत्र स्थानीय शासन पर सम्मेलन, ओटोनोमस विश्वविद्यालय, बार्सेलोना, 2010

प्रकाशन

मट्टिला, सरी और माथुर, अजीत एन., "कॉर्पोरेट गवर्नन्स : ए चैर विथ टू फ़्यू लेग्स?" कॉर्पोरेट शासन पर द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, वैकटु विश्वविद्यालय और सार्वजनिक उद्यम संस्थान, हैदराबाद, दिसम्बर 9-10, 2010

मिश्रा मनीषा, "इफ आई ओवरअचिव : स्टिग्मा एंड इट्स मैनेजमेंट बाय फिमेल बेनिफिसियरिज़ ऑफ कास्ट बेज़्ड एफरमेटिव एक्शन इन द हायर प्रोफ़ेशनल एज्युकेशन इन इन्डिया", 24वाँ ओस्ट्रेलिया एवं न्यूजिलेन्ड प्रबंध एसोसिएशन वार्षिक सम्मेलन, एडिलेड, ऑस्ट्रेलिया, दिसम्बर 2010

मिश्रा, सुशांत कुमार, मिश्रा, श्रीलेखा, और भटनागर दीप्ति, "एक्स्प्लेनिंग दी इफ़ैक्ट ऑफ इमोशनल लेबर स्ट्रेटेजिस ओन इमोशनल एक्ज़ोशन एंड वेल-बिइंग", प्रबंध अकादमी 2010 वार्षिक बैठक, मोन्ट्रेयाल, अगस्त 2010

मोरिस, सेबेस्टियन, "फन्डिंग एंड रेग्युलेटरी आस्पेक्ट्स", अर्बन लोन्गिंग्स शहर विकास और बुनियादी सुविधा पर सम्मेलन, ट्राइडेन्ट, मुम्बई, अक्टूबर 4, 2010

मोरिस, सेबेस्टियन, "गवर्नन्स इन द 21सवीं सेन्चुरी : चैलेन्जिस एंड प्रोस्पेक्ट्स", राष्ट्रीय सम्मेलन, डॉ बी. आर. अम्बेड़कर विश्वविद्यालय, आगरा, फरवरी 12, 2011

मोरिस, सेबेस्टियन, "हाइ ग्रोथ एंड इट्स प्रोस्पेक्ट्स फोर रिवाइवल", तेल और गैस उद्योग पर केन्द्रिय बजट के निहितार्थ पर सम्मेलन, पैट्रोफ़ेड, मुम्बई, नवम्बर 9-10, 2009

मोरिस, सेबेस्टियन, "हाउ फ़्लेक्सिबल शुड द मास्टर प्लान बी एंड व्हाट गवर्नन्स मेकानिज़्म्स केन बी यूज़्ड टु ओवरकम इम्प्लिमेन्टेशन ऑफ मास्टर प्लान्स?" शहर आयोजन एवं शासन समिट पर सम्मेलन, लावासा फ़्यूचर सिटिज़, लावासा, पूणे, नवम्बर 25, 2010

मोरिस, सेबेस्टियन, "इस्युज इन इन्फ़्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट इन ए लो कार्बन इकोनोमी", कम कार्बन अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक विकास पर सम्मेलन, पावरलाइन, नई दिल्ली, अक्टूबर 2010

मोरिस, सेबेस्टियन, "इस्युज इन पावर मार्केट डेवलपमेंट", ऊर्जा बाजार विकास – बिजली एक्स्चेंज और परे, पीएक्सआईएल एवं भारत बुनियादी सुविधा प्रकाशन पर सम्मेलन, नई दिल्ली, नवम्बर 9-10, 2009

मोरिस, सेबेस्टियन, "इस्युज इन पब्लिक प्रोक्योरमेंट", भारत में सार्वजनिक खरीदी सुधार पर राष्ट्रीय सम्मेलन, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, फरवरी 27, 2011

मोरिस, सेबेस्टियन, "द ग्लोबल इकोनोमी", एडोब व्यवसाय नेतृत्त्व सम्मेलन, नोयडा, मार्च 24, 2011

नायर, निशा और वोहरा, निहारिका, "द कन्सेप्ट ऑफ एलियनेशन : टुवर्ड्स कन्सेप्चुअल क्लेरिटी", महत्त्वपूर्ण प्रबंधन अध्ययन अनुसंधान कार्यशाला, मोन्त्रेयाल, कनाडा, अगस्त 4-5, 2010

नोरोन्हा, एर्नेस्टो और डीक्रूज़, प्रेमिला, "टार्गेट रेज़िस्टन्स टुवर्ड्स डीपर्सनलाइज़्ड ब्युलिइंग", कार्यस्थल पर सताना एवं उत्पीड़न पर 7वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, वेल्स, यूके, जून 2-4, 2009

नोरोन्हा, एर्नेस्टो और डीक्रूज़, प्रेमिला, "द डायालेक्टिक्स ऑफ प्रोफ़ेशनलिज़म : लॉयर्स इन इन्डियाज़ लीगल प्रोसेस आउटसोर्सिंग इन्डस्ट्री", 29वाँ आईएलपीसी सम्मेलन, लीड्स, यूके, अप्रैल 5-7, 2011

पाल, देबदत्ता और सप्रे, ए, "पोलिसिस एंड डीबेट्स ओन रुरल क्रेडिट इन इन्डिया : ए ब्रीफ फ़ेक्चुअल एनालिसिस", 47वाँ वार्षिक सम्मेलन, भारतीय इकोनोमेट्रिक सोसायटी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर, जनवरी 6-8, 2011

प्रकाशन

पंगोत्राा, प्रेम, "चैलेन्जिस ऑफ अर्बनाइजेशन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट", भारत में शहरी बुनियादी सुविधा पर आईआईपी-आईआईएम-ए सम्मेलन, नई दिल्ली, दिसम्बर 9-10, 2010

पंगोत्रा, प्रेम, "इन्वेस्टमेंट एंड फायनान्सिंग चैलेंजिस फोर इन्ट्रासिटी ट्रान्स्पोर्टेशन सिस्टम्स", इन्ट्रा शहर परिवहन प्रणालियाँ पर तीसरा वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली, जुलाई 27-28, 2010

पंगोत्रा, प्रेम, "मेकिंग सिटिज़ कम्पिटिटिव", भारत में शहरी बुनियादी सुविधा पर आईआईपी-आईआईएम-ए सम्मेलन, दिसम्बर 9-10, 2010

पंगोत्रा, प्रेम, "रिज़ल्ट्स चेइन : पर्फोमेन्स मेज़रमेंट इन गवर्नमेंट", परिणाम-रूपरेखा डोक्युमेंट पर कार्यशाला, मुम्बई, मई 13, 2010

पंगोत्रा, प्रेम, "रिज़ल्ट्स-फ्रेमवर्क डोक्युमेंट्स : लेशन्स ऑफ एक्सिपरियन्स", परिणाम-रूपरेखा डोक्युमेंट, मुम्बई, मई 14, 2010

पुरोहित, बसंत कुमार, "लिवरेजिंग दी इन्टिग्रेशन ऑफ सेल्स कैरियर साइकिल विथ ब्रांड लाइफ साइकिल इन फार्मास्युटिकल फर्म्स", 2010 अकादमिक सम्मेलन, हार्वर्ड़ बिज़नेस स्कूल, बोस्टन, अगस्त 11-12, 2010

रघुराम, जी,, "बल्क कार्गो इन इन्डिया", समर्पित प्रस्तुति, भारत में थोक माल : नई आवश्यकताएँ, चुनौतियाँ व अवसर पर दूसरा वार्षिक सम्मेलन, भारतीय बुनियादी सुविधा, नई दिल्ली, मई 26, 2010

रघुराम, जी., "कन्टेनर ट्रेइन ओपरेशन्स : इन्टरनेशनल पर्स्पेक्टिव", विकासशील कन्टेनर संरचना : रुझान व दृष्टिकोण, मुद्दे व अवसर पर चौथा वार्षिक सम्मेलन, भारतीय बुनियादी सुविधा, नई दिल्ली, जुलाई 22, 2010

रघुराम, जी., "कन्टेनर ट्रेइन ओपरेटर्स इन इन्डिया : प्रोब्लेम्स एंड प्रोस्पेक्ट्स", परिवहन अनुसंधान पर बारहवाँ विश्व सम्मेलन, लिस्बन, जुलाई 11-15, 2010

रघुराम, जी., "कन्टेनर ट्रेइन ओपरेटर्स इन इन्डिया : प्रोब्लेम्स एंड प्रोस्पेक्ट्स", विकासशील कन्टेनर संरचना : रुझान व दृष्टिकोण, मुद्दे व अवसर पर चौथा वार्षिक सम्मेलन, भारतीय बुनियादी सुविधा, नई दिल्ली, 21 जुलाई, 2010

रघुराम, जी., "कन्टेनराइज़ेशन इस्युज़ इन इन्डिया : बिल्डिंग ग्लोबल ट्रेड कम्पिटिटिवनेस", विकासशील कन्टेनर संरचना : रुझान व दृष्टिकोण, मुद्दे व अवसर पर चौथा वार्षिक सम्मेलन, भारतीय बुनियादी सुविधा, नई दिल्ली, 21 जुलाई, 2010

रघुराम, जी., "विकासशील कन्टेनर संरचना 2010", समर्पित प्रस्तुति, विकासशील कन्टेनर संरचना : रुझान व दृष्टिकोण, मुद्दे व अवसर पर चौथा वार्षिक सम्मेलन, भारतीय बुनियादी सुविधा, नई दिल्ली, जुलाई 22, 2010

रघुराम, जी., "एक्स्पान्शन एंड अपग्रेडेशन ऑफ रेलवेज़ 2010", समर्पित प्रस्तुति, विज़न 2020 की प्राप्ति : पीपीपी और परे पर चौथा वार्षिक सम्मेलन, भारतीय बुनियादी सुविधा, नई दिल्ली, नवम्बर 16, 2010

रघुराम, जी., "हिन्टरलेंड कनेक्टिविटी एंड रिलेटेड इन्फ्रास्ट्रक्चर : इस्युज़, पोसिबल सोल्युशन्स एंड वे अहेड", कोनक्वेस्ट 2011, बुनियादी सुविधा, रसद एवं परिवहन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और ऐक्सपो, भारत के सम्बद्ध वाणिज्य एवं उद्योग मंडल और ईएक्सआईएम इन्डिया, नई दिल्ली, जनवरी 18, 2011

रघुराम, जी, "हाउ केन इन्डियन रेलवेज़ सर्विस द स्टिल सर्विस बेटर?" परिवहन अनुसंधान पर बारहवाँ विश्व सम्मेलन, लिस्बन, जुलाई 11-15, 2010

प्रकाशन

रघुराम, जी., "इन्डियन रेलवेज़ : ट्रेन्ड्स, इस्युज़, ओपोर्चुनिटिज़ एंड रोड़मैप", रेलवे के विस्तार व उन्नयन, विज़न 2020 की प्राप्ति : पीपीपी और परे पर चौथा वार्षिक सम्मेलन, भारतीय बुनियादी सुविधा, नई दिल्ली, नवम्बर 15, 2010

रघुराम, जी., "इन्ट्रोड्युसिंग कम्पिटिशन इन कन्टेनर मुवमेंट बाय रेल", सार्वजनिक नीति व प्रबंधन पर पांचवाँ वार्षिक सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलुरू, अगस्त 9, 2010

रघुराम, जी., "इन्ट्रोड्युसिंग कम्पिटिशन इन कन्टेनर मुवमेंट बाय रेल", बुनियादी सुविधा वित्त पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईटी खड़गपुर, जून 3, 2010

रघुराम, जी., "लेशन्स फ़्रोम पीपीपीस ऑफ इन्डियन रेलवेज़ एंड वे फोरवर्ड", आईआईएम-ए अनुसंधान संगोष्ठी श्रृंखला, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, नवम्बर 24, 2010

रघुराम, जी., "लेशन्स फ़्रोम पीपीपीस ऑफ इन्डियन रेलवेज़ एंड वे फोरवर्ड़", सार्वजनिक नीति व प्रबंध पर पांचवाँ वार्षिक सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलुरू, अगस्त 9, 2010

रघुराम, जी., "मैनेजमेंट इस्यूज़ बेज़्ड ऑन ओआर एनालिसिस ऑफ पब्लिक सिस्टम्स", प्रबंधन में अभ्यास और अनुसंधान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, प्रबंध विभाग, समाजविज्ञान के संकाय, दयालबाग शिक्षा संस्थान, आगरा फरवरी 18, 2011

रघुराम, जी., "पोर्ट्स इन इन्डिया", समर्पित प्रस्तुति, भारत में बन्दरगाह : स्थिति, रुझान, आवश्यकताएँ व पहल पर आठवाँ वार्षिक सम्मेलन, भारतीय बुनियादी सुविधा, मुम्बई, फरवरी 2, 2011

रघुराम, जी., "पीपीपीस एंड फायनांसिंग ट्रान्सपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर : स्ट्रक्चरल, इन्स्टिट्युशनल एंड रेग्युलेटरी इस्यूज़", पीपीपीस व वित्तपोषक परिवहन संरचना 2011 पर सम्मेलन, अंतरराष्ट्रीय परियोजना वित्त संघ, जे सागर एसोसिएट्स और प्राइसवॉटरहाउस कूपर्स, नई दिल्ली, मार्च 10, 2011

रघुराम, जी., "प्रोजेक्ट कार्गो ट्रान्सपोर्टेशन एंड लोजिस्टिक्स", समर्पित प्रस्तुति, माल परिवहन व रसद, उभरता बाजार : आवश्यकताएँ व समाधान परियोजना पर सम्मेलन, भारतीय बुनियादी सुविधा, नई दिल्ली, मई 27, 2010

रघुराम, जी., "क्वोलिटी ऑफ हायर एज्युकेशन इन इन्डिया", उच्च शिक्षा में गुणवत्ता का संवर्धन और निर्वाह पर राष्ट्रीय सम्मेलन, सेंट आन महिला महाविद्यालय, हैदराबाद, मार्च 12, 2011

रघुराम, जी., "समिंग अप", कोनक्वेस्ट 2011, बुनियादी सुविधा, रसद व परिवहन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और एक्सपो, भारत के सम्बद्ध वाणिज्य व उद्योग मंडल और ईएक्सआईएम इन्डिया, नई दिल्ली, जनवरी 19, 2011

रघुराम, जी., "सप्लाय चेइन मैनेजमेंट : एन इन्टिग्रेटेड पर्स्पेक्टिव", एक जिम्मेदार आपूर्ति श्रृंखला को प्राप्त करने पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला, सीआईटी, कोइम्बटूर, जुलाई 31, 2010

रघुराम, जी., "वे फोरवर्ड़", समर्पित प्रस्तुति, भारत में बन्दरगाह : स्थिति, रुझान, आवश्यकताएँ व पहल पर आठवाँ वार्षिक सम्मेलन, भारतीय बुनियादी सुविधा, नई दिल्ली, फरवरी 1, 2011

राज, रूपिका और कोशी, अब्राहम, "बेज़िस ऑफ पावर ऑफ ब्रांड इन ए ब्रांड कन्ज़्युमर रिलेशनशिप एंड इट्स इम्पेक्ट ऑन कन्ज़्युमर बिहेवियर", उपभोक्ता-ब्रांड संबंध पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय वार्तालाप, रोलिन्स महाविद्यालय, फ़्लोरिड़ा, 2011

प्रकाशन

राज, रूपिका और कोशी, अब्राहम, "कन्सेप्चुअलाइझेशन एंड डेवलपमेंट ऑफ स्केल फोर पावर ऑफ ब्रांड इन ए ब्रांड-कन्ज़्यूमर रिलेशनशिप", 2011 इनफोर्म्स विपणन विज्ञान सम्मेलन, हुस्टन, टेक्सास, 2011

राम मोहन, टी.टी., "प्रिपेरिंग इन्डियन बैंक्स फोर ग्लोबल कम्पिटिटिवनेस", वैश्विक बैंकिंग : पेराडिग्म शिफ़्ट पर एफआईसीसीआई-आईबीए सम्मेलन, मुम्बई, सितम्बर 7-9, 2010

रमानी, के. वी. और शर्मा, अंजू, "ई-ममता : एन इन्नोवेशन बाय द गुजरात गवर्नमेंट टू इम्प्रुव मदर एंड चाइल्ड हेल्थ", नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन, अहमदाबाद प्रबंध संघ, अहमदाबाद, सितम्बर 4, 2010

रमणी, के. वी., "मैनेजिंग होस्पिटल बेज़्ड लैबोरेटरिज़", अस्पताल प्रशासन पर राष्ट्रीय सम्मेलन, फोकस 2010, त्रिवेन्द्रम, अगस्त 7-8, 2010

रमणी, के. वी., "मेटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ : मैनेजरियल चैलेंजिस", टीईडीएक्स कुमाऊँ कार्यशाला, नैनिताल, दिसम्बर 12-13, 2010

रमणी, के. वी., "पीपीपी इन अर्बन हेल्थ : ए जीआईएस एप्रोच टू लोकेट अर्बन हेल्थ सेन्टर, वासणा वॉर्ड, अहमदाबाद", सार्वजनिक निजी भागीदारी नीति ढाँचा : भारतीय उद्योग महासंघ, अहमदाबाद, मार्च 26, 2011

रॉय, कौशिक और सिन्हा, एस., "डेवलपमेंट ऑफ डायनेमिक केपेबिलिटी फोर एन्टरप्रिन्यरल स्टार्ट-अप्स : एन इन्टर-ओर्गेनाइजेशनल पर्स्पेक्टिव, 2010 एसएमएस वार्षिक सम्मेलन, रोम, 2010

रॉय, कौशिक, "डेवलपमेंट डायनेमिक केपेबिलिटिज़ फोर इन्टरनेशनल जोइन्ट वेन्चर्स", 2010 एसएमएस अनुसंधान कार्यशाला, बेंगलुरू, 2010

रॉय, कौशिक, "डेवलपमेंट ऑफ डायनेमिक केपेबिलिटिज़ फोर इन्टरनेशनल जोइन्ट वेन्चर्स : एन इन्वेस्टिगेशन विधिन द कोन्टेक्स्ट ऑफ एन इमर्जिंग इकोनोमी, पेपर विकास कार्यशाला (वैश्विक रणनीति हित समूह), 2010 एसएमएस वार्षिक सम्मेलन, रोम, 2010

सहाय, अरविंद और शर्मा, निवेदिता, "जेन्डर डिफरन्सिस इन ब्रांड रिलेशनशिप्स", उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए विपणन मानदंडों पर चौथा आईआईएम-ए सम्मेलन, अहमदाबाद, जनवरी 5, 2011

शर्मा, मिनाक्षी, "लैंग्वेज एंड द नेगोशिएशन ऑफ आईडेन्टिटी एंड सेन्स ऑफ बिलोंगिंग फोर इन्डियन्स इन इंगलैंड : ए स्टडी ऑफ लिटररी रिप्रेज़न्टेशन्स", यात्रा भाषाएँः मोबाइल जगत में संस्कृति, संचार व अनुवाद, लीड्स, यूनाइटेड किंगडम, दिसम्बर 5, 2010

शर्मा, राजीव और दीक्षित, एम. आर., "ट्रान्स्फोर्मिंग स्कूल्स : स्कूल लीडरशिप अन्डर चैलेंजिंग कन्डिशन्स", शिक्षा पर सतरहवाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, हाँगकाँग शिक्षा संस्थान, हाँगकाँग, जुलाई 6-9, 2010

शर्मा, राजीव और विनायक, किशोर, "इनकम जनरेटिंग ओप्शन्स इन रुरल एरियाज़ पाथवेज़ टू डिसन्ट लावलीहुड्सः द रोल ऑफ एज्युकेशन एंड स्किल्स ट्रेनिंग", सहयोगात्मक अनुसंधान और प्रसार, नई दिल्ली, अगस्त 10, 2010

शर्मा, सुनील, दीक्षित, एम. आर., और कर्ण, अमित, "कोपिंग विथ अनसर्टेन्टी फोर इफ़ेक्टिव स्ट्रेटेजिक डिसिज़न मेकिंग : केपेबिलिटिज़ फोर पेट्रोलियम बिडिंग इन इमर्जिंग इकोनोमिज़", एसएमएस सम्मेलन, वॉशिंगटन, अक्टूबर 2009

शर्मा, विजय पॉल, "फ़ूड़ सिक्योरिटी इन इन्डिया : करन्ट इस्युज़ एंड इमर्जिंग कन्सर्न्स", खाद्य सुरक्षा : नीतियों की

प्रकाशन

भूमिका, कृषि संबंधी निविष्टीयों का इष्टतम उपयोग व प्राकृतिक संसाधन, अहमदाबाद प्रबंध संघ, अहमदाबाद, फरवरी 25-26, 2011

सिंह, मंजरी और सरकार, अनिता, "बायसिस इन पियर्स एंड सुपरवाइज़र्स रेटिंग्स", एड्वान्स्ड डेटा विश्लेषण, व्यवसाय विश्लेषिकी और खुफिया पर दूसरा आईआईएम-ए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, जनवरी 8-9, 2010

सिंह, मंजरी और सरकार, अनिता, "डेवलपमेंट और रेकग्निशन एज़ ए मोडरेटर फोर द रिलेशनशिप ऑफ ईच डायमेंशन ऑफ सायकोलोजिकल एम्पावरमेंट टू इन्नोवेटिव बिहेवियर", आठवाँ अंतरराष्ट्रीय प्रबंध व व्यवसाय अकादमी सम्मेलन, माद्रिद कोम्प्लुतेन्से विश्वविद्यालय, स्पेन, जून 28-30, 2010

सिंह, मंजरी और सरकार, अनिता, "इन्टिग्रेटिंग नोन-वर्क डोमेन कन्ट्रोल इन द सायकोलोजिकल एम्पावरमेंट ऑफ विमेन टीचर्स", आठवाँ अंतरराष्ट्रीय प्रबंध व व्यवसाय अकादमी सम्मेलन, माद्रिद कोम्प्लुतेन्से विश्वविद्यालय, स्पेन, जून 28-30, 2010

सिंह, मंजरी और सरकार, अनिता, "सोसियल सपोर्ट एंड डायमेंशन्स ऑफ सायकोलोजिकल एम्पावरमेंट : जोब इन्वोल्वमेंट एज़ ए मोडरेटर", प्रबंध अकादमी 2010 वार्षिक बैठक, ल सोन्थ सेरातोन्, मोन्त्रेयाल, कनाडा, अगस्त 6-10, 2010

सिंह, सुखपाल, "फ़्रेश फूड रिटेल चेन्स इन इन्डिया : ए केस स्टडी ऑफ देर इन्क्लुसिवनेस एंड इम्पैक्ट ओन स्मोल वेजिटेबल प्रोड्युसर्स इन गुजरात", खाद्य श्रृंखला व नेटवर्क प्रबंध पर नौवाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, वेजनिन्यन, द नेदरलैंड, मई 26-28, 2010

सिंह, सुखपाल, "इन्क्लुसिव फ़्रेश फूड रिटेल चेन्स इन इन्डिया – केस स्टडिज़ ऑफ एचओपीसीओएमएस एंड एसएएफएएल (सफल)", भारतीय कृषि विपणन सोसायटी का चौबीसवाँ वार्षिक सम्मेलन, एनएयू, नवसारी, गुजरात, नवम्बर 23-25, 2010

सिंह, सुखपाल, "लेबर इन ग्लोबल फ़ुड़ वेल्यू चैन्स इन इन्डिया : केस स्टडिज़ फ़्रोम होर्टिकल्चर", नव-स्वतंत्र भारत में ग्रामिण श्रमिकों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, योर्क विश्वविद्यालय, टोरन्टो व एक्सआईएमबी, भुवनेश्वर, दिसम्बर 18-19, 2010

सिंह, सुखपाल, "लिवरेजिंग फ़्रेश फ़ूड़ रिटेल चेन्स फोर इन्क्लुसिव एग्रिकल्चरल ग्रोथ एंड डेवलपमेंट इन इन्डिया - ए केस स्टडी फ़्रोम कर्नाटक", उभरती अर्थव्यवस्थाओं में समग्र विकास के सामने चुनौतियों पर एसएमएफ सम्मेलन, रणनीतिक प्रबंध फोरम व भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, दिसम्बर 15-17, 2010

सिंह, सुखपाल, "ओनियन एक्सपोर्ट वेल्यू चेन इन गुजरात : ओर्गेनाइजेशनल, पर्फोर्मन्स एंड इस्यूस", गुजरात के संभावित कृषि-व्यवसाय पर प्रादेशिक संगोष्ठी, एएयू आनंद, बी ए कृषि महाविद्यालय, एएयू, अंतरराष्ट्रीय कृषि-व्यवसाय संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, एएयू, आनंद व आईएसएएम नागपुर, मार्च 17-18, 2011

सिंह, सुखपाल, "पोलिटिकल इकोनोमी ऑफ इन्स्टिट्युशनल मेकानिज़्म्स इन दी इन्डियन पंजाब्स एग्रिकल्चरल सेक्टर", पंजाब अनुसंधान समूह की वार्षिक बैठक, कोवेन्ट्री, यूके, जून 26, 2010

सिन्हा, पीयूष कुमार एंड अभिषेक, "द रोल ऑफ टच इन शोपिंग", एशिया रिटेल कॉंग्रेस, मुम्बई, 2011

प्रकाशन

सिन्हा, पीयूष कुमार और कमलजित सिंह आनंद, "इन्वोल्वमेंट एंड स्टोर फोरमेट चोइस", उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन पर चौथा आईआईएम-ए सम्मेलन, अहमदाबाद, 2011

सिन्हा, पीयूष कुमार, "रिटेल मार्केटिंग स्ट्रेटेजी", भारतीय खुदरा संघ, मुम्बई, 2010

सिन्हा, सिद्धार्थ, "फायनान्सियल इन्क्लुज़न विथ मोबाइल बैंकिंग", उभरती अर्थव्यवस्थाओं में समग्र विकास के सामने चुनौतियों पर सम्मेलन, रणनीतिक प्रबंध संघ सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, दिसम्बर 15-17, 2010

वर्मा, संजय, "डिजाइन डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट ऑफ जीआरआई डेटाबेस", स्काउटिंग, प्रलेखन, डेटाबेस विकास और जमीनी स्तर पर नवाचारों के विकास व प्रसार के लिए क्षमता निर्माण, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, जून 7-8, 2010

वर्मा, संजय, "डिजाइन डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट ऑफ जीआरआई डेटाबेस", डेटाबेस के कम आम औषधीय पौधों के विकास और संबद्ध पारम्परिक ज्ञान पर एनआईएफ-एनएमपीबी की सहयोगी कार्यशाला, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, मार्च 4-5, 2011

वर्मा, संजय, "नोलेज मैनेजमेंट इन एकेडेमिक इन्स्टिट्युशन्स एंड एसएमई/एमएसएमईज़ यूज़िंग आईसीटी", श्री रामकृष्ण आश्रम, राजकोट, जुलाई 21, 2010

वर्मा, संजय, "लिंकिंग नोलेज मैनेजमेंट प्रोसेस विथ बैलेन्स्ड स्कोरकार्ड इन ए लार्ज स्टील ओर्गेनाइजेशन", प्रबंधन पर निरमा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, निरमा प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, जनवरी 6-8, 2011

वोहरा, निहारिका और नायर, निशा, "रिकन्सेप्चुअलाइजेशन ऑफ एलियनेशन", मानव संसाधन प्रबंध के माध्यम से वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता पर वार्षिक आईआईएमबी समीक्षा सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलुरू, जुलाई 22-24, 2010

वोहरा, निहारिका, "कन्सेप्चुअलाइझिंग एलियनेशन फोर इन्डियन आईटी इन्डस्ट्री", चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, ग्रेट लेक्स संस्थान, चेन्नई, दिसम्बर 27, 2010

वोहरा, निहारिका, "ग्लोबल माइन्डसेट एंड इन्टरकल्चरल कम्पिटन्स", तीसरा अंतरराष्ट्रीय पार सांस्कृतिक सम्मेलन, जम्मू विश्वविद्यालय, व्यवसाय स्कूल, मार्च 2-5, 2011

वोहरा, निहारिका, "इन्टरकल्चरल कम्पिटन्स : ए कन्सेप्चुअल एनालिसिस", पार - सांस्कृतिक प्रबंधन अनुसंधान पर इन्डो-शास्त्री सम्मेलन, एक्सआईएम, भुवनेश्वर, फरवरी 16-18, 2011

केस, अनुसंधान व परामर्शी सेवा

वर्ष	पूर्ण केस (संचयी)	पूर्ण अनुसंधान परियोजनाएँ (संचयी)	पूर्ण परामर्शी परियोजनाएँ (संचयी)
2000-01	2856	608	1715
2001-02	2868	621	1788
2002-03	2889	636	1854
2003-04	2920	649	1957
2004-05	2933	655	2044
2005-06	2945	675	2118
2006-07	2977	709	2137
2007-08	2988	729	2186
2008-09	3037	749	2272
2009-10	3050	791	2405
2010-11	**3062**	**792**	**2510**

प्रबंध विकास कार्यक्रम

प्रतिभागियों का वितरण

कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
		सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	
सामान्य प्रबंध	5	33	255	5	293
नए कार्यक्रम	8	34	150	-	184
नियमित/पुनरावृत्ति कार्यक्रम	47	343	1109	31	1483
कुल	**60**	**410**	**1514**	**36**	**1960**

सामान्य प्रबंध कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	
3-टीपी मध्यम प्रबंध कार्यक्रम 27 जून से 24 जुलाई, 2010	14	81	0	95
3-टीपी वरिष्ठ प्रबंध कार्यक्रम 1-21 अगस्त, 2010	10	63	1	74
लघु एवं मध्यम उद्यम कार्यक्रम 17-30 अक्टूबर, 2010	3	33	0	36
3-टीपी उच्च प्रबंध कार्यक्रम 10 जनवरी, 2011	1	18	2	21
3-टीपी मध्य प्रबंध कार्यक्रम 16 जनवरी से 12 फरवरी, 2011	5	60	2	67
कुल	**33**	**255**	**5**	**293**

नए कार्यक्रम

कार्यक्रम क्षेत्र/समूह/केन्द्र	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	
व्यवसाय नीति				
विकास के लिए रणनीतियाँ 4-9 अक्टूबर, 2010	0	23	0	23
नवाचार, रणनीति और कोर्पोरेट प्रदर्शन 22-27 नवम्बर, 2010	0	17	0	17
संगठनात्मक व्यवहार क्षेत्र				
आउटसोर्सिंग संगठनों में लोगों से संबंधित मुद्दे 21-24 फरवरी, 2011	0	14	0	14
मुख्य क्षमता के रूप में रचनात्मकता व नवाचार : व्यक्तिगत व संगठनात्मक सक्षमता का विकास 29-31 मार्च, 2011	1	22	0	23

कार्यक्रम क्षेत्र/समूह/केन्द्र	प्रतिभागियों की संख्या सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	कुल
उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके				
उन्नत गुणवत्ता प्रबंध 5-9 जुलाई, 2010	2	27	0	29
जोखिम : मॉडलिंग एवं प्रबंधन 6-10 सितम्बर, 2010	8	12	0	20
परियोजना आपत्ति प्रबंध पर कार्यशाला 21-23 फरवरी, 2011	2	30	0	32
सार्वजनिक प्रणाली समूह				
बुनियादी सुविधा विकास व नीति 25-30 अक्टूबर, 2010	21	5	0	26
कुल	**34**	**150**	**0**	**184**

नियमित/पुनरावृत्ति कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	कुल
वैश्विक कार्यक्रम				
विलासिता पर वैश्विक प्रबंधन कार्यक्रम 16-20 अगस्त, 2010	0	6	0	6
व्यापार नीति				
कैपस्टोन व्यापार अनुकार 5-9 जुलाई, 2010	1	20	0	21
अनुबंध प्रबंधन 6-10 सितम्बर, 2010	10	24	2	36
बौद्धिक पूँजी और संगठनात्मक ज्ञान का सामरिक प्रबंधन 27-30 सितम्बर, 2010	16	13	0	29
ज्ञान प्रबंधन 15-20 नवम्बर, 2010	7	20	0	27
21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व 22-25 नवम्बर, 2010	13	22	0	35
ग्राहक संबंध प्रबंधन 10-13 जनवरी, 2011	15	19	0	34
प्राधिकरण, संगठन, रणनीतियाँ और संबद्धता की राजनीति 14-20 मार्च, 2011	5	30	1	36
कृषि में प्रबंधन केन्द्र				
कृषि निवेश विपणन 17-23 जनवरी, 2011	1	27	0	28
अनुबंध कृषि का प्रबंध 31 जनवरी-4 फरवरी, 2011	0	23	0	23
रणनीतिक प्रतिस्पर्धी और सहयोगात्मक लाभ के लिए बौद्धिक संपदा दोहन 8-10 फरवरी, 2011	9	6	0	15

प्रबंध विकास कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
संचार				
असरकारक संचार रणनीतियाँ – पुरुष एवं महिलाएँ काम पर हैं 26-29 अप्रैल, 2010	8	14	0	22
विजयी बढ़त : नेताओं के लिए संचार रणनीतियाँ 13-18 सितम्बर, 2010	6	23	2	31
कम्प्यूटर एवं सूचना प्रणाली समूह				
व्यावसायिक ज्ञान 6-9 सितम्बर, 2010	6	25	0	31
सूचना प्रणाली की रणनीतिक योजना 22-27 नवम्बर, 2010	9	19	0	28
ईआरपी प्रणाली : प्रौद्योगिकी योजना और अमलीकरण 2-4 दिसम्बर, 2010	12	3	0	15
रणनीतिक आईटी प्रबंधन 24-28 जनवरी, 2011	15	20	0	35
आईटी परियोजनाओं का प्रबंधन 7-11 फरवरी, 2011	10	26	0	36
रणनीतिक आईटी आउटसोर्सिंग 14-16 मार्च, 2011	8	26	0	34
शिक्षा				
बदलते वातावरण में स्कूलों के लिए रणनीतिक नेतृत्व 4-9 अक्टूबर, 2010	0	33	3	36
उत्कृष्टता के लिए नवपरिवर्तन : प्रबंध शिक्षा में नायकों के लिए कार्यक्रम 6-11 दिसम्बर, 2010	1	27	0	28
वित्त				
उन्नत कॉर्पोरेट वित्त 25-30 अक्टूबर, 2010	3	45	0	48
रणनीतिक लागत प्रबंध 15-18 नवम्बर, 2010	13	9	0	22
विलय, अधिग्रहण एवं पुनर्गठन 6-9 दिसम्बर, 2010	2	39	3	44
विपणन				
ग्राहक आधारित व्यापारिक रणनीतियाँ 6-8 मई, 2010	0	45	0	45
विपणन निर्णयों के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण 20-25 सितम्बर, 2010	18	14	0	32
खुदरा व्यापार प्रबंधन 15-20 नवम्बर, 2010	0	28	1	29
लाभ के लिए मूल्य निर्धारण 22-25 नवम्बर, 2010	1	24	0	25
संगठनात्मक प्रदर्शन को देखते हुए 6-9 दिसम्बर, 2010	3	20	0	23
विक्रय बल प्रदर्शन बढाना 14-17 फरवरी, 2011	1	49	8	58

प्रबंध विकास कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
संगठनात्मक व्यवहार				
व्यावसायिक महिलाओं के बीच नेतृत्व क्षमता संभावना बढ़ाना 29 नवम्बर से 2 दिसम्बर, 2010	6	27	0	33
पारस्परिक प्रभाव एवं टीम निर्माण 3-6 जनवरी, 2011	16	27	0	43
नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंध 17-21 जनवरी, 2011	10	36	0	46
कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध				
बातचीत कौशल क्लिनिक 21-23 जून, 2010	3	33	1	37
टीम व्यवहार प्रबंधन 19-21 जुलाई, 2010	3	17	0	20
नेतृत्व विनम्र कौशल क्षेत्र क्लिनिक 30 अगस्त से 1 सितम्बर, 2010	9	47	0	56
उन्नत मानव संसाधन प्रबंध 6-11 दिसम्बर, 2010	12	33	1	46
उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके				
परियोजना प्रबंधन 30 अगस्त-4 सितम्बर, 2010	12	38	2	52
रसद समाधान प्रदान 5-11 सितम्बर, 2010	6	8	2	16
राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण 27 सितम्बर-1 अक्टूबर, 2010	2	18	0	20
मात्रात्मक डेटा विश्लेषिकी और व्यापार में उसके अनुप्रयोग 29 नवम्बर से 2 दिसम्बर, 2010	5	18	0	23
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन 29 नवम्बर-4 दिसम्बर, 2010	5	30	0	35
प्रबंधन के लिए उन्नत विश्लेषिकी 21-25 फरवरी, 2011	4	22	1	27
सार्वजनिक प्रणाली समूह				
उड्डयन प्रबंधन 15-21 अगस्त, 2010	14	11	0	25
वरिष्ठ प्रबंधन के लिए सामरिक बन्दरगाह प्रबंधन 24-30 अक्टूबर, 2010	9	5	4	18
बुनियादी ढाँचे में कानूनी और विनियामक मुद्दे 22-27 नवम्बर, 2010	24	5	0	29
स्वास्थ्य सुविधा प्रबंध केन्द्र				
अस्पताल प्रबंध 31 अक्टूबर-4 नवम्बर, 2010	10	35	0	45
कुल	**343**	**1109**	**31**	**1483**

कृषि प्रबंध केंद्र

1. कृषि व्यवसाय में अभ्यास

भारतीय कृषि की विशेषता खण्डमय खेतों, कमज़ोर फसलोपरांत एवं विपणन की बुनियादी सुविधाओं, तथा कई बिचौलियों की भागीदारी से है। इन सबसे किसान एक कम निवेश, कम जोखिम निवारक क्षमता, कम उत्पादकता, कम बाजार उत्तेजन, और कम मूल्यवर्धन के दुष्चक्र में फंस जाता है। मापक मितव्ययिताओं का प्रभाव विपणन / प्रक्रिया / खाद्य फुटकर विक्रेताओ में छोटे उत्पादकों के लिए लेनदेन लागत बढ़ाने के कारण, फसल निर्णयों पर पड़ता है और खेत की लाभप्रदता प्रभावित होती है। इसका समग्र प्रभाव यह होता है कि निर्वाह कृषि का स्थायीकरण होता है, हालाँकि कुछ राज्यों में देश के अन्य भागों की तुलना में कृषि क्षेत्र में अधिक लाभ मिलता है, लेकिन अभी भी वैश्विक स्तर पर अप्रतिस्पर्धी एवं अलाभकारी रहा है। कम उपज, कम उत्पादन, और खेतों को बाजार के साथ जोड़ती बुनियादी सुविधाओं का यथार्थ अभाव, आदि की वजह से विपणन की समस्या गंभीर है। इस अध्ययन में संतरे का जूस, पुष्प उत्पादन, मत्स्यपालन, खाद्य तेलों आदि की उपज शामिल हैं जो कृषि व्यवसाय क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने और सबक सीखने के निहितार्थ प्रस्तुत किया जाता है।

2. भारत में फसल बीमा के आर्थिक एवं प्रबंधन पहलुओं का एक अध्ययन

भारत जैसे देश में जहाँ मौसम की अनियमितता और कीट व रोगों के कारण नुकसान के अधीन फसल उत्पादन रहता है, वहाँ फसल बीमा उपज की हानि के लिए जोखिम प्रबंधन द्वारा क्षेत्र के स्थायी विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह अध्ययन वर्तमान राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना के डिजाइन व कार्यान्वयन से उत्पन्न समस्याओं का कुछ पता लगाता है और स्वीकृति एवं स्थिरता का आकलन करता है।

इस अध्ययन में विशिष्ट फसलों और क्षेत्रों के लिए वर्तमान में उपलब्ध फसल बीमा उत्पादों के फसल बीमा, उनका प्रदर्शन एवं चर्चा का एक ऐतिहासिक सिंहावलोकन करता है। इसमें विस्तार से दो महत्त्वपूर्ण उत्पादों - राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना और मौसम आधारित बीमा योजना के बारे में चर्चा की गई है तथा इन उत्पादों की कुछ कमियों को भी दर्शाया गया है। यह अध्ययन भारत में तथा गुजरात में एनएआईएस की प्रगति की जाँच भी करता है। हालाँकि डाटा समय से अधिक प्रभावशाली वृद्धि दर्शाते हैं, फिर भी यह प्रदर्शन संतोषजनक नहीं कहा जा सकता।

3. व्यापार प्रतिस्पर्धा और भारतीय कृषि मूल्य प्राप्ति के लिए क्षमता निर्माण

भारतीय कृषि पर वैश्विकीकरण और उदारीकरण के प्रभाव पर किए गए अध्ययनों से यह निष्कर्ष निकला है कि कृषि क्षेत्र में सुधारों के प्रारंभिक वर्षों के दौरान व्यापार के मामले में तीव्र सुधार देखा गया। विश्व व्यापार संगठन हादसे के बाद की समयावधि में, हालाँकि सुधारों के पहले की अवधि की तुलना में व्यापार के मामले अनुकूल बने रहे, फिर भी गिरावट आयी है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर में पूर्व सुधार दशक के दौरान और बाद की अवधि में कोई परिवर्तन नहीं दिखाई दिया है। फूलों और सब्ज़ियों जैसी घनिष्ठ श्रमिक फसलों के उत्पादन में भारत को लाभ हुआ तथा बासमती चावल जैसी अन्य फसलों एवं अन्य वस्तुओं की कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना को देखते हुए क्षतिपूर्ति करना संभव नहीं है।

जनसंख्या और आय में वृद्धि होने के कारण देश को बढ़ती आंतरिक माँग की घरेलू खपत को पूरा करने के लिए कठिन से कठिन प्रयास करने होंगे। भारत में मूंगफली के बाद केवल जीरा में व्यापार प्रतिस्पर्धा है। इस अध्ययन में शामिल सभी आठ वस्तुओं में घरेलू माँग विशाल है। मूल्य संचरण विश्लेषण से पता चला है कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर प्रमुख थोक बाजार का प्रभाव बहुत कम है। कृषि विपणन का आधुनिकीकरण कीमत संचरण प्रक्रिया में वृद्धि करेगा। मुद्रा विनिमयों में भारी उतार-चढ़ाव एवं भावी व्यापार का प्रभाव, ऐसे अन्य कारक हैं जो निर्यात को प्रभावित करते हैं। पर्याप्त भंडारण सुविधाओं का अभाव, विशेष प्रकार की फसलों के उत्पादन व प्रसंस्करण पहलुओं में किसानों की क्षमता सुधार का निर्माण, और अच्छी तरह से एकीकृत विपणन प्रणाली आदि कृषि निर्यात में बढ़ावा देने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

4. आजीविका संवर्धन के लिए कृषि व्यवसाय व संबद्ध क्षेत्र क्रेडिट बनाम क्रेडिट प्लस दृष्टिकोण में नीतिगत हस्तक्षेप का आकलन (व्यक्तिगत केन्द्र रिपोर्ट)

लंबे समय से क्रेडिट की कमी को नीति निर्माताओं द्वारा पहचाना गया है। इस पर काबू पाने के लिए एक औपचारिक क्रेडिट संरचना को सस्ती कीमत पर ऋण के उपयोग को बढ़ाने के लिए स्थापित किया गया है। लेकिन, व्यवस्थित प्रयासों के सौ साल के बाद भी, बैंकिंग सेवा की पहुँच उच्च लेनदेन लागत, बैंकरों का संपार्श्विक आधारित वित्त पोषण, न्यूनतम क्रेडिट दृष्टिकोण की दिशा में झुकाव, आदि के कारण संतोषप्रद नहीं है। इस अध्ययन के निम्नानुसार उद्देश्य हैं – 1) भारतीय ग्रामीण क्रेडिट में रुचिकर अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों (संबद्ध कृषि गतिविधियों सहित) में वास्तव में ऋण के लिए उपयोग हो रहा है या नहीं उसका आकलन करना, 2) क्रेडिट सही मात्रा में और गुणवत्ता में कुशलता से उन्हें दिया जा रहा है या नहीं, और 3) क्रेडिट किफायती शर्तों व नियमों पर प्रदान किया जाता है या नहीं।

इस अध्ययन में पाया गया है कि क्षेत्रीय और ग्रामीण बैंकों सहित वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र में सामग्री एवं ऋण की माँग ने केवल एक सीमांत भूमिका निभाई है। सहकारी बैंकिंग क्षेत्र ने संपार्श्विक रूप से जमीन की जोत के साथ मध्यम आकार के ऋण के लिए किसानों की माँगों को पूरा करने का प्रयास किया है। पारम्परिक उधार दाताओं के महत्त्व के अलावा इस अध्ययन में पाया गया है कि ऋण का सबसे महत्त्वपूर्ण स्रोत मित्रों, सम्बन्धियों, ठेकेदारों, एवं स्थानीय दुकानदारों सहित स्थानीय उधार दाताओं का अनौपचारिक माध्यम है। खपत और मानव विकास के साथ उत्पादन के उद्देश्य से लगभग आधे ऋण लिए जाते हैं। ऋण वापसी में लचीलेपन के संदर्भ में, सहकारिता और अनौपचारिक उधारदाताओं ने वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र व अर्द्ध औपचारिक स्रोतों की तुलना में अधिकतर लचीलापन दिखाया है। हालाँकि ऋण माफी योजना के लाभ कम सामाजिक - आर्थिक वर्गों से संबंधित उधारकर्ता ज़्यादातर ले रहे हैं, जो कि ज़्यादातर उनके प्रबल नमूने के कारण है। वास्तव में ऐसे संकेत मिलते हैं कि इस योजना में, स्थानीय अर्थव्यवस्था में अच्छी तरह समृद्धि व सत्ता के माध्यम से रहने वाले किसानों के साथ बड़ी संख्या में किसानों के लिए काम किया जाता है।

इस अध्ययन से चार निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं – पहला, विभिन्न क्रेडिट स्रोत हमेशा एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। दूसरा, कोई भी स्रोत दूसरे से श्रेष्ठ नहीं है। तीसरा, अर्द्ध औपचारिक और अनौपचारिक स्रोत सरकारी आर्थिक सहायता के बिना ही लगातार काम करते हैं क्योंकि वे स्थानीय स्थितियों में कुछ तुलनात्मक लाभ का आनंद लेते हैं और हमेशा औपचारिक क्षेत्र के ऋण की स्पष्ट एवं लगातार खामियों के जवाब में कार्य करते हैं। चौथा, औपचारिक स्रोतों से राशन ऋण पर देने से अन्य स्रोत अकसर ग्रामीण उधार कर्ताओं के बचाव के लिए आते हैं।

विश्व रैंकिंग

Global full-time MBA ranking, 2010

Rank	(2009) in brackets	School	Country
1	(4)	University of Chicago—Booth School of Business	America
2	(6)	Dartmouth College—Tuck School of Business	America
3	(3)	University of California at Berkeley—Haas School of Business	America
4	(5)	Harvard Business School	America
5	(1)	IESE Business School—University of Navarra	Spain
6	(2)	IMD—International Institute for Management Development	Switzerland
7	(7)	Stanford Graduate School of Business	America
8	(9)	University of Pennsylvania—Wharton School	America
9	(14)	HEC School of Management, Paris	France
10	(12)	York University—Schulich School of Business	Canada
11	(24)	University of Virginia—Darden Graduate School of Business Administration	America
12	(20)	Columbia Business School	America
13	(19)	Massachusetts Institute of Technology—MIT Sloan School of Management	America
14	(13)	New York University—Leonard N Stern School of Business	America
15	(18)	Cranfield School of Management	Britain
16	(15)	Northwestern University—Kellogg School of Management	America
17	(21)	Henley Business School	Britain
18	(36)	University of Southern California—Marshall School of Business	America
19	(8)	London Business School	Britain
20	(29)	ESADE Business School	Spain
21	(33)	Carnegie Mellon University—The Tepper School of Business	America
22	(16)	IE Business School	Spain
23	(23)	INSEAD	France/ Singapore
24	(27)	Yale School of Management	America
25	(25)	University of Michigan—Stephen M Ross School of Business	America
26	(26)	Mannheim Business School	Germany
27	(44)	Hult International Business School	America
28	(28)	Duke University—Fuqua School of Business	America
29	(66)	University of Bath—School of Management	Britain
30	(11)	University of Cambridge—Judge Business School	Britain
31	(37)	University College Dublin—Michael Smurfit Graduate School of Business	Ireland
32	(31)	University of Washington—Foster School of Business	America
33	(32)	Cornell University — Johnson Graduate School of Management	America
34	(22)	Warwick Business School	Britain
35	(46)	Indiana University—Kelley School of Business	America
36	(52)	Emory University—Goizueta Business School	America
37	(50)	UCLA Anderson School of Management	America
38	(60)	EMLYON	France
39	(34)	University of Notre Dame—Mendoza College of Business	America
40	(39)	University of North Carolina at Chapel Hill—Kenan-Flagler Business School	America
41	(43)	Rice University—Jesse H Jones Graduate School of Business	America
42	(40)	Boston University School of Management	America
43	(49)	University of Texas at Austin—McCombs School of Business	America
44	(65)	Washington University in St Louis—Olin Business School	America
45	(64)	Vanderbilt University—Owen Graduate School of Management	America
46	(17)	Melbourne Business School—University of Melbourne	Australia
47	(10)	Vlerick Leuven Gent Management School	Belgium
48	(38)	University of Hong Kong—Faculty of Business and Economics	Hong Kong
49	(74)	EDHEC Business School	France
50	(48)	Georgetown University—Robert Emmett McDonough	America
51	(42)	International University of Monaco	Monaco
52	(30)	Hong Kong University of Science and Technology—School of Business	Hong Kong
53	(76)	City University—Cass Business School	Britain
54	(54)	Wisconsin School of Business	America
55	(53)	Durham Business School	Britain
56	(58)	Pennsylvania State University—Smeal College of Business	America
57	(41)	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands
58	(59)	Monash University	Australia
59	(77)	Wake Forest University Schools of Business	America
60	(56)	University of California at Davis—Graduate School of Management	America
61	(57)	Manchester Business School	Britain
62	(81)	Grenoble Graduate School of Business	France
63	(62)	University of Minnesota—Carlson School of Management	America
64	(55)	Macquarie Graduate School of Management	Australia
65	(72)	SDA Bocconi School of Management	Italy
66	(61)	University of Iowa—Henry B Tippie School of Management	America
67	(35)	Ashridge	Britain
68	(83)	University of Birmingham—Birmingham Business School	Britain
69	(71)	Nanyang Business School—Nanyang Technological University	Singapore
70	(78)	Chinese University of Hong Kong	Hong Kong
71	(47)	University of Oxford—Saïd Business School	Britain
72	(69)	Audencia Nantes School of Management	France
73	(n/a)	George Washington University—School of Business	America
74	(67)	Aston Business School	Britain
75	(63)	University of Edinburgh Business School	Britain
76	(93)	Curtin Graduate School of Business	Australia
77	(91)	University of Strathclyde—Business School	Britain
78	(88)	Southern Methodist University—Cox School of Business	America
79	(82)	University of British Columbia—Sauder School of Business	Canada
80	(84)	Thunderbird School of Global Management	America
81	(n/a)	University of Queensland Business School	Australia
82	(n/a)	University of Calgary—Haskayne School of Business	Canada
83	(85)	International University of Japan—Graduate School of International Management	Japan
84	(89)	National University of Singapore—The NUS Business School	Singapore
85	(99)	Indian Institute of Management—Ahmadabad	India
86	(94)	Tilburg University—TiasNimbas Business School	Netherlands
87	(92)	University of Georgia—Terry College of Business	America
88	(97)	EGADE—Tecnologico de Monterrey	Mexico
89	(79)	Lancaster University Management School	Britain
90	(n/a)	Purdue University—Krannert Graduate School of Management	America
91	(80)	Brandeis International Business School	America
92	(73)	University of South Carolina—Moore School of Business	America
93	(n/a)	University of Rochester—William E Simon Graduate School of Business	America
94	(70)	University of Pittsburgh—Katz Graduate School of Business	America
95	(90)	EADA	Spain
96	(n/a)	Concordia University—John Molson School of Business	Canada
97	(96)	Leeds University Business School	Britain
98	(n/a)	Copenhagen Business School	Denmark
99	(100)	University of Florida—Hough Graduate School of Business	America
100	(95)	China Europe International Business School (CEIBS)	China

विश्व रैंकिंग

FT.com FINANCIAL TIMES

Masters in management 2010

FT.com Business School Rankings

Current rank	Rank in 2009[1]	Rank in 2008[1]	Average of rank over 3 years[1]	School name	Country	Programme name
1	3	2	2	ESCP Europe	France, U.K., Germany, Spain, Italy	Master in Management[3]
2	1	3	2	Cems	See note[40]	Masters in International Management
3	2	1	2	HEC Paris	France	Master of Science in Management
4	-	-	-	Universität St.Gallen	Switzerland	Master in Strategy and International Management
5	6	7	6	EM Lyon Business School	France	MSc in Management
5	7	5	6	Grenoble Graduate School of Business	France	Master in International Business
7	4	4	5	London School of Economics and Political Science	U.K.	MSc in Management and Strategy
8	-	-	-	Indian Institute of Management, Ahmedabad (IIMA)	India	Post Graduate Programme in Management
9	-	-	-	Essec Business School	France	MSc in Management[41]
10	-	-	-	Esade Business School	Spain	Master in International Management[41]
11	10	8	10	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands	MSc in International Management
12	-	-	-	WHU - Otto Beisheim School of Management	Germany	MSc in Management
13	8	10	10	Mannheim Business School	Germany	MSc in Business Administration
14	11	9	11	Edhec Business School	France	Master in Management[3]
14	12	12	13	Stockholm School of Economics	Sweden	Masters in Business and Economics
16	18	17	17	ESC Toulouse	France	Masters in Management
17	15	15	16	City University: Cass	U.K.	MSc in Management
18	13	11	14	Audencia Nantes	France	Master in Management[3]
19	21	28	23	IAG-Louvain School of Management	Belgium	Master in Business Engineering
20	14	13	16	Solvay Business School	Belgium	Master in Business Engineering

विश्व रैंकिंग

FT.com FINANCIAL TIMES

Global MBA Rankings 2011

FT.com Business School Rankings

Current rank	Rank in 2010	Rank in 2009	3 year average rank	School name	Country
1	1	1	1	London Business School	U.K.
1	2	1	1	University of Pennsylvania: Wharton	U.S.A.
3	3	3	3	Harvard Business School	U.S.A.
4	5	5	5	Insead	France / Singapore
4	4	6	5	Stanford University GSB	U.S.A.
6	9	16	10	Hong Kong UST Business School	China
7	6	4	6	Columbia Business School	U.S.A.
8	6	6	7	IE Business School	Spain
9	11	12	11	Iese Business School	Spain
9	8	9	9	MIT Sloan School of Management	U.S.A.
11	-	-	-	Indian Institute of Management, Ahmedabad (IIMA)	India
12	9	11	11	University of Chicago: Booth	U.S.A
13	12	15	13	Indian School of Business	India
14	15	14	14	IMD	Switzerland
15	13	10	13	New York University: Stern	U.S.A.
15	16	19	17	Yale School of Management	U.S.A.
17	22	8	16	Ceibs	China
18	13	13	15	Dartmouth College: Tuck	U.S.A.
18	18	29	22	HEC Paris	France
20	20	22	21	Duke University: Fuqua	U.S.A.

कार्मिक

नई नियुक्तियाँ ड1

- **मिनाक्षी शर्मा,** सह प्रोफेसर, संचार क्षेत्र (पूर्व आगंतुक सहायक प्रोफेसर)
- **जोशी जैकब,** सहायक प्रोफेसर, वित्त एवं लेखा क्षेत्र, (पूर्व आगंतुक सहायक प्रोफेसर)
- **अंशुमन त्रिपाठी,** सह प्रोफेसर, उत्पादन एवं मात्रात्मक प्रणाली क्षेत्र
- **डी. कार्तिक,** आगंतुक सहायक प्रोफेसर, व्यापार नीति क्षेत्र
- **सुनील शर्मा,** सह प्रोफेसर, व्यापार नीति क्षेत्र
- **राम मोहन तुरागा,** आगंतुक सहायक प्रोफेसर, सार्वजनिक प्रणाली समूह
- **नागेश राव**, प्रोफेसर, संचार क्षेत्र
- **एस. मणिकुट्टी**, प्रोफेसर के तौर पर पुन : नियुक्त, व्यापार नीति क्षेत्र
- **विनीत विरमाणी**, सहायक प्रोफेसर, वित्त एवं लेखा क्षेत्र
- **वैभव भमोरिया**, सहायक प्रोफेसर, कृषि प्रबंध केन्द्र
- **टी. पी. रामाराव**, प्रोफेसर के तौर पर पुन : नियुक्त, कम्प्यूटर एवं सूचना प्रणाली समूह
- **एम एस श्रीराम**, सहायक प्रोफेसर, वित्त एवं लेखा क्षेत्र
- **अभिनंदन के जैन**, सहायक प्रोफेसर, विपणन क्षेत्र
- **पटेल कृतज्ञ जी***
- **नायर मनीष एन***
- **ठाकर निष्ठा एन***
- **दवे पूजा एस***
- **झाला हर्षदकुमार बी***
- **अमलेश्वरवाला परेश***
- **लाड अविनाश जी***

***** औपचारिक नियुक्ति, इस वित्तिय वर्ष के दौरान की गई।

त्यागपत्र ड2

- प्रोफेसर एम. एस. श्रीराम
- प्रोफेसर अर्पिता घोष
- प्रोफेसर संदीप पारेख
- प्रोफेसर स्मिता मिश्रा
- प्रोफेसर देवनाथ तिरुपति

यह संस्थान, उपर्युक्त सभी को उनकी नयी नौकरी के लिए शुभकामनाएँ देता है ।

सेवा-निवृत्ति ड3

- प्रोफेसर वी. एन. असोपा
- प्रोफ़ेसर रमेश गुप्ता
- प्रोफ़ेसर अभिनंदन के. जैन
- प्रोफ़ेसर एस. मणिकुट्टी
- प्रोफ़ेसर टी. पी. रामाराव
- कुम्भार शिवप्रसाद आर.
- सोलंकी बी. एल.
- पटेल मगन आर.
- वाघेला लालजी पी.
- भट्ट गौरांग आर.
- डीसूजा जोह्न बी.
- श्रीकुमार बी.
- सुब्रमणियम बाला
- नायर ए. एस.
- सोलंकी बी. एस.
- बारोट बी. डी.
- चौहान बी. एस.
- पटेल बाबूभाई बी.
- सोनकुसरे हरीश यू.
- मुंशी एन. ए.
- चौधरी मनुभाई ए.
- नाणावटी एम. एस.

यह संस्थान, इन सभी को उनकी लंबी, समर्पित, और विशिष्ट सेवाओं के लिए धन्यवाद देता है ।

ड4 अनुपस्थिति की स्वीकृति

प्रोफेसर एन. वेंकिटेश्वरन को 14 जुलाई, 2010 से एक वर्ष के लिए त्यागराजार प्रबंधन स्कूल, मदुराई के निदेशक के पद पर कार्य करने हेतु अवैतनिक छुट्टियाँ दी गई हैं।

प्रोफेसर दिलीप मावलंकर को 15 नवम्बर, 2010 से दो वर्षों के लिए भारतीय सार्वजनिक आरोग्य संस्थान, गाँधीनगर के डीन के पद पर कार्य करने हेतु अवैतनिक छुट्टियाँ दी गई हैं।

प्रोफेसर बिबेक बेनर्जी को 1 दिसम्बर, 2010 से एक वर्ष के लिए प्रबंधन प्रौद्योगिकी संस्थान, गाज़ियाबाद के निदेशक के पद पर कार्य करने हेतु अवैतनिक छुट्टियाँ दी गई हैं।

प्रोफेसर राकेश बसंत को 15 जनवरी 2011 से 30 मई, 2011 तक के लिए विस्कोन्सिन विश्वविद्यालय के साथ कार्य करने के लिए अवैतनिक छुट्टियाँ दी गई हैं।

प्रोफेसर अरिन्दम बनर्जी को 1 फरवरी, 2011 से एक वर्ष के लिए टीएनएस इन्डिया प्रा. लि., गुड़गाँव के साथ परामर्शक के तौर पर कार्य करने हेतु अवैतनिक छुट्टियाँ दी गई हैं।

प्रोफेसर प्रताप ओबुराई को 31 अगस्त, 2010 से राष्ट्रीय बीमा अकादमी, पूणे के निदेशक के पद पर कार्य करने के लिए एक वर्ष का और समय बढ़ाकर अवैतनिक छुट्टियाँ दी गई हैं।

प्रोफेसर सुखपाल सिंह को 28 मार्च, 2011 से एक वर्ष के लिए आर्थिक विकास संस्थान, नई दिल्ली के साथ कार्य करने के लिए अवैतनिक छुट्टियाँ दी गई हैं।

प्रणय श्रीवास्तव को 1 फरवरी, 2011 से एक वर्ष के लिए ओ पी जिन्दल वैश्विक विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा के साथ कार्य करने हेतु अवैतनिक छुट्टियाँ दी गई हैं।

ड5 पुनः जुड़े

प्रोफेसर निहारिका वोहरा 1 फरवरी से 31 मार्च, 2010 तक अवैतनिक अवकाश पर रहने के बाद 1 अप्रैल, 2010 को संस्थान की सेवा से पुनः जुड़े ।

प्रोफेसर देवनाथ तिरुपति 6 अप्रैल, 2009 से 4 अप्रैल, 2010 तक अवैतनिक अवकाश पर रहने के बाद 5 अप्रैल, 2010 को संस्थान की सेवा से पुनः जुड़े।

प्रोफेसर तथागत बंद्योपाध्याय 6 जनवरी, 2010 से 9 मई, 2010 तक अवैतनिक अवकाश पर रहने के बाद 10 मई, 2010 को संस्थान की सेवा से पुनः जुड़े।

प्रोफेसर सुनील माहेश्वरी 20 अगस्त, 2008 से 19 अगस्त, 2010 तक अवैतनिक अवकाश पर रहने के बाद 20 अगस्त, 2010 को संस्थान की सेवा से पुनः जुड़े।

ड6 पदोन्नतियाँ

- प्रोफेसर ए के लाहा को सह प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया ।
- प्रोफेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया ।
- प्रोफेसर अनुराग अग्रवाल को सह प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।

मानवशक्ति

ड7

वर्ष	संकाय सदस्य	अनुसंधान स्टाफ	प्रशासनिक स्टाफ	कुल
2000-1	83	52	441	576
2001-2	84	61	430	575
2002-3	80	58	367	505
2003-4	76	69	359	504
2004-5	79	58	329	466
2005-6	81	69	314	464
2006-7	83	63	316	462
2007-8	86	69	311	466
2008-9	94	79	319	492
2009-10	92	68	329	489
2010-11	**88**	**71**	**327**	**486**

शाषी मंडल
(31 अगस्त, 2011 के अनुसार)

अध्यक्ष

डॉ. विजयपत सिंघानिया
अध्यक्ष, एमेरिटस
रेमंड लिमिटेड
मुम्बई

सदस्य

विभा पुरी दास
सचिव
उच्चतर शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

एस. के. रे
वित्तीय सलाहकार (मा.सं.वि.)
उच्चतर शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

डॉ पुष्पितो के. घोष
निदेशक
केन्द्रीय नमक व समुद्री रसायन
अनुसंधान संस्थान
भावनगर

ए. के. जोति, आईएएस
मुख्य सचिव
गुजरात सरकार
गाँधीनगर

हसमुख अढ़िया, आईएएस
प्रधान सचिव
शिक्षा विभाग
गुजरात सरकार
गाँधीनगर

एस. एस. मन्था
कार्यकारी अध्यक्ष
अखिल भारतीय प्रौद्योगिकी शिक्षा
परिषद्
नई दिल्ली

संजय एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अरविंद लिमिटेड
अहमदाबाद

चिंतन एन. परीख
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आशिमा लिमिटेड
अहमदाबाद

डॉ. हसित जोशीपुरा
वाइस प्रैसिडैंट, साउथ एशिया एवं
प्रबंध निदेशक, इंडिया
ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन
फार्मास्यूकिल्स लिमिटेड
मुम्बई

अशांक देसाई
संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष
मास्टेक लिमिटेड
मुम्बई

सुनील बी. मित्तल
अध्यक्ष एवं समूह सीईओ
भारती एन्टरप्राइज़िस लिमिटेड
नई दिल्ली

डॉ. अमृता पटेल
अध्यक्ष
राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड
आणंद

रमा बीजापुरकर
प्रबंध सलाहकार
मुम्बई

नॉएल एन. टाटा
प्रबंध निदेशक
ट्रैंट लिमिटेड
मुम्बई

केवल हांडा
प्रबंध निदेशक
फाइज़र लिमिटेड
मुम्बई

एन.सी. वासुदेवन
महानिदेशक
राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद्
नई दिल्ली

राकेश बसंत
प्रोफेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान
अहमदाबाद

प्रेम पंगोत्रा
प्रोफेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान
अहमदाबाद

एम एस बंगा
सीडी एंड आर एलएलपी
लंदन

समीर के. बरुआ
निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान
अहमदाबाद

सचिव

एन. वी. पिल्लै
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
भारतीय प्रबंध संस्थान
अहमदाबाद

भा.प्र.सं.अहमदाबाद समुदाय के सदस्य

हिरेन एस. महादेविया
निदेशक (वित्त एवं कार्पोरेट मामले)
एवं कंपनी सेक्रेटरी
अहमदाबाद न्यू कॉटन मिल्स कं. लि.
(आशिमा लिमिटेड की यूनिट)
अहमदाबाद

वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन)
एलेम्बिक लिमिटेड
वड़ोदरा

नितीन जे. नानावटी
प्रबंध निदेशक
अपूर्व कन्टेनर्श प्रा. लि.
अहमदाबाद

अमोल शेठ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अनिल लिमिटेड
अहमदाबाद

प्रफुल्ल अनुभाई
मुख्य कार्यकारी
आरोही कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

संजय एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अरविंद लिमिटेड
अहमदाबाद

अनंग ए. लालभाई
प्रबंध निदेशक
अरविंद प्रोडक्ट्स लिमिटेड
अहमदाबाद

गोकुल एम जयकृष्ण
असाही सोंगवोन कलर्स
अहमदाबाद

चिंतन परीख
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आशिमा लिमिटेड
अहमदाबाद

जलज दानी
प्रैसिडैंट - इंटरनैशनल
एशियन पेंट्स लिमिटेड
मुम्बई

प्रबंध निदेशक
एबीबी लिमिटेड
बेंगलूरु

दी एसोशिएटैड सीमेंट कंपनीज लिमिटेड
मुम्बई

सुनील एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अतुल लिमिटेड
अतुल, गुजरात

एन. वी. वेंकटसुब्रामणियम
मुख्य कार्यकारी
ऑडको इंडिया लिमिटेड
चेन्नई

राहुल बजाज
अध्यक्ष
बजाज ऑटो लिमिटेड
पुणे

उल्हास सांगेकर
महाप्रबंधक (मा. सं. एवं विपणन)
बैंक ऑफ बड़ौदा
मुम्बई

एस. एन. शर्मा
प्राचार्य व उप महाप्रबंधक
बैंक ऑफ बड़ौदा स्टाफ कॉलेज
अहमदाबाद

डी. बी. मोहापात्रा
आंचलिक प्रबंधक
बैंक ऑफ इंडिया
अहमदाबाद

वी.आर.एस. नटराजन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
बी ई एम एल लिमिटेड
बैंगलोर

अशोक के. पुरी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
भारत हैवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

सी.एल. राठी
उप प्रबंध निदेशक
बिड़ला वीएक्सएल लिमिटेड
नई दिल्ली

एच.सी. बिजावत
द बोम्बे डाईंग एण्ड मैनुफैक्चरिंग कंपनी
लिमिटेड
मुम्बई

पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कैडिला हैल्थकेयर लिमिटेड
अहमदाबाद

एम. एम. मुरुगप्पन
अध्यक्ष
कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड
चेन्नई

नवीन क्षत्रिय
मुख्य कार्यकारी अधिकारी / प्रबंध
निदेशक
कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड
मुम्बई

महाप्रबंधक (संचालन)
सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
मुम्बई

मुख्य कार्यकारी अधिकारी
सिटी बैंक, एन.ए.
मुम्बई

अनंग के. शाह
प्रबंध निदेशक
क्रिस्टल क्विनोन प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

डी सी एम लिमिटेड
नई दिल्ली

भरतभाई यू. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री दिनेश मिल्स लिमिटेड
वडोदरा

ए. के. पुरवाहा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

संयुक्त प्रबंध निदेशक
एस्कॉर्ट्स समूह
फरीदाबाद

भा.प्र.सं.अहमदाबाद समुदाय के सदस्य

क्रिस्टी एल. फर्नाण्डिस, आइएएस
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
एक्सपोर्ट क्रेडिट एण्ड गारंटी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
मुम्बई

जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया
मुम्बई

डॉ. हसित जोशीपुरा
उपाध्यक्ष, साउथ एशिया एवं प्रबंध निदेशक, भारत
ग्लैक्सोस्मिथक्लीन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड
मुम्बई

समीर एस. सौमय्या
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गोदावरी बायोरिफाइनरिज़ लिमिटेड
मुम्बई

हरिभाई वी. पटेल, आइएएस
प्रबंध निदेशक
गुजरात राज्य उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड
वडोदरा

अरविंद अग्रवाल
प्रबंध निदेशक
गुजराज राज्य वित्त निगम
गाँधीनगर

पीयूष ओ. देसाई
अध्यक्ष
गुजरात टी प्रोसैसर्स एण्ड पैकर्स लिमिटेड
अहमदाबाद

लीना नायर
उपाध्यक्ष - मानव संसाधन
हिंदुस्तान लीवर लिमिटेड
मुम्बई

अखिलेश जोशी
मुख्य संचालन अधिकारी एवं पूर्णकालीन निदेशक
हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड
उदयपुर

अध्यक्ष
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
मुम्बई

मुख्य कार्यपालक (कार्मिक)
इंडियन ऑक्सीजन लिमिटेड
कोलकाता

मुकेश डी. अंबानी
अध्यक्ष
इंडियन पैट्रोकेमीकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड
वड़ोदरा

राहुल एन. अमीन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
ज्योति लिमिटेड
वड़ोदरा

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
लार्सेन एण्ड टर्बो लिमिटेड
मुम्बई

के. वी. रंगास्वामी
बोर्ड के सदस्य एवं
प्रमुख - भवन निर्माण
लार्सन एंड टर्बो लिमिटेड
ईसी एंड सी प्रभाग
चेन्नई

अध्यक्ष
भारतीय जीवन बीमा निगम
मुम्बई

एच. ए. मफतलाल
उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुम्बई

राजीव रंजन
प्रमुख (टेक्सटाइल्स)
मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
अहमदाबाद

राजीव दुबे
प्रमुख (मा. सं. समूह एवं अनुसरण बाजार) एवं समूह कार्यकारी बोर्ड के सदस्य
महिंद्रा एण्ड महिंद्रा लिमिटेड
मुम्बई

जनमेजय भगूभाई
प्रबंध निदेशक
मनीष ऑर्गेनिक्स इंडिया लिमिटेड
अहमदाबाद

वरुण आर्य
प्रमुख
मारवाड़ शिक्षा प्रतिष्ठान
जोधपुर

अशांक देसाई
संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष
मास्टेक लिमिटेड
मुम्बई

के के मेहरोत्रा
निदेशक (इंजिनियरिंग)
एमइसीओएन लिमिटेड
झारखंड

संजीव बत्रा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
एमएमटीसी लिमिटेड
नई दिल्ली

नीरज बजाज
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
मुकंद लिमिटेड
मुम्बई

पूर्णकालिक निदेशक
नेशनल पैरोक्साइड लिमिटेड
मुम्बई

ए. आर. शेखर
निदेशक, महाप्रबंधक एवं वित्तीय परामर्शक
न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
मुम्बई

प्रबंध निदेशक
एन आर सी लिमिटेड
मुम्बई

के. आर. कामथ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
पंजाब नेशनल बैंक
नई दिल्ली

भा.प्र.सं.अहमदाबाद समुदाय के सदस्य

राजेश आर. मेहता
उपाध्यक्ष
रोहित ग्रुप ऑफ एन्टरप्राइजेज
अहमदाबाद

रोहित सी. मेहता
अध्यक्ष
रोहित ग्रुप ओफ एन्टरप्राइजेज
अहमदाबाद

एस. एन. शोधन
साकरलाल बालाभाई एंड कंपनी
लिमिटेड
अहमदाबाद

कार्तिकेय वी. साराभाई
निदेशक
साराभाई होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

आर. के. कारपेंटर
साराभाई मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन प्राइवेट
लिमिटेड
अहमदाबाद

तपन एच. चोकशी
सौरभ कॉर्पोरेशन
अहमदाबाद

ए. एस. कसुवाल
श्रीराम मिल्स चैरिटेबल ट्रस्ट
मुम्बई

बी. वी. मेहता
प्रबंध निदेशक
सयाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड
अहमदाबाद

पी. आर. मफतलाल
शानुदीप प्राइवेट लिमिटेड
मुम्बई

सुनील कनौजिया
समूह अध्यक्ष
सिंटैक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
कलोल

रवि मल्होत्रा
प्रबंध निदेशक
सरहिंद स्टील लिमिटेड
अहमदाबाद

अजीतकुमार सी. पटेल
निदेशक
सॉफ्ट बीवरेजज प्राइवेट लिमिटेड
चेन्नई

पी. नन्द कुमारन
मुख्य महा प्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक
अहमदाबाद

जे. एस. साहनी
प्रबंध निदेशक
एसआईसीओएम लिमिटेड
मुम्बई

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया
लिमिटेड
नई दिल्ली

सुह्रद साराभाई
सुह्रद गेगी लिमिटेड
अहमदाबाद

एम. रवीन्द्रनाथ
उपाध्यक्ष - विनिर्माण
टाटा कैमिकल्स लिमिटेड
मीठापुर

आर. मुकुन्दन
प्रबंध निदेशक
टाटा कैमिकल्स लिमिटेड
मुम्बई

एच. एम. नेरुकर
प्रबंध निदेशक
टाटा स्टील लिमिटेड
जमशेदपुर

डॉ. संग्राम ताँबे
उपाध्यक्ष - मानव संसाधन एवं प्रशासन
टाटा मोटर्स लिमिटेड
मुम्बई

डॉ. गोबिन्द बाघासिंह
कार्यकारी उपाध्यक्ष व सीएचआरओ
टाटा पावर कंपनी लिमिटेड
मुम्बई

टी. पी. विजयसारथी
निदेशक
टॉरेंट पावर लिमिटेड
अहमदाबाद

एन. कन्नन
संयुक्त महाप्रबंधक
ट्रैक्टर इंजीनियर्स लिमिटेड
मुम्बई

टी. वेंकटेश्वर राव
अध्यक्ष
टी वी आर एल एस
अहमदाबाद

सचिव और कोषाध्यक्ष
टी.वी.एस. चैरिटीज
मदुरई

प्रबंध निदेशक
टी.वी.सुंदरम अयंगार एण्ड संस
लिमिटेड
मदुरई

उप महाप्रबंधक - कॉर्पोरेट मानव संसाधन
वोल्टास लिमिटेड
मुम्बई

सुनील अग्रवाल
मुम्बई

सुभाष चंद्र भटनागर
अहमदाबाद

एस. चौधरी
जिला हरिद्वार

महिपाल दलाल
अहमदाबाद

डॉ. बिहारीलाल कन्हैयालाल
अहमदाबाद

राजीव सी. लालभाई
अहमदाबाद

ज्योतिंद्र एन. मेहता
अहमदाबाद

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

प्रशासन

निदेशक

समीर के. बरुआ
एम. टेक. (आईआईटी, कानपुर)
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

डीन

बी.एच. जाजू
पीएच.डी. (आईआईटी, कानपुर)

डीन (संकाय)

अजय पांडे
फैलो (भा.प्रा.सं.अ.)

डीन (पूर्वछात्र व विदेश संबंध)

अतनु घोष
एम. टेक. (आईआईटी – दिल्ली),
पीजीडीबीएम (भा.प्र.सं.अ.)
पीएच. डी. (आईआईटी - मुम्बई)
फैलो ऑफ इन्स्टिच्यूशन ऑफ इंजीनियर्स

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

एन. वी. पिल्लै
एम.ए., एल.एल.बी. (गुजरात)

संकाय

व्यवसाय नीति

अनुराग के. अग्रवाल
एलएल.एम. (हार्वर्ड), एलएल.डी. (लखनऊ)

एम.आर. दीक्षित
पीएच.डी. (आईआईटी, कानपुर)

अतनु घोष
एम.टेक (आईआईटी, दिल्ली),
पीजीडीबीएम (भा.प्र.सं. अ.)
पीएच.डी. (आईआईटी, मुम्बई)
फैलो ऑफ इन्स्टिच्यूशन ऑफ इंजीनियर्स

डी. कार्तिक
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

एस. मणिकुट्टी
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

अजीत नारायण माथुर
पीएच.डी (आइआइएस, बैंगलोर)

शैलेंद्र मेहता
एम.फिल (ऑक्सफोर्ड),
पीएच.डी (हार्वर्ड)

अखिलेश्वर पाठक
पीएच.डी. (एडिनबर्ग)

सुनील शर्मा
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

एन. वेंकिटेश्वरन
ए.सी.ए.

कृषि प्रबंध केंद्र

वैभव भमोरिया
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

समर के. दत्ता
पीएच.डी. (रोचैस्टर)

वसंत पी. गाँधी
पीएच.डी. (स्टैनफोर्ड)

अनिल के.गुप्ता
पीएच.डी. (कुरुक्षेत्र)
फैलो, विश्व कला एवं विज्ञान अकादमी
फैलो, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी
सदस्य, राष्ट्रीय नवाचार परिषद्

सुखपाल सिंह*
पीएच.डी. (बैंगलोर)

विजय पॉल शर्मा
पीएच.डी. (एनडीआरआई, करनाल)

संचार

आशा कौल
पीएच.डी. (आईआईटी, कानपुर)

एम. एम. मोनीपल्ली
पीएच.डी. (मैनचैस्टर)

नागेश राव
पीएच.डी. (मिशिगन स्टेट युनिवर्सिटी)

मीनाक्षी शर्मा
एम.ए., पीएच.डी. (क्वीन्सलैंड)

कंप्यूटर एवं सूचना प्रणाली समूह

रजनीश दास
फैलो (आईआईएमसी)

रेखा जैन
पीएच.डी (आईआईटी, दिल्ली)

बी. एच. जाजू
पीएच.डी. (आईआईटी, कानपुर)

कविता रंगनाथन
एम.एससी., एमएस, पीएच.डी. (शिकागो)

टी. पी. रामा राव
एम.टेक. (आईआईटी, कानपुर)

वेंकट राव वी.
पीएच.डी. (जार्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नॉलॉजी)

संजय वर्मा
फैलो (आईआईएमसी)

अर्थशास्त्र

विनोद आहूजा*
पीएच.डी. (मैरीलैंड)

राकेश बसंत*
पीएच.डी. (गुजरात)

सतीश देवधर
पीएच.डी. (ओहियो स्टेट)

रवीन्द्र एच. धोलकिया
पीएच.डी. (एमएसयू)

इरोल डी'सूजा
पीएच.डी. (जेएनयू)

सेबास्टियन मॉरिस
एम.एससी. (आईआईटी, बॉम्बे)
फैलो (आईआईएमसी)

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

वित्त एवं लेखा

सोभेश कुमार अग्रवाला
सीएस, सीए, आईसीडब्ल्यूए, फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

शैलेष गाँधी
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

जोशी जैकब
फैलो (आईआईएमएल)

टी. टी. राम मोहन
बी.टेक. (आईआईटी, बॉम्बे), पीजीडीएम (आईआईएमसी)
पीएच.डी. (स्टर्न स्कूल, एनवाइयू)

अजय पांडेय
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

प्रेमचंद्र
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

राजेंद्र पटेल
एआईसीडब्ल्यूए, एसीए, पीजीडीएम (भा.प्र.सं.अ.)

सिद्धार्थ सिन्हा
पीजीडीएम (भा.प्र.सं.अ.)
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्केले)

जयंत आर. वर्मा
पीजीडीएम (भा.प्र.सं.अ.)
ए.आइ.सी.डब्ल्यू.ए.
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

विनीत विरमाणी
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

विपणन

अरिंदम बनर्जी*
पीजीडीएम (आईआईएमएल)
पीएच.डी. (स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू यार्क)

बिबेक बनर्जी*
पीएच.डी. (पर्ड्यू)

आनंद कुमार जायसवाल
फैलो (एक्सएलआरआई)

अब्राहम कोशी
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

प्रताप ओबुराय*
पीएच.डी. (स्ट्रैथक्लाइड)

अरविंद सहाय
पीएच.डी. (टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन)

पीयूष कुमार सिन्हा
पीएच.डी. (एसपी विश्वविद्यालय)

संगठनात्मक व्यवहार

दीप्ति भटनागर
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

ज्योर्ज कन्डाथिल
पीएच.डी. (कॉर्नेल)

प्रेमिला डी'क्रूज
पीएच.डी. (टीआईएसएस, मुम्बई)

परविंदर गुप्ता
पीएच.डी. (आईआईटी, कानपुर)

प्रद्युम्न खोकले
बी.टेक. (आईआईटी, कानपुर)
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

अर्नेस्टो नोरोन्हा
पीएच.डी. (टीआईएसएस, मुम्बई)

कीर्ति शारदा
फैलो (आईआईएमसी)

निहारिका वोहरा
पीएच.डी. (मैनीटोबा)

कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध

जेरोम जोसेफ
पीएच.डी. (मद्रास)

सुनील माहेश्वरी*
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

मंजरी सिंह
फैलो (आईआईएमसी)

बीजू वर्की
फैलो (एनआईबीएम, पुणे)

उत्पादन एवं परिमाणात्मक विधियाँ

तथागत बंद्योपाध्याय
पीएच.डी. (कोलकाता)

समीर के. बरुआ
एम.टेक. (आईआईटी, कानपुर)
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

पंकज चंद्रा*
पीएच.डी. (पेनसिल्वेनिया)

गौतम दत्ता
पीएच.डी. (नार्थवेस्टर्न)

सचिन जायसवाल
पीएच.डी. (यूनिवर्सिटी ऑफ वॉटरलू)

दीप्तेश घोष
फैलो (आईआईएमसी)

ए.के. लाहा
पीएच.डी. (आईएसआई, कोलकाता)

टी. माधवन
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

सरल मुखर्जी
फैलो (आईआईएमसी)

एन. रविचंद्रन*
पीएच.डी. (आईआईटी, मद्रास)

चेतन सोमण
एम.टेक. (आईआईटी, बॉम्बे)
पीएच.डी. (ग्रोनिनजेन)

अंशुमान त्रिपाठी
पीएच.डी. (एमआईटी)

प्रह्लाद वेंकटेशन
पीएच.डी. (केस वेस्टर्न रिज़र्व)

---

* अवकाश पर

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

सार्वजनिक प्रणाली समूह

अमित गर्ग
एम.टेक (आईआईटी, रुड़की)
फैलो (भा.प्र.सं.अ.)

नवदीप माथुर
एम.ए. (हल यूनिवर्सिटी)
पीएच.डी. (रटजर्स)

दिलीप वी. मावलंकर*
एम.डी. (गुजरात)
डॉ. ऑफ पब्लिक हैल्थ (जॉन्स हॉपकिन्स)

प्रेम पंगोत्रा
पीएच.डी. (विसकोनसिन)

जी. रघुराम
पीएच.डी. (नार्थवेस्टर्न)

के.वी. रमणी
पीएच.डी. (कॉर्नेल)

अंकुर सरीन
पीएच.डी. (शिकागो)

पी.आर. शुक्ला
पीएच.डी. (स्टेनफोर्ड)

राम मोहन तुरागा
पीएच.डी. (जार्जिया इन्स्टिट्यूट ऑफ टेकनोलोजी)

रवि मथाई शैक्षणिक नवाचार केंद्र

राजीव शर्मा
पीएच.डी. (इलाहाबाद)

पी.जी. विजया शैरी चंद
पीएच.डी. (गुजरात)

सहायक संकाय

एस. सी. भटनागर
अभिनंदन के. जैन
ब्रृज कोठारी
टी. वी. राव
एम. एस. श्रीराम
मुकुल वसावडा

अधिकारी

नीना बदलानी
एम.बी.ए. (वित्त) (गुजरात)
आईसीडब्ल्यूए (इन्टर)
समूह प्रधान (वित्त एवं बजट)

एस. भट्टाचार्य
बी.एससी. (कोलकाता)
कार्यक्रम अधिकारी (एमडीसी)

प्रतिमा देसाई
बी.ए. (गुजरात)
पुस्तक प्रकाशन में डिप्लोमा
सामग्री पुनरुत्पादन अधिकारी

वी.सी. डोडिया
मानव संसाधन प्रबंध में डिप्लोमा (एएमए)
गृह व्यवस्था अधिकारी

कमलेश गाँधी
बी.ई. (सिविल) (गुजरात)
साईट इंजीनियर (वरिष्ठ)

लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
बी.कॉम., एसीएस
प्रबंधक (लेखा एवं अनुपालन)

आर. गुरुमूर्ती
बी.कॉम. (मदुरै कामराज विश्वविद्यालय)
कार्यक्रम अधिकारी (पीजीपी-एबीएम)

आर. महादेव अय्यर
बी.कॉम. (गुजरात)
मानव संसाधन में डिप्लोमा
प्रबंधक, प्रवेश

के.एस. जोशी
बी.कॉम. (गुजरात)
आई.आर. व पी.एम. में पीजी डिप्लोमा
स्थापना अधिकारी

आलोक जैन
पीएच.डी. (जेएनआरवीवी, उदयपुर)
एम.ए. (राजस्थान)
पीजीडीबीएम (आईएमएस,गाजियाबाद)
प्रबंधक, पीजीपीएक्स

अविनाश जी. लाड
एमबीए (गुजरात)
बी.ई. (इलैक्ट्रिकल) (सौराष्ट्र विश्वविद्यालय)
इलैक्ट्रिकल इंजिनियर

अरविंद एम. मिस्त्री
बी.कॉम. (गुजरात)
लेखा अधिकारी

जतिन एम. नागोरी
एम.कॉम., एलएल.बी. (गुजरात)
निर्यात विपणन प्रबंधन में डिप्लोमा (आई आई ई, बड़ौदा)
कार्यक्रम अधिकारी (पीजीपी)

कमल यू. पंड्या
एम.कॉम. (गुजरात)
भंडार एवं क्रय अधिकारी

के.वी. रामचंद्रन
बी.कॉम. (मद्रास विश्वविद्यालय)
मानव संसाधन प्रबंधन एवं कार्मिक में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (एआईआईएमएस, चेन्नई)
कार्यक्रम अधिकारी (एफपीएम)

इशिता नीलेश सोलंकी
सामाजिक संप्रेषण व जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (महाराष्ट्र)
ग्रामीण विकास प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (आईआरएमए)
मानव संसाधन प्रबंध में विशेषज्ञता डिप्लोमा (इग्नू)
प्रबंधक, वैश्विक भागीदारी एवं कार्पोरेट मामले

रेवती श्रीनिवासन (सुश्री)
एम.ए. (मैसूर)
प्रबंधक, एमडीपी

प्रणय श्रीवास्तव*
बी.टेक. (सिविल) (अवध)
एम बी ए (निरमा विश्वविद्यालय)
परियोजना प्रबंधक

---

* अवकाश पर

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

हरेंद्र जे. वाढेर
बी.ई. (सिविल) (एसपीयू)
एमबीए (गुजरात)
समूह प्रधान (इंजीनियरिंग सेवाएँ एवं संपदा)

पुस्तकालय

अनिल कुमार एच.
पीएच. डी. (एमएसयू)
पुस्तकालयाध्यक्ष
संकाय सदस्य

श्रेयसी के. परिख
एम.ए., एम.एल.आई.एस.सी. (गुजरात)
पीजीडीसीए (जेवियर), सीआईसी (इग्नू)
उप-पुस्तकालयाध्यक्ष

हीमा बी. सोनी
बी.ए., एम.लिब.एससी.(सागर)
उप पुस्तकालयाध्यक्ष

अनुसंधान स्टाफ

जयंत भट्ट
एम.एससी. (गुजरात)
कंप्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा (एसपीयू)

केतन भट्ट
एम.एससी. (आईआईटी, मुम्बई)

श्रुति दवे
पीएच.डी. (एसपी विश्वविद्यालय)

सुनील कुमार गर्ग
एम.एससी. (उदयपुर)
एमबीए (इग्नू)

सोनल कुरैशी
एम.बी.ए., एल.एल.बी. (गुजरात)
पीएच.डी. (एसपी विश्वविद्यालय)

जे. जी. मकवाणा
एम.एससी. (गुजरात)
ए.आई.सी.डब्ल्यू.ए.

मोहन पालीवाल
एम.कॉम. (गुजरात)
कंप्यूटर विज्ञान में पीजी डिप्लोमा (गुजरात विद्यापीठ)

आर.एन. पंड्या
बी.एससी. (गुजरात)
ईडीपी एवं कंप्यूटर प्रबंध में डिप्लोमा (भवन्स)
डिप्लोमा इन ऐन्टरप्रैन्योरशिप (ईडीआई)

श्वेता परिख
एम.बी.ए., पीएच.डी. (गुजरात)

सी.एस. प्रसाद
एम.एससी. (आंध्रप्रदेश)

मिताली सरकार
एम.ए. (पटना)

प्रीता व्यास
एम.बी.ए., पीएच.डी. (गुजरात)

सत्यमेव जयते

OAD-III/S-2/IIM/SAR/2010-11/OWN-15/19-04-2012

महालेखाकार (सिविल लेखापरीक्षा), गुजरात
OFFICE OF THE
ACCOUNTANT GENERAL (CIVIL AUDIT),
GUJARAT
Annexe Building, Race Course, Post Bag No. 27,
राजकोट/RAJKOT - 360 001.

दिनांक/Date: 19-04-12

सेवा में,
सचिव, भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग
रूम नं. 502, 5वीं मंजिल, डी विंग
शास्त्री भवन
नई दिल्ली 110 001

विषय : 2010-11 के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के लेखों पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट

महोदय,

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2010-11 के लिए खातों की लेखापरीक्षा 21-12-2011 से 03-01-2012 के दौरान नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सेवा के कर्तव्य, शक्तियाँ व शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अधीन की गई। निम्नलिखित दस्तावेजों को इसके साथ भेजा जा रहा हैः

वर्ष 2010-11 के लिए लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र के साथ लेखापरीक्षा रिपोर्ट ।

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2010-11 के वार्षिक लेखों की प्रमाणित प्रतिलिपि ।

कृपया लेखापरीक्षा रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखने की व्यवस्था की जाए एवं जिस तारीख को यह रिपोर्ट संसद के समक्ष प्रस्तुत की जाए, उसकी सूचना इस कार्यालय को लेखापरीक्षा रिपोर्ट की मुद्रित प्रति के साथ दी जाए, एवं उसकी एक प्रति, भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक, नई दिल्ली को पृष्ठांकित की जाए।

इस रिपोर्ट को, संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखे जाने तक, 'गोपनीय' समझा जाए।

भवदीय,

हस्ता/-

उप महा लेखाकार/प्रभारी

संलग्नकः यथोपरि

प्रतिलिपि प्रेषित : निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रपुर, अहमदाबाद

वार्षिक खातों और लेखापरीक्षा रिपोर्ट की प्रमाणित प्रति संलग्न है, जिसे संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखने तक गोपनीय समझा जाए। जिस दिन, लेखापरीक्षा रिपोर्ट की मुद्रित प्रति के साथ, यह लेखा परीक्षा रिपोर्ट, संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखी जाए, उस तारीख की सूचना, आडिट को उपलब्ध करवाएं। मुद्रित रिपोर्ट में, महा लेखाकार का नाम, पदनाम सहित अंकित किया जाए ।

हस्ता/-

उप महा लेखाकार/प्रभारी

31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के खातों पर भारत के महा लेखापरीक्षक की पृथक् लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद की नियमावली के नियम 18 के साथ पठित नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अधीन, 31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष की यथास्थिति के अनुसार, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के संलग्न तुलनपत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के आय और व्यय तथा प्राप्ति एवं भुगतान के खातों की लेखापरीक्षा की है । इन वित्तीय विवरणों के प्रति उत्तरदायित्व, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के प्रबंधवर्ग का है । हमारा उत्तरदायित्व, हमारे द्वारा की गई लेखापरीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है ।

2. वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण विधियों के साथ अनुरूपता, लेखाकरण के मापदंडों तथा प्रगटीकरण-मानकों, आदि के संबंध में, इस पृथक् लेखापरीक्षा-रिपोर्ट में, केवल लेखाकरण-समाधान पर महा लेखापरीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ समाविष्ट हैं। कानून, नियमों और विनियमों और औचित्य और नियमितता तथा दक्षता-सह-कार्यनिष्पादन संबंधी पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेनों पर लेखा-टिप्पणियाँ, यदि कोई हैं, तो उन्हें निरीक्षण रिपोर्टों / नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक की लेखापरीक्षा-रिपोर्टों के माध्यम से, पृथक् रूप से दर्शाया गया है ।

3. हमने यह लेखा-परीक्षा, भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा-परीक्षा के मानकों के अनुसार की है। इन मानकों की अपेक्षा होती है कि हम यह तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएँ और लेखा-परीक्षा करें कि ये वित्तीय विवरण, गलत बयानी से मुक्त हैं । किसी भी लेखापरीक्षा के अंतर्गत, जाँच के आधार पर, धनराशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों में प्रकटन, सम्मिलित होते हैं। प्रयुक्त लेखाकरण-सिद्धान्तों का मूल्यांकन तथा प्रबंधवर्ग द्वारा लगाए गए महत्वपूर्ण अनुमानों के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी, लेखापरीक्षा में सम्मिलित होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखापरीक्षा, हमारी राय को तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4. लेखापरीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि :

   (i) हमने वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारे संपूर्ण ज्ञान और विश्वास से आवश्यक थे।

   (ii) इस रिपोर्ट में वर्णित तुलन-पत्र और आय-व्यय लेखा, वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रारूप में दर्शाए गए हैं।

   (iii) हमारी राय में, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद द्वारा समुचित लेखा बहियाँ और अन्य संगत अभिलेख अनुरक्षित किए गए हैं, जहाँ तक हमारे द्वारा इन बहियों की जाँच करने से प्रतीत हुआ है ।

   (iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि :

क. तुलनपत्र

1. देयताएँ

वर्तमान देयताएँ और प्रावधान - अन्य वर्तमान देयताएँ

1.1 व्ययों एवं अन्य खर्चों के लिए बकाया देयताएँ (अनुसूची 4) - 17.13 करोड़ रुपये

"सीएमए - भारत के आविष्कारक - ज्ञान एन/डबल्यू - एकेजी" के अध्यक्ष के अधीन उपरोक्त ऋणात्मक शेष 12.95 लाख रुपये सम्मिलित है, जिसको वर्तमान आस्तियों, ऋण और अग्रिमों के तहत शामिल किया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप मौजूदा देयताओं और प्रावधानों और वर्तमान आस्तियों, ऋणों और अग्रिमों में 12.95 लाख रुपये की न्यूयोक्ति हुई है ।

1.2 निर्धारित/बंदोबस्ती फंड (अनुसूची 3) - 250.06 करोड़ रुपये

केन्द्रीय स्वायत्त निकायों (गैर लाभकारी संगठन और इसी तरह के संस्थान) के लिए वित्तीय बयानों के फोर्म की अनुसूची 3 के नोट 2 के अनुसार, केन्द्रीय/राज्य सरकारों से प्राप्त योजना कोष को अलग कोष के रूप में दर्शाया जाना है और किसी भी अन्य कोषों में उसे मिश्रित नहीं करना है। संस्थान ने इस वर्ष 2010-11 के दौरान ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण की क्षमता में विस्तार एवं कार्यान्वयन के लिए 12.72 करोड़ रुपये प्राप्त किये हैं । यद्यपि संस्थान द्वारा यह कोष योजना के उद्देश्य के लिए लिया गया था, फिर भी इसे इस अनुसूची में अलग कोष के रूप में नहीं दर्शाया गया है ।

ख. सहायता अनुदान

इस वर्ष के दौरान संस्थान ने ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण की क्षमता में विस्तार और कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार (योजना) से अनुदान के अंतर्गत 12.72 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त किया है । 01 अप्रैल, 2010 तक अनुदान से बचे हुए शेष के रूप में 1.06 करोड़ रुपये थे । इस वर्ष के दौरान 31 मार्च, 2011 तक 9.26 करोड़ रुपये का खर्च उठाया और 4.52 करोड़ रुपये अव्ययित शेष के रूप में थे ।

ग. खातों पर लेखापरीक्षा-टिप्पणियों का प्रभाव

पूर्ववर्ती पैराग्राफों में दी गई टिप्पणियों का कुल प्रभाव यह है कि वर्तमान देयताएँ और वर्तमान आस्तियों की 12.95 लाख रुपये की न्यूनोक्ति हुई है, जिसके फलस्वरूप 11.35 लाख रूपए घाटे की न्यूनोक्ति हुई है।

(v) पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में दर्शाए गए तुलन पत्र और आय-व्यय लेखे, लेखा-बहियों के अनुरूप हैं।

(vi) हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय वक्तव्य लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर टिप्पणियों के अनुसार तथा उपरोक्त महत्वपूर्ण मामलों के विषयों और इस लेखापरीक्षा-रिपोर्ट के संलग्नक में दर्शाये गये अन्य मामले, भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुपालन में एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं:

क. जहाँ तक यह भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के मामलों की स्थिति से संबंधित 31 मार्च, 2011 के तुलनपत्र से संबंधित है, तथा

ख. जहाँ तक यह उक्त तिथि को समाप्त हुए वर्ष के आय-व्यय लेखे के अधिशेष से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक व महा लेखापरीक्षक की ओर से व कृते

हस्ता/-
(चन्द्रमौली सिंह)
महालेखाकार, सिविल लेखापरीक्षा,
गुजरात, राजकोट

स्थान : राजकोट
तिथि :

संलग्नक-I

1. **आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता ।**

   आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली पर्याप्त थी और संस्थान के आकार एवं प्रकृति के अनुरूप थी ।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता ।**

   आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त है और संस्थान के आकार एवं प्रकृति के अनुरूप है ।

3. **अचल सम्पत्तियाँ के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली ।**

   नियमित अंतरालों पर अचल सम्पत्तियों के प्रत्यक्ष सत्यापन को अंजाम दिया गया ।

4. **वस्तुसूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली ।**

   वस्तुसूची का प्रत्यक्ष सत्यापन नियमित अंतरालों पर प्रबंधन द्वारा किया गया ।

5. **वैधानिक बकाया राशि के भुगतान में नियमितता ।**

   संस्थान की वैधानिक देयताएँ निम्नानुसार बतायी गयी हैं । 31 मार्च, 2011 तक वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान 41.78 लाख रु. थे और वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार इसे जमा किया गया ।

हस्ता/-

उप महालेखापरीक्षक / प्रभारी-I

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद
31 मार्च, 2011 के अनुसार तुलन पत्र

(रु. लाखों में)

	अनुसूची	31.03.2011 को	31.03.2010 को
कोष/पूँजी निधि और देयताएँ			
कोष/पूँजी निधि	1	**5,549.02**	5,110.52
रिज़र्व और अधिशेष	2	**64.26**	59.62
निर्धारित/दान निधियाँ	3	**25,006.48**	21,745.18
वर्तमान देयताएँ और प्रावधान	4	**8,188.51**	8,615.44
कुल		**38,808.27**	35,530.76
संपत्ति			
अचल संपत्ति	5		
सकल खंड		**14,890.84**	14,381.58
कम : मूल्यह्रास निधि		**8,639.88**	7,485.75
		6,250.96	6,895.83
पूँजीगत कार्य प्रगति पर		**923.05**	124.03
		7,174.01	7,019.86
निधियों का निवेश	6	**29,401.12**	25,405.40
वर्तमान सम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	7	**2,233.14**	2,422.18
आय और व्यय लेखे के नामे शेष	2	-	683.32
कुल		**38,808.27**	35,530.76
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	19		
लेखा के अंग के रूप में नोट	20		

दिनांकः 24-06-2011

प्रमाणित

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	नीना बदलानी	एन.वी. पिल्लै	एस.के. बरुआ	वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
प्रबंधक, लेखा एवं अनुपालन	ग्रुप प्रधान, वित्त एवं बजट	मुख्य प्रशासन अधिकारी	निदेशक	महालेखाकार कार्यालय (सिविल लेखापरीक्षा) गुजरात - राजकोट

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद
31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष का आय-व्यय लेखा

(रु. लाखों में)

	अनुसूची	2010-2011	2009-2010
आय			
शुल्क और दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों से अन्य आय	8	**6,159.11**	5,481.14
प्र.वि.का., कार्यक्रमों और परियोजनाओं इत्यादि से आय	9	**5,122.46**	4,062.71
अनुदान	10	**0.00**	0.00
निवेशों पर ब्याज	11	**423.71**	419.97
अन्य ब्याज	12	**9.28**	4.69
अन्य आय	13	**1,117.47**	855.49
निधियों से स्थानांतरण	14	**434.34**	592.70
कुल (क)		**13,266.37**	11,416.70
व्यय			
स्थापना व्यय	15	**4,706.42**	4,943.71
अन्य प्रशासनिक व्यय	16	**1,061.26**	880.86
दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों पर प्रत्यक्ष व्यय	17	**1,878.88**	1,630.10
प्र.वि.का., कार्यक्रमों व परियोजनाओं इत्यादि पर व्यय	18	**3,340.19**	2,866.13
मूल्यह्रास	-	**1,157.44**	1,146.39
कुल (ख)		**12,144.19**	11,467.19
वर्ष (क-ख) के लिए व्यय से अधिक होने पर आय की अधिकता		**1,122.18**	(50.49)
कोष/पूंजी निधियों में स्थानांतरण		**438.50**	-
निवल अधिशेष		**683.68**	(50.49)
तुलनपत्र में आय और व्यय के खाते में लाया गया		**683.68**	(50.49)
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	19		
लेखा के अंग के रूप में नोट	20		

दिनांकः 24-06-2011

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	नीना बदलानी	एन.वी. पिल्लै	एस.के. बरुआ
प्रबंधक, लेखा एवं अनुपालन	ग्रुप प्रधान, वित्त एवं बजट	मुख्य प्रशासन अधिकारी	निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 1: कोष/पूँजी निधि

(रु. लाखों में)

निधि लेखा	1.4.2010 को शेष	वर्ष के दौरान जमा राशि	वर्ष के दौरान नामे राशि	31.3.2011 को शेष
1. सामान्य निधि (कोष)	69.80			69.80
2. धर्मादा निधि (कोष)				
(i) राजस्व अधिशेष	5000.00	438.50 (क)		5,438.50
(ii) धारा 80जी (2) (क) (iii च) के अन्तर्गत दान	9.72			9.72
3. भा.प्र.सं. सोसायटी सदस्यता शुल्क निधि	31.00			31.00
कुल	**5,110.52**	**438.50**	**-**	**5,549.02**
गत वर्ष का योग	5105.52	5.00	-	5,110.52

(क) आय और व्यय के खाते से स्थानांतरित

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	नीना बदलानी	एन.वी. पिल्लै	एस.के. बरुआ
प्रबंधक, लेखा एवं अनुपालन	ग्रुप प्रधान, वित्त एवं बजट	मुख्य प्रशासन अधिकारी	निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 2: रिज़र्व और अधिशेष

(रु. लाखों में)

निधि लेखा	1.4.2010 को जमा शेष	1.4.2010 को नामे शेष	वर्ष के दौरान जमा राशि	वर्ष के दौरान नामे राशि	31.3.2011 को जमा शेष	31.3.2011 नामे शेष
1. सामान्य निधि	59.62		4.29 (क)		63.90	
2. आय और व्यय खाता		683.32	683.68 (ख)		0.36	
कुल	**59.62**	**683.32**	**687.97**		**64.26**	**-**
गत वर्ष का योग	**55.72**	**632.83**	**3.90**	**50.49**	**59.62**	**683.32**

(क) वर्ष के दौरान जमा ब्याज

(ख) आय और व्यय लेखे का वर्ष के स्थानांतरण से अधिशेष

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	नीना बदलानी	एन.वी. पिल्लै	एस.के. बरुआ
प्रबंधक, लेखा एवं अनुपालन	ग्रुप प्रधान, वित्त एवं बजट	मुख्य प्रशासन अधिकारी	निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 3: निर्धारित / दान निधियाँ

(रु. लाखों में)

निधि लेखा	1.4.2010 को शेष	वर्ष के दौरान जमा राशि			वर्ष के दौरान नामे राशि			31.3.2011 को शेष
		ब्याज	अन्य		पूंजीगत व्यय	अन्य		
i) पूँजीगत व्यय के लिए निधियाँ								
भूमि के लिए निधि								
1. गुजरात सरकार द्वारा दान की गई भूमि का मूल्य	90.90							90.90
भवन के लिए निधि								
2. भवन के लिए पूंजीगत निधियाँ	2,107.28	20.09	1,272.00	ङ		19.97	क	3,379.40
फर्नीचर, फिक्चर्स, उपकरण, कम्प्यूटर आदि के लिए निधि								
3. फर्नीचर, फिक्चर्स, उपकरण, कम्प्यूटर आदि के लिए	915.73		40.93	ख		56.89	क	
पूंजीगत निधियाँ						3.53	ग	896.24
4. कैम्पस अवसंरचना और विकास निधि	10,364.18	1,167.50	30.00	झ				11,561.68
ii) सी.आई.आई. के लिए निधियाँ								
1. गुजरात सरकार से - पूंजीगत अनुदान	0.40	0.03						0.43
2. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से - पूंजीगत अनुदान	1.50				3.14			(1.64)
3. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग/वाधवाणी प्रतिष्ठान से - राजस्व अनुदान	10.78					3.88	घ	6.90
4 सीआईआईई कॉन्फरेन्स हॉल का जीर्णोद्धार - सीआईआई से सुनील मेहता	72.12	5.19	3.00	ञ	1.40	2.44	ज	76.47
5 टीडीबी बीज समर्थन अनुदान	0.51	0.04	56.91	ङ		0.04	घ	
			0.25	ञ				57.67
iii) शैक्षणिक गतिविधियाँ								
1. कृषि प्रबंध केन्द्र के कार्यक्रम के लिए निधि	227.00	16.34	18.30	ञ	-	14.52	छ	
			18.02	g		18.24	ज	246.90
2. भारत सरकार के कृषि मंत्रालय से कृषि प्रबंध केन्द्र के लिए निधि	-		134.00	छ		130.50	ञ	
			14.52	झ		18.02	झ	
3. अनुसंधान, प्रकाशन और रूझान क्षेत्र निधि	380.98	18.93	31.80	ञ		56.35	घ	375.36
4. धारा 80 जी (2) (a) (iii च) के अंतर्गत दान	718.30	39.28	197.91	झ		33.81	घ	921.68
5. क्षेत्रीय प्रबंध अध्ययन केन्द्र के लिए दान	58.49	4.22				0.75	घ	61.96
(धर्मादा 6.00 लाख रु. केवल ब्याज का उपयोग किया जाए)								
6. अवसंरचना नीति और विनियमन केन्द्र	7.09	-						7.09

निधि लेखा	1.4.2010 को शेष	वर्ष के दौरान जमा राशि ब्याज	अन्य		वर्ष के दौरान नामे राशि पूंजी व्यय	अन्य		31.3.2011 को शेष
7. शैक्षिक नवीकरण केन्द्र (ब्याज सहित दान)	46.51	3.35				24.93	घ	24.93
8. भूतपूर्व छात्र गतिविधियों के लिए निधि	150.25	10.82	68.61	ञ		54.36	घ	175.32
9. फोर्ड प्रतिष्ठान से *विकल्पा* के लिए निधि	8.20							8.20
10 कम्प्यूटर पर व्यय के लिए निधि	242.45	17.46	281.37	ञ	24.20	127.60	ज	389.48
iv) पद								
1. प्रबंधन संबंधी पद्धतियों के पद (धर्मादा के 291.00 लाख रु. केवल ब्याज का उपयोग किया जाए)	836.90	61.14				29.61	ज	868.43
v) छात्र सहायता								
1) छात्रों की छात्रवृत्ति के लिए धर्मादा निधि (निधियों के निवेश पर ब्याज सहित)	300.13	28.53				15.83	घ	312.83
2. छात्र कल्याण के लिए निधि	84.54		62.56	ञ		26.53	घ	120.57
vi) अन्य निधियाँ								
1. भवन निर्माण अग्रिम निधि (निवेश पर ब्याज सहित)	332.37	22.31	7.93	ट				362.61
2. संकाय एवं कर्मचारियों के वाहन अग्रिम के लिए निधि	40.02	2.51	1.16	ट				43.69
3. पैंशन निधि	635.77	45.78				45.78	ज	635.77
4. सेवा निवृत्ति लाभ निधि	3,915.69	281.93	1.07	ञ				4,198.69
5. फैकल्टी, अधिकारी और स्टॉफ विकास एवं कल्याण निधि	197.09	15.70	48.06	ञ		75.93	घ	184.92
कुल	**21,745.18**	**1,761.15**	**2,288.40**		**28.74**	**759.51**		**25,006.48**
गत वर्ष का योग	19,896.11	1,435.55	1,331.69		56.75	861.93		21,745.18

(क) मूल्यह्रास की सीमा तक आय और व्यय खाते में अन्तरित
(ख) नियत परिसम्पत्तियों की खरीद के लिए विनियोजित
(ग) नियत परिसम्पत्तियों की बिक्री के कारण समायोजन
(घ) वर्ष के दौरान किया गया आवर्ती व्यय
(ङ) कृषि प्रबंध केन्द्र के लिए भारत सरकार की निधि में /से अंतरित
(च) सी.एम.ए. निधि में/से अंतरित
(छ) आय और व्यय खातें में अन्तरित राशि
(ज) वर्ष के दौरान प्राप्त दान
(झ) वर्ष के दौरान प्राप्त आय
(ञ) वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	नीना बदलानी	एन.वी. पिल्लै	एस.के. बरुआ
प्रबंधक, लेखा एवं अनुपालन	ग्रुप प्रधान, वित्त एवं बजट	मुख्य प्रशासन अधिकारी	निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 4: वर्तमान देयताएं और प्रावधान

(रु. लाखों में)

विवरण	31.03.2011 को शेष		31.03.2010 को शेष	
क) वर्तमान देयताएं				
1. सांविधिक देयताएँ				
क) व्यावसायिक कर	**0.13**		0.09	
ख) स्रोत पर काटा गया कर	**41.65**	**41.78**	203.06	203.15
2. अन्य वर्तमान देयताएँ				
क) परियोजना/कार्यक्रम	**2,215.22**		2,203.31	
ख) छात्र	**67.65**		86.46	
ग) व्ययों और अन्यों के लिए बकाया देयताएँ	**1,712.88**		3,426.25	
घ) स्वीकृत जमा	**324.92**		253.52	
ङ) छात्रों के लिए जमा की जाने वाली छात्रवृत्तियाँ	**5.12**	**4,325.79**	3.06	5972.60
ख) प्रावधान				
1. सेवानिवृत्ति लाभ		**3,780.96**		2439.69
2. अन्य		**39.98**		-
कुल		**8,188.51**		8,615.44

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	नीना बदलानी	एन.वी. पिल्लै	एस.के. बरुआ
प्रबंधक, लेखा एवं अनुपालन	ग्रुप प्रधान, वित्त एवं बजट	मुख्य प्रशासन अधिकारी	निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 5: अचल सम्पत्तियाँ

(रु. लाखों में)

अचल और चल सम्पत्तियाँ	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास निधि					शुद्ध ब्लॉक
	1.4.2010 को शेष	वृद्धि	विक्री/ समायोजन	31.3.2011 को शेष	1.4.2010 को शेष	वर्ष के लिए	समायोजन	31.3.2010 को शेष	31.3.2011 को शेष	31.3.2010 को शेष
1. भूमि (गुजरात सरकार से दान में प्राप्त भूमि सहित)	101.73	5.27	0.00	107.00	0.00	0.00	0.00	0.00	107.00	101.73
2. भवन	9,214.84	232.12	0.00	9,446.96	3,881.10	832.16	0.00	4,713.26	4,733.70	5,333.74
3. फर्नीचर और फिक्चर्स	1,373.34	82.08	0.00	1,455.42	588.97	102.86	0.00	691.83	763.59	784.37
4. संयंत्र एवं मशीनरी	1,254.12	97.03	3.54	1,347.61	643.62	104.77	3.31	745.08	602.53	610.50
5. कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	1,369.16	29.13	0.00	1,398.29	1,306.62	52.04	0.00	1,358.66	39.63	62.54
6. गाड़ियाँ	10.36	2.16	0.00	12.52	7.41	0.60		8.01	4.51	2.95
7. पुस्तकालय के लिए पुस्तकें	1,058.03	65.01	0.00	1,123.04	1,058.03	65.01	0.00	1,123.04	0.00	0.00
कुल	**14,381.58**	**512.80**	**3.54**	**14,890.84**	**7,485.75**	**1,157.44**	**3.31**	**8,639.88**	**6,250.96**	**6,895.83**
गत वर्ष का योग	**14,068.74**	**466.37**	**153.53**	**14,381.58**	**6,482.61**	**1,146.39**	**143.25**	**7,485.75**	**6,895.83**	**7,586.13**
रनिंग बिलों के निमित्त भुगतान सहित पूंजीगत कार्य प्रगति पर है ।									923.05	124.03
कुल									**7,174.01**	**7,019.86**

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	नीना बदलानी	एन.वी. पिल्लै	एस.के. बरुआ
प्रबंधक, लेखा एवं अनुपालन	ग्रुप प्रधान, वित्त एवं बजट	मुख्य प्रशासन अधिकारी	निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 6: निधियों का निवेश

(रु. लाखों में)

विवरण	**31.03.2011 को शेष**	31.03.2010 को शेष
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	**20,399.77**	18,797.96
2. अनुसूचित बैंको और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के साथ नियत जमाओं में	**9,002.05**	6,608.19
कुल	**29,401.82**	25,406.15
घटाएं : निवेश के प्रतिदान पर प्रीमियम के लिए प्रावधान	**0.70**	0.75
कुल	**29,401.12**	25,405.40

टिप्पणी		(रु. लाखों में)
उद्धृत निवेशों का अंकित मूल्य	**74.77**	74.77
उद्धृत निवेशों का बाजार मूल्य	**75.04**	75.88
गैर उद्धृत निवेशों का अंकित मूल्य	**29327.05**	25331.38

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	नीना बदलानी	एन.वी. पिल्लै	एस.के. बरुआ
प्रबंधक, लेखा एवं अनुपालन	ग्रुप प्रधान, वित्त एवं बजट	मुख्य प्रशासन अधिकारी	निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 7: वर्तमान सम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम, आदि

(रु. लाखों में)

	31.03.2011 को शेष		31.03.2010 को शेष	
(क) वर्तमान परिसम्पत्तियाँ				
1. वस्तु सूचियाँ				
क) लेखन सामग्री एवं भंडार स्टॉक		**7.97**		7.17
2. उपलब्ध नकदी (अग्रदाय सहित)		**0.25**		0.25
3. शेष डाक टिकट (फ्रेंकिंग मशीन के अग्रिम सहित)		**1.89**		1.45
4. बैंक में शेष				
क) चालू खातों में				
● रुपये खाते में	**457.31**		913.88	
● विदेशी अंशदान खाते में	**61.89**		10.01	
	519.20		923.89	
ख) बचत खातों में				
● रुपये खाते में	**327.11**	**846.31**	34.07	957.96
कुल (क)		**856.42**		966.83
(ख) ऋण, अग्रिम और अन्य सम्पत्तियाँ				
1. ऋण और अग्रिमः				
क) कर्मचारियों को	**36.18**		57.52	
ख) छात्रों को	**8.85**		12.96	
ग) अन्यों को	**321.26**	**366.29**	561.71	632.19
2. प्रतिभूति जमा		**53.05**		53.16
3. सेन्वैट जमा प्राप्य		**172.45**		142.61
4. टी.डी.एस. प्राप्य		**19.76**		23.07
5. प्राप्त आय				
क) प्राप्त ब्याज	**585.91**		399.55	
ख) बकाया आय	**179.26**	**765.17**	204.77	604.32
कुल (ख)		**1,376.72**		1,455.35
कुल (क + ख)		**2,233.14**		2,422.18

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	नीना बदलानी	एन.वी. पिल्लै	एस.के. बरुआ
प्रबंधक, लेखा एवं अनुपालन	ग्रुप प्रधान, वित्त एवं बजट	मुख्य प्रशासन अधिकारी	निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 8: शुल्क और दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों से प्राप्त अन्य आय

(रु. लाखों में)

	2010-2011	2009-2010
क) शुल्क		
I. द्विवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम		
1. स्नातकोत्तर कार्यक्रम - कुल शुल्क	**4,275.19**	3,418.69
घटाएंः पारिवारिक आय से संबद्ध शुल्क छूट	**829.06**	703.91
	3,446.13	2,714.78
2. स्नातकोत्तर कार्यक्रम - कृषि-व्यवसाय प्रबंधन कुल शुल्क	**467.39**	306.39
घटाएंः पारिवारिक आय से संबद्ध शुल्क छूट	**152.75**	121.82
	314.64	184.57
II. एक वर्षीय - स्नातकोत्तर कार्यक्रम		
1. स्नातकोत्तर कार्यक्रम - कार्यकारी	**1,736.92**	1,465.34
2. पीजीपी-पीएमपी	**-**	334.27
ख) प्रबंध में फेलो कार्यक्रम	**166.38**	135.10
ग) सामान्य प्रवेश परीक्षा से प्राप्त आय (शुद्ध)	**283.25**	471.44
घ) नियुक्ति से प्राप्त आय		
1. स्नातकोत्तर कार्यक्रम	**190.39**	164.04
2. स्नातकोत्तर कार्यक्रम - कार्यकारी	**21.40**	11.60
कुल	**6,159.11**	5,481.14

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 9: प्र.वि.का., कार्यक्रमों और परियोजनाओं से प्राप्त आय

(रु. लाखों में)

	2010-2011	2009-2010
क) प्रबंध विकास कार्यक्रमों से आय (एमडीपी)*	**2,055.30**	1,420.53
ख) परामर्श परियोजना से आय	**2,663.77**	2,024.92
ग) अनुसंधान परियोजना से आय	**403.39**	617.26
कुल	**5,122.46**	4,062.71

*फैकल्टी विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.) से प्राप्त आय सम्मिलित है

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 10: अनुदान

(प्राप्त अपरिवर्तनीय अनुदान)

(रु. लाखों में)

	2010-2011	2009-2010
केन्द्रीय सरकार से		
क) मानव संसाधन विकास मंत्रालय से	0.00	0.00
कुल	**0.00**	0.00

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 11: निवेश पर ब्याज

(निर्धारित/दान कोषों से निधियों में अन्तरित निवेश पर आय सहित)

(रु. लाखों में)

	2010-2011	2009-2010
क) ब्याज		
1. बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों के पास नियत जमा पर	**516.55**	637.08
2. सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों/सरकारी प्रतिभूतियाँ के पास बांड	**1,690.65**	1,241.38
कुल - क	**2,207.20**	1,878.46
घटाएँ :		
1. निवेश की पुनः प्राप्ति पर प्रीमियम के लिए उपबंध	**0.05**	0.08
2. निर्धारित एवं दान निधियों में स्थानांतरित	**1,765.44**	1,439.45
3. परियोजना खातों में स्थानांतरित	**18.00**	18.96
कुल - ख	**1,783.49**	1,458.49
आय और व्यय खाते में अन्तरित (क-ख)	**423.71**	419.97

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 12: अन्य ब्याज

(रु. लाखों में)

	2010-2011	2009-2010
क) अनुसूचित बैंकों के पास बचत खातों पर	**9.28**	4.69
कुल	**9.28**	4.69

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 13: अन्य आय

(रु. लाखों में)

	2010-2011	2009-2010
क) पुरानी परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर अधिशेष (अनुदानों से उपार्जित)	**0.28**	6.05
ख) अन्य स्त्रोतों से आय		
1. आई.एम.डी.सी./एम.एस.एच./नए परिसर की सुविधाओं से आय (शुद्ध)	**587.39**	418.60
2. के.एल.एम.डी.सी. से प्राप्ति (शुद्ध)	**210.23**	124.02
3. किराया	**66.19**	40.02
4. उद्योगों से छात्रवृत्ति	**68.15**	4.41
5. रॉयल्टी आय	**32.17**	79.98
6. विविध आय	**153.06**	182.41
कुल	**1,117.47**	855.49

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 14: निधियों से अन्तरण

(रु. लाखों में)

		2010-2011	2009-2010
(किए गए व्यय की अधिकतम सीमा तक)			
1.	कृषि मंत्रालय से निधि और कृषि प्रबंध केन्द्र की निधि से अंशदान	**148.74**	182.01
2.	पद	**29.61**	47.89
3.	विभिन्न पूँजीगत अनुदान (मूल्यह्रास की सीमा तक)	**76.86**	95.77
4.	मूल्यह्रास निधि (परिसंपत्तियों की बिक्री के कारण पुरांकित)	**3.31**	91.14
5.	पेंशन निधि (केवल ब्याज)	**45.78**	44.50
6.	कम्प्यूटर निधि	**127.60**	130.01
7.	अवसंरचना नीति एवं अधिनियम केन्द्र	**2.44**	1.38
कुल		**434.34**	592.70

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 15: स्थापना व्यय

(रु. लाखों में)

		2010-2011	2009-2010
क)	वेतन और मजदूरी	**2,135.73**	2,676.59
ख)	भत्ते और बोनस	**28.33**	30.33
ग)	भविष्य निधि में अंशदान	**57.55**	97.10
घ)	स्टाफ कल्याण व्यय	**63.90**	45.46
ङ)	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभों पर व्यय#	**2,127.38**	1,759.10
	कुल	**4,412.89**	4,608.58
च)	अन्य स्थापना व्यय		
	1. कृषि प्रबंध केन्द्र (सी.एम.ए.)	**133.01**	162.56
	2. परामर्श और अनुसंधान परियोजनाएँ*	**113.41**	102.75
	3. पद (संकाय और स्टाफ)	**28.72**	46.27
	4. केन्द्र गतिविधियाँ	**18.39**	23.55
	कुल	**293.53**	335.13
कुल		**4,706.42**	4,943.71

#पेंशन निधि पर ब्याज से प्राप्त 45.78 लाख रु. सहित (पूर्व वर्ष राशि 44.50 लाख रु.)

*इन परियोजनाओं के लिए भाड़े पर लिए गए अस्थायी अनुसंधान/परियोजना स्टाफ पर वेतन और संबंधित व्यय

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	नीना बदलानी	एन.वी. पिल्लै	एस.के. बरुआ
प्रबंधक, लेखा एवं अनुपालन	ग्रुप प्रधान, वित्त एवं बजट	मुख्य प्रशासन अधिकारी	निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 16: अन्य प्रशासनिक व्यय

(रु. लाखों में)

	2010-2011	2009-2010
क) विद्युत प्रभार (शुद्ध)	**163.22**	157.96
ख) कैम्पस मरम्मत एवं संरक्षण	**247.87**	215.85
ग) फर्नीचर/उपकरण मरम्मत एवं संरक्षण	**46.65**	51.89
घ) यात्रा और वाहन व्यय	**49.10**	51.61
ङ) कम्प्यूटर व्यय	**127.60**	130.01
च) सुरक्षा व्यय	**90.35**	77.00
छ) डाक व्यय, टेलीफोन और संचार प्रभार (शुद्ध)	**35.96**	33.74
ज) कानूनी और व्यावसायिक प्रभार	**18.32**	16.84
झ) बीमा	**5.30**	9.83
ञ) विज्ञापन	**6.69**	4.80
ट) किराया, दरें और कर	**38.32**	36.90
ढ) स्टाफ भोजनालय व्यय	**15.49**	16.28
ड) वाहन संचालन एवं संरक्षण	**1.97**	1.71
ढ) मुद्रण और लेखन सामग्री (शुद्ध)	**19.05**	8.78
ण) लेखापरीक्षक पारिश्रमिक	**2.10**	2.10
त) विविध व्यय	**81.68**	65.56
थ) स्वर्ण जयंती समारोह	**111.59**	**-**
कुल	**1,061.26**	880.86

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	नीना बदलानी	एन.वी. पिल्लै	एस.के. बरुआ
प्रबंधक, लेखा एवं अनुपालन	ग्रुप प्रधान, वित्त एवं बजट	मुख्य प्रशासन अधिकारी	निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 17: दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों पर प्रत्यक्ष व्यय*

(रु. लाखों में)

	2010-2011		2009-2010	
क) स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी)				
I. द्विवर्षीय - स्नातकोत्तर कार्यक्रम				
1. स्नातकोत्तर कार्यक्रम	**588.26**		461.18	
2. स्नातकोत्तर कार्यक्रम - कृषि व्यवसाय प्रबंध	**35.51**	**623.77**	32.43	493.61
II. एक वर्षीय - स्नातकोत्तर कार्यक्रम				
1. पीजीपी - कार्यकारी	**510.33**		294.75	
2. पीजीपी - पीएमपी	**-**	**510.33**	211.18	505.93
ख) प्रबंधन में फेलो कार्यक्रम (एफ.पी.एम.)				
1. एफ.पी.एम. व्यय		**72.11**		**80.70**
ग) छात्रवृत्तियाँ और शिक्षावृत्तियाँ				
1. शैक्षिक छात्रवृत्ति	**71.88**		5.71	
2. पीजीपी फीस के अलावा आवश्यकता आधारित छात्रवृत्तियाँ	**7.80**		4.37	
3. एफ.पी.एम. छात्रों को शिक्षावृत्ति	**303.63**	**383.31**	299.74	309.82
घ) अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ				
1. पुस्तकालय सेवाएँ (पुस्तकों के अतिरिक्त)	**287.12**		239.45	
2. आइ.आइ.एम.ए. बुलेटिन और वैबसाइट; सीडी रोम	**2.24**	**289.36**	0.59	240.04
कुल		**1,878.88**		1,630.10

*आवंटित उपरिव्यय सम्मिलित नहीं हैं ।

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 18: कार्यक्रमों/परियोजनाओं आदि पर व्यय*

(रु. लाखों में)

		2010-2011	2009-2010
1.	परामर्श और अनुसंधान परियोजनाएँ	**2,264.20**	2,038.29
2.	प्रबंध विकास कार्यक्रम (एम.डी.पी.)	**1,017.60**	753.41
3.	कृषि प्रबंध केन्द्र के अन्य व्यय	**15.73**	19.45
4.	केन्द्र गतिविधियाँ	**8.39**	21.94
5.	पद	**0.89**	1.62
6.	आइ.टी. आधुनिकीकरण	**1.63**	1.41
7.	संकाय एवं व्यावसायिक विकास व्यय	**31.75**	30.01
कुल		**3,340.19**	2,866.13

*इनमें वेतन और भत्तों पर हुए व्यय सम्मिलित नहीं हैं, जो स्थापना व्ययों में सम्मिलित किए गये हैं । (अनुसूची-15)

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 19: महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. लेखाकरण परम्परा

1.1 वित्तीय विवरण, जर्नल व पत्रिकाएँ मंगाने व स्टाफ के विकास भत्ता आदि को छोड़कर, ऐतिहासिक लागत परम्परा और लेखाकरण की उपार्जन पद्धति के आधार पर तैयार किए गए हैं ।

1.2 वित्तीय विवरण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिए बृहत् रूप से निर्धारित प्रारूप के आधार पर तैयार किए गए हैं ।

2. वस्तुसूची मूल्यांकन

भंडारों के स्टॉक, लेखन सामग्री आदि की लागत पर मूल्यांकन किया गया है ।

3. नियत परिसम्पतियाँ

नियत परिसम्पतियाँ, अधिग्रहण की लागत पर दर्शायी गई हैं जिनमें किराया, शुल्क और कर व अर्जन से सम्बंधित आकस्मिक तथा प्रत्यक्ष व्यय सम्मिलित हैं। निर्माणाधीन परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-परिचालनात्मक व्यय, पूंजीकृत परिसम्पत्तियों के मूल्य का एक अंग है ।

दान के रूप में प्राप्त नियत परिसंपत्तियों को, पूँजी निधि में संगत जमा द्वारा नियत मूल्य पर पूंजीकृत किया गया है ।

4. मूल्यह्रास

4.1 भवनों पर मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है जबकि अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास, ह्रासित मूल्य पद्धति पर प्रदान किया गया है । मूल्यह्रास की दरें, मुख्य परिसर के भवनों को छोड़कर, आयकर अधिनियम, 1961 में निर्धारित दरों के अनुरूप हैं । भवनों के मामले में जहाँ आवासीय और गैर आवासीय भवनों के अलग आँकड़े उपलब्ध नहीं है और भवनों का मुख्य भाग आवासीय प्रयोजन के लिए है, वहाँ आयकर अधिनियम द्वारा आवासीय भवनों के लिए नियत मूल्यह्रास की दर 5% लगाई गई है, 10% गैर-आवासीय भवनों के लिए नियत दर के बदले में ।

4.2 परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास, जहाँ मदवार वास्तविक लागत रु. 5000 के बराबर या इससे कम है, वहाँ 100% की दर से उपलब्ध कराया गया है ।

4.3 नियत परिसंपत्तियों से संबंधित पूंजी अनुदानों/निधियों (सरकारी और गैर सरकारी) को आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवनकाल पर प्रणालीगत और तर्कसंगत आधार पर इन्हें आय और व्यय लेखे में लिया गया है। इसका तात्पर्य यह है कि दीर्घ अवधियों में पूंजीगत अनुदानों/निधियों को उसी अनुपात में आय में आबंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास लगाया गया है ।

5. राजस्व मान्यता

आजीवन सदस्यता शुल्क, पूँजीगत प्राप्ति के रूप में माने गए हैं और कोष/पूँजीगत निधि के अंतर्गत दर्शाए गए हैं ।

निवेशों पर ब्याज, समय के दौरान वृद्धि के आधार पर माना गया है ।

सिवाय कार्यपालक स्नातकोत्तर कार्यक्रम के, जिसके लिए नामांकन फीस की गणना, शैक्षणिक वर्ष की अवधि के आधार पर की जाती है, छात्रों से ली जाने वाली फीस, समय के दौरान वृद्धि के आधार पर मान्य की जाती हैं।

6. निवेश पर ब्याज

कोष निधि से किए गए निवेश पर प्राप्त ब्याज को, आय और व्यय खाते में डाला गया है ।

प्रायोजित, वृत्तिदान एवं अन्य निधियों से किए गए निवेश पर ब्याज को, संगत निधि के खाते में जमा किया गया है ।

7. विदेशी मुद्रा लेन-देन

विदेशी मुद्रा में किए गए लेन-देनों की गणना, लेन-देन की नियत तारीख को प्रचलित विनिमय दर पर की गई है ।

8. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों की गणना, सरकारी विभागों से प्राप्त मंजूरी के आधार पर की गई है ।

नियत परिसम्पत्तियों के संबंध में अनुदान, पूँजी अनुदान के रूप में माने गए हैं और प्रायोजित निधि शीर्ष के अंतर्गत दर्शाए गए हैं ।

नियत परिसम्पत्तियों के संबंध में अनुदानों को, आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा आय और व्यय के लेखे में परिसम्पत्तियों के उपयोगी जीवनकाल पर प्रणालीगत और तर्कसंगत आधार पर लिया गया है अर्थात् पूंजीगत अनुदान को आय में उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास हुआ है ।

9. निवेश

दीर्घ अवधि के निवेशों को, लागत पर लगाया गया है।

निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किए गए प्रीमियम डिस्काउंट को, परिपक्वता तारीख तक यथानुपात अंतरित किया गया है ।

10. सेवानिवृत्ति लाभ

संचित छुट्टी नकदीकरण लाभ, मृत्यु/सेवानिवृत्ति पर देय ग्रेच्युइटी और पेन्शन की गणना, बीमांकित मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार समय के दौरान वृद्धि के आधार पर किया गया है ।

11. संभावित देयताएँ

सभी ज्ञात देयताओं के लिए प्रावधान किया गया है ।

यदि कोई संभावित देयता है तो उसे लेखा में एक टिप्पणी के रूप में दर्शाया गया है ।

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 20: लेखे के भाग स्वरूप

1. भारत सरकार के अनुदान (योजना और गैर योजना)

1272.00 लाख रु. का भारत सरकार (योजना) से अनुदान ओबीसी के विस्तार के लिए (पिछले वर्ष शून्य) इस वर्ष के दौरान प्राप्त किया गया था।

2. अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध

अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध (शुद्ध अग्रिम) 1360.74 लाख रु. (गत वर्ष 144.68 लाख रु.) है ।

3. संभावित देयताएँ

विवादग्रस्त अतिरिक्त विद्युत शुल्क माँग शून्य (गत वर्ष 34.69 लाख रु.) और विवादग्रस्त सेवा कर माँग 661.99 लाख रु. (गत वर्ष 529.23 रु.) ।

4. वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण और अग्रिम

संस्थान की राय में, वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का, सामान्य कार्य व्यापार के दौरान वसूली पर मूल्य, कम-से-कम तुलनपत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर है ।

5. कराधान

संस्थान ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 (23C) (vi) के अधीन, आयकर मुख्य आयुक्त कार्यालय, अहमदाबाद के दिनांक 31.01.2011 के आदेश संख्या सीसी-IV/एबीडी/10 (23C) सेल/10(23C) (vi)/आईआईएमए/2011 के अनुसार आयकर से छूट प्राप्त कर ली है । इसे देखते हुए, आयकर के लिए कोई भी प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

6. अन्य मदें

6.1 कृषि प्रबंध केन्द्र (सी.एम.ए.) के 148.74 लाख रु. के कुल व्यय में से (गत वर्ष 182.01 लाख रु.), 130.50 लाख रु. (गत वर्ष 155.28 लाख रु.) की पूर्ति कृषि मंत्रालय द्वारा दी गई निधि से और शेष 18.24 लाख रु. (गत वर्ष 26.73 लाख रु.) की पूर्ति संस्थान की स्वयं की निधि (सी.एम.ए. कोष) से की गई है ।

6.2 स्रोत पर काटा गया कर

(रु. लाखों में)

	विवरण	2010-11	2009-10
क)	ब्याज से आय	**0.00**	3.48
ख)	नियोजन से आय	**1.43**	0.86
ग)	प्रबंध विकास कार्यक्रम	**3.16**	2.54
घ)	अन्य से आय	**0.66**	0.41

6.3 विदेशी मुद्रा में व्यय

(रु. लाखों में)

	विवरण	2010-11	2009-10
क)	विदेश यात्रा	**135.50**	86.52
ख)	पुस्तकें और केस सामग्री	**114.48**	103.13
ग)	अन्य	**77.22**	113.83

6.4 विदेशी मुद्रा से आय

(रु. लाखों में)

	विवरण	2010-11	2009-10
क)	परामर्श और अनुसंधान परियोजना से आय	**312.02**	377.56
ख)	नियोजन से आय	**13.89**	12.12
ग)	शुल्क और अन्य आय	**276.06**	193.85

6.5 व्यय के अन्यों के लिए बकाया देयताओं में 164.35 लाख का (पिछले वर्ष शून्य) ओवरड्राफ्ट शामिल होता हैं।

6.6 500 रु. से कम की राशियाँ, जो पृथक रूप से दिखाई जानी चाहिए, वास्तविक रूप में कोष्ठकों में दर्शायी गई हैं ।

6.7 गत वर्ष की तद्नुरूप राशियों को, वर्तमान वर्ष की राशियों के साथ तुलना करने के लिए जहाँ कहीं आवश्यक था, पुनर्वर्गीकृत/ पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

अनुसूची 1 से 20 पर हस्ताक्षर

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	नीना बदलानी	एन.वी. पिल्लै	एस.के. बरुआ
प्रबंधक, लेखा एवं अनुपालन	ग्रुप प्रधान, वित्त एवं बजट	मुख्य प्रशासन अधिकारी	निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद
31 मार्च, 2011 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान

(रु. लाखों में)

	प्राप्तियाँ	2010-11	2009-10		भुगतान	2010-11	2009-10
1.1	**प्रारंभिक शेष**			**2.1**	**भुगतान के लिए नियत**		
1	प्राप्त नकद	0.25	0.25	1	स्थापना व्यय	3325.17	3820.48
2	बैंक शेष			2	प्रशासन व्यय	1061.26	880.86
	- वर्तमान खातों में	923.89	578.06	3	दीर्घ अवधि के कार्यक्रम के व्यय	1878.88	1630.10
	- बचत खातों में	34.07	39.00			**6265.31**	**6331.44**
3	फ्रैंक्रिंग अग्रिम	1.45	0.97	**2.2**	**विभिन्न निधियों में किए गए भुगतान**		
		959.66	**618.28**	1	परियोजना/कार्यक्रम	3340.19	2866.14
1.2	**प्राप्त ब्याज**			2	शैक्षणिक क्रियाकलाप	170.20	115.49
1	निवेशों पर	2002.84	1844.69	3	छात्र अनुदान	42.36	42.52
2	बचत बैंक खाते पर	9.28	4.69	4	संकाय एवं स्टॉफ विकास निधि	75.93	54.72
3	ऋणों, अग्रिमों आदि पर	9.09	8.89	5	सीआईआई निधि	3.92	5.18
		2021.21	**1858.27**			**3632.60**	**3084.05**
1.3	**प्राप्त अनुदान**			**2.3**	**निवेश (शुद्ध)**	**3995.77**	**5344.20**
1	ओबीसी अनुदान	1272.00	0.00	**2.4**	**नियत परिसंपत्तियों की खरीद**	**1311.82**	**537.27**
2	टीडीबी मूल सहायता अनुदान	56.91	0.00	**2.5**	**वस्तुसूची में परिवर्तन**	**0.80**	**-**
3	भारत सरकार द्वारा सीएमए कोष	134.00	162.00	**2.6**	**ऋण एवं अग्रिम**		
		1462.91	**162.00**	1	सैनवैट	29.84	29.06
1.4	**प्राप्त अन्य आय**			2	सांविधिक बकाया/प्राप्य टीडीएस	203.15	13.29
1	शुल्क	6184.62	5375.41	3	प्रतिभूति जमा	-	41.60
2	परियोजना/कार्यक्रम/सेवाएँ	5134.65	4088.07	4	स्वीकृत जमा राशियाँ	-	79.28
3	परिसंपत्तियों की बिक्री	0.28	8.17			**232.99**	**163.23**
4	दान	227.91	440.33	**2.7**	**वर्तमान देयताओं में परिवर्तन**		
5	विविध प्राप्तियाँ	1117.19	849.44	1	परियोजना/कार्यक्रम एवं अन्य देयताएँ	1718.21	-
6	सीआईआई कोष से आय	3.25	4.63	**2.8**	**अंतिम शेष**		
7	कंप्यूटर सेंटर प्राप्तियाँ	281.37	238.15	1	प्राप्त नकद	0.25	0.25
8	शैक्षणिक क्रियाकलापों से प्राप्तियाँ	118.71	203.47	2	बैंक शेष		
9	छात्र सहायता निधि	62.56	56.94		- वर्तमान खातों में	519.20	923.89
10	सेवा-निवृत्ति लाभ निधि	1.07	20.61		- बचत खातों में	327.11	34.07
11	आईआईएम सोसायटी सदस्यता	0.00	5.00	3	फ्रैंकिंग अग्रिम	1.89	1.45
12	संकाय, अधिकारी और स्टाफ विकास एवं कल्याण निधि	48.06	71.44			**848.45**	**959.66**
		13179.67	**11361.66**				
1.5	**वस्तु सूची में परिवर्तन**	**0.00**	**8.37**				
1.6	**वर्तमान परिसंपत्तियों में परिवर्तन**						
1	टीडीएस धनवापसी	3.31	0.00				
2	ऋण एवं अग्रिम	265.90	24.85				
3	सांविधिक बकाया राशि	41.78	0.00				
4	स्वीकृत जमा राशि	71.40	0.00				
5	प्रतिभूति जमा राशि	0.11	0.00				
		382.50	**24.85**				
1.7	**वर्तमान देयताओं में परिवर्तन**						
1	परियोजना/कार्यक्रम एवं अन्य देयताएं	0.00	2386.42				
	कुल	**18005.95**	**16419.85**		**कुल**	**18005.95**	**16419.85**

दिनांक: 24-06-2011

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	नीना बदलानी	एन.वी. पिल्लै	एस.के. बरुआ
प्रबंधक, लेखा एवं अनुपालन	ग्रुप प्रधान, वित्त एवं बजट	मुख्य प्रशासन अधिकारी	निदेशक